राष्ट्रीय संस्करण

शाह रुख, विक्रांत व रानी को सर्वश्रेष्ठ कलाकार का राष्ट्रीय पुरस्कार ›› 14

वर्ष 9 अंक 52

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, शनिवार, 2 अगस्त, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

भारत समेत 70 देशों पर ट्रंप का टैरिफ वार

भारत पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाने का एलान, सात अगस्त से होगा प्रभावी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कार्यकारी आदेश में जुर्माने के रूप में अतिरिक्त शुल्क का उल्लेख नहीं
- म्यांमार को छोड़ सभी पड़ोसी देशों की अपेक्षा भारत पर सबसे अधिक शुल्क
- कनाडा पर टैरिफ 25 से बढ़ाकर 35 प्रतिशत किया, ब्राजील पर 50 प्रतिशत

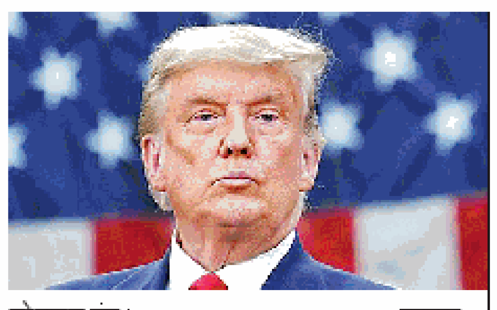

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत 70 देशों के लिए नई शुल्क व्यवस्था (टैरिफ) से संबंधित कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके तहत भारत से आयात होने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क लगाया गया है। नए शुल्क पहले एक अगस्त से लागू होने थे, पर अब ये सात अगस्त, 2025 से लागू होंगे। ट्रंप ने रूस से तेल व सैन्य उपकरण खरीदने के लिए भारत पर अतिरिक्त पेनाल्टी की भी घोषणा की थी, पर कार्यकारी आदेश में इसका कोई विवरण नहीं है। इसमें पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत, श्रीलंका व बांग्लादेश पर 20-20, अफगानिस्तान पर 15 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है। पड़ोसी देशों में सिर्फ म्यांमार पर भारत से ज्यादा 40 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है। अमेरिका के प्रमुख रणनीतिक साझीदार देशों के संगठन क्वाड के अन्य दो सदस्य देशों जापान (15 %) व आस्ट्रेलिया (10 %) पर भी शुल्क दर भारत से कम है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को 'पारस्परिक शुल्क दरों को और संशोधित करने' के शीर्षक से एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। यह आदेश तब जारी किया गया, जब भारत समेत कई देशों से अमेरिका व्यापार वार्ता कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत को सबसे ज्यादा शुल्क वाले देशों में रखा है। हालांकि अप्रैल में जब ट्रंप ने विभिन्न देशों के लिए पारस्परिक शुल्क की घोषणा की थी, तब भारत के लिए 26 प्रतिशत शुल्क का एलान किया था। बहरहाल, ट्रंप के इस कदम को अमेरिकी साम्राज्यवाद के नए दौर के तौर पर देखा जा रहा है। इस से वैश्विक आर्थिकी में भारी उथल-पुथल मचने की संभावना है।

भारत के प्रतिस्पर्धी देशों पर भी कम शुल्क: अमेरिकी सरकार के उक्त नए कार्यकारी आदेश में शुल्क की सूची देखें तो अमेरिका के विशाल बाजार में भारत की जिन देशों का साथ प्रमुख तौर पर प्रतिस्पर्द्धा होती है, उन पर ट्रंप ने कम शुल्क लगाए हैं। वियतनाम पर 20 प्रतिशत; इंडोनेशिया, मलयेशिया, फिलीपींस पर 19-19 प्रतिशत शुल्क लगाया है। अमेरिका में इलेक्ट्रानिक्स, टेक्सटाइल, मशीनरी जैसे उपकरणों के निर्यात के लिए भारत को इन सभी देशों से मुकाबला करना पड़ता है।

वार्ता पूरी होने पर शुल्क दरों में बदलाव संभव : आदेश में ट्रंप प्रशासन ने साफ कहा है कि जिन देशों के साथ अभी वार्ता चल रही है, उनके साथ वार्ता संपन्न होने पर शुल्क दरों में बदलाव हो सकता है। भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता अगस्त के अंत में दिल्ली में फिर से शुरू होगी, जिसमें भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच शामिल होंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन पर नहीं खोले अपने पत्ते

राष्ट्रपति ट्रंप ने कार्यकारी आदेश में चीन पर अपने पत्ते नहीं खोले हैं। चीन के साथ अमेरिका सबसे ज्यादा व्यापार करता है। ट्रंप प्रशासन ने चीन को शुल्क समझौता करने के लिए 12 अगस्त तक का समय दिया है। दोनों देशों ने इस संबंध में मई-जून में अस्थायी समझौता किया था। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि वे समझौते की दिशा में प्रगति कर रहे हैं।

भारत की संयमित प्रतिक्रिया

ट्रंप प्रशासन के फैसले पर भारत ने संयमित प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत व अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है, जो साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संपर्कों पर आधारित है। हम राष्ट्रीय हितों के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे।' कहा, भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में पहले भी कई तरह की चुनौतियां आई हैं, जिनका सही तरीके से समाधान किया गया है। यह संबंध आगे भी मजबूत रहेंगे।

जो देश नहीं झुके, उन पर ज्यादा शुल्क पेज»11

बुलंदशहर हिंसा में पांच दोषियों को आजीवन और 33 को सात-सात वर्ष का कारावास

बुलंदशहर हिंसा के दोषी राहुल, प्रशांत नट, डेविड, लोकेंद्र मामा और जानी। जागरण

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर

2018 में गोवंशियों के अवशेष मिलने पर उन्मादी भीड़ ने फूंक दी थी पुलिस चौकी

- हिंसा में कोतवाल सुबोध कुमार और एक व्यक्ति की चली गई थी जान
- दोषियों में जिपं सदस्य, ग्राम प्रधान व भाजपा मंडल अध्यक्ष भी शामिल

लगभग साढ़े छह साल की सुनवाई के बाद अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) गोपाल जी ने शुक्रवार को उन्मादी भीड़ की हिंसा के मामले में 38 दोषियों को सजा सुनाई। इसमें बुलंदशहर जिले में स्याना के कोतवाल सुबोध कुमार की हत्या के मामले में पांच दोषियों को आजीवन कारावास एवं बीस-बीस हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। जानलेवा हमले, पथराव एवं बलवे के दोषी भाजपा नेता सचिन अहलावत व जिला पंचायत सदस्य योगेश राज समेत 33 दोषियों को सात-सात वर्ष के कारावास और सात-सात हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

अधिवक्ता यशपाल सिंह राघव ने बताया कि तीन दिसंबर, 2018 को स्याना कोतवाली की चिंगरावठी पुलिस चौकी के गांव महाव में गोवंशियों के अवशेष मिलने पर उन्मादी भीड़ ने हिंसा और आगजनी की थी। इसमें कोतवाल सुबोध कुमार और युवक सुमित कुमार की मौत हो गई थी। सरकार ने सीओ राघवेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में एसआइटी गठित कर जांच के आदेश दिए थे। एसआइटी ने 3,200 पेज की केस डायरी अदालत में दाखिल की। एसआइटी ने 44 आरोपितों के खिलाफ 127 पेज के दो आरोप-पत्र पांच मार्च, 2019 और 13 मार्च, 2019 को दाखिल किए। सुनवाई के दौरान पांच आरोपितों की मौत हो गई। एक बाल अपचारी होने के कारण उसका केस बाल किशोर न्यायालय में विचाराधीन है। बुधवार को एडीजे-12 कोर्ट के न्यायाधीश गोपाल जी ने पांच दोषियों को उन्मादी भीड़ द्वारा की गई हिंसा और कोतवाल की हत्या का दोषी करार दिया। 33 को बलवा, पथराव, जानलेवा हमला का दोषी करार दिया था।

शुक्रवार को न्यायाधीश ने उन्मादी भीड़ द्वारा की गई हिंसा और कोतवाल की हत्या के दोषी प्रशांत नट, जोनी, लोकेंद्र, राहुल और डेविड को आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। 33 दोषियों को सात-सात वर्ष के कारावास और सात-सात हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायाधीश ने धनराशि का 80 प्रतिशत मृतक कोतवाल की पत्नी रजनी और 20 प्रतिशत धनराशि राजकोष में जमा कराने के आदेश दिए हैं।

हिंसा ने दोषियों को दिलाया राजनीतिक मुकाम

इस वारदात के दोषियों को राजनीतिक मुकाम भी मिला। योगेश राज जिला पंचायत सदस्य तो सतेंद्र लौंगा का ग्राम प्रधान निर्वाचित हुआ। वहीं, सचिन अहलावत भाजपा के बीबीनगर मंडल का दो बार अध्यक्ष बना। हालांकि, सचिन के दोषी करार होने पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने उसे पद से हटा दिया है। जिला पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधान के सजायाफ्ता होने पर दोनों को पद से विमुक्त किए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हिंसा में पुलिस ने 44 आरोपितों को जेल भेजा था। वहीं, पुलिस ने बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक योगेश राज को हिंसा भड़काने का मुख्य आरोपित बनाया था। जमानत पर रिहा होने के बाद योगेश ने जिला पंचायत पद के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और जीत भी दर्ज की। सतेंद्र राजपूत भी जमानत मिलने के बाद प्रधानी का चुनाव लड़ा।

कसम के कारण पत्नी और बेटों ने नहीं की पुलिस में नौकरी पेज»5

यात्रा

आसमान को छूने का अहसास चाहिए तो शाली टिब्बा आएं

शिमला : यदि आप शिमला घूमने आए हैं और आध्यात्मिक प्रवृत्ति के होने के साथ ट्रेकिंग के भी शौकीन हैं तो आपको शाली टिब्बा की यात्रा शांति के साथ सुकून भी देगी। ● पेज-7

संपादकीय

सभी शिक्षा संस्थानों में लागू हो नई शिक्षा नीति : पांच वर्ष पुरानी नई शिक्षा नीति का उद्देश्य देश के शिक्षा जगत में एक ऐसा प्राणतत्व फूंकना है, जिससे सच्चे भारतीय मन की पीढ़ी विकसित हो सके। **बद्री नारायण** का दृष्टिकोण।

धैर्य और संकल्प की अद्भुत कहानी : महिला विश्व शतरंज चैंपियन की कमी पूरी होना इसलिए खास है, क्योंकि शतरंज दुनिया का बहुत ही लोकप्रिय खेल है। **विशाल सरीन** का आलेख। ● पेज-8

विमर्श

धरती का त्वरित एवं व्यापक निरीक्षण : पृथ्वी पर पारिस्थितिकी में परिवर्तन से पैदा होने वाली संभावित चुनौतियों के प्रति निसार हमें समय रहते सतर्क कर सकता है। **अभिषेक कुमार सिंह** का दृष्टिकोण।

कट्टरता की राह पर बांग्लादेश : शेख हसीना को सत्ताच्युत करने और मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद से बांग्लादेश में कट्टरता बढ़ रही है। **प्रेम प्रकाश** का आलेख। ● पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

जोश नई राहों का

मार्केटिंग तय करेगी आपकी सफलता

जीके और करंट अफेयर्स की स्मार्ट तैयारी

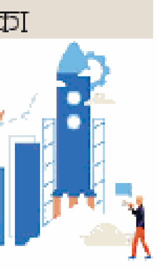

● पेज-13

धरने पर बैठने वाले बयान के लिए कंगना पर चलेगा केस

चंडीगढ़ : पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने बठिंडा की अदालत में उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत रद करने की मांग की थी। याचिका खारिज होने के बाद कंगना के खिलाफ मानहानि मामले में मुकदमा चलेगा। (पेज-6)

फर्जी मुठभेड़ में सात की हत्या में तत्कालीन एसएसपी व पांच दोषी

तरनतारन : गुरुवार को मोहाली की सीबीआइ कोर्ट ने सेवानिवृत्त एसएसपी भूपिंदरजीत, डीएसपी दविंदर, इंस्पेक्टर सूबा सिंह, एएसआइ गुलबर्ग सिंह और रघबीर सिंह को दोषी पाया है। 12 जुलाई, 1993 में तरनतारन में हुई फर्जी मुठभेड़ में तीन स्पेशल पुलिस अफसरों सहित सात को मौत के घाट उतार दिया था। (पेज-7)

भाजपा के लिए 'वोट चोरी' कर रहा चुनाव आयोग, कांग्रेस के पास सुबूतों का 'एटम बम' : राहुल गांधी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा-सुबूतों का एटम बम फटेगा, तो आयोग के लिए नहीं बचेगी छिपने की जगह
- चुनाव आयोग को दी चेतावनी-जो लोग भी इस कृत्य में शामिल हैं, उन्हें छोड़ेंगे नहीं

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, कर्नाटक से लेकर बिहार तक वोटर लिस्ट में धांधलियों का दावा कर रहे लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने अब सीधे-सीधे चुनाव आयोग पर भाजपा के लिए 'वोट चोरी' का गंभीर आरोप लगाया है। कहा, इस वोट चोरी को साबित करने के लिए उनके पास सुबूतों का परमाणु बम है। जब यह फटेगा तो चुनाव आयोग के पास देश में कहीं भी छिपने की जगह नहीं बचेगी। बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) का सड़क से संसद तक विरोध कर रहे राहुल ने चुनाव आयोग को चेतावनी देते हुए कहा, आयोग में ऊपर से लेकर नीचे तक जो लोग भी देशद्रोह के इस कृत्य में शामिल हैं, हम उन्हें छोड़ेंगे नहीं।

चुनाव आयोग की ओर से शुक्रवार को बिहार की मतदाता सूची का ड्राफ्ट जारी किए जाने के संबंध में पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए संसद परिसर में राहुल गांधी ने कहा, वोट चोरी हो रही है। हमारे पास स्पष्ट प्रमाण है कि चुनाव आयोग इसमें शामिल है। मैं यह बात 100 प्रतिशत प्रमाण के साथ कह रहा हूं। जैसे ही हम इसे जारी करेंगे पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग 'वोट चोरी' में लिप्त है। वह भाजपा के लिए ऐसा कर रहा है। कहा, उनकी पार्टी को 2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव व गत वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में धांधली का संदेह था। महाराष्ट्र में यह संदेह और भी बढ़ गया।

महाराष्ट्र चुनाव में धांधली का दावा करते हुए राहुल ने कहा, राज्य स्तर पर वोट चोरी हुई है। मतदाता पुनरीक्षण हुआ, जिसमें करोड़ों मतदाता जोड़े गए थे। फिर देखा कि चुनाव आयोग मदद नहीं कर रहा है। तो हमने इसकी गहराई से जांच करने का फैसला किया। अपनी जांच करवाई, जिसमें छह माह लगे, और जो मिला है, वह एक परमाणु बम है। जब यह फटेगा तो चुनाव आयोग के पास छिपने की जगह नहीं होगी।

उन्होंने कथित वोट चोरी में संलिप्त अफसरों को चेतावनी देते हुए कहा, जो लोग ऊपर से नीचे तक इसमें शामिल हैं, एक बात याद रखिए, कुछ भी हो जाए हम आपको छोड़ेंगे नहीं। यह देशद्रोह से कम नहीं है। आप कहीं भी हो बख्शे नहीं जाएंगे। चाहे रिटायर हो जाएं, हम आपको ढूंढ निकालेंगे। कर्नाटक के चुनाव में आयोग द्वारा कथित तौर पर की गई धांधली को सार्वजनिक करने की बात भी उन्होंने कही। कांग्रेस ने कर्नाटक की मतदाता सूची में हुई धांधली का पांच अगस्त को पर्दाफाश करने का एलान कर रखा है। राहुल की अगुआई में बेंगलुरु में चुनाव आयोग के खिलाफ बड़े प्रदर्शन की भी तैयारी चल रही है।

कांग्रेस नेता के आरोप निंदनीय, बेतुके और धमकाने वाले : चुनाव आयोग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आयोग ने कर्मचारियों व अधिकारियों से कहा, ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानों पर मत दीजिए ध्यान
- आयोग ने राहुल से आरोपों से जुड़ा दस्तावेज मांगा, लेकिन न तो वह खुद आए और न ही जवाब दिया

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार किया है। कांग्रेस नेता के आरोपों को निंदनीय, बेतुका व धमकाने वाला करार देते हुए कहा, ऐसे गैर-जिम्मेदाराना बयानों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। आयोग ने चुनाव कार्यों में लगे अधिकारियों-कर्मियों को ऐसे भ्रामक बयानों पर ध्यान नहीं देने की सलाह दी।

चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने बयान जारी कर कहा, आयोग ऐसे सभी गैर-जिम्मेदाराना बयानों को नजरअंदाज करता है और अपने सभी कर्मचारियों-अधिकारियों से निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करते रहने का अनुरोध करता है। राहुल गांधी ने कभी भी आयोग को किसी भी मुद्दे पर आज तक कोई पत्र नहीं भेजा है। आयोग उन्हें 12 जून को पत्र और मेल के जरिये अपने आरोपों से जुड़े दस्तावेज आयोग को मुहैया कराने के लिए बुला चुका है। पर न तो वह आए न ही कोई जवाब दिया।

आयोग ने इसके साथ ही राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर वोट चोरी करने वाले बयान वाले वीडियो को फैक्ट चेक में डालते हुए उसे भ्रामक बताया है। कहा, उन्होंने महाराष्ट्र में भी ऐसे तथ्यहीन आरोप लगाए थे, जो जांच में गलत पाए गए हैं। कर्नाटक में गड़बड़ी का जो आरोप लगाया गया, वह भी तथ्यहीन है।

उपराष्ट्रपति पद का चुनाव नौ सितंबर को, नतीजे भी उसी दिन

नई दिल्ली : चुनाव आयोग ने शुक्रवार को देश के 17वें उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। नामांकन प्रक्रिया सात अगस्त से शुरू होगी, जबकि मतदान नौ सितंबर को होगा और उसी दिन नतीजे भी आ जाएंगे। नामांकन की अंतिम तारीख 21 अगस्त तक की है। उपराष्ट्रपति के लिए यह चुनाव 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ की ओर से अचानक स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए दिए गए इस्तीफे के बाद कराया जा रहा है। (पेज-3)

रूस के पास परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करेगा अमेरिका

टोरंटो : अमेरिका रूस के पास परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के निकटवर्ती क्षेत्रों में दो परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दिया है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की धमकियों के जवाब में ट्रंप ने यह कदम उठाया है। ट्रंप ने मेदवेदेव के बयानों को बेहद भड़काऊ बताया। ट्रंप ने शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में यह जानकारी दी है। (पेज-11)

बिहार में 65 लाख से ज्यादा नाम मतदाता सूची से बाहर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- मतदाता चुनाव आयोग की वेबसाइट पर शनिवार से देख सकते हैं अपना नाम
- अब 7.24 करोड़ मतदाताओं के नाम, पूर्व में यह संख्या थी 7.90 करोड़

विनोद सिंह गुंजियाल। फाइल

बिहार में एक महीने के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के उपरांत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को राज्य के 243 विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूची का प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशित कर दिया। सूची में सात करोड़ 24 लाख मतदाताओं के नाम हैं। इसके पूर्व यहां 7.90 करोड़ मतदाता थे। सभी जिलों में डीएम को भी इसकी सूची सौंपी गई है। डीएम ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जिलाध्यक्षों को सूची की हार्ड-साफ्ट कापी व छूटे मतदाताओं की सूची सौंपी है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर कोई भी मतदाता अपना नाम अपने बूथ की सूची में देख सकता है।

इधर, मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मतदाता सूची के प्रारूप के बारे में जानकारी दी। राजनीतिक दलों से कहा गया कि अगर किसी मतदाता का नाम सूची में शामिल नहीं है, तो उसका आवेदन शनिवार से आयोजित होने वाले विशेष कैंप में जमा कराने में सहयोग करें। अभी अंतिम मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए एक माह का समय है। शनिवार से मतदाताओं से दावा-आपत्ति (नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधित करने) की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालय व निकाय कार्यालयों में विशेष शिविर लगाया जाएगा।

65.63 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर: निर्वाचन विभाग ने स्पष्ट किया है कि 24 जून से अब तक करीब 65.63 लाख मतदाताओं का नाम ड्राफ्ट लिस्ट में सम्मिलित नहीं किया जा सका है। जिनका नाम लिस्ट में नहीं है उसमें 22.34 लाख का निधन हो चुका है। 7.01 लाख लोगों के नाम दो या दो से ज्यादा जगह दर्ज हैं। साथ ही 36.28 लाख लोग बिहार से स्थायी रूप से प्रवासन कर चुके हैं या उनका पता नहीं चल सका है। 1.2 लाख लोगों के फार्म तीन बार बीएलओ के घर जाने के बाद भी नहीं मिला है।

(संबंधित समाचार पेज-4 पर)

हवाई बात

पिछले चार-पांच दशक में कई बार पाकिस्तान में बड़े पेट्रोलियम भंडार मिलने का किया गया दावा, असल में अभी तक नहीं मिला भंडार का पुख्ता सुबूत, इमरान की सार्वजनिक घोषणा भी निकली झूठी

शिगूफा से ज्यादा कुछ नही है ट्रंप की पाकिस्तान में तेल खोजने की बात

जयप्रकाश रंजन ● जागरण

नई दिल्ली : पाकिस्तान के साथ दोस्ती की पींगे बढ़ा रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वहां तेल खोजने का दावा केवल एक शिगूफा के समान प्रतीत होता है। इससे पहले भी पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान, सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ और तानाशाह जिया उल हक ने अपने-अपने कार्यकाल में पाकिस्तान में बड़े पेट्रोलियम भंडार खोजने का दावा किया था, पर ये दावे कभी वास्तविकता में नहीं बदले। यह ध्यान देने योग्य है कि इंटरनेशनल एनर्जी फोरम, ब्रिटिश पेट्रोलियम और ओपेक जैसी एजेंसियों की अब तक की किसी भी रिपोर्ट में पाकिस्तान में उल्लेखनीय पेट्रोलियम भंडार का कोई प्रमाण नहीं है।

वहीं, इन एजेंसियों की पिछली कई रिपोर्टों में भारत में अभी तक की खोजों के आधार पर यहां 4.73 अरब बैरल कच्चा तेल और 1138.6 अरब घन मीटर गैस होने के वैज्ञानिक दावे को सही ठहराया गया है। वर्ष 2024 में एसएंडपी की एक रिपोर्ट में भारत के चार नए तेल ब्लाकों महानदी, अंडमान, बंगाल व केरल-कोंकण में 22 अरब बैरल कच्चा तेल होने की बात कही गई थी।

ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञ तथा भाजपा नेता नरेन्द्र तनेजा ने कहा, 'तेल की दुनिया में कहावत है-यहां तेल 80 प्रतिशत राजनीतिक है, पर जिस तरह से ट्रंप पाकिस्तान में तेल भंडार को लेकर बात कर रहे हैं, उससे लगता है कि यहां 99 प्रतिशत राजनीति हो रही है। तेल जगत में इसे कोई गंभीरता से नहीं ले रहा।'' पाकिस्तान सरकार गत एक वर्ष से बड़े तेल भंडार मिलने का दावा कर रही है, पर इसकी प्रामाणिकता पर कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई है। गत 20 वर्षों में कई बार पाकिस्तान में बड़े तेल या प्राकृतिक गैस के भंडार मिलने की बात की गई, जो कभी प्रमाणित नहीं हुई। कई विदेशी कंपनियां खोज में असफल होने के बाद वहां से जा चुकी हैं।' मार्च 2019 में इमरान खान ने कराची के पास बड़े गैस भंडार की खोज का दावा किया था। इमरान जिस गैस ब्लाक की बात कर रहे थे, वहां अमेरिकी कंपनी एक्सोनमोबिल और इटली की कंपनी ईएनआइ खोदाई कर रहे थे। वहां कुछ नहीं मिला और अब काम बंद हो चुका है। हालांकि तुर्किए के साथ मिलकर कराची से दूर समुद्री इलाके में नए सिरे से तेल खोजने का काम शुरू किया गया है। पाकिस्तान सरकार की आधिकारिक रिपोर्ट में 2016 में दावा किया गया कि उसके पास 35.5 करोड़ बैरल का प्रमाणित तेल भंडार है, जबकि भारत के पास प्रमाणित भंडार 4.73 अरब बैरल है। असलियत में पाकिस्तान का तेल उत्पादन लगातार कम हो रहा है।

पाकिस्तानी मीडिया को ही तेल भंडार की बात पर भरोसा नहीं

विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'दैनिक जागरण' से कहा, "अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के अलावा और कोई नहीं है जो इस बात पर विश्वास करेगा कि पाकिस्तान में तेल का बड़ा भंडार है। यदि ऐसा होता, तो अमेरिकी तेल कंपनियां पाकिस्तान के बाजार से नहीं भागतीं।" पाकिस्तान के मीडिया ने भी इस दावे पर संदेह जताया है, तभी तो एक प्रमुख समाचार पत्र ने शुक्रवार को लिखा कि पाकिस्तान में बड़ा तेल भंडार खोजना एक कल्पना है।' ज्ञात हो, राष्ट्रपति ट्रंप ने एक दिन पहले कहा कि अमेरिका की तेल कंपनियों ने पाकिस्तान में बड़ा तेल भंडार खोजने का समझौता किया है। उन्होंने पाकिस्तान में निकाले गए तेल को भारत को बेचने की बात भी कही है।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना दुष्कर्म के मामले में दोषी करार

- विशेष अदालत ने जदएस से निलंबित नेता को घरेलू सहायिका से दुष्कर्म का दोषी ठहराया

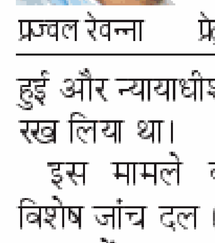

प्रज्वल रेवन्ना प्रेट्र

पूर्व पीएम देवेगौड़ा के पौत्र प्रज्वल को आज सुनाई जाएगा सजा

बेंगलुरु, प्रेट्र : पूर्व सांसद और जदएस से निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना को शुक्रवार को विशेष अदालत ने घरेलू सहायिका से दुष्कर्म का दोषी करार दिया। पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा के पौत्र प्रज्वल के खिलाफ यौन शोषण व दुष्कर्म के चार मामले दर्ज हैं, जिनमें से एक में यह फैसला सुनाया गया है। विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट शनिवार को सजा सुनाएंगे।

यह मामला 48 वर्षीय महिला से जुड़ा है, जो हासन जिले के गन्निकाडा स्थित प्रज्वल के पारिवारिक फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। 2021 में उसके साथ हासन और बेंगलुरु स्थित आवास में दुष्कर्म किया गया। प्रज्वल ने इस घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकार्ड कर लिया था। जज द्वारा दोषी करार दिए जाने पर प्रज्वल रो पड़े। मामले की सुनवाई 18 जुलाई को पूरी हुई और न्यायाधीश ने आदेश को सुरक्षित रख लिया था।

इस मामले की जांच करने वाले विशेष जांच दल (एसआइटी) ने सितंबर 2024 में 113 गवाहों के बयानों के साथ 1,632 पृष्ठों का आरोपपत्र दायर किया था। यह मामला पिछले साल अप्रैल में प्रकाश में आया था, जब लोकसभा चुनाव से पहले यौन उत्पीड़न के वीडियो लीक हो गए थे।

****

10 अगस्त शाम 4:59 बजे तक कामन सीट एलोकेशन सिस्टम के तहत छात्र मिड एंट्री विकल्प के तहत करा सकेंगे पंजीयन

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 2 अगस्त, 2025

आज का मौसम

बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और दोपहर बाद या शाम के समय हल्की वर्षा होने की भी संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
2 अगस्त	35.0	25.0
3 अगस्त	33.0	25.0
नोएडा		
2 अगस्त	32.0	26.0
3 अगस्त	33.0	26.0
गुरुग्राम		
2 अगस्त	29.0	25.0
3 अगस्त	28.0	25.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

अब 31 अगस्त तक मिलेगी संपत्तिकर में छूट

नई दिल्ली: दिल्ली में अग्रिम संपत्तिकर जमा करने पर 10 प्रतिशत की छूट को अब 31 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है। पहले यह छूट 31 जून तक ही मिलती रही थी लेकिन पिछले माह 31 जुलाई किया गया था। इसके बाद अब यह पहला मौका है जब दूसरी बार यह 10 प्रतिशत की छूट का विस्तार किया गया है। महापौर राजा इकबाल सिंह ने बताया कि बड़ी संख्या में करदाता आगे आ रहे हैं जिसके चलते ये फैसला किया गया है। (जासं)

एनआइओएस के तहत 11 अगस्त तक होंगे आवेदन

नई दिल्ली: शिक्षा निदेशालय ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआइओएस) प्रोजेक्ट के तहत 10वीं में दाखिले की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब सरकारी स्कूलों के इच्छुक छात्र 11 अगस्त 2025 तक आनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इससे पहले यह आखिरी तारीख 31 जुलाई 2025 निर्धारित की गई थी। शिक्षा निदेशालय के अधिकारी के मुताबिक जिन छात्रों का प्रवेश छूट गया था उन्हें आवेदन का एक और मौका मिलेगा। (जासं)

500 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन कल

नई दिल्ली: केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल रविवार को दिल्ली विधानसभा परिसर में दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उदघाटन करेंगे। इसमें पहली 500 किलोवाट क्षमता वाले रूफटाप सोलर पावर प्लांट है और दूसरी ई-विधान (पेपरलेस विधानसभा प्रणाली)। इसके अंतर्गत नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) का एक ट्रायल रन भी होगा। इसके बाद दिल्ली विधानसभा देश की उन विधायी संस्थाओं में शामिल हो जाएगी जो पूरी तरह सौर ऊर्जा पर कार्य करेगी। (राब्यू)

डीयू में नए सत्र की शुरुआत, उत्साह भरे चेहरों के दिखे अनुपम अंदाज

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय में शुक्रवार से नया सत्र शुरू हो गया है। हालांकि कुछ कालेजों में ओरिएंटेशन कार्यक्रम सोमवार को प्रस्तावित हैं फिर भी विश्वविद्यालय के कई परिसरों में पहले दिन छात्रों की हलचल देखने को मिली। खासतौर पर उत्तर और दक्षिण परिसर के कालेजों में नए छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था। स्टाइलिश आउटफिट के साथ विद्यार्थी पहले दिन पहुंचे थे।

छात्रों के चेहरों पर जहां एक ओर नए सफर की खुशी थी, वहीं दूसरी ओर अनजान शहर में खुद को स्थापित करने की चुनौती भी झलक रही थी। दिल्ली-एनसीआर के छात्र तो अकेले आए लेकिन दूसरे राज्यों से आए छात्र अपने माता-पिता के साथ पहुंचे। इनमें से कई छात्र छात्रावास की तलाश में भटकते नजर आए। मिरांडा हाउस ने शुक्रवार को नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत हो गई। प्राचार्या प्रो. विजयलक्ष्मी नंदा ने बताया कि 30 और 31 जुलाई को दीक्षा आरंभ कार्यक्रम के तहत छात्राओं व अभिभावकों को परिसर घुमाया गया। उन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में बताया गया। वरिष्ठ छात्राओं और छात्र संघ के साथ संवाद सत्र आयोजित हुए, जिससे सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बना। पर्यावरण के प्रति जागरूकता दर्शाते हुए ''एक पौधा लगाओ'' अभियान चलाया गया जिसमें छात्राओं को पौधा दिया गया जिसे वे घर में लगाएं। सबसे पहले कालेज पहुंचने वाली छात्रा को 'द मिरांडा क्रॉनिकल - डॉटर्स ऑफ इंडिपेंडेंस' पुस्तक भेंट की गई। रामजस कालेज के प्राचार्य प्रो. अजय अरोड़ा ने कहा, शुक्रवार को विभागीय स्तर पर आरिएंटेशन कार्यक्रम हुए। वहीं किरोड़ीमल कालेज के प्राचार्य प्रो. दिनेश खट्टर ने कहा, छात्र अभी पहुंच रहे हैं और कालेज के बारे में बताया जा रहा है।

कॉलेज में लौटी रौनक : शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस में शैक्षणिक की सत्र शुभारंभ होने के पहले दिन ओरिएंटेशन प्रोग्राम के बाद हो रही रिमझिम फुआर में कुछ इस अंदाज में आनंद लेते विद्यार्थी। चंद्र प्रकाश मिश्र

तीसरे राउंड से पहले मिड एंट्री की सुविधा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

8 अगस्त को खोली जाएगी मिड एंट्री, 15 को जारी होगी ईसीए व स्पोर्ट्स की सीट आवंटन सूची

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में स्नातक में प्रवेश के लिए तीसरे राउंड की घोषणा कर दी गई है। पहले और दूसरे राउंड में दाखिला लेने वाले छात्रों को अब अपनी सीट अपग्रेड करने और प्राथमिकताओं को पुनः व्यवस्थित करने का आखिरी अवसर मिलने जा रहा है। डीयू इस संबंध में दो अगस्त को शाम पांच बजे से विंडो खोलेगा जो तीन अगस्त तक खुली रहेगी।

इस विंडो के जरिये छात्र पहले से चुने गए कालेज व कोर्स की प्राथमिकताओं को दोबारा क्रमबद्ध कर सकेंगे। इसके बाद उन्हें पांच अगस्त शाम पांच बजे तक अपग्रेडेड सीट आवंटित की जाएगी। कालेज की ओर से दस्तावेज सत्यापन और दाखिले की स्वीकृति की प्रक्रिया पांच अगस्त शाम से छह अगस्त शाम 4:59 बजे तक चलेगी। छात्र सात अगस्त शाम 4:59 बजे तक फीस जमा कर सकेंगे। डीयू ने तीसरे राउंड की भी घोषणा कर दी है। प्रदर्शन आधारित प्रोग्राम जैसे संगीत, बैचलर आफ फाइन आर्ट्स, फिजिकल एजुकेशन व वार्ड कोटा के दाखिले के पहले राउंड की शुरुआत 13 अगस्त से होगी, वहीं ईसीए (सांस्कृतिक गतिविधियां), स्पोर्ट्स और सीडब्ल्यू (बलिदानियों के परिवार) कोटे के तहत दाखिले के लिए पहले राउंड की शुरुआत 15 अगस्त से की जाएगी। सीट आवंटन सूची भी जारी की जाएगी।

मिड एंट्री: छूटे हुए छात्रों के लिए आखिरी मौका : जिन छात्रों ने पहले या दूसरे राउंड में आवेदन नहीं किया था या किसी कारणवश प्रक्रिया को पूरा नहीं कर सके थे, उनके लिए डीयू मिड एंट्री का विकल्प लेकर आया है। इस विकल्प के तहत छात्र आठ अगस्त शाम पांच बजे से 10 अगस्त शाम 4:59 बजे तक कामन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) के तहत पंजीकरण कर सकेंगे। मिड एंट्री के लिए छात्रों को 1,000 रुपये शुल्क का भुगतान करना होगा। जिन छात्रों का विषय-मैपिंग या कार्यक्रम विशेष पात्रता के कारण आवेदन अस्वीकृत हो गया था, वे भी इस अवसर का लाभ लेकर अपनी प्राथमिकताओं और विषय संबंधी विवरण को सुधार सकेंगे।

खाली सीटों की जानकारी आठ अगस्त को: डीयू ने घोषणा की है कि दो राउंड की दाखिला प्रक्रिया के बाद उपलब्ध खाली सीटों की सूची आठ अगस्त को शाम 5 बजे जारी की जाएगी। इसी आधार पर छात्र तीसरे राउंड के लिए अपनी प्राथमिकताओं का चयन करें। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि छात्रों को अपनी वरीयताओं को सेव करना न भूलें, अन्यथा उनका चयन प्रभावित हो सकता है।

सरकार का डीडीए सहित सभी विभागों को निर्देश– एक भी झुग्गी न तोड़ी जाए

राहत ▶ कहा, जरूरत हुई तो बदलेंगे झुग्गी बस्तियों पर बनी नीति, जाएंगे कोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी की झुग्गी बस्तियों को लेकर निर्णायक फैसले लिए हैं। उन्होंने रेलवे, डीडीए सहित सभी सरकारी विभागों को निर्देश जारी किए हैं कि दिल्ली में कोई भी झुग्गी न हटाई जाए। यदि विकास कार्य आदि को लेकर झुग्गी हटाई भी जाती है तो पहले उन्हें वैकल्पिक आवास दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी के बाहरी इलाकों में सालों पहले बने करीब 50 हजार मकानों को संवारकर उन्हें भी झुग्गी वालों को देने का निर्णय कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने दो निर्णय और लिए हैं। उनका कहना है कि जरूरत पड़ी तो सरकार झुग्गी बस्तियों पर बनी नीति में बदलाव करेंगी और झुग्गी वालों का आवास बचाने के लिए कोर्ट भी जाएंगी। मुख्यमंत्री का कहना है कि दिल्ली में बसी झुग्गियां देश की राजधानी का एक अनिवार्य अंग हैं। इनका दिल्ली में वर्षों से निवास हैं। विपक्षी पार्टी ने हमेशा से ही झुग्गी वालों को वोट बैंक की राजनिति में फंसाए रखा लेकिन हमारी सरकार उन्हें सही मायनों में दिल्ली का निवासी बनाने के लिए लगातार गंभीर प्रयास कर रही है। झुग्गी वालों को स्थायित्व देने के लिए ठोस निर्णय लिए जा रहे हैं।

रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के बाहरी इलाकों में सालों पहले बने करीब 50 हजार फ्लैटों को कुछ साल पहले जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत बनाया गया था लेकिन दुख की बात यह है कि गरीबों व झुग्गी बस्तियों के हितों का दावा करने वालीं दिल्ली की पूर्व सरकारों ने इनका आवंटन नहीं किया, जिसके चलते यह फ्लैट रहने लायक नहीं रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब इन फ्लैटों को पीएमएवाई-यू (प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी) के अंतर्गत झुग्गी वालों का देने का निर्णय ले लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेएनएनयूआरएम के तहत दिल्ली सरकार के दो विभाग ड्यूसिब व डीएसआइआइडीसी को करोड़ों रुपये दिए गए थे लेकिन पिछली सरकारों ने इनका उपयोग ही नहीं किया। लिहाजा यह धनराशि (करीब 732 करोड़ रुपये) वापस केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय को वापस की जानी थी लेकिन केंद्र सरकार ने इस राशि को जर्जर फ्लैट को संवारने पर रजामंदी दे दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुख की बात यह है कि इंदिरा, राजीव आदि के नाम पर झुग्गी बस्ती बसाने वाली कांग्रेस पार्टी ने इन्हें कोई सुविधा नहीं दी।

नई दिल्ली ताज मान सिंह में नरेडको के राष्ट्रीय सम्मेलन में ब्रोशर जारी करतीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और विकास मंत्री कपिल मिश्रा। जागरण

झुग्गी झोपड़ी बस्तियों का परिदृश्य

- वर्तमान में दिल्ली में कुल 675 बस्तियां हैं
- इन बस्तियों में लगभग 3.06 लाख झुग्गियां हैं
- कुल 804.5 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर फैली इन बस्तियों में से लगभग 50 प्रतिशत डीडीए की जमीन पर बनी हैं

23 प्रतिशत सरकारी/पब्लिक सेक्टर अथवा निजी जमीनों पर झुग्गी बस्तियां हैं

22 प्रतिशत दिल्ली नगर निगम व ड्यूसिब जैसी एजेंसियों की जमीनों पर हैं

जिलों के अनुसार झुग्गी बस्तियों की संख्या

उत्तर दिल्ली 109, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में 34, उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 6, मध्य दिल्ली में 92, शाहदरा में 54, नई दिल्ली में 49, पूर्वी में 43, पश्चिमी दिल्ली 68, दक्षिणी दिल्ली में 30, दक्षिण-पश्चमी दिल्ली में 46, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में 144 (कुल-675)

'बच्चों के लिए हल्के में नहीं लिए जा सकते साइबर स्पेस में फैले खतरे'

विनीत त्रिपाठी ● जागरण

▶ **पाक्सो मामले में दोषी अपीलकर्ता की याचिका खारिज करते हुए अदालत ने की टिप्पणी**

नई दिल्ली : दिल्ली हाई कोर्ट ने बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल स्पेस की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक युग में सुरक्षा केवल भौतिक स्थान तक सीमित नहीं रह सकती। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की पीठ ने कहा कि साइबर स्पेस में मौजूद खतरों को कभी भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। इससे होने वाले नुकसान को इस तर्क से कम नहीं किया जा सकता कि कोई शारीरिक संपर्क नहीं हुआ।

पाक्सो मामले में दोषी की अपील याचिका को खारिज करते हुए अदालत ने अहम टिप्पणियां कीं। कहा कि आज के समय में बच्चे शैक्षिक जरूरतों के लिए डिजिटल स्पेस में काफी समय बिता रहे हैं। डिजिटल दुनिया की मांग है कि वहां की सुरक्षा को बढ़ाया जाए। कोरोना महामारी के बाद मोबाइल फोन और इंटरनेट का उपयोग सीखने के लिए आवश्यक साधन बन गया है, और इसके दुरुपयोग को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। तकनीक का दुरुपयोग कर बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाया जा सकता है, जो कई बार शारीरिक हमले से भी अधिक गंभीर होता है।

पेश मामले में पीड़िता की मां ने शिकायत की थी कि नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली उसकी बेटी के मोबाइल पर 22 सितंबर 2016 को छेड़छाड़ की गई फोटो भेजी गई थी, जिसमें बेटी का चेहरा एक नग्न तस्वीर के साथ लगाया गया था। धमकी दी गई थी कि अगर उसकी मांग नहीं पूरी की गई तो इसे इंटरनेट मीडिया व फेसबुक पर प्रसारित कर देगा। रोहिणी कोर्ट ने दिसंबर 2024 में आरोपित राजेश गंभीर को दोषी करार दिया था। राजेश ने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

पीठ ने कहा कि एक बार बनाई गई विकृत तस्वीर किसी बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य, गरिमा और प्रतिष्ठा को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकती है। इस तरह का डर युवा मन को आतंकित करने के लिए पर्याप्त है। अदालत ने अभियोजन पक्ष की गवाही, विशेषज्ञ साक्ष्य और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर मामले को संदेह से परे साबित करने में सफल पाया। अदालत ने यह भी कहा कि साइबर स्पेस में बच्चों के खिलाफ अपराधों को अत्यंत गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

दिल्ली हाई कोर्ट। फाइल

मंडियों में भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा प्रबंधन सुदृढ़ करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

▶ **मंडियों के समग्र विकास, आधुनिकीकरण और संचालन व्यवस्था को लेकर विकास मंत्री ने ली समीक्षा बैठक**

विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने शुक्रवार को सचिवालय में राजधानी की मंडियों के समग्र विकास, आधुनिकीकरण और संचालन व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इसमें विकास आयुक्त के साथ दिल्ली कृषि विपणन बोर्ड के उपाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं के हित में मंडियों को अधिक सशक्त, सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाना रहा।

बैठक में बोर्ड के उपाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत आजादपुर मंडी सहित अन्य मंडियों की स्वच्छता से संबंधित निरीक्षण रिपोर्ट पर विस्तार से चर्चा की गई। रिपोर्ट में विशेष रूप से आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों की निगरानी और कार्यक्षमता बढ़ाए जाने पर जोर रहा और इस दिशा में समस्या समाधान के लिए ठोस निगरानी व्यवस्था बनाए जाने और मंडियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त करने, साफ-सुथरा रखने और तकनीक के साथ जोड़ने के मंत्री कपिल मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए।

मंडियों में अवैध अतिक्रमण और आवारा पशुओं की समस्या पर भी व्यापक चर्चा हुई। साथ ही मंडियों में उत्पन्न होने वाले ठोस एवं जैविक कचरे के निस्तारण के लिए एक प्रस्तावित दीर्घकालिक योजना पर भी विमर्श हुआ।

मंत्री ने प्रत्येक मंडी की बुनियादी संरचना जैसे सीवर व्यवस्था, सड़कों की स्थिति, जलापूर्ति और ड्रेनेज की भी समीक्षा की। सीसीटीवी निगरानी प्रणाली की स्थिति पर भी बात हुई। मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी मंडियों में कैमरे लगाए जाएं और एक केंद्रीकृत नियंत्रण कक्ष के माध्यम से मंडी परिसर में हो रही हर एक गतिविधि पर निगरानी रखी जाए। मंडियों के गेट प्रबंधन को सुदृढ़ करने के लिए भी एक नई योजना बनाए जाने पर चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि घोषणाओं को तय समय के भीतर पूरा किया जाए और प्रगति रिपोर्ट भी यथासमय प्रस्तुत की जाए।

वरिष्ठ वकीलों पर दिल्ली हाई कोर्ट के नियम के खिलाफ अर्जी खारिज

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट के उस नियम को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया जो दूसरे राज्यों के सेवानिवृत्त जजों को राष्ट्रीय राजधानी में वरिष्ठ वकील पद के लिए आवेदन करने से रोकता है।

दिल्ली हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता पद नियम, 2024 का नियम 9बी वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में पदनाम चाहने वाले सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों की पात्रता से संबंधित है और दूसरे राज्यों के सेवानिवृत्त जजों को इसके लिए आवेदन करने से रोकता है। चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायिक सेवाओं से सेवानिवृत्त विजय प्रताप सिंह द्वारा दायर अर्जी को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट के नियम बरकरार रखने के निर्णय को चुनौती दी थी। सिंह ने दावा किया था कि यह नियम संवैधानिक दुर्बलता से ग्रस्त है जिसका बिलकुल भी समर्थन नहीं किया जा सकता क्योंकि यह वर्ग के अंदर वर्ग का निर्माण करता है।

नया सचिवालय बनाए जाने की घोषणा, तलाशी जाएगी भूमि

राज्य ब्यूरो, जागरण.नई दिल्ली

▶ **महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय की खराब स्थिति देख मुख्यमंत्री ने की घोषणा**

▶ **सभी विभाग एक ही छत के नीचे होने से प्रशासनिक कामकाज में तेजी आएगी**

▶ **परिवहन, लोक निर्माण विभाग सहित कई अन्य विभाग भी हैं दिल्ली सचिवालय से बाहर**

दिल्ली सरकार का नया सचिवालय बनेगा। इसके लिए भूमि की तलाश शीघ्र शुरू की जाएगी। दिल्ली सरकार के सभी विभाग एक ही छत के नीचे होने से प्रशासनिक कामकाज में तेजी आने के साथ ही आम नागरिकों की परेशानी दूर होगी। लगभग तीन वर्ष पहले भी आइटीओ के नजदीक दिल्ली सचिवालय के लिए 1,900 करोड़ रुपये की लागत से दो इमारत बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया था परंतु उस पर काम नहीं हो सका। अब नए सिरे से इस दिशा में काम शुरू होगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कश्मीरी गेट स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग परिसर से 'दिल्ली को कूड़े से आज़ादी' अभियान की शुरुआत करते हुए कार्यालय की जर्जर स्थिति पर गहरी नाराजगी जताई। कहा, कार्यालय की छतों से पानी टपक रहा है, फर्नीचर जर्जर है, बैठने के लिए ठीक से कुर्सी नहीं, अलमारियां टूटी हुई हैं और पंखे कभी भी गिर सकते हैं। इस इमारत में 2021 में आग लगी थी और आज तक पूरी तरह से मरम्मत नहीं हुई। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, अपने कार्यालय पर 70 करोड़ रुपये खर्च करने वाले इन विभागों पर दो-चार करोड़ रुपये भी नहीं लगा सके। दिल्ली के सभी विभागों के लिए एक नया, सुव्यवस्थित और एकीकृत सचिवालय बनाने की आवश्यकता है। तत्काल इस दिशा में कदम उठाएंगे। नए सचिवालय के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान की जाएगी।

लोक निर्माण विभाग, परिवहन विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम विभाग, आपदा प्रबंधन, दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड, दिल्ली जल बोर्ड सहित दिल्ली सरकार के कई विभागों के कार्यालय सचिवालय के बाहर हैं। इससे लोगों को परेशानी होती है। बैठक और अन्य आवश्यक कार्य के लिए इन विभागों के अधिकारियों को दिल्ली सचिवालय आने में समय की बर्बादी होती है। एक ही छत के नीचे सभी कार्यालय स्थित होने से यह परेशानी दूर होगी। दिल्ली के सभी 11 राजस्व जिलों में भी मिनी सचिवालय बनाने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

कश्मीरी गेट में आइएसबीटी स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग में 'दिल्ली को कूड़े से आज़ादी' अभियान के तहत कबाड़ हो चुके सामान को देखती मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। जागरण

दिल्ली सचिवालय का भवन भूकंप की दृष्टि से असुरक्षित

दिल्ली सचिवालय यमुना किनारे इंदिरा गांधी स्टेडियम के बगल में स्थित है। पहले इसे प्लेयर बिल्डिंग कहा जाता था। 1982 में एशियाई खेल के समय खिलाड़ियों के ठहरने के लिए इसे होटल के रूप में तैयार किया गया था। बाद में सिविल लाइंस के विधानसभा भवन स्थित सचिवालय को इस भवन में स्थानांतरित कर दिया गया। यहां मुख्यमंत्री सहित 19 विभागों के कार्यालय हैं। दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश पर वर्ष 2023 में जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता द्वारा इस भवन का संरचनात्मक आडिट किया गया था। इसकी रिपोर्ट के अनुसार भूकंप की दृष्टि से यह असुरक्षित है।

सफलता

इस तकनीक के जरिए दुश्मन ड्रोन को मार गिराने की जगह बनाया जाएगा बंदी, भारत की रक्षा व ड्रोन सुरक्षा के दृष्टिकोण से इसे जुगाप्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने किया है तैयार

विकसित की गई 'ड्रोन हंटर' तकनीक, दुश्मन ड्रोन बनाएगी बंदी

अनूप कुमार सिंह ● जागरण

▶ **यह ड्रोन-रोधी प्रणाली 24 घंटे हवाई खतरों से सुरक्षा प्रदान करती है**

▶ **इसे रक्षा व ड्रोन सुरक्षा के दृष्टिकोण से तैयार किया गया है और यह सौ प्रतिशत स्वदेशी है**

नई दिल्ली : भारत-पाकिस्तान के बीच हालिया युद्ध आपरेशन सिंदूर में 'ड्रोन हमलों' की चर्चा सबसे अधिक रही। दोनों तरफ से मिसाइल और युद्धक विमानों के हवाई हमलों से कहीं ज्यादा ड्रोन हमले हुए। भारत ने अपने मिसाइल हमलों से बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था। अब भारत ने उन्नत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) आधारित ऐसी ड्रोन-रोधी प्रणाली 'ड्रोन हंटर, स्काईनेराड एटू' विकसित की है जो दुश्मन ड्रोन को मार गिराने की बजाए उसे निष्क्रिय कर बंदी बनाएगी। यह सीमा सुरक्षा संग हवाई अड्डे, बिजली संयंत्र आदि को ड्रोन हमलों से बचाने के लिए चौबीस घंटे हवाई सुरक्षा प्रदान करता है।

बता दें, इसका मल्टीलेयर सिस्टम कई स्थानों पर एक साथ निगरानी करने, दोस्त व दुश्मन की पहचान करने में दक्ष है। पांच किलोमीटर की ऊंचाई पर कार्रवाई करने में सक्षम ड्रोन हंटर का मानिटरिंग पैनल खतरा भांपने के साथ ही तीन मिनट में ही दुश्मन के ड्रोन को बंदी बना धरती पर ले आता है। इसमें लेजर गन को जोड़े जाने का विकल्प भी है। यह सीमा सुरक्षा-आंतरिक रक्षा में भारत की स्वदेशी तकनीकी क्षमता को दर्शाती यह प्रणाली सभी के आकर्षण का केंद्र है। पोर्टेबल होने के कारण इसे एक घंटे में कहीं भी आसानी से तैनात किया जा सकता है। यही वजह है कि भारत मंडपम दिल्ली में चल रहे दसवें दो दिवसीय पुलिस व होमलैंड सिक्योरिटी एक्सपो में ड्रोन-रोधी प्रणाली स्काईनेराड एटू ने भविष्य के रक्षा-सुरक्षा उपकरण के तौर पर सेना-पुलिस के साथ-साथ सभी का ध्यान खींचा है।

एआइ आधारित होगी यह प्रणाली। फाइल

भविष्य में लेजर व हाई पावर माइक्रोवेव से किया जा सकता है लैस

जुगाप्रो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने इसे बनाया है। जुगाप्रो के प्रतिनिधि पवन कक्कड़ ने बताया कि यह प्रणाली रडार, रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) सेंसर, सिग्नल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रो-आप्टिक (ईओ) उपकरणों का उपयोग कर एआइ की मदद से ड्रोन जैसे हवाई खतरों की पहचान कर व्यवस्था को सतर्क करती है जो दुश्मन के ड्रोन्स को पकड़ने के लिए उन्नत जैमिंग सिस्टम व ड्रोन हंटर नामक काइनेटिक किल मैकेनिज्म (एक तरह का बेहद मजबूत प्लास्टिक नेट का जाल) का उपयोग करती है। जो यह भी सुनिश्चित करता है कि उसकी कार्रवाई से नागरिक क्षेत्रों को कोई नुकसान न हो। बताया कि ड्रोन हंटर तैनात के क्षेत्र अनुसार खतरे के पैटर्न को भांपने और विशेषज्ञों की सलाह के आधार पर उस अनुरूप कार्रवाई करने में भी सक्षम है। सिस्टम कमांड और कंट्रोल सेंटर्स के साथ एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआइ) के जरिए भविष्य में इसमें लेजर, हाई-पावर माइक्रोवेव (एचपीएम) और बैलिस्टिक इंटरसेप्टर्स से भी सुसज्जित किया जा सकता है जो इसकी डाटा साझा करने और फोरेंसिक और निगरानी व खुफिया क्षमता को बढ़ा देगा जो भारतीय सेना की सामरिक क्षमता का विस्तार कर उसे मजबूत बनाएगा। बताया कि भारतीय सेना के साथ कंपनी का सहयोग है और वह सेना की आवश्यकता के अनुसार कार्य कर रही है।

रेलवे स्टेशनों के साथ ट्रेनों में शुरू हुआ स्वच्छता अभियान

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

▶ **1 से 15 अगस्त और 16 अगस्त से 31 अक्टूबर तक चलेगा अभियान**

▶ **सफाई के साथ ही रेलकर्मियों व यात्रियों को किया जाएगा जागरूक**

रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों में सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए एक पखवाड़े का विशेष स्वच्छता अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान में रेलवे परिसरों व ट्रेनों में साफ सफाई के साथ ही रेलवे कर्मियों और उनके स्वजन व यात्रियों को स्वच्छता को लेकर जागरूक किया जाएगा। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इस अभियान की शुरुआत की। उन्होंने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

उन्होंने स्टेशन पर प्रयोग में लाई जा रही सफाई मशीनों का भी निरीक्षण किया। यात्रियों से बातचीत कर स्वच्छता के बारे में सुझाव लिए। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली पुष्पेश रमण त्रिपाठी, रेलवे बोर्ड और उत्तर रेलवे के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सहित अन्य अधिकारियों ने अलग-अलग रेलवे स्टेशनों पर श्रमदान और पौधारोपण किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुरू किया गया यह अभियान दो चरण में चलेगा। नुक्कड़ नाटक व अन्य माध्यमों से रेल कर्मियों और यात्रियों को जागरूक किया जाएगा।

पहला चरण 1 अगस्त से 15 अगस्त तक और दूसरा चरण 16 अगस्त से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों, आवासीय कालोनी, सहित सभी कार्य स्थलों की सफाई की जाएगी।

****

28 जुलाई 2025 तक 79.71 करोड़ आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) बनाए गए हैं। साथ ही लगभग 65.09 करोड़ लोग हेल्थ रिकार्ड से जुड़े हैं।

उपराष्ट्रपति पद का चुनाव नौ सितंबर को, उसी दिन नतीजे भी आएंगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- चुनाव आयोग ने जारी की उपराष्ट्रपति निर्वाचन कार्यक्रम की अधिसूचना
- सात अगस्त से शुरू होगा नामांकन, 21 अगस्त तक कर सकेंगे नामांकन

देश का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा, इसका फैसला नौ सितंबर को हो जाएगा। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को देश के 17वें उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए अधिसूचना जारी कर दी। नामांकन की प्रक्रिया सात अगस्त से शुरू होगी जो 21 अगस्त तक चलेगी। मतदान नौ सितंबर को होगा और उसी दिन नतीजे भी आ जाएंगे। उपराष्ट्रपति के लिए यह चुनाव 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ की ओर से अचानक स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए दिए गए इस्तीफे के बाद कराया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति पद के लिए जारी निर्वाचन कार्यक्रम के तहत नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को होगी, जबकि नाम वापसी की अंतिम तिथि 25 अगस्त तय की गई है। वहीं, मतदान नौ सितंबर को सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक होगा। इसके तुरंत बाद मतगणना होगी। चुनाव आयोग के मुताबिक, उपराष्ट्रपति के लिए सिर्फ उन्हीं प्रत्याशियों का नामांकन वैध माना जाएगा, जिनके नामांकन पत्र पर 20 सांसद प्रस्तावक होंगे। 20 अन्य सांसदों का समर्थक के रूप में हस्ताक्षर होगा।

यहां होगा मतदान

आयोग ने इस दौरान उपराष्ट्रपति के लिए मतदान होने की स्थिति में संसद भवन के कमरा नंबर एफ-101 वसुधा प्रथम तल पर मतदान केंद्र बनाया है। मतदान के दिन इस जगह पर वोट डाले जाएंगे।

इस चुनाव में लोकसभा व राज्यसभा दोनों ही सदनों के सदस्य मतदान में हिस्सा ले सकेंगे। वैसे तो दोनों सदनों की कुल सदस्य संख्या 788 है पर मौजूदा समय में इनकी कुल संख्या 782 है। इनमें लोकसभा के 542 व राज्यसभा के 240 सदस्य हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा लेने वाले मतदाताओं की सूची तैयार कर ली गई है, जिन्हें सूची की जरूरत हो, सौ रुपये देकर इसे प्राप्त कर सकते हैं।

ज्ञात हो, चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर प्रक्रिया तब शुरू की थी, जब 22 जुलाई को धनखड़ के इस्तीफे को गृह मंत्रालय ने अधिसूचित कर दिया था। इसके साथ ही इस पद को रिक्त घोषित कर दिया गया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राजनीतिक दल जारी नहीं कर सकते व्हिप : उपराष्ट्रपति चुनाव की घोषणा के साथ ही चुनाव आयोग ने इससे जुड़े नियमों को भी जारी किया है। चुनाव में हिस्सा लेने वाले सांसदों को लेकर कोई भी दल व्हिप जारी नहीं कर सकता। यानी दोनों सदनों के सदस्य स्वेच्छा से वोट कर सकते हैं। वहीं चुनाव गुप्त मतपत्र के जरिये होगा। यदि कोई भी इस गोपनीयता का उल्लंघन करता है तो पीठासीन अधिकारी उसके मतपत्र को रद कर देंगे।

मतदान के दौरान प्रत्याशियों के सामने प्राथमिकता अंकित करना होता है, जो अंतरराष्ट्रीय रूप में रोमन रूप में या किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय भाषाओं के रूप में चिन्हित किया जा सकता है। यह केवल अंकों में ही रहेगा। इसे शब्दों में नहीं प्रदर्शित किया जा सकता। मत चिन्हित करने के लिए आयोग की ओर मतदाताओं को एक विशेष पेन दिया जाएगा। मत पत्र पर सिर्फ इसी पेन से चिन्हित की गई प्राथमिकताएं मान्य होंगी। किसी अन्य पेन का उपयोग नहीं किया जा सकता।

साझा उम्मीदवार तय करने के लिए विपक्षी दलों में चर्चा शुरू

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- विपक्ष 16 अगस्त के बाद करेगा अपने प्रत्याशी का एलान
- संख्या बल में एनडीए भारी, पर विपक्षी खेमा चुनाव रोचक बनाने के प्रयास में

उप राष्ट्रपति पद के चुनाव की घोषणा के साथ ही सत्तापक्ष और विपक्ष में उम्मीदवार तय करने की सियासी चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। इसके साथ ही लगभग तय है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्षी आइएनडीआइए गठबंधन का साझा उम्मीदवार सत्ताधारी एनडीए प्रत्याशी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरेगा। विपक्षी दलों ने संकेत दिए हैं कि उपराष्ट्रपति पद के लिए आइएनडीआइए के उम्मीदवार की घोषणा 16 अगस्त के बाद किया जाना लगभग तय है।

चुनाव आयोग की ओर से उपराष्ट्रपति चुनाव की तारीखों का एलान किए जाने के बाद विपक्षी गठबंधन की तैयारियों के संबंध में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सहयोगी दलों के साथ इस पर प्रारंभिक चर्चा शुरू हो गई है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 21 अगस्त है, इसलिए स्वतंत्रता दिवस समारोह के बाद आपसी सहमति से संयुक्त उम्मीदवार का एलान करने के लिए विपक्षी दलों के पास पर्याप्त समय है।

विपक्ष ने तय किया है कि हम सम्मानजनक मुकाबले के लिए तैयार हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा तथा राज्यसभा के सांसद मतदान करते हैं और दोनों सदनों में एनडीए-भाजपा के पास बहुमत है। लोकसभा और राज्यसभा के कुल 788 सांसदों की संख्या में वर्तमान में 782 सांसद हैं। इसमें लोकसभा में एनडीए के पास 293 सांसद हैं तो आइएनडीआइए गठबंधन के 232 सदस्य हैं। जबकि राज्यसभा में एनडीए के पास 133 तो विपक्षी गठबंधन के खेमे में 107 सांसद हैं। इस तरह संख्या बल के लिहाज से उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की जीत लगभग तय है। लेकिन बीजू जनता दल, वाइएसआर कांग्रेस तथा भारत राष्ट्र समिति जैसे कुछ क्षेत्रीय दल जो दोनों खेमे के हिस्सा नहीं हैं, उनका रुख चुनाव को रोचक जरूर बना सकता है। विपक्षी दलों की कोशिश होगी कि ऐसे उम्मीदवार को मैदान में उतारा जाए कि इन दलों का समर्थन जुटाने के साथ ही भाजपा के सहयोगी दल तेलगुदेशम तथा जदयू को भी असहज किया जाए।

केएमएससीएल ने सीडीएल प्रमाणपत्र के बिना नहीं खरीदे रेबीज टीके : नड्डा

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि केरल मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन (केएमएससीएल) ने केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला (सीडीएल) से बैच रिलीज प्रमाण पत्र के बिना रेबीज वैक्सीन की खरीद या वितरण नहीं किया है।

नड्डा ने कहा, केएमएससीएल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार,निविदा वर्ष 2016-17 से उनके द्वारा खरीदे व वितरित किए गए सभी रेबीज टीकों और इक्वाइन एंटी-रेबीज इम्यूनोग्लोबुलिनों के लिए सीडीएल, कसौली से बैच रिलीज प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया है। केएमएससीएल ने प्रमाण पत्र के बिना किसी भी बैच की खरीद या वितरण नहीं किया है। टीकों व नई दवाओं के निर्माण या आयात के लिए, निर्माताओं व आयातकों को औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम-1940 और नियमों में तय गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों का पालन करना जरूरी है। नड्डा ने बताया कि देश में निर्मित या आयातित टीकों की बिक्री-वितरण से पूर्व हिमाचल प्रदेश के कसौली स्थित सीडीएल द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया जाना आवश्यक है।

विपक्ष ने जमकर किया हंगामा, दोनों सदन स्थगित

बिहार में मतदाता पुनरीक्षण मुद्दे पर नहीं चले संसद के दोनों सदन

सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर अव्यवस्था फैलाने का लगाया आरोप

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

आपरेशन सिंदूर पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा के बाद बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के मुद्दे पर बहस की मांग को लेकर विपक्षी दलों का घमासान जारी है। संसद के दोनों सदनों में शुक्रवार को भी विपक्ष ने पुनरीक्षण विवाद पर बहस की मांग करते हुए जमकर हंगामा किया। माहौल को देखते हुए अगले कुछ दिन और संसद न चलने के आसार हैं। राज्यसभा में उपसभापति हरिवंश ने विपक्ष को समझाने का प्रयास किया किंतु थोड़ा भी असर नहीं हुआ। विपक्ष ने बिहार में मतदाता पुनरीक्षण मुद्दे पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया तो सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर अव्यवस्था फैलाने का आरोप लगाया। भारी हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही सिर्फ 11 मिनट चली और फिर दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में प्रश्नकाल एवं शून्यकाल भी नहीं चले।

राज्यसभा में हंगामा कर रहे विपक्ष से हरिवंश ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसके कामकाज पर चर्चा नहीं हो सकती है। एसआइआर का मामला वैसे भी अभी सुप्रीम कोर्ट में है। तृणमूल के डेरेक ओ ब्रायन का कहना था कि सरकार मतदाता सूची पर बहस से घबरा रही है, पर विपक्ष पीछे नहीं हटेगा। डीएमके, आप और कांग्रेस के सदस्यों ने वेल में जाकर प्रदर्शन किया। कुछ को मार्शलों ने रोका, लेकिन कई सांसद फिर भी वेल तक पहुंच गए।

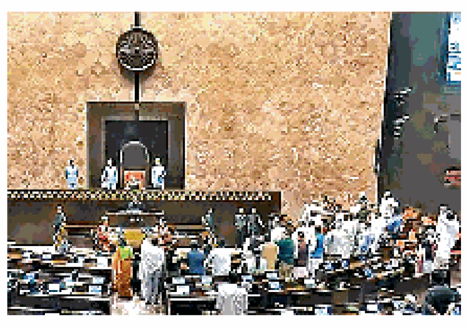
राज्यसभा में शुक्रवार को कार्यवाही के दौरान हंगामा करते विपक्षी दलों के सदस्य। एएनआइ

लोकसभा में दोपहर दो बजे के बाद दूसरी बार जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शांति बनाए रखने की अपील करने लगे, लेकिन हंगामा जारी रहा। अनुसूचित जनजातियों के लिए गोवा विधानसभा में आरक्षण संबंधी विधेयक पर चर्चा की कोशिश भी विफल रही। शोरगुल के बीच कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्ष पर अनुसूचित जनजाति के अधिकारों के खिलाफ होने का आरोप लगाया। इसके बाद कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

विपक्ष के आरोपों पर सरकार की ओर से सफाई देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा कि हम किसी सांसद का विशेषाधिकार नहीं छीनना चाहते, लेकिन उन्हें दूसरों को बोलने से भी नहीं रोकना चाहिए। बहरहाल, बिहार में मतदाता पुनरीक्षण को विपक्ष वोटों की चोरी की साजिश बता रहा है तो सत्ता पक्ष सुरक्षा एवं अनुशासन का मसला मान रहा है। निगाहें सोमवार की कार्यवाही पर टिकी हैं, जहां एक बार फिर हंगामे की आशंका है।

खरगे और राहुल ने लिखे पत्र : राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खरगे एवं लोकसभा में राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने मतदाता सूची पुनरीक्षण पर विशेष चर्चा की मांग की। इसके लिए स्पीकर ओम बिरला को एक पत्र भी लिखा गया, जिसमें चुनाव से ठीक पहले बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा पर प्रश्न उठाया गया है। कहा कि इससे आयोग की पारदर्शिता और नीयत पर गंभीर शंकाएं उठ रही हैं। पत्र पर कांग्रेस, डीएमके, सपा, तृणमूल, राकांपा (शरदचंद्र पवार), आरएसपी, शिवसेना (उद्धव) एवं राजद समेत कई दलों के सदस्यों के हस्ताक्षर हैं।

संसद के वेल में सीआइएसएफ बुलाने पर खरगे ने जताई आपत्ति

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- उपसभापति को पत्र लिखकर इसे बताया लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन
- सवाल उठाते हुए कहा, क्या संसद का स्तर इतना नीचे गिर गया है

मानसून सत्र में बिहार मतदाता सूची विशेष सघन पुनरीक्षण सहित अन्य मुद्दों को लेकर लगातार गतिरोध बना हुआ है। हर दिन विपक्ष की ओर से इन मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया जा रहा है। इस बीच राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सांसदों के राज्यसभा में विरोध प्रदर्शन के दौरान वेल में सीआइएसएफ कर्मियों को बुलाए जाने का मुद्दा उठाया है। इस संबंध में उपसभापति को पत्र लिखकर उन्होंने आपत्ति दर्ज कराई है।

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को उपसभापति हरिवंश को सभी विपक्षी दलों की ओर से पत्र लिखा। इसमें उन्होंने लिखा, 'हम यह देखकर आश्चर्यचकित और स्तब्ध हैं कि जब सांसद अपने लोकतांत्रिक अधिकार के तहत विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तो संसद के वेल में सीआइएसएफ कर्मियों को बुला लिया गया।'

खरगे ने आरोप लगाया कि ऐसा गुरुवार को हुआ और शुक्रवार को भी। सवाल उठाया कि क्या संसद का स्तर इतना नीचे गिर गया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में निंदा करते हुए उपसभापति को लिखा है कि हम आशा करते हैं कि भविष्य में जब सांसद जनहित के मुद्दों को उठा रहे हों तो वेल में सीआइएसएफ कर्मियों को न लगाया जाए। खरगे द्वारा उपसभापति को लिखे गए पत्र को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने भी एक्स पर साझा किया। साथ ही टिप्पणी की कि राज्यसभा के सभापति के अचानक और अभूतपूर्व इस्तीफे के बाद अब हम सदन में सीआइएसएफ के जवानों का कब्जा देख रहे हैं।

प्रेट्र के अनुसार, इस पर संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा है कि कुछ सांसदों ने राज्यसभा में कार्यवाही को रोकने के लिए आक्रामक तरीके से अपने कदम बढ़ाए। इस कारण मार्शल को उन्हें रोकना पड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सरकार नहीं है, बल्कि दोनों सदनों के अध्यक्ष हैं जो उचित कदम उठाने के लिए अधिकृत हैं।

राज्यसभा प्रश्नोत्तर

एसआइआर में आधार संख्या सिर्फ वैकल्पिक पहचान प्रमाण

नई दिल्ली, प्रेट्र: संसद को सूचित किया गया कि विशेष गहन संशोधन (एसआइआर) के तहत मतदाताओं से लिए गए आधार नंबर केवल एक वैकल्पिक क्षेत्र के लिए है और इसे पहचान प्रमाण के रूप में लिया गया है। आधार विभिन्न क्षेत्रों में पहचान प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाता है, जिसमें सरकारी कल्याण योजनाएं, बैंकिंग, टेलीकाम (सिम सक्रियण के लिए), यात्रा बुकिंग और शैक्षणिक सेवाएं शामिल हैं, जहां यह प्रभावी प्रमाणीकरण में मदद करता है। हालांकि, आधार नागरिकता या निवास का प्रमाण नहीं है।

इलेक्ट्रानिक्स और आइटी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने तृणमूल कांग्रेस की सदस्य सागरिका घोष के प्रश्न के उत्तर में कहा कि आधार नागरिकता या निवास का प्रमाण नहीं है। भारत के चुनाव आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आधार नंबर मतदाताओं से एसआइआर एनुमरेशन फार्म में वैकल्पिक क्षेत्र के रूप में पहचान प्रमाण के रूप में लिया जाता है।

- आधार नागरिकता या निवास का प्रमाण नहीं है :जितिन प्रसाद
- सरकार का दावा-मनरेगा में बंगाल का धन हस्तांतरण रोक दिया

जितिन प्रसाद। फाइल

आधार 12 अंकों की अद्वितीय पहचान संख्या है, जिसे भारत की अद्वितीय पहचान प्राधिकरण (यूआइडीएआइ) द्वारा निवासियों (व्यक्ति जो पिछले 12 महीनों में 182 दिन या अधिक भारत में निवास कर चुका है) या एक गैर-निवासी भारतीय को उनके बायोमेट्रिक और जनसांख्यिकीय डाटा के आधार पर जारी किया जाता है।

बंगाल का केंद्र पर मनरेगा के तहत 3,000 करोड़ बकाया

केंद्र सरकार पर बंगाल का महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है, जो राज्यों में सबसे अधिक है। सरकार ने दावा किया कि धन हस्तांतरण रोक दिया है क्योंकि राज्य ने उसके निर्देशों का पालन नहीं किया है। राज्य के लिए बकाया देनदारियों में वेतन, सामग्री और प्रशासनिक घटक शामिल हैं और 9 मार्च, 2022 से राज्य को धन जारी करना रोक दिया गया है, जो मनरेगा, 2005 की धारा 27 के प्रावधानों के अनुसार है। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि यह रोक केंद्रीय सरकार के निर्देशों के अनुपालन में नाकामी के कारण है। तृणमूल कांग्रेस के प्रकाश चिक बरिक के प्रश्न के उत्तर में पासवान ने कहा कि बंगाल के लिए बकाया राशि 3,038 करोड़ रुपये है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के लिए पिछले वर्षों में वेतन घटक के लिए कोई बकाया देनदारी नहीं है, सिवाय बंगाल के।

भारतीय नदियों में एंटीबायोटिक प्रदूषण का दावा केवल अनुमान

सरकार ने हाल ही में भारतीय नदियों में व्यापक एंटीबायोटिक प्रदूषण का दावा करने वाले अध्ययन को "सिमुलेशन और अनुमानों" पर आधारित बताया है। कहा, इसलिए इस मुद्दे पर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के प्रश्न के उत्तर में केंद्रीय पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि अध्ययन ने "डाटा उपलब्धता की अपनी सीमाओं" का उल्लेख किया है। मैकगिल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन में आरोप लगाया गया है कि भारत की नदियों की कुल लंबाई का 80 प्रतिशत एंटीबायोटिक प्रदूषण के कारण पर्यावरण व स्वास्थ्य के लिए खतरा हो सकता है। 24 अप्रैल, 2025 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट एक अध्ययन पर आधारित है, जिसका शीर्षक है "मानव उपभोग से उत्पन्न वैश्विक नदी प्रणाली में एंटीबायोटिक्स", और इसके "निष्कर्ष सिमुलेशन और अनुमानों पर आधारित हैं।" मंत्री ने बताया कि सरकार ने नदियों में एंटीबायोटिक प्रदूषण पर कोई अध्ययन नहीं किया है।

अमेरिकी एफ-35 को लेकर अभी तक नहीं हुई है कोई औपचारिक चर्चा

- 22 अप्रैल से 10 मई तक विभिन्न देशों संग कई स्तरों पर हुई कूटनीतिक वार्ता

नयी दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-35 को लेकर अभी तक कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है। हालांकि फरवरी में पीएम नरेन्द्र मोदी व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में कहा गया था कि अमेरिका भारत को एफ-35 जैसे पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान व समुद्री प्रणालियां (अंडर सी सिस्टम्स) देने को लेकर अपनी नीति की समीक्षा करेगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा की गई घोषणा के बाद भारत को एफ-35 लड़ाकू विमानों की संभावित बिक्री के संबंध में अमेरिका से कोई ''आधिकारिक प्रस्ताव'' प्राप्त हुआ है, विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लिखित उत्तर में बताया, 13 फरवरी को मोदी-ट्रंप बैठक के बाद भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में उल्लेख किया गया है कि अमेरिका भारत को एफ-35 जैसे और समुद्री प्रणालियां देने की अपनी नीति की समीक्षा करेगा। इस मुद्दे पर अभी तक कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है।

भारत- पाकिस्तान संघर्ष से संबंधित प्रश्न के उत्तर में कीर्ति वर्धन ने कहा, 22 अप्रैल (जब पहलगाम में आतंकी हमला हुआ) से लेकर 10 मई तक अमेरिका समेत विभिन्न देशों के साथ विभिन्न स्तरों पर कूटनीतिक बातचीत हुई थी। नौ मई को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को बताया गया कि यदि पाकिस्तान हमला करता है तो भारत उचित जवाब देगा। विदेश राज्यमंत्री ने कहा, सैन्य कार्रवाई रोकने पर चर्चा पाकिस्तान के आग्रह पर भारत-पाक के बीच दोनों सशस्त्र बलों के बीच मौजूदा संचार चैनलों के माध्यम से हुई। उन्होंने कहा, भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी हमारे नागरिकों के बीच आपसी विश्वास, साझा हितों, सद्भावना व मजबूत जुड़ाव पर आधारित है। भारत सरकार रक्षा व रणनीतिक क्षेत्रों सहित सभी बाहरी साझेदारियों का भारत के राष्ट्रीय हित व रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता के नजरिए से मूल्यांकन करती है।

यात्री का सामान गिरने से 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची थी भगदड़

- जांच रिपोर्ट में पता चला कि सिर पर रखा सामान गिरने से हादसा
- फुट ओवरब्रिज-3 की सीढ़ियों पर हुई थी यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना

नई दिल्ली, प्रेट्र: इसी साल फरवरी में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 18 लोगों के लिए जानलेवा साबित हुई भगदड़ का कारण एक यात्री के सिर पर उठाए गए बड़े सामान का गिरना बताया गया है। इसी के बाद लोग एक के बाद एक गिरते चले गए।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में इस वर्ष 15 फरवरी को हुई भगदड़ की परिस्थितियों की जांच के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा, यात्रियों की संख्या में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही थी, जिनमें से कई बड़े सामान के साथ थे। सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने रेल मंत्री से भगदड़ की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट की स्थिति व सरकार के उठाए सुधारात्मक कदमों के बारे में पूछा। वैष्णव ने कहा, ''नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म 14/15 को जोड़ने वाले फुट ओवरब्रिज-3 की सीढ़ियों पर दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई। स्टेशन पर यात्रियों की कुल संख्या को संभालने के लिए पर्याप्त भीड़ प्रबंधन प्रोटोकाल लागू थे।

अश्विनी वैष्णव। फाइल

रात 8:15 बजे के बाद फुट ओवरब्रिज पर यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई। एक यात्री का बड़ा सामान गिरने से प्लेटफार्म 14/15 की सीढ़ियों पर यात्रियों का गिरना शुरू हुआ। यह घटना रात 8:48 बजे फुट ओवरब्रिज-3 पर हुई थी।'' 18 मृत लोगों के स्वजनों को 10 लाख रुपये, गंभीर घायलों को 2.5 लाख व अन्य घायलों को एक लाख का मुआवजा दिया गया। इस प्रकार 33 पीड़ितों व उनके स्वजनों को कुल 2.01 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है। कहा, सरकार ने स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को संभालने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें स्थायी होल्डिंग क्षेत्र की व्यवस्था, फुट ओवरब्रिज का विस्तार, सीसीटीवी कैमरे लगाना, वार रूम की स्थापना शामिल है। 73 पहचाने गए स्टेशनों पर सिर्फ पुष्टि किए टिकट वाले यात्रियों को अनुमति दी है।

बुजुर्गों को स्लीपर व 3AC में छूट देने की सलाह : रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे की स्थायी समिति ने स्लीपर व 3AC श्रेणियों में वरिष्ठ नागरिकों को छूट पर विचार करने की सलाह दी है। कुछ सांसदों ने वरिष्ठ नागरिकों को छूट बहाल करने का मुद्दा उठाया। वैष्णव ने कहा, 'रेलवे सभी वर्गों को सस्ती सेवाएं प्रदान करने का प्रयास करता है। 2023-24 में टिकटों पर 60,466 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी है। यह औसतन हर व्यक्ति के लिए 45 प्रतिशत की छूट के बराबर है।'' इस सब्सिडी राशि से अधिक छूट कई श्रेणियों के लिए जारी है, जैसे दिव्यांगजन, रोगियों और छात्रों की विभिन्न श्रेणियां।

चीन से डीएपी का आयात तेजी से गिरा

नई दिल्ली, प्रेट्र : रसायन एवं उर्वरक राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को संसद में बताया कि चीन से भारत का डाई अमोनियम फास्फेट (डीएपी) आयात तेजी से गिरा है और इस साल जुलाई में 97,000 टन रह गया। उर्वरक कंपनियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, चीन से डीएपी का आयात 2023-24 में लगभग 22.28 लाख टन से घटकर 2024-25 में लगभग 8.47 लाख टन रह गया है। मंत्री ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा, "जुलाई 2025 में चीन से लगभग 0.97 लाख टन डीएपी आयात किया गया है।"

अनुप्रिया पटेल। फाइल

संसद प्रश्नोत्तर

देशभर में 29,277 ईवी चार्जिंग स्टेशन

भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा। फाइल

नई दिल्ली, आइएएनएस : देशभर में इस समय कुल 29,277 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन हैं। इस्पात और भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि कर्नाटक 6,097 ईवी चार्जिंग स्टेशनों के साथ सबसे आगे है, उसके बाद महाराष्ट्र में 4,155 और उत्तर प्रदेश में 2,326 चार्जिंग स्टेशन हैं। मंत्री ने बताया कि, "मंत्रालयों, राज्यों और अन्य हितधारकों के परामर्श से अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न श्रेणियों के इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पर्याप्त सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचे की स्थापना" के लिए पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत 2,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।"

3.84 करोड़ आवास स्थलों की जियो-टैगिंग हुई

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत लाभार्थियों को मकान स्वीकृत करने से पूर्व 29 जुलाई तक 3.84 करोड़ आवास स्थलों की जियो-टैगिंग की जा चुकी है। ग्रामीण विकास राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने संसद में लिखित उत्तर में कहा, "पीएमएवाई-जी के तहत, मकान निर्माण के प्रत्येक चरण में समय व तारीख के साथ जियो-टैग की गई तस्वीरें अपलोड करना अनिवार्य है, जिसमें मकान स्वीकृति से पूर्व "मौजूदा स्थल" व "प्रस्तावित स्थल" की जियो-टैगिंग भी शामिल है।" कहा,किसी लाभार्थी को किश्तों का जारी होना निर्माण के एक पूर्व निर्धारित चरण के पूरा होने और उस चरण की जियो टैग की गई (समय और तारीख वाली तस्वीर) तस्वीर को आवासएप के माध्यम से आवाससाफ्ट पर अपलोड करने पर निर्भर करता है।

चंद्रशेखर पेम्मासानी।

खाद्य प्रसंस्करण के 1,44,517 प्रस्तावों को मंजूरी

नई दिल्ली, आइएएनएस : खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शुक्रवार को संसद में कहा, खाद्य प्रसंस्करण के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय देशभर में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना और विस्तार को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है। पीएमएफएमई योजना के तहत, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने 30 जून तक देशभर में 1,44,517 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने 30 जून तक देशभर में 41 मेगा फूड पार्क और 395 कोल्ड चेन परियोजनाओं सहित 1,134 खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

रवनीत सिंह बिट्टू। फाइल

'डेंगीआल' के क्लीनिकल ट्रायल के लिए 70% नामांकन पूरा : जाधव

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि स्वदेशी डेंगू वैक्सीन 'डेंगीआल' के तीसरे चरण के क्लीनिकल ट्रायल के लिए प्रतिभागियों का 70 प्रतिशत नामांकन पूरा हो गया है।

जाधव ने लिखित उत्तर में बताया कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) ने भारत की स्वदेशी टेट्रावैलेंट एक डोज वाली डेंगू वैक्सीन 'डेंगीआल' के प्रभाव, सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए क्लीनिकल ट्रायल शुरू किए हैं। इस ट्रायल में 10 हजार से अधिक प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत से अधिक का नामांकन पूरा हो चुका है। यह परीक्षण पूरे भारत में 20 स्थानों पर किया जा रहा है। परीक्षण के लिए अनुमानित बजट प्रति केंद्र 1.3 से 1.5 करोड़ रुपये है।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

****

25 जुलाई को शुरू हुआ था बिहार में शेष सघन पुनरीक्षण का काम। इस अभियान में करीब 90 हजार बूथ लेवल आफीसर व 12 राजनीतिक दलों से जुड़े 1.60 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) शामिल थे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 2 अगस्त, 2025

बगैर कारण बताए ड्राफ्ट मतदाता सूची से नहीं हटाए जाएंगे किसी के नाम : चुनाव आयोग

दस्तावेज न देने पर ड्राफ्ट मतदाता सूची से नाम हटाए जाने को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम पर साफ की स्थिति

दलों को पत्र लिख मांगी मदद, कहा-ड्राफ्ट में कोई नाम गलत जुड़ा या कटा है तो एक सितंबर तक कराएं आवेदन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रतीकात्मक

बिहार की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी करने के साथ ही चुनाव आयोग ने यह साफ किया है कि ड्राफ्ट सूची से बगैर कारण बताए या सुनवाई के अब कोई भी नाम नहीं हटाए जाएंगे। वहीं राजनीतिक दलों से भी अनुरोध किया है कि कोई भी नाम ड्राफ्ट सूची में गलती से छूट गया है या जुड़ गया है तो उसकी अपील मतदाता पंजीयक अधिकारी या सहायक मतदाता पंजीयक अधिकारी से तुरंत करें। यदि उसके फैसले से संतुष्ट नहीं हैं तो अपील तुरंत ही जिला निर्वाचन अधिकारी और राज्य निर्वाचन अधिकारी से करें।

आयोग ने इसके साथ ही राजनीतिक दलों और मतदाताओं से शुक्रवार को कहा है कि उन्हें इसके लिए विशेष सघन पुनरीक्षण में एक महीने का समय दिया गया है। जो एक सितंबर तक भी इसके लिए आवेदन कर सकते है। आयोग ने यह पहल तब की है, जब मतदाता सूची से करीब 65 लाख लोगों को बाहर कर दिया गया है। इनमें मृत, स्थाई रूप से स्थानांतरित और जिनके नाम दो जगहों से दर्ज है, ऐसे नाम शामिल हैं। आयोग ने इसके साथ ही उन मतदाताओं से भी मतदाता सूची में अपने नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करने को कहा है, जिसकी उम्र एक जुलाई और एक अक्टूबर को 18 साल पूरी हो रही है। आयोग ने इन युवा मतदाताओं से फार्म-6 भरकर आवेदन करने को कहा है। बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) का काम 25 जुलाई को शुरू हुआ था। आयोग के मुताबिक बिहार में एसआइआर के दौरान करीब 7.24 लाख मतदाताओं ने अपने गणना फार्म भरकर जमा कराए है।

बंगाल के सीईओ कार्यालय को एसआइआर की तैयारियों में जुटने का निर्देश

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: केंद्रीय चुनाव आयोग ने बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय को राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की तैयारियां शुरू कर देने का निर्देश दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आयोग की ओर से इस बाबत सीईओ कार्यालय को पत्र भेजा गया है। चूंकि इस कार्य में बूथ स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए उनकी जल्द नियुक्ति करने का भी निर्देश दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि प्रत्येक थाना इलाके में एक बीएलओ की नियुक्ति करनी होगी। 10 थाना इलाकों के लिए एक बीएलओ सुपरवाइजर होगा। मालूम हो कि आयोग ने बंगाल की वर्ष 2002 की मतदाता सूची प्रकाशित करने का काम भी शुरू कर दिया है। अब तक 109 विधानसभा (विस) क्षेत्रों की मतदाता सूची जारी की गई है।

महाराष्ट्र में 10 हारे हुए उम्मीदवारों ने की ईवीएम जांच की मांग, नहीं मिली खामी

नई दिल्ली, प्रेट्र: पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में हारने वाले 10 उम्मीदवारों ने ईवीएम की जांच और सत्यापन की मांग की थी। चुनाव आयोग ने गुरुवार को बताया कि सभी मशीनें पूरी तरह सही पाई गईं और उनमें कोई खामी नहीं मिली। इन उम्मीदवारों ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से जुड़ी बैलट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट की जांच की मांग की थी। यह जांच 10 विधानसभा क्षेत्रों में की गई और आयोग ने कहा कि सभी मामलों में मशीनें जांच में सफल रहीं। आयोग ने कहा, यह प्रक्रिया एक बार फिर साबित करती है कि ईवीएम पूरी तरह से छेड़छाड़ से सुरक्षित हैं। इस जांच में 48 बैलट यूनिट, 31 कंट्रोल यूनिट और 31 वीवीपैट मशीनों को परखा गया, जो मतदान के दौरान इन 10 विधानसभा क्षेत्रों में उपयोग में लाई गई थीं। मशीनों को बनाने वाली कंपनी ईसीआइएल के इंजीनियरों ने सभी मशीनों की जांच कर प्रमाणित किया कि वे परीक्षणों में पूरी तरह से सफल रहीं।

कमल नाथ मैदान छोड़ने को तैयार नहीं, सक्रियता ने बढ़ाई कई नेताओं की धड़कन

धनंजय प्रताप सिंह ● नईदुनिया

- विधानसभा के मानसून सत्र में चर्चा में शामिल हुए कमल नाथ
- मेल-मुलाकात भी बढ़ाई, छिंदवाड़ा में जीजीपी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं को कांग्रेस में लाए

भोपाल: विधानसभा चुनाव-2023 में कांग्रेस की हार के बाद से पार्टी की राजनीति में हाशिये पर चल रहे वरिष्ठ नेता कमल नाथ इन दिनों फिर सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। यह सक्रियता संकेत दे रही है कि वे मैदान छोड़ने को तैयार नहीं हैं। उनके इस रुख की पुष्टि इससे भी होती है कि उन्होंने 21 जुलाई को धार के मांडू में पार्टी के नव संकल्प शिविर में कहा था कि मैं न थका हूं, न पका हूं, आज भी जवान हूं। इस बीच, शुक्रवार को उन्होंने छिंदवाड़ा में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) के सैकड़ों कार्यकर्ताओं की कांग्रेस में वापसी करवाई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाए जाने और छिंदवाड़ा लोकसभा चुनाव में बेटे नकुल नाथ की पराजय के बाद से कमल नाथ प्रदेश और कांग्रेस की राजनीति से दूर भी थे। इस बीच राहुल गांधी से मुलाकात के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि वे राष्ट्रीय स्तर पर किसी भूमिका में वापस आ सकते हैं, लेकिन ऐसा कोई निर्णय नहीं हुआ।

मध्य प्रदेश विधानसभा के जारी मानसून सत्र में छिंदवाड़ा से विधायक कमल नाथ कई बार सदन पहुंचे और चर्चा में भी भाग लिया। कांग्रेस के नेताओं और मीडिया से मिल रहे हैं। उनकी इस सक्रियता से कांग्रेस के ही कई वरिष्ठ नेताओं की धड़कनें तेज हो गई हैं। इसकी वजह कमल नाथ का बड़ा कद है।

कमल नाथ। फाइल

कमल नाथ के नेतृत्व में ही वर्ष 2018 में मध्य प्रदेश में कांग्रेस का सत्ता का वनवास समाप्त हुआ था लेकिन वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के बेहद कमजोर प्रदर्शन के बाद प्रदेश कांग्रेस की कमान जीतू पटवारी को सौंप दी गई थी। बीच में उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलों ने भी जोर पकड़ा। हालांकि ये सही नहीं निकलीं।

जीतू पटवारी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद जिस तरह कमल नाथ के करीबियों की निष्क्रियता बढ़ी और नए समीकरण उभर रहे थे, इस बीच अचानक कमल नाथ की सक्रियता से पार्टी में कयासों का दौर तेज हो गया है।

दरअसल, कांग्रेस में केंद्रीय स्तर से लेकर प्रदेश तक कमल नाथ का जो कद रहा है, उसके अनुसार उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। दूसरी संभावना यह भी है कि उनके करीबियों की प्रदेश संगठन में भागीदारी बढ़ सकती है। पिछले डेढ़ वर्षों में भाजपा सरकार के सामने बतौर मजबूत विपक्ष कांग्रेस की मौजूदगी अपेक्षाकृत कमजोर रही है।

गुटबाजी के आरोप न लगें इसलिए कम दिख रहा हूं: कमल नाथ

कमल नाथ ने गुरुवार को मीडिया के प्रश्न के जवाब में कहा था कि कम इसलिए दिख रहा हूं ताकि गुटबाजी के आरोप न लगें। इस बीच, शुक्रवार को छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा और हर्रई के जीजीपी एवं भाजपा के 500 से अधिक कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हुए। कमल नाथ ने उनसे कहा कि आप इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के सिद्धांतों पर चलने वाली कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस समाज को जोड़ती है, वहीं भाजपा समाज को तोड़ती है।

अखिलेश ने मस्जिद की पवित्रता को ठेस पहुंचाई, माफी मांगे : मौलाना

जासं, शाहजहांपुर

शहाबुद्दीन रजवी

बरेलवी मौलाना बोले- 2027 में सपा प्रत्याशियों से पूछा जाएगा, मस्जिद की तौहीन के समय कहां थे

बीते दिनों दिल्ली की मस्जिद में सपा की बैठक का मामला तूल पकड़ता जा रहा। शुक्रवार को आल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मस्जिद इबादत का स्थान है, वहां पंचायत नहीं हो सकती। अखिलेश यादव, डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव और मोहिबुल्लाह नदवी ने मस्जिद की पवित्रता को ठेस पहुंचाई। इसके लिए अखिलेश यादव सार्वजनिक रूप से माफी मांगे अन्यथा बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

मौलाना ने प्रेसवार्ता में कहा कि यदि अखिलेश यादव ने माफी नहीं मांगी तो वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में मुसलमान सपा प्रत्याशियों से सवाल करेंगे। उनसे पूछेंगे कि जब मस्जिद की तौहीन हो रही थी, तब आप कहां थे। उन्होंने मौलाना साजिद रशीदी से मारपीट की भी निंदा की।

बोले, मौलाना साजिद रशीदी के बयानों में शब्दों की गलती थी, मगर उसका जवाब मारपीट नहीं होना चाहिए। यदि किसी बात से आपत्ति थी तो बातचीत से समाधान निकलना चाहिए। सपा समझती है कि गुंडागर्दी और मारपीट से आवाज दबा लेगी, जबकि यह उसकी भूल है। हम सच बोलते रहेंगे, इसकी चाहे जो कीमत चुकानी हो।

शहाबुद्दीन रजवी ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव कमरे में चुप बैठकर सिर्फ इंटरनेट मीडिया अकाउंट चला रहे। लखनऊ में 700 मुसलमानों के घरों पर बुलडोजर चला, तब भी वह अपने घर से बाहर नहीं आए। आजम खां जेल में रहे, उस समय भी मदद नहीं की। अखिलेश को अपने पिता की विरासत मिली है, उन्हें अब मुसलमानों की परवाह नहीं है।

गुजरात में कांग्रेस के बाद भाजपा भी लगाएगी ओबीसी अध्यक्ष पर दांव

शत्रुघ्न शर्मा ● जागरण

- सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के बाद अब मध्य गुजरात की बारी
- आगामी विस चुनाव में भाजपा को 2022 के चुनाव से अधिक मेहनत करनी होगी

अहमदाबाद: केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल गुजरात के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का पद पांच वर्ष से संभाल रहे हैं। गत लोकसभा चुनाव (2024) के बाद उन्होंने पद छोड़ने की सार्वजनिक रूप से इच्छा जताई लेकिन उनका सही विकल्प न मिल पाने से भाजपा आलाकमान ने उन्हें ही इस पद पर बनाए रखा।

वहीं, अब तक गुजरात भाजपा अध्यक्ष पद पर सौराष्ट्र व दक्षिण गुजरात के बाद अब माना जा रहा है कि मध्य गुजरात के ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) नेता को मौका मिल सकता है। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को 2022 के चुनाव से अधिक मेहनत करनी होगी।

उधर, कांग्रेस आलाकमान ने गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष पद पर एक बार फिर विधायक अमित चावड़ा को मौका दिया है। चावड़ा पूर्व मुख्यमंत्री माधव सिंह सोलंकी के रिश्तेदार हैं। अमित चावड़ा ओबीसी समुदाय से आते हैं। उधर, विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता के रूप में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री अमर सिंह चौधरी के बेटे विधायक तुषार चौधरी की नियुक्ति की गई।

प्रतीकात्मक

भाजपा आलाकमान भी अब अध्यक्ष पद के लिए ओबीसी नेता पर दांव लगाने की तैयारी में है। राज्य में बीते एक दशक में भाजपा अध्यक्ष पद पर क्रमशः सौराष्ट्र व दक्षिण गुजरात के नेताओं का वर्चस्व रहा है। इनमें भावनगर से जीतूभाई वाघाणी, राजकोट से पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, नवसारी से सीआर पाटिल अध्यक्ष रहे। इससे पहले पूर्व मंत्री आरसी फलदू तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री परसोत्तम रुपाला भी सौराष्ट्र से थे।

कांग्रेस के ओबीसी व आदिवासी के जातीय समीकरण से मुकाबला करने के लिए भाजपा भी अध्यक्ष पद के लिए ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) नेता के नाम पर अंतिम मुहर लगाने को तैयार है। यह मध्य गुजरात से होगा।

इसके अलावा केंद्र शासित प्रदेश में बतौर प्रशासक काम कर रहे एक पाटीदार नेता पर भी भाजपा आलाकमान की नजर है। उन्हें वापस गुजरात लाकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। केंद्र में गए गुजरात भाजपा के दिग्गज अब पहले जितना समय नहीं दे पा रहे हैं।

बिहार में मध्याह्न भोजन के रसोइयों का मानदेय हुआ दोगुना

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स हैंडल पर की घोषणा

बिहार सरकार ने सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन तैयार करने वाले रसोइयों को प्रति माह मिलने वाले मानदेय को दोगुना करने का निर्णय लिया है। इन्हें अब 1650 की जगह प्रतिमाह 3300 रुपये का मानदेय मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपने एक्स हैंडल पर इस आशय की सूचना साझा की। संभव है मंगलवार को राज्य कैबिनेट की होने वाली बैठक में फैसले को विधिवत मंजूरी मिलेगी।

सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन तैयार करने वाले रसोइयों की कुल संख्या 2.43 लाख है। लंबी अवधि से रसोइया संघ द्वारा अपने मानदेय को बढ़ाने की मांग की जा रही थी। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर इस सूचना को भी साझा किया कि माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत रात्रि प्रहरियों के मानदेय को भी दोगुना करने का निर्णय लिया गया है। इन्हें अभी पांच हजार रुपये प्रतिमाह का मानदेय है, जिसे बढ़ाकर दस हजार रुपये किया जाएगा। इनकी संख्या 6337 है। सरकारी स्कूलों में कार्यरत शारीरिक शिक्षा व स्वास्थ्य अनुदेशकों को अब प्रति माह आठ की जगह 16 हजार रुपये मानदेय दिए जाने का फैसला लिया गया है। साथ ही इनकी वार्षिक वेतन वृद्धि 200 के स्थान पर 400 रुपये करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि वर्ष 2005 में शिक्षा का कुल बजट राज्य में 4366 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 77690 करोड़ हो गया है। नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हम लोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

नीतीश कुमार। फाइल

राष्ट्रीय फलक

कुलगाम में मुठभेड़, अनंतनाग में हथियारों के जखीरे के साथ तीन आतंकी मददगार पकड़े

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

- दो पाकिस्तानी और एक स्थानीय आतंकी के फंसे होने की सूचना
- हथियारों की बरामदगी से पुलवामा में बड़े आतंकी हमले का षड्यंत्र विफल

दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिला में शुक्रवार शाम को एक तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबल के जवानों पर गोलीबारी की। जवानों ने भी जवाबी फायर किया और उसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई, जो देर रात तक जारी रही। मुठभेड़ में दो पाकिस्तानी और एक स्थानीय आतंकी के घेरे में फंसे होने की सूचना है। फिलहाल, सुरक्षाबल ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है। इससे पहले 28 जुलाई सुरक्षाबलों ने श्रीनगर के दाचीगाम में आपरेशन महादेव चलाकर पहलगाम हमले में शामिल रहे तीन पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया था। इस बीच, सुरक्षाबल ने अनंतनाग में आतंकियों के तीन मददगारों को हथियारों के एक बड़े जखीरे के साथ पकड़कर पुलवामा में एक बड़े आतंकी हमले के षड्यंत्र को विफल बना दिया।

जानकारी के अनुसार, सुरक्षाबलों ने शाम को एक विशेष सूचना के आधार पर कुलगाम के अक्खाल व देवसर इलाके में तलाशी अभियान चलाया। इस क्षेत्र में तीन से चार आतंकियों को देखा गया था। इलाके की घेराबंदी कर जैसे ही जवान गांव के बाहरी छोर पर जंगल की तरफ बढ़ने लगे तो एक जगह छिपे आतंकियों ने उन पर गोलीबारी की दी। जवानों ने खुद को बचाते हुए जवाबी फायर किया और उसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी होने लगी। बताया जा रहा है कि आतंकियों ने घने पेड़ों के बीच पोजीशन ले रखी है और वहां से रुक रुककर फायर कर रहे हैं। वहीं सुरक्षाबल के जवानों ने भी आतंकियों को चारों तरफ से घेर लिया है।

कार में छिपाए गए थे हथियार : इस बीच, अनंतनाग में एक संयुक्त कार्यदल ने नाके पर एक आल्टो मारुति कार को रुकने के लिए कहा। सुरक्षाबल को देखते ही कार चालक ने गाड़ी वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया, लेकिन सुरक्षाबलों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कार को रोक लिया। कार में सवार चालक व दो अन्य लोगों को हिरासत में ले लिया गया। उनकी पहचान वसीम रहमान, एहसान अकरम व इश्फाक अहमद बट के रूप में हुई है। इश्फाक कार चालक है और वह पुलवामा का रहने वाला है। वसीम और एहसान दोनों ही अवंतीपोरा पुलवामा के रहने वाले हैं। उनकी निशानदेही पर कार में छिपाकर रखे गए हथियारों का एक जखीरा बरामद किया गया।

उमर अब्दुल्ला ने साबरमती आश्रम में महात्मा गांधी को अर्पित की श्रद्धांजलि

अहमदाबाद, प्रेट्र : जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को साबरमती आश्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर खादी की माला चढ़ाने के साथ ही चरखा चलाने का भी प्रयास किया। मुख्यमंत्री उमर ने एक्स लिखा, अहमदाबाद की मेरी यात्रा अब पूरी हो गई है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साबरमती आश्रम का भ्रमण कर मैं खुद को विनम्र और गौरवांवित महसूस कर रहा हूं। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। हमें उस दिशा की ओर ले जाती हैं, जिस ओर हमें जाना चाहिए, लेकिन हम ऐसा कम ही करते हैं। उन्होंने कहा कि सच्चा लोकतंत्र केंद्र में बैठे 20 लोगों द्वारा नहीं चलाया जा सकता। इसे जमीनी स्तर पर हर गांव के लोगों द्वारा चलाया जाना चाहिए।

ज्ञान को व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित न रखें, जनहित का बनाएं माध्यम : राष्ट्रपति

- आइआइटी आइएसएम के दीक्षा समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छात्र-छात्राओं से की अपील

दीक्षा समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत करते राज्यपाल संतोष गंगवार व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान। जागरण

जागरण संवाददाता, धनबाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को धनबाद स्थित आइआइटी आइएसएम के दीक्षा समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए अपील की कि वह अपने ज्ञान को व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित न रहने दें, बल्कि इसे जनहित का माध्यम बनाएं। अपने ज्ञान का उपयोग ऐसे विकसित और सशक्त भारत के निर्माण के लिए करें, जहां आगे बढ़ने के सबके लिए अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा प्रणाली को अधिक व्यावहारिक और नवाचार-केंद्रित तथा रोजगार उन्मुख बनाने पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि इससे युवाओं की प्रतिभा को सही दिशा मिलेगी और उन्हें वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। आपकी डिग्री, तकनीकी उत्कृष्टता व नवाचार सिर्फ आपके लिए व्यक्तिगत न हो।

राष्ट्रपति की सुरक्षा में भारी चूक, देवघर में दो हिस्सों में बंटा काफिला

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की गुरुवार को झारखंड के देवघर दौरे के दौरान सुरक्षा में भारी चूक सामने आई है। देवघर एयरपोर्ट से एम्स जाने के दौरान राष्ट्रपति का काफिला दो हिस्सों में बंट गया। राष्ट्रपति अपने दो दिवसीय झारखंड दौरे के पहले दिन देवघर एम्स के दीक्षा समारोह में शामिल होने पहुंचीं थीं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर पोस्ट कर पुलिस पर सवाल खड़े किए हैं। पोस्ट में डीजीपी अनुराग गुप्ता को अवैध डीजीपी करार दिया है और एसपी देवघर अजीत पीटर डुंगडुंग को पार्टी करने वाले एसपी लिखकर संबोधित किया है। दैनिक जागरण ने पुलिस मुख्यालय व देवघर के एसपी से भी संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन इस मामले में फिलहाल कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है।

हताशा के कारण चुनाव आयोग पर आरोप लगा रहे राहुल : रविशंकर

नई दिल्ली, एएनआइ : भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और कहा कि वह कांग्रेस की लगातार चुनावी हार से उत्पन्न गहरी हताशा के कारण चुनाव आयोग और अन्य संस्थानों पर निराधार आरोप लगा रहे हैं। राहुल की सारी हताशा इस बात से उपजी है कि उन्हें वोट नहीं मिलते। वह तीसरी बार लोकसभा चुनाव हारे, महाराष्ट्र में हारे, हरियाणा में हारे, दिल्ली में हारे। अब वह बिहार और बंगाल भी हार जाएंगे, तो हम इसमें क्या कर सकते हैं? जब वह जीते थे, तब क्या चुनाव आयोग ठीक था? राहुल और कांग्रेस को पहले अपने अंदर झांककर देखना चाहिए कि जनता उन्हें वोट क्यों नहीं दे रही है? केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने भी कहा कि विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने के लिए अभियान चला रहा है।

आपरेशन सिंदूर में रक्षा मंत्रालय के विभिन्न विभागों का समर्थन महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, एएनआइ: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय हितों की रक्षा में नागरिक-सैन्य तालमेल के महत्व पर जोर दिया तथा आपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए रक्षा मंत्रालय के विभिन्न विभागों द्वारा सशस्त्र बलों को प्रदान किए गए असाधारण 'बैक-एंड' समर्थन को महत्वपूर्ण बताया। राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को डीआरडीओ भवन, नई दिल्ली में 84वें सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) नागरिक सेवा दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि युद्ध सिर्फ सेना द्वारा नहीं, बल्कि पूरे देश द्वारा लड़ा जाता है और आज के तेजी से बदलते सुरक्षा परिदृश्य में बदलती जरूरतों के अनुसार निरंतर सुधार करते हुए, गतिशीलता और नवाचार की भावना के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम जरा सी भी लापरवाही या चूक की गुंजाइश नहीं छोड़ सकते। एक मजबूत सैन्य शक्ति के लिए एक मजबूत प्रशासनिक प्रणाली अभिन्न अंग है।

राजनाथ सिंह। फाइल

राजनाथ सिंह ने युद्ध के साथ-साथ शांति काल में देश की सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए एएफएचक्यू नागरिक सेवाओं की सराहना की।

पत्नी की गर्दन पर पैर रखकर चाकू मारे, दिव्यांग बेटे को भी मार कर फेंका

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : स्वजनों से हैवानियत की घटना को अंजाम देते हुए युवक ने पत्नी और डेढ़ साल के दिव्यांग बेटे की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को अशोक नगर जिले से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने कहा कि पत्नी रोजाना झगड़ा करती थी। खाना नहीं बनाती थी। मायके चली जाती थी, इसलिए वह गुस्से में था। झगड़े के बाद पत्नी की गर्दन पर पैर रखकर तब तक चाकू मारे, जब तक वह मर नहीं गई। आरोपित ने कहा कि बेटा दिव्यांग था, इसलिए उसे भी मारकर फेंक दिया।

थानाध्यक्ष सियारामसिंह गुर्जर के मुताबिक, मूलतः अशोकनगर जिले का निवासी जयराम पाल एक महीने पहले इंदौर आया था। वह पत्नी रानी और डेढ़ साल के बेटे दिव्यांश के साथ शहर के शिवकंठ नगर में रहने लगा। बुधवार रात जयराम ने रानी और दिव्यांश की चाकू मारकर हत्या कर डाली।

****

पंजाब के स्कूलों में शुरू हुआ नशा-विरोधी पाठ्यक्रम

जागरण संवाददाता, फाजिल्का

- 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए सप्ताह में दो बार लगेंगी कक्षाएं
- सिखाया जाएगा कैसे नशा को 'न' कहें, सहपाठियों का दबाव नकारें

पंजाब सरकार ने राज्य के 3,658 सरकारी स्कूलों में नशा-विरोधी पाठ्यक्रम की शुरुआत की है। यह पाठ्यक्रम सप्ताह में दो बार आयोजित किया जाएगा, जिसमें छात्रों को नशे से दूर रहने, नशे की पहचान करने और उससे मुकाबला करने के व्यावहारिक उपाय सिखाए जाएंगे।

इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन सीमावर्ती जिला फाजिल्का के गांव अरनीवाला के स्कूल आफ एमिनेंस में मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने किया। राज्य सरकार के 'युद्ध, नशे के विरुद्ध' अभियान के तीसरे चरण में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए यह विशेष पाठ्यक्रम लागू हो रहा है। इसके माध्यम से आठ लाख छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाएगा। पाठ्यक्रम में 35 मिनट के सत्र होंगे, जो 27 सप्ताह तक पखवाड़े के आधार पर आयोजित किए जाएंगे।

मान ने कहा कि नशे के खिलाफ ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए थी, लेकिन दुर्भाग्यवश पंजाब को ऐसी परिस्थितियों में फंसा दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब की भौगोलिक स्थिति के कारण यह नशा तस्करों का रास्ता बन गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अन्य राज्य भी नशे की जड़ें काटने के लिए जागरूकता अभियान चलाएंगे।

स्कार्पियो में बैठाकर जिंदा जलाया, वीडियो प्रसारित कर ली जिम्मेदारी

जागरण संवाददाता, जगराओं (लुधियाना): एक युवक ने दुकान के सामने स्कार्पियो खड़ी करने से नाराज होकर अपने साथी के साथ मिलकर कार के मालिक पर हमला कर दिया और उसे उसी की कार में बिठाकर आग लगा दी। बुरी तरह झुलसे युवक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। यह घटना मंगलवार की रात को हुई। गुरुवार को आरोपितों ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो डालकर इसकी जिम्मेदारी ली।

जसमीत के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया और रमनदीप को तीन दिन के रिमांड पर लिया है। गुरुवार को प्रसारित वीडियो में आरोपित ने हत्या की बात स्वीकार करते हुए कहा कि जसमीत उसे परेशान करता था और जानबूझकर अपनी कार दुकान के सामने लगाता था। वीडियो के बाद पुलिस ने रमनदीप को गिरफ्तार किया और वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी, मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

न्यूज गैलरी

पीएम ने स्वतंत्रता दिवस संबोधन से पहले मांगे सुझाव

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस संबोधन से दो सप्ताह पहले लोगों से सुझाव मांगे हैं। इंटरनेट मीडिया अकाउंट एक्स पर उन्होंने लोगों से उन विषयों पर विचार साझा करने को कहा, जिन्हें वह स्वतंत्रता दिवस के भाषण में सुनना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों से आग्रह किया कि वे अपने सुझाव 'माईगव' और 'नमो एप' के माध्यम से साझा कर सकते हैं। गौरतलब है कि स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी का यह लगातार 12वां संबोधन है। (प्रेट्र)

गुजरात में दाऊद गिरोह के गुर्गे की संपत्ति जब्त की गई

नई दिल्ली : एनआइए ने पाकिस्तान में छिपे आतंकी दाऊद इब्राहिम के एक गुर्गे की दो संपत्तियों को गुजरात से जब्त की है। यह कार्रवाई 2015 में हुए दोहरे हत्याकांड के मामले से जुड़ी है, जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई थी। एनआइए ने मोहम्मद यूनुस उर्फ मंजरो नाम के आरोपित की दो अचल संपत्तियों को भरूच शहर से यूएपीए के तहत जब्त किया है। पहली संपत्ति का क्षेत्रफल 143.96 वर्ग मीटर है, जबकि दूसरी 29.59 वर्ग मीटर की है। (प्रेट्र)

पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुरू करने का रास्ता साफ

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 और 2024-25 के लिए पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया फिर से शुरू करने का रास्ता साफ कर दिया। 16 जुलाई को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने विधि छात्र संघ द्वारा दायर एक याचिका पर संज्ञान लेते हुए 2023-24 और 2024-25 के लिए पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों की मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश को स्थगित कर दिया। (प्रेट्र)

मंगलुरु में अमोनिया रिसाव से 25 से अधिक श्रमिक बीमार

मंगलुरु : मंगलुरु के सुरथकल के पास बैकमपडी औद्योगिक क्षेत्र में एक मछली प्रसंस्करण इकाई में अमोनिया रिसाव के बाद 25 से ज्यादा मजदूर बीमार पड़ गए हैं। यह रिसाव तड़के हुआ। कई मजदूरों ने सांस लेने में तकलीफ और जलन की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें पास के अस्पतालों में ले जाया गया। अधिकांश को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि कुछ अभी भी निगरानी में हैं। मंगलुरु सिटी पुलिस और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा कर्मियों ने स्थिति को नियंत्रण में किया। (प्रेट्र)

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में चिवड़ा प्रसाद पर रोक

हरिद्वार : मनसा देवी मंदिर को जोड़ने वाले सीढ़ी मार्ग पर 27 जुलाई को हुई भगदड़ की घटना के बाद व्यवस्थाओं में बड़े पैमाने पर बदलाव किए जा रहे हैं। सुरक्षा व स्वच्छता की दृष्टि से मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इसके तहत सूखे मेवे के चिवड़ा (परमल) को प्रसाद के रूप में प्रतिबंधित कर दिया है। अब चिवड़ा न तो मंदिर में चढ़ेगा, न मंदिर परिसर के पास स्थित दुकानों में बिकेगा। मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के उद्देश्य से चिवड़ा प्रसाद पर रोक लगाई गई है और सीढ़ी मार्ग पर इसे बंद कर दिया गया है। (जासं)

आरपीएफ की पहली महिला महानिदेशक ने संभाला पदभार

नई दिल्ली : मध्य प्रदेश कैडर की 1983

बैच की आइपीएस अधिकारी सोनाली मिश्रा ने शुक्रवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के नए महानिदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया। यह बल के 143 साल के सफर में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 31 अक्टूबर, 2026 को उनकी सेवानिवृत्ति तक आरपीएफ के महानिदेशक (डीजी) के रूप में उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी है। (प्रेट्र)

17 वर्षों तक किया गया सेना, संत, सनातन व संविधान पर हमला

एटीएस के पूर्व अधिकारी के बयान को आधार बनाकर भाजपा हमलावर

पात्रा ने कहा- हिंदुओं को अपमानित करना चाहता था गांधी परिवार, भागवत को भी फंसाने की थी साजिश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

संबित पात्रा। फाइल

मालेगांव विस्फोट मामले में विशेष न्यायालय का निर्णय आने के बाद से कांग्रेस पर हमलावर भाजपा ने एटीएस के पूर्व अधिकारी महबूब मुजावर के बयान को भी आधार बनाकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा के मुताबिक, मुजावर ने कहा है कि मालेगांव विस्फोट मामले की जांच के दौरान उन पर दबाव बनाया गया था कि झूठा केस बनाकर सरसंघचालक मोहन भागवत को गिरफ्तार करें और भगवा आतंकवाद का फर्जी नैरेटिव बनाएं। पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 17 वर्षों तक सेना, संत, सनातन और संविधान पर हमला किया।

पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने 'भगवा आतंकवाद' का नैरेटिव फैलाने की कोशिश की और विशेष रूप से गांधी परिवार हिंदुओं को अपमानित करना चाहता था। यह सब तुष्टीकरण की राजनीति और वोटबैंक के लालच का नतीजा था। गांधी परिवार की तीव्र इच्छा रही है कि सनातन संस्कृति और हिंदू समाज पर कुठाराघात किया जाए। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मालेगांव बम धमाका मामले में गठित की गई जांच समिति में अहम भूमिका निभाने वाले एटीएस के पूर्व अधिकारी महबूब मुजावर ने एक महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है। पात्रा के अनुसार, उस समय एटीएस के शीर्ष अधिकारी और तत्कालीन सरकार के कुछ प्रभावशाली लोगों ने महबूब मुजावर पर दबाव बनाया था कि किसी भी कीमत पर भगवा आतंकवाद के नैरेटिव को आगे बढ़ाएं और आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत को गिरफ्तार करें। महबूब के इन्कार करने पर उनके ही वरिष्ठ अधिकारियों ने उन पर झूठे और गंभीर आरोप लगाए। उनकी पदोन्नति रोक दी गई। बाद में महबूब न्यायालय गए, जहां उन्हें पूरी तरह निर्दोष ठहराया गया।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि यह प्रकरण साफ दर्शाता है कि किस तरह तत्कालीन कांग्रेस सरकार और उसके प्रभाव में काम कर रही एजेंसियों ने भगवा आतंकवाद के फर्जी नैरेटिव को स्थापित करने के लिए सारी हदें पार कर दी थीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने बयान दिया है- आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। यह कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति का वर्षों पुराना तकिया कलाम है। इसके अलावा पूर्व गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने भी कांग्रेस के एक सम्मेलन में पहली बार भगवा आतंकवाद शब्द का इस्तेमाल किया था।

कांग्रेस ने हिंदुओं को आतंकी ठहराया : फडणवीस

नागपुर, प्रेट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 2008 के मालेगांव विस्फोट के बाद हिंदुओं को आतंकवादी के रूप में पेश करने का प्रयास किया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों और हिंदुत्वादियों को साजिश करके निशाना बनाया गया। फडणवीस ने नागपुर में शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा कि उस समय की यूपीए सरकार वोट बैंक की राजनीति में लिप्त थी और जब इस्लामी कट्टरपंथी के हाथों दुनिया में आतंकवादी हमले हो रहे थे, तब "हिंदू आतंक" और "भगवा आतंकवाद" जैसे शब्दों का कहीं कोई नामोनिशान तक नहीं था।

एटीएस की ओर से यातना देकर साक्ष्य जुटाना चिंता का विषय : एनआइए कोर्ट

ओमप्रकाश तिवारी • जागरण

- मालेगांव विस्फोट मामले में अदालत ने एटीएस की जांच पर उठाया सवाल

मुंबई : मालेगांव विस्फोट कांड के गुरुवार को सुनाए गए फैसले में विशेष एनआइए अदालत के जज एके लाहोटी ने इस मामले की पहली जांच एजेंसी आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) द्वारा साक्ष्य जुटाने के लिए गवाहों को यातना दिए जाने पर चिंता जताई है।

शुक्रवार को सामने आई फैसले की पूर्ण प्रति में एके लाहोटी लिखते हैं कि इस बात की ओर इंगित करना जरूरी है कि इस मामले में दो प्रमुख जांच एजेंसियां शामिल रही हैं। ये एजेंसियां थीं- एटीएस एवं एनआइए। दोनों एजेंसियों ने स्वतंत्र जांच की और स्वतंत्र आरोपपत्र दाखिल किए। लेकिन दुर्व्यवहार, यातना और गैरकानूनी हिरासत में रखने के जैसे आरोप एटीएस के अधिकारियों पर लगे हैं, वैसे एनआइए के अधिकारियों पर नहीं लगे। इसलिए एटीएस अधिकारियों द्वारा गवाहों के साथ बरता गया व्यवहार उनके द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों की विश्वसनीयता को संदिग्ध बनाने के लिए पर्याप्त है। लाहोटी आगे लिखते हैं कि मैंने सभी साक्ष्य देखे हैं। सभी मामलों का अध्ययन किया है। लेकिन यह भी कहना आवश्यक है कि सिर्फ संदर्भ दर्ज करना या प्रस्तुत करना पर्याप्त नहीं होता, जब तक कि अभियोजन पक्ष का मामला तथ्यों से मेल न खाता हो। इसलिए सम्मान के साथ कहना चाहता हूं कि संदर्भ सूची में दिए गए विवरण वास्तविक तथ्यों से भिन्न हैं। ऐसी परिस्थिति में अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत की गई न्यायिक मिसालें उनके किसी काम नहीं आतीं।

प्रेट्र के अनुसार, विशेष एनआइए अदालत ने महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के एक पूर्व अधिकारी के इस दावे को खारिज कर दिया कि उन्हें मामले में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया था। वहीं, अदालत ने कहा है कि जांच एजेंसी फरार आरोपितों रामजी कलसांगरा और संदीप डांगे की गिरफ्तारी के बाद उनके खिलाफ अलग से आरोपपत्र दाखिल करने के लिए स्वतंत्र है। एनआइए के जांच अधिकारी ने रामजी और संदीप डांगे की भी इस अपराध में संलिप्तता पाई, लेकिन उनके ठिकाने का पता नहीं चल पाया और एनआइए द्वारा दायर पूरक आरोपपत्र में वे फरार आरोपित बने हुए हैं।

साध्वी प्रज्ञा का नाम लेने के लिए मैकेनिक को दिया जा रहा था लालच

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : मालेगांव बम धमाकों के आरोपितों के बरी होने के बाद तत्कालीन जांच अधिकारियों की पोल खुल गई है। जांच में शामिल अधिकारी साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के खिलाफ इंदौर में फर्जी गवाह तैयार कर रहे थे। उन्होंने गवाहों को न सिर्फ धमकाया बल्कि लालच भी दिया था। महाराष्ट्र एटीएस ने साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को गुजरात से हिरासत में लेने के बाद दावा किया था कि जिस बाइक में बम लगाया गया वो उनके नाम से रजिस्टर्ड थी। इस बाइक की रिपेयरिंग इंदौर के पलासिया में हुई थी। एटीएस की टीम वहां पहुंची और मैकेनिक जितेंद्र शर्मा पर धमाकों में सहयोग करने का आरोप लगाया। जितेंद्र बताते हैं कि एटीएस वाले पूछताछ के लिए लगातार बुलाते थे। एटीएस अधिकारियों ने कहा कि साध्वी प्रज्ञा का भी नाम लो। इसके लिए अधिकारियों ने उनको सरकारी गवाह बनाया और लालच भी दिया। साध्वी प्रज्ञा सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी, श्याम साहू, शिव, धर्मेंद्र की गिरफ्तारी हुई थी, पर संदीप डांगे और रामजी कलसांगरा को फरार दिखा दिया गया।

पार्टियों को पोश एक्ट के दायरे में लाने की मांग पर विचार से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न कानून के दायरे का मुद्दा संसद का क्षेत्राधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों को 'कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) कानून, 2013 या पीओएसएच एक्ट' (पोश एक्ट) के दायरे में लाने की मांग पर विचार करने से इन्कार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मुद्दा संसद के क्षेत्राधिकार में आता है, यह विधायी नीति का मामला है, कोर्ट इस बारे में आदेश नहीं दे सकता। हालांकि कोर्ट ने बाद में याचिकाकर्ता को कानून में उपलब्ध उपायों को अपनाने की छूट देते हुए याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी।

यह आदेश प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने वकील योगमाया एमजी की ओर से दाखिल रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए। जैसे ही याचिका सुनवाई पर आई तो याचिकाकर्ता की वकील शोभा गुप्ता ने राजनीतिक दलों के

याचिका में की थी दलों को आंतरिक जांच कमेटी गठित करने के निर्देश देने की मांग

लिए पीओएसएच एक्ट लागू करने की मांग की। उन्होंने राजनीतिक दलों को पीओएसएच एक्ट के तहत नियोक्ता मानने का निर्देश देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इसके लिए राजनीतिक दलों को यौन उत्पीड़न के आरोपों से निपटने के लिए आंतरिक शिकायत समितियों (आइसीसी) का गठन करना होगा। इस पर प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि यह मामला विधायिका के कार्यक्षेत्र में आता है। यह संसद का क्षेत्राधिकार है और विधायी नीति का मुद्दा है।

आनलाइन सट्टेबाजी में प्रतिबंध की मांग पर राज्यों को नोटिस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने आनलाइन सट्टेबाजी पर प्रतिबंध को व्यापक जनहित से जुड़ा मुद्दा बताते हुए सभी राज्यों को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। कोर्ट ये नोटिस केए पाल की आनलाइन सट्टेबाजी पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद शुक्रवार को जारी किए। याचिका में आनलाइन सट्टेबाजी पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए कहा है कि इसकी लत की वजह से लाखों युवाओं की जिंदगी बर्बाद हो गई है और उसका खामियाजा उनके घर वालों को झेलना पड़ रहा है। पाल ने मामले पर स्वयं बहस करते हुए कहा कि कोर्ट आनलाइन बेटिंग के विज्ञापन पर अंतरिम आदेश में रोक लगा दे। इससे भी काफी हद तक आनलाइन सट्टेबाजी रुकेगी। लेकिन कोर्ट ने कहा कि वह अंतरिम आदेश की मांग पर भी अगली सुनवाई पर विचार करेगा।

सुप्रीम कोर्ट का आर्मी कालेज आफ मेडिकल साइंसेज को बकाया वजीफा देने का आदेश

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित आर्मी कालेज आफ मेडिकल साइंसेज को 2022 बैच के एमबीबीएस इंटर्न को 25,000 रुपये प्रति माह का बकाया भुगतान करने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि वे अधिकार के तौर पर इसके हकदार हैं। कोर्ट ने दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने कहा कि सितंबर 2023 के आदेश के बावजूद पिछले बैच को मुआवजा नहीं दिया गया था। न्यायमूर्ति धूलिया ने एसीएमएस की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता आर. बालासुब्रमण्यम से पूछा कि लगभग तीन साल बाद भी 2022 इंटर्न को वजीफा क्यों नहीं दिया गया। कोर्ट ने एसीएमएस के रुख की कड़ी आलोचना की और कहा, "आप उनसे 18 से 19 घंटे काम करवाते हैं और उन्हें वजीफा नहीं देना चाहते। बालासुब्रमण्यम ने तर्क दिया कि कालेज का प्रबंधन एक निजी संस्था द्वारा किया जाता है और सरकारी धन नहीं मिलता। पीठ इससे सहमत नहीं हुई और कहा कि इन छात्रों ने कालेज के लिए काम किया है। उन्हें भुगतान किया जाना चाहिए।

नौसेना के उप प्रमुख बने वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन

नई दिल्ली, प्रेट्र : वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन भारतीय नौसेना के उप प्रमुख बन गए हैं। उन्होंने शुक्रवार को नौसेना के 47वें उप प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभाल लिया। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने थल सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। जबकि वाइस एडमिरल मनीष चड्ढा ने केरल के एझिमाला में भारतीय नौसेना अकादमी के कमांडेंट का पदभार संभाला।

नई जिम्मेदारी संभालने से पहले वाइस एडमिरल वात्स्यायन नई दिल्ली स्थित एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय और नौसेना मुख्यालय समेत विभिन्न महत्वपूर्ण आपरेशनल, स्टाफ और ट्रेनिंग नियुक्तियों को संभाल चुके हैं। नौसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, 'वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने एक अगस्त को नौसेना के 47वें उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया।' इसमें बताया गया है कि भारतीय नौसेना में एक जनवरी, 1988 को शामिल हुए फ्लैग अधिकारी वात्स्यायन गनरी और मिसाइल प्रणालियों के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने

- ले. जनरल पुष्पेंद्र सिंह ने सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला

वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन। एएनआइ

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह। एएनआइ

वाइस एडमिनरल कृष्णा स्वामीनाथन का स्थान लिया, जिन्होंने गुरुवार को वाइस एडमिरल संजय जे सिंह से आइएनएस शिकरा में एक औपचारिक परेड में पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यभार संभाला। जबकि थल सेना में अपने 38 के शानदार करियर के साथ लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने आपरेशन पवन, आपरेशन मेघदूत, आपरेशन रक्षक और आपरेशन आर्किड में भाग लिया है। वह लेबनान और श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में भी शामिल रहे हैं।

मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बनाना समावेशी विकास के लिए आवश्यक : रिजीजू

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य एवं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू ने शुक्रवार को कहा कि मुस्लिम महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना समावेशी विकास के लिए महत्वपूर्ण है। वह राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) द्वारा 'भारत में मुस्लिम महिलाओं के अधिकार' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय मंत्रणा को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान रिजीजू ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करके उन्हें सशक्त बनाना न केवल एक सामाजिक प्रतिबद्धता है, बल्कि समावेशी विकास के लिए एक आवश्यकता भी है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो जाती हैं, तो वे सामाजिक रूप से भी सशक्त हो जाती हैं। आर्थिक सशक्तीकरण स्वाभाविक रूप से सामाजिक सशक्तीकरण की ओर ले जाता है। एक दिवसीय मंत्रणा में मुस्लिम महिलाओं के कानूनी, आर्थिक और सामाजिक अधिकारों पर चर्चा करने के लिए भारत भर के वकील, शिक्षाविद, समाजशास्त्री, महिला अधिकार कार्यकर्ता, नीति निर्माता और नागरिक समाज के प्रतिनिधि एकत्रित हुए। रिजीजू ने कहा कि मैं इस मंत्रणा के परिणामों को व्यक्तिगत रूप से आगे बढ़ाने में योगदान दूंगा ताकि यहां उठी आवाजें सार्थक बदलाव में तब्दील हो सकें।

मां ने 22 दिन की बच्ची को नशीला मंजन पिलाकर मार डाला

जागरण संवाददाता, अलीगढ़

- तीसरी बच्ची से नाखुश थी, दफनाने के दो दिन बाद दी हत्या की जानकारी
- पिता ने दर्ज कराया मुकदमा, आरोपित गिरफ्तार, शव का होगा पोस्टमार्टम

उसकी आंखें ठीक से खुल नहीं पाई थीं। दुनिया तो दूर अपनों को ही पहचान पाती, उससे पहले ही उसे मौत की नींद सुला दिया गया। बच्चों की रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली मां ही हत्यारिन बन गई। 22 दिन की बच्ची की जान लेने में उसके हाथ नहीं कांपे। नफरत ऐसी कि पति के फोन से बच्ची के फोटो डिलीट कर दिए और फिर नशीला मंजन पानी के साथ पिला दिया। बच्ची को दफनाने के दो दिन बाद पति को इस क्रूरता की जानकारी दी तो ससुराल ही नहीं मायके पक्ष के लोग भी हैरान रह गए।

12 अप्रैल 2019 को जनसेवा केंद्र संचालक यवनेश नायक का विवाह नगीना देवी से हुआ था। मुदिता व कौशिकी के बाद यवनेश आठ जुलाई को तीसरी बेटी के पिता बने। बच्ची का नाम यशिका रखा। पूरा परिवार खुश था, लेकिन नगीना के अंदर तीसरी बेटी को लेकर नफरत थी। वह बेटा चाहती थी। बुधवार को पति जनसेवा केंद्र पर थे। दोपहर करीब दो बजे परिवार के लोग कहीं बाहर गए थे।

आरोपित नगीना देवी। सौ. पुलिस

नगीना ने बच्ची को मूसा का गुल मंजन (तंबाकू युक्त नशीला मंजन) पिला दिया। उसके रोने के आवाज सुन चाची पास गई तो बच्ची नीली पड़ चुकी थी। बच्ची का शरीर ठंडा हो गया। यह देख वह घबरा गई और यवनेश को जानकारी दी। तब बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, जहां बच्ची को मृत घोषित कर दिया गया।

जवानों की कलाई पर सजेंगी भारत रक्षा पर्व की राखियां

भारत रक्षा पर्व के तहत नई दिल्ली में सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह को जवानों के लिए बनाई गईं राखियां भेंट करते दैनिक जागरण के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (ब्रांड एंड स्ट्रेटजी) बसंत राठौर। डीजी को राखी बांधतीं जागरण पब्लिक स्कूल, नोएडा व डीएवी स्कूल, गुरुग्राम की छात्राएं • जागरण

पाकिस्तान भेजी गई दो बच्चों की मां रक्षंदा को राहत, भारत में प्रवेश की मिली अनुमति

जागरण संवाददाता, जम्मू

पहलगाम हमले के बाद भारत से वापस पाकिस्तान भेजी गई दो बच्चों की मां रक्षंदा रशीद को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली और न्यायाधीश राजनेश ओसवाल ने रक्षंदा रशीद को वापस भारत में प्रवेश की अनुमति दे दी है।

पाकिस्तानी नागरिक रक्षंदा रशीद वर्ष 1990 में विजिटर वीजा पर भारत आई थीं और उसके बाद से वह दीर्घकालिक वीजा पर भारत में रह रही थीं, जिसे सालाना नवीनीकृत किया जाता था। उन्होंने जम्मू में ही शादी कर ली थी और उनके दो बच्चे भी हैं। इसी वर्ष अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कई वीजा रद कर दिए, जिसमें रशीद का भी शामिल था। उन्हें भारत छोड़ने का नोटिस जारी किया गया। उन्हें 29 अप्रैल को अटारी-वाघा सीमा से पाकिस्तान भेज दिया गया था। रक्षंदा को पाकिस्तान भेजे जाने के बाद उनके परिवार ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उनका कहना था कि रक्षंदा का पाकिस्तान में कोई नहीं है। वह बीमार है और वह लाहौर के एक होटल में अकेली रह रही है। एकल पीठ ने भी गृह मंत्रालय को रशीद को दस दिनों के भीतर भारत वापस लाने का निर्देश दिया था।

कसम के कारण पत्नी और बेटों ने नहीं की पुलिस में नौकरी

प्रथम पृष्ठ से आगे

बलिदानी कोतवाल सुबोध कुमार की कसम के कारण पत्नी और दोनों बेटों ने पुलिस में नौकरी नहीं की। पत्नी रजनी ने बताया कि उनके पति ने कसम दी थी कि उन्हें अगर कभी कुछ हो जाए तो दोनों में किसी भी बेटे को पुलिस में नौकरी नहीं दिलाना। इस कसम को निभाया, लेकिन रजनी ने सरकार से किसी भी विभाग में ओएसडी बनाए जाने की मांग की थी, जिसे नामंजूर कर दिया गया। बड़ा बेटा श्रेय एक मल्टीनेशनल कंपनी में मैनेजर और छोटा अभिषेक सिंह कानून की पढ़ाई कर रहा है।

नोएडा से बुलंदशहर पहुंचे बड़े पुत्र श्रेय सिंह और पत्नी रजनी सिंह ने बताया कि वह अदालत के फैसले से खुश हैं और यह उनकी नहीं, सच्चाई की जीत है। रजनी ने बताया कि उनके ससुर रामप्रताप सिंह भी यूपी पुलिस में उपनिरीक्षक थे और बलिदान हुए थे। पिता के स्थान पर ही सुबोध कुमार को नौकरी मिली थी।

हरियाणा में 2656 लोगों की दो पत्नियां, कुछ की तीन से भी अधिक

अनुराग अग्रवाल • जागरण

- परिवार पहचान पत्र लागू करने से सामने आई रोचक जानकारी
- नौ लोगों के पास तीन और तीन लोगों के पास तीन से अधिक पत्नियां

चंडीगढ़ : हरियाणा में लगभग छह वर्ष पूर्व आरंभ किए गए परिवार पहचान पत्र (फैमिली आइडी) की जांच में रोचक जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक, राज्य में 2656 लोगों के पास दो से अधिक पत्नियां हैं, जबकि नौ लोग ऐसे हैं, जिनकी तीन पत्नियां हैं। तीन लोग ऐसे भी हैं, जिनके पास तीन से अधिक पत्नियां हैं। राज्य में 2668 लोगों की एक से अधिक पत्नियां हैं।

तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार को समाप्त करने और वास्तविक पात्र व्यक्तियों को इन योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से परिवार पहचान पत्र बनाने की योजना शुरू की थी। परिवार पहचान प्राधिकरण के स्टेट कार्डिनेटर डा. सतीश खोला के मुताबिक हरियाणा ने सबसे पहले इसकी शुरुआत की थी। वर्तमान में 76 लाख 93 हजार 856 फैमिली आइडी हैं, जिनमें दर्ज सदस्यों की संख्या दो करोड़ 94 लाख 65 हजार 154 है। अब दूसरे राज्य भी लागू कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने यूपी परिवार पहचान पत्र, उत्तराखंड ने उत्तराकुल, राजस्थान ने जन आधार, कर्नाटक ने कुटुंब, मध्य प्रदेश ने समाग्रह और तमिलनाडु ने मकाल नाम से अपने राज्य में फैमिली आइडी लागू की है। बिहार सरकार ने भी हरियाणा की तर्ज पर फैमिली आइडी बनाने की मंजूरी प्रदान कर दी है।

नूंह में सबसे अधिक लोगों की दो पत्नियां

हरियाणा का नूंह जिला ऐसा है, जहां सबसे अधिक 343 लोगों के पास दो पत्नियां हैं। भिवानी में दो परिवार, फरीदाबाद, जींद, करनाल, कुरुक्षेत्र, नूंह और रेवाड़ी में एक-एक परिवार का मुखिया ऐसा है, जिनके पास तीन पत्नियां हैं। भिवानी में तीन परिवार के मुखिया ऐसे हैं, जिनके पास तीन से अधिक पत्नियां हैं।

3.85 लाख लुटाकर कीं चार शादियां पर एक भी दुल्हन नहीं आई घर

जागरण संवाददाता, जोधपुर

- राजस्थान का युवक शादी के लिए पहुंचा बिहार, चार पर केस दर्ज

राजस्थान के लूणी में एक युवक का दुल्हन घर लाने का सपना पूरा न हो सका। उसने एक के बाद एक कुल चार शादियां कीं लेकिन एक भी दुल्हन साथ घर नहीं आई। युवक शादी के लिए बिहार के सासाराम, बक्सर और दिनार गया लेकिन विवाह के बाद कभी दुल्हन बस से उतर कर गायब हो गई और कभी रास्ते में ही गुम हो गई। युवक को इन शादियों का झांसा देकर पड़ोसी ने 3.85 लाख रुपये ठग लिए। दूल्हे ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

विजेंद्र भारती ने शिकायत दर्ज कराई है। इसमें उन्होंने अपने पड़ोस में रहने वाले पप्पू भारती, अमर भारती, भंवरी देवी और राकेश भारती का नाम दर्ज कराया है। आरोपितों ने विजेंद्र का योग्य लड़की से विवाह करवाने का दावा किया। 26 अप्रैल 2024 को वे ट्रेन से बिहार के सासाराम गए, वहां से बक्सर और फिर दिनार गए। वहां आरोपितों ने उसकी शादी भी करवाई। इसके एवज में समय-समय पर पप्पू के खाते में 1.85 लाख रुपये डलवाए और अमर, राकेश व भंवरी ने दो लाख कैश लिए।

विवाह के बाद युवक की पहली दुल्हन बस से उतर कर गायब हो गई। तब आरोपितों ने एक अन्य लड़की से विवाह करवाने के बाद कही। उन्होंने दूसरे दिन विजेंद्र का फिर विवाह करवाया लेकिन वह लड़की भी रास्ते में गुम हो गई। युवक ने इसकी शिकायत जब आरोपितों से की तो उन्होंने एक अन्य लड़की से शादी करवा दी लेकिन वह साथ जाने को तैयार नहीं हुई। इसके बाद युवक का एक अन्य लड़की से विवाह करवाया गया लेकिन वह मंडप से ही उठकर चली गई।

उदयपुर फाइल्स फिल्म में कट लगाने का आदेश वापस लेगी केंद्र सरकार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दर्जी कन्हैया लाल की हत्या पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स में छह कट लगाने का 25 जुलाई का दिया आदेश केंद्र सरकार वापस लेगी। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान एडिशनल सालिसिटर जनरल ने यह जानकारी दी। बताया कि केंद्र सरकार कानून के अनुसार फिल्म पर नया निर्णय लेगी।

हाई कोर्ट ने सिनेमैटोग्राफी अधिनियम के तहत फिल्म पर कट लगाने के केंद्र सरकार के अधिकार पर सवाल उठाया था। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान फिल्म निर्माताओं ने बताया कि वे फिल्म को आठ अगस्त को रिलीज करना चाहते हैं। इस पर पीठ ने निर्देश दिया कि चार अगस्त को सुनवाई के बाद पुनरीक्षण प्राधिकारी को छह अगस्त तक उचित निर्णय लेना होगा।

****

9 सदस्यों को गिरफ्तार किया है पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगवाए गए हथियारों की सप्लाई मामले में। आरोपियों के पास से 12 विदेशी पिस्तौल, 13 मैगजीन और आठ कारतूस बरामद हुए हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार 2 अगस्त, 2025

न्यूज गैलरी

आज पीएम जारी करेंगे किसान सम्मान निधि की 20वीं किस्त

वाराणसी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत वह 9.70 करोड़ किसानों के खाते में 20,500 करोड़ रुपये आनलाइन ट्रांसफर करेंगे। प्रधानमंत्री 2183.45 करोड़ रुपये की लागत वाली 52 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी करेंगे। बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को ही वाराणसी पहुंच गए और तैयारियों की समीक्षा की। (जासं)

भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह में हिस्सा लेंगे मोदी

गुवाहाटी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आठ सितंबर को भूपेन हजारिका के साल भर चलने वाले जन्म शताब्दी समारोह का उद्घाटन करने असम आएंगे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सरमा ने बताया कि प्रधानमंत्री सबसे पहले गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) पहुंचेंगे और 4,200 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित बायो एथेनाल संयंत्र राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री दरांग जिले के मंगलदोई जाएंगे, जहां वे गुवाहाटी-रिंग रोड का उद्घाटन करेंगे। साथ ही, वे मंगलदोई मेडिकल कालेज अस्पताल की आधारशिला भी रखेंगे। (प्रेट्र)

हादसे के 23 दिन बाद ब्रिज से उतरेगा टैंकर

अहमदाबाद: वडोदरा में गंभीरा हादसे में टूटे ब्रिज पर लटकते रह गया एक टैंकर हादसे के करीब 23 दिन बाद उतारा जाएगा। आणंद प्रशासन ने मरीन इमरजेंसी टीम पोरबंदर की मदद से टैंकर को नीचे लाने का काम शुरू किया है। आणंद व वडोदरा को जोड़ने के लिए महीसागर नदी पर बना करीब 43 वर्ष पुराना गंभीरा ब्रिज गत 9 जुलाई को बीच से टूट गया था। इस हादसे में ब्रिज से गुजर रहे सात वाहन नदी में जा गिरे थे। हादसे में 15 की मौत हो गई थी। राहत एवं बचाव में जुटी टीमों ने नदी में गिरे क्षतिग्रस्त वाहनों को बाहर निकाल लिया था। लेकिन एक टैंकर टूटे पुल के किनारे पर लटका रहा गया था। (राब्यू)

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में संजीव मुखिया को जमानत

पटना: नीट-यूजी, 2024 के पेपर लीक मामले में मुख्य आरोपित संजीव मुखिया को सीबीआइ के विशेष न्यायाधीश सुनील कुमार सिंह की अदालत ने शुक्रवार को जमानत दे दी। कोर्ट ने सीबीआइ द्वारा समय-सीमा के भीतर आरोप पत्र दाखिल नहीं करने के कारण सीआरपीसी की धारा 167 (2) का लाभ देते हुए जमानत दी। मुखिया की ओर से दाखिल जमानत याचिका में कहा गया कि वह बीते एक मई से जेल में बंद है और इन 90 दिनों में सीबीआइ ने आरोप पत्र नहीं दाखिल किया। मालूम हो कि नीट-यूजी की परीक्षा पांच मई, 2024 को आयोजित की गई थी, जिसमें गड़बड़ी के आरोप में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। केंद्र सरकार ने मामले की जांच सीबीआइ को सौंप दी, जिसके बाद 23 जून, 2024 को सीबीआइ ने प्राथमिकी दर्ज की। (जासं)

इंजीनियर को पेशाब पिलाने वाला चपरासी गिरफ्तार

भुवनेश्वर: ओडिशा के गजपति जिले में ग्रामीण जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के संभागीय अभियंता द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराए जाने के बाद आरोपित चपरासी को गिरफ्तार कर लिया गया है। चपरासी पर आरोप है कि उसने इंजीनियर द्वारा पीने का पानी मांगे जाने पर उन्हें पानी में पेशाब मिलाकर पिला दिया। लैब में पानी का परीक्षण करने के बाद पता चला है कि पानी में अमोनिया की मात्रा अधिक थी। चपरासी ने आरोपों को सिरे से खारिज किया है और कहा कि उसने इंजीनियर को पीने के लिए पानी ही दिया था, उसमें कुछ मिलाया नहीं था। उन्होंने ओडिशा जल संसाधन निदेशालय और एनएचआरसी से भी शिकायत की है। (जासं)

पहाड़ों पर बारिश का कहर, अमरनाथ और केदारनाथ यात्रा रुकी

हिमाचल प्रदेश में तीन जगहों पर बादल फटे, उत्तराखंड में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

राजस्थान में सात दशकों में पहली बार जुलाई में हुई इतनी वर्षा

टीम जागरण, नई दिल्ली

मानसून के कारण पहाड़ी राज्यों के साथ ही मैदानी इलाकों में आम जनजीवन प्रभावित है। जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा को भारी वर्षा के कारण तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। वहीं केदारनाथ यात्रा भी भारी बारिश के चलते हो रहे भूस्खलन के कारण तीसरे दिन भी स्थगित रही। हिमाचल में तीन जगहों पर बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। उधर राजस्थान में भारी वर्षा के कारण 16 जिलों के स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

हिमाचल के लाहुल घाटी में शुक्रवार को तीन जगह बादल फटे। सुबह तिंदी के समीप पूहरे नाले में बाढ़ आने से एक वाहन मलबे में फंस गया। बाढ़ आने से उदयपुर-किलाड़ सड़क भी बंद हो गई जिसे शाम को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने बहाल कर दिया। दूसरी घटना लाहुल की यांगला घाटी में हुई। जहां बाढ़ आने से लोगों ने भागकर जान बचाई। बादल फटने की तीसरी घटना लाहुल के जिस्पा में हुई। कांगड़ा जिले में मूसलधार वर्षा से सात पशुशालाएं और दो मकान गिर गए। हरिपुर तहसील के तहत गुलेर गांव में 76 वर्षीय कमल किशोर की ढांक से गिरने के कारण मौत हो गई। सिल्ट बढ़ने से जिला चंबा की बाजोली-होली और ग्रीनको बुधिल पनबिद्युत प्रोजेक्ट को सुरक्षा कारणों से अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया है। वहीं कीतरपुर-मनाली फोरलेन पर मंडी के पंडोह के पास कैंचीमोड़ व बिलासपुर के समलेटू में भूस्खलन से करीब नौ घंटे बाधित रहा।

लाहुल स्पीति जिले के तिंदी के पास पुहरे नाला में आई बाढ़ के मलबे की चपेट में आया वाहन। चालक ने भागकर जान बचा ली। सौ. पाठक

भारी बारिश के कारण तीन अगस्त तक श्री अमरनाथ यात्रा स्थगित: श्री अमरनाथ यात्रा को तीन अगस्त तक स्थगित कर दिया गया है। भारी वर्षा के कारण यात्रा मार्ग की मरम्मत के चलते और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। बालटाल और पहलगाम दोनों यात्रा मार्गों पर मरम्मत और रखरखाव कार्य किए जा रहे हैं। भारी वर्षा के कारण शुक्रवार को जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से भी लगातार दूसरे दिन श्रद्धालुओं के जत्थे को रवाना नहीं किया गया। कश्मीर के मंडलायुक्त विजय कुमार बिधूड़ी ने कहा कि भारी बारिश के कारण बालटाल मार्ग पर मरम्मत कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

राजस्थान में आफत बनी भारी बारिश

राजस्थान में पिछले तीन दिनों से हो रही भारी वर्षा ने जनजीवन को प्रभावित किया है। शुक्रवार को श्रीगंगानगर से छत्तरगढ़ जाने वाली सड़क तेज बहाव में बह गई। वहीं धौलपुर और सवाईमाधोपुर जिले में सेना की कुछ टीमें हालात पर काबू करने में जुटी हैं। प्रदेश के 16 जिलों में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया। पार्वती नदी में एक मिनी ट्रक चालक और उसका साथी बह गए, जिनकी तलाश जारी है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 458 नागौर-राजसमंद को भी भारी वर्षा के कारण बंद कर दिया गया। सीकर में मकान का एक हिस्सा गिरने से बच्चे की मौत हो गई। श्रीगंगानगर के जैतसर गांव में एक स्कूल भवन और दुकान गिर गए, लेकिन सौभाग्यवश कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ।

बाबा केदार के दर्शन कर लौट रहे 450 श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला

उत्तराखंड में वर्षा व भूस्खलन से परेशानी बढ़ी हुई है। भूस्खलन के कारण तीन दिन से अवरुद्ध गौरीकुंड हाईवे को शुक्रवार को भी नहीं खोला जा सका जिसके कारण केदारनाथ यात्रा स्थगित रही। बाबा केदार के दर्शन कर लौट रहे 450 से अधिक यात्रियों को एनडीआरएफ व एसडीआरएफ ने जंगल के बीच से बनाए गए वैकल्पिक रास्ते से निकालकर सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया। केदारनाथ यात्रा पर जाने वाले पांच हजार से अधिक यात्रियों को सोनप्रयाग पड़ाव में ही रोका गया है। वर्षा व लगातार मलबा आने से हाईवे खोलने में विलंब हो रहा है। देहरादून, टिहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग, नैनीताल व बागेश्वर में भारी वर्षा का अलर्ट है।

हाईवे पर भरा पानी शीशे पर आने से अनियंत्रित हुई कार, पांच की मौत

- भतीजी का जन्मदिन मनाकर लौट रहा था परिवार, एक बच्ची गंभीर
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर शोक प्रकट किया

मैनपुरी : सड़क हादसे में क्षतिग्रस्त कार। जागरण

जागरण संवाददाता, मैनपुरी

आगरा-कानपुर हाईवे पर हुए हादसे में एक ही परिवार की दो बच्चियों समेत पांच लोगों की जान चली गई। सड़क पर भरा पानी शीशे पर आने से स्विफ्ट कार अनियंत्रित हो गई। इसके बाद डिवाइडर पार करते हुए सड़क के दूसरी तरफ जाकर सामने से आते ट्रोला में जा घुसी। परिवार आगरा से भतीजी का पहला जन्मदिन मनाकर लौट रहा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर शोक प्रकट किया है।

कन्नौज के 36 वर्षीय दीपक सिंह चौहान नवीन मंडी में गल्ला आढ़ती थे। वह 34 वर्षीय पत्नी पूजा, 13 वर्षीय बड़ी बेटी आराध्या, नौ वर्षीय छोटी बेटी आशी, 32 वर्षीय बहन सुजाता और डेढ़ वर्षीय भांजी आर्या के साथ बुधवार को आगरा में रह रहे मां-पिता के पास गए थे। वहां दीपक के छोटे भाई राकेश सिंह चौहान की एक वर्षीय पुत्री काव्या का पहला जन्मदिन था। शुक्रवार दोपहर में लौटते समय हाईवे पर भरा बारिश का पानी ट्रक के पहियों से उछलकर दीपक की कार के शीशे पर आ गया। इससे दिखना बंद हुआ तो कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ते हुए दूसरी तरफ पहुंच गई। तभी कानपुर से गार्डर लादकर आ रहे ट्रोला ने उनकी कार में जोरदार टक्कर हो गई। इसके चलते दीपक, पूजा, आशी, सुजाता एवं आर्या की मौके पर ही मृत्यु हो गई। आराध्या घायल हो गई।

गलतफहमी में हुई ननों की गिरफ्तारी, जल्द ही मिल जाएगी जमानत

- भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कहा

त्रिशूर, प्रेट्र : भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में मानव तस्करी और जबरन मतांतरण कराने के आरोपों में दो ननों की गिरफ्तारी गलतफहमी के कारण हुई है। उन्हें जल्द ही जमानत पर रिहा कर दिया जाएगा। चंद्रशेखर ने यह बयान भारतीय कैथोलिक बिशप सम्मेलन (सीबीसीआइ) के अध्यक्ष और त्रिचूर के आर्कबिशप एंड्रयूज थजथ से मुलाकात के बाद दिया। भाजपा नेता ने उन्हें बताया कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार ननों की जमानत याचिका का विरोध नहीं करेगी। उन्हें जमानत पर रिहा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह एक न्यायिक प्रक्रिया है। इसे होने दीजिए। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण न करें। हम इसे राजनीति के तौर पर नहीं देख रहे हैं। हम केवल लोगों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। केरल की नन प्रीति मैरी और वंदना फ्रांसिस को सुखमन मंडावी के साथ 25 जुलाई को छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने स्थानीय बजरंग दल के एक पदाधिकारी की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया था। बजरंग दल के कार्यकर्ता ने उन पर तीन युवतियों का जबरन मतांतरण कराने और उनकी तस्करी करने का आरोप लगाया था।

ननों की जमानत याचिका पर फैसला आज

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर : आदिवासी युवतियों के मतांतरण के लिए मानव तस्करी के मामले में आरोपित नन प्रीति मेरी व वंदना फ्रांसिस और पास्टर सुखमन मंडावी की जमानत याचिका पर शुक्रवार को बिलासपुर स्थित एनआइए कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। एनआइए कोर्ट के जज सिराजुद्दीन कुरैशी शनिवार को जमानत पर फैसला सुनाएंगे। वहीं, केरल कांग्रेस के पांच सांसदों का दल दुर्ग सेंट्रल जेल में बंद ननों से मुलाकात करने पहुंचा।

10 दिनों में 3000 से ज्यादा फोन, 90 मतांतरण के मामले

आयुष्मान पांडेय • जागरण

- विश्व हिंदू रक्षा परिषद के 15 हेल्पलाइन नंबरों पर पीड़ित लगातार कर रहे फोन
- धर्मस्थलों पर कब्जे और धार्मिक भेदभाव की भी शिकायतें अलग-अलग राज्यों से आई हेल्पलाइन पर

लखनऊ: धार्मिक आधार पर प्रताड़ना और जबरन या छल से मतांतरण के शिकार लोग अब खुलकर सामने आने लगे हैं। मतांतरण के मास्टरमाइंड जलालुद्दीन उर्फ छांगुर की गिरफ्तारी के बाद उसके गुर्गों के अलावा अन्य राज्यों में भी धार्मिक आधार पर प्रताड़ित करने और जबरन या छलपूर्वक मतांतरण के शिकार लोग विश्व हिंदू रक्षा परिषद संगठन के हेल्पलाइन नंबरों पर लगातार फोन कर रहे हैं। संगठन के पदाधिकारी ये शिकायतें संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा कर उनकी मदद कर रहे हैं।

19 जुलाई को संगठन ने मतांतरण के शिकार लोगों को मीडिया के सामने प्रस्तुत करने के साथ ही 15 हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए थे।

संगठन के मुताबिक, 19 जुलाई से अब तक उनके पास तीन हजार से अधिक फोन आए हैं। इन शिकायतों में 90 मामले मतांतरण के निकले हैं और बाकी जगहों पर मुस्लिम बहुल इलाकों में घर में हिंदुओं के प्रताड़ना के मामले भी हैं। कई जगहों से धर्मस्थलों पर कब्जे की शिकायतें भी हैं। कुछ शिकायतें ऐसी भी हैं कि मुस्लिम बहुल इलाकों में हिंदुओं पर दबाव बनाया जाता है कि वे मकान बेचकर चले जाएं। अब भी लगातार लोगों से बात हो रही है तो और मतांतरण के मामले सामने आ सकते हैं।

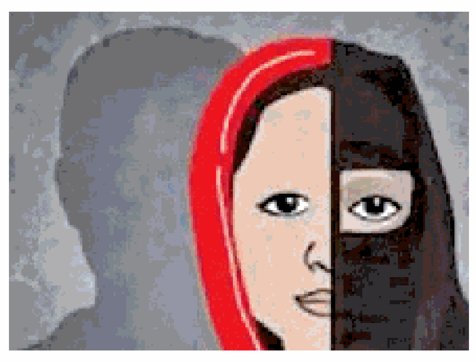

प्रतीकात्मक

विश्व हिंदू रक्षा परिषद संगठन की तरफ से जारी नंबरों पर आने वाले फोन काल को पदाधिकारी ही रिसीव करते हैं। बात होने के बाद वाट्सएप पर शिकायतें मंगाकर संबंधित अफसरों को भेजकर कार्रवाई करवाई जाती है। दस दिनों में 90 मामले मतांतरण के निकले हैं। शिकायतों के अनुसार, हिंदू बनकर लड़कियों को जाल में फंसाया और फिर उनसे शादी कर मतांतरण करवा दिया। विरोध पर जान से मारने की धमकी दी।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि छांगुर के डर से लोग शिकायत नहीं करते थे। उसके खिलाफ कार्रवाई होने के बाद से लोगों में डर खत्म हुआ। जब लोगों को जानकारी हुई कि उनका संगठन ऐसे लोगों की मदद कर रहा है तो लोग उनके पास पहुंच रहे हैं। उनकी शिकायत लेकर संबंधित जिले की पुलिस से संपर्क करवा देते हैं, ताकि आरोपित के खिलाफ कार्रवाई हो सके।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने बताया कि वर्ष 2024 में इंदिरानगर गांधी प्रतिष्ठान में संगठन का गठन हुआ था। उसके बाद से लगातार ऐसे मुद्दों के खिलाफ संगठन आवाज उठा रहा है।

नेपाल से नगालैंड तक फैला था मतांतरण गिरोह का जाल

जागरण संवाददाता, आगरा : अवैध मतांतरण गिरोह के प्रमुख चेहरे अब्दुल रहमान का जाल नेपाल के साथ ही भूटान एवं म्यांमार की सीमा तक फैला था। वह सामूहिक मतांतरण मामले में सजा काट रहे मौलाना कलीम सिद्दीकी से एक कदम आगे चल रहा था। पुलिस रिमांड पर पूछताछ में अब्दुल रहमान की तरह काम करने वाले कई और नाम भी पुलिस के सामने आए हैं। 24 मार्च को गायब जूता कारोबारी की दो बेटियों को पुलिस ने 18 जुलाई को कोलकाता के मुस्लिम बहुल तपसिया से बरामद किया था। बेटियों का अवैध मतांतरण कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरोह का प्रमुख चेहरा दिल्ली का अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह है। मंगलवार को छह आरोपितों की रिमांड की अवधि समाप्त होने पर जेल भेज दिया गया।

सजा काट चुके दुष्कर्मी मौलाना ने फिर की हैवानियत, गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, पीलीभीत : 24 वर्ष पहले बालिका से दुष्कर्म का दोषी मौलाना फिरोज खान सलाखों से बाहर आया तो फिर दुस्साहस करने लगा। इस बार उसने मदरसा में पढ़ने आई दस वर्षीय बालिका को निशाना बनाया। उससे छेड़छाड़ की, कमरे में खींचने लगा। बालिका डरी-सहमी, मगर साहस नहीं छोड़ा। वह उसके शैतानी पंजे से छूटकर भागते हुए घर पहुंची और उसकी करतूत बताई। शुक्रवार को पुलिस ने आरोपित मौलाना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

फिरोज खान ने 2001 में सात वर्षीय बालिका से दुष्कर्म किया था। बाद में कोर्ट ने फिरोज को दोषी मानते हुए दस वर्ष कारावास की सजा सुनाई थी। फिरोज उस समय हाफिज था। सजा काटने के बाद जेल से बाहर आया तो देहात क्षेत्र में मदरसा संचालित करने लगा। अब वह मौलाना बन चुका है। मदरसा में पढ़ने वाली दस वर्षीय बालिका गुरुवार सुबह पहुंची तो फिरोज ने झाड़ू लगाने के बहाने उसे बुलाया, फिर छेड़छाड़ करने लगा। मौलाना की हरकत से असहज बालिका बमुश्किल चंगुल से छूटी और घर की ओर दौड़ लगा दी। उसने अपनी मां को घटनाक्रम बताया, जिसके बाद वे थाने पहुंचीं।

100 रुपये में धरने पर बैठने के बयान के लिए कंगना पर चलेगा मानहानि का केस

राज्य ब्यूरो, जागरण, चंडीगढ़

- महिला किसान महिंदर कौर की शिकायत के खिलाफ भाजपा सांसद की याचिका खारिज
- हाई कोर्ट ने कहा-कंगना सेलिब्रिटी, उनके री-ट्वीट से शिकायतकर्ता की छवि को ठेस पहुंची

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने बठिंडा की अदालत में उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत रद करने की मांग की थी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रथमदृष्टया कंगना के खिलाफ धारा 499 व 500 आइपीसी के अंतर्गत अभियोग बनता है तथा उनके खिलाफ मजिस्ट्रेट का समन विधिसम्मत है। कोर्ट ने कहा कि महिला किसान महिंदर कौर यदि अपनी छवि की रक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई करती हैं तो दुर्भावनापूर्ण नहीं माना जा सकता। याचिका खारिज होने के बाद अब कंगना के खिलाफ मानहानि मामले में ट्रायल चलेगा।

यह विवाद एक ट्वीट को लेकर है, जिसे कंगना ने किसान आंदोलन के समय पोस्ट किया था। उन्होंने एक ट्वीट को री-ट्वीट करते हुए लिखा था-'हा हा हा! यह वही दादी हैं जो टाइम मैगजीन में सबसे प्रभावशाली भारतीय के रूप में आई थीं... और यह 100 रुपये में उपलब्ध हैं।' इस री-ट्वीट में बठिंडा जिले के बहादुरगढ़ जांडियां गांव की रहने वाली महिंदर कौर की तस्वीर लगी थी। उन्होंने अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें गलत तरीके से दिल्ली के शाहीनबाग प्रदर्शनकारी महिला से जोड़कर उनकी छवि धूमिल की गई। मजिस्ट्रेट ने कंगना के खिलाफ समन जारी करते हुए माना था कि यह बयान महिंदर कौर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है और सार्वजनिक हस्ती होने के नाते कंगना को अधिक जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए था।

जस्टिस त्रिभुवन दहिया की एकल पीठ ने कहा कि मजिस्ट्रेट ने सभी साक्ष्यों की समीक्षा के बाद विधिक प्रक्रिया का पालन करते हुए समन जारी किया और रिपोर्ट न मिलने के बावजूद प्रक्रिया वैध रही। कंगना एक सेलिब्रिटी हैं और उनके द्वारा किए गए री-ट्वीट से शिकायतकर्ता की छवि को ठेस पहुंची है। उन्होंने अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए शिकायत दर्ज करवाई है।

कंगना रनौत। फाइल

सीआइएसएफ कांस्टेबल ने कंगना को जड़ दिया था थप्पड़

यह मामला उस समय बहुत चर्चा में आया था जब कंगना को 7 जून 2024 को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) की महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर ने थप्पड़ जड़ दिया था। कंगना मंडी से दिल्ली जाने के लिए चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंची थीं। इस मामले के वायरल वीडियो में कुलविंदर कौर कह रही थी-'इसने बयान दिया था कि 100-100 रुपये के लिए बैठी हैं वहां पे। ये बैठी थी वहां पे। मेरी मां बैठी थी वहां पे जब इसने बयान दिया था।' कुलविंदर कौर पर केस दर्ज किया गया था।

श्रद्धा का महासावन

अमंगल चिह्नों को धारण करते हुए मंगलमय हैं शिव

श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार भगवान शंकर समस्त विद्याओं के प्रवर्तक और सारे प्राणियों के हृदय में विराजमान अंतर्यामी प्रभु हैं। जगत के जितने भी संत हैं, उनके एकमात्र आश्रय और आदर्श भी वही हैं। भगवान शिव के आदर्श का चिंतन करते हुए हमें जीवन के गहरे अर्थ समझ में आते हैं। महिम्न स्तोत्र में कहा गया है- 'अमङ्गल्यं शीलं तव भवतु नामैवमखिलं। तथापि स्मर्तृणां वरद परमं मङ्गलमसि।' अर्थात हे महादेव! यद्यपि श्मशान में निवास, भूत-पिशाचों का साथ, चिताभस्म-लेपन तथा मुंडमाल-धारण आदि आपका आचरण प्रकट रूप से अमंगल ही है, तथापि आपका नाम-स्मरण करने वालों का सर्वविध मंगल होता है। शिव का यह वैशिष्ट्य जीवन के लिए एक सुंदर संदेश रचता है कि अपनी आध्यात्मिक निष्ठा द्वारा भौतिक अमांगल्य पर विजय प्राप्त करना ही दिव्य जीवन है। शंकर जी अमंगल चिह्नों को धारण करते हुए परम मंगलमय हैं। श्रीरामचरितमानस की पंक्ति है- 'नाम प्रताप संभु अबिनासी। साज अमंगल मंगल रासी।' जीवन विविध वस्तुओं और परिस्थितियों का विराट सामंजस्य है। मनुष्य इस विविधता के बीच अपनी अनुकूलताओं को खोजता हुआ तथा प्रतिकूलताओं से लड़ता हुआ दुख भोगता रहता है। भगवान शिव के स्वरूप का स्मरण उसे प्रतिकूलताओं में सहज होने और उनके बीच आत्मकल्याण का पथ प्रशस्त करने हेतु प्रेरित करता है। भगवान शिवजी के नाम अघोर एवं आशुतोष हैं, अर्थात वे अच्छे-बुरे के द्वंद्व से रहित और शीघ्र प्रसन्न होने वाले हैं।

आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण
सिद्धपीठ श्रीहनुमन्निवास, श्री अयोध्याजी

निमिषा प्रिया की फांसी स्थगित, गलत सूचना से बचें : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, एएनआइ : विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को पुष्टि की कि यमन में भारतीय नागरिक निमिषा प्रिया की फांसी स्थगित कर दी गई है। मंत्रालय ने जनता और मीडिया से इस मामले में प्रसारित हो रही अपुष्ट रिपोर्टों और गलत सूचनाओं से दूर रहने का आग्रह किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि सरकार प्रिया और उसके परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए स्थानीय अधिकारियों और मित्र सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही है। जायसवाल ने कहा, "यह एक संवेदनशील मामला है। हमारे ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप सजा स्थगित कर दी गई है। हम इस मामले पर कड़ी नजर रख रहे हैं और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं।"

पटना में पड़ोसी ने ही भाई-बहन की हत्या कर शव जलाया, दो गिरफ्तार

जासं, फुलवारीशरीफ (पटना)

पटना जिले के नगवां गांव में घर में घुसकर भाई-बहन (अंशु और अंजलि) की हत्या कर शव को जलाने के मामले में पुलिस ने पड़ोस के ही दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों घटना के बाद से फरार थे। इनमें एक झाड़ी में छुपा मिला। घटनास्थल पर मिली एक टोपी से पुलिस को इस हत्याकांड का अहम सुराग मिला। एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा ने कहा कि दोनों युवकों से पूछताछ की जा रही है। शीघ्र ही दोनों की पहचान स्पष्ट कर दी जाएगी।

हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने और आरोपित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की नौ टीमें लगाई गई थीं। एसआइटी का भी गठन किया गया है। अब तक 22 लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जिलाधिकारी के आदेश पर गुरुवार की रात भाई-बहन का पोस्टमार्टम हुआ। सूत्रों के अनुसार, पोस्टमार्टम में दोनों की तकिये से दम घोंटकर हत्या किए जाने और शव पर केरोसिन डालकर जलाने की बात सामने आई है। शुक्रवार को पिता ने दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार कर दिया।

सड़क पर उतरे लोग, बंद रहा बाजार : अंशु-अंजलि की हत्या के दूसरे दिन शुक्रवार को भी आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गए। टायर जलाकर जाम कर दिया तथा जानीपुर बाजार की सभी दुकानों को बंद करा दिया। विधायक गोपाल रविदास भी लोगों के साथ आम जनता के बीच सड़क पर बैठ गए। लोगों का कहना था कि एसएसपी खुद मौके पर आएं। लोग पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने, दोषियों को सजा दिलाने के साथ ही मुआवजा देने की मांग कर रहे थे।

शिक्षिका व किशोरी का अश्लील वीडियो बना दुष्कर्म

जागरण संवाददाता, कासगंज: मुस्लिम युवकों ने दोस्ती कर हिंदू शिक्षिका और उनके मकान मालिक की नाबालिग पुत्री का अश्लील वीडियो बना लिया। वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर आरोपित कई दिनों से दोनों से दुष्कर्म कर रहे थे। शिक्षिका की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। एएसपी राजेश भारती ने बताया कि किराये के मकान में रहने वाली शिक्षिका ने तहरीर दी कि चाहत अल्वी और खुशनूर ने उसकी और उसके मकान मालिक की नाबालिग पुत्री का धोखे से अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद कई दिनों से दोनों इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित करने के नाम पर उनको ब्लैकमेल कर रहे हैं। एएसपी ने बताया कि दोनों पहले युवतियों से दोस्ती करते थे, जिसके बाद उन्हें अपने झांसे में लेकर उनके अश्लील फोटो और वीडियो बना लेते थे।

अमरोहा में हाथ पर सुसाइड नोट लिखकर बीएड की छात्रा ने की खुदकुशी

जागरण संवाददाता, अमरोहा

- फोटो व वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर वसूल लिए गए थे 52 हजार रुपये

हाथ पर सुसाइड नोट लिखकर बीएड की छात्रा ने जान दे दी। सुसाइड नोट में छात्रा ने गांव के अरुण और उसके भाई सुशील को जिम्मेदार ठहराया है। आरोप है कि अरुण ने रोहित संग बाइक से जाते वक्त उसका वीडियो बना लिया था। इसे प्रसारित करने का दबाव बनाकर उसने 52 हजार रुपये वसूल लिए। वह घर से बाहर निकलने पर अवैध संबंध बनाने का दबाव बनाता था। पुलिस ने अरुण और सुशील के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

युवती बीएड की पढ़ाई करने के साथ ही रेलवे में भर्ती की तैयारी कर रही थी। एक दिन वह घर से हसनपुर जाने के लिए रोहित की बाइक पर बैठ गई थी। पीछे से अरुण ने उसके फोटो खींच लिए थे और वीडियो भी बना लिया। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो व फोटो प्रसारित करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। अरुण उससे अवैध संबंध बनाने का दबाव डालता था। छात्रा 31 जुलाई को दिनभर तनाव में दिखाई दी तो उससे कारण पूछा गया। इस पर उसने बताया था कि मुझे अरुण ब्लैकमेल कर रहा है।

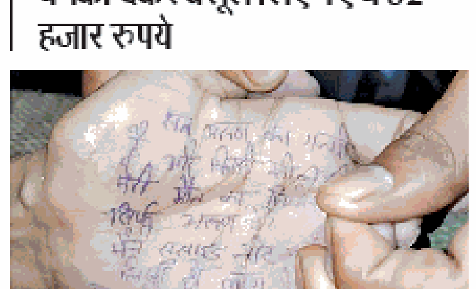

छात्रा के हाथ पर लिखा सुसाइड नोट। स्वजन

बदायूं में सामूहिक दुष्कर्म, ग्राम प्रधान समेत तीन पर प्राथमिकी

जागरण संवाददाता, बदायूं : निकाह का झांसा देकर युवती से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। मुख्य आरोपित तीन वर्ष तक उसका शोषण करता रहा, फिर उसके भाई और ग्राम प्रधान ने भी दरिंदगी की। शुक्रवार को तालिब, उसके भाई खालिद व ग्राम प्रधान शफीक के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत की गई। युवती ने बताया कि बीमारी के कारण वह एक अस्पताल में दवा लेने जाती थी। वहीं तालिब से परिचय हुआ था। तीन वर्ष पहले वह निकाह का वादा कर मिलने बुलाने लगा, फिर दुष्कर्म किया। कुछ समय पूर्व उसके भाई खालिद ने भी ब्लैकमेल कर दुष्कर्म किया। 25 जुलाई की रात नौ बजे तालिब, भाई खालिद मौसमपुर के ग्राम प्रधान शफीक के पास लेकर गया। वहां पहुंची तो तालिब ने निकाह से इन्कार कर दिया। इसके बाद तीनों ने दुष्कर्म किया।

****

6 मैतेयी लोगों की मणिपुर के जिरीबाम जिले में हत्या में शामिल एक व्यक्ति को एनआइए और असम पुलिस ने गुरुवार को कछार जिले में एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया है। आरोपित पर तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या करने का आरोप है।

न्यूज गैलरी

नीट-यूजी की याचिका पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका पर सुनवाई से इन्कार कर दिया, जिसमें नीट-यूजी 2025 की परीक्षा में पूछे गए तीन प्रश्नों में गंभीर गलतियों का दावा किया गया था। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चांदुरकर की पीठ के समक्ष यह याचिका सुनवाई के लिए आई। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि वह संबंधित हाई कोर्ट में अपील करें। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, 'ये (तीन) प्रश्न गलत थे। मैंने दो विशेषज्ञों की राय ली और वे भी मेरी राय से सहमत हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि ये तीनों प्रश्न याचिकाकर्ता के लिए 13 अंकों का अंतर पैदा कर रहे थे। (प्रेट्र)

असम चिटफंड मामले में फरार आरोपित को किया गिरफ्तार

कोलकाता : सीबीआइ ने असम में पोंजी स्कीम मामले में फरार एक आरोपित को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। आरोपित ने असम में अधिक मुनाफे का वादा कर निवेशकों से बड़ी रकम ठगी थी। अजय कुमार उर्फ राजू गुप्ता आइडल इंडिया ग्रुप आफ कंपनीज का निदेशक था। उसने कई कंपनियां बनाकर विभिन्न योजनाएं चलाईं और ब्याज के साथ मूलधन वापस करने का वादा करके असम के लोगों से पैसे लिए और उसका दुरुपयोग किया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने नौ मई 2014 को उच्चतम न्यायालय के आदेश पर जांच का जिम्मा संभाला था। (राब्यू)

बिहार में शरारती तत्वों ने तोड़ी देवी-देवताओं की प्रतिमा

बनमाईटहरी (सहरसा) : बिहार के सहरसा जिले के रसलपुर गांव में गुरुवार रात शरारती तत्वों ने तीन अलग-अलग वार्डों में देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। घटना की सूचना पर सिमरी बख्तियारपुर के एसडीपीओ, सर्किल इंस्पेक्टर, अनुमंडल पदाधिकारी और अन्य पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। जानकारी के अनुसार, हनुमान मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा का हाथ तोड़ दिया गया, जबकि रामजानकी ठाकुरबड़ी मंदिर में राम और लक्ष्मण की प्रतिमाओं के हाथ भी तोड़े गए। इसके अलावा, सरस्वती स्थान में धर्म ध्वज को उखाड़कर फेंक दिया गया। (जासं)

इंडिगो की उड़ान में एक शख्स ने सहयात्री को मारा थप्पड़

नई दिल्ली : इंडिगो की मुंबई से कोलकाता उड़ान में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने सहयात्री को थप्पड़ मार दिया। यह घटना उड़ान संख्या 6ई138 में हुई। लैंडिंग के बाद आरोपित को कोलकाता हवाई अड्डे पर सुरक्षा टीम के हवाले कर दिया गया। आरोपित को एयरलाइन द्वारा अनुशासनहीन घोषित किया गया है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि घटना कब हुई। क्या जब विमान टेकआफ की तैयारी कर रहा था या उड़ान के दौरान। इसे लेकर इंडिगो की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सहयात्री द्वारा थप्पड़ मारने का कारण भी ज्ञात नहीं हो सका है। (प्रेट्र)

बिहार में महावीरी झंडा जुलूस पर पथराव में छह गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर : बिहार में मुजफ्फरपुर जिले में शीतल सेमरा मंदिर परिसर से निकले महावीरी झंडा जुलूस पर पथराव मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की ओर से 29 को नामजद करते हुए 200 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस का कहना है कि छह नामजद आरोपितों को पकड़ा गया है। पूछताछ कर इन सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने की कवायद की जा रही है। मालूम हो कि राजेपुर ओपी क्षेत्र के मीनापुर में गुरुवार को महावीरी झंडा जुलूस पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया था। पथराव में राजेपुर ओपीध्यक्ष, दारोगा सहित जुलूस में शामिल करीब चार दर्जन लोग जख्मी हो गए थे। (जासं)

फर्जी मुठभेड़ में सात की हत्या में तत्कालीन एसएसपी व डीएसपी सहित पांच दोषी करार

तरनतारन में 1993 में हुई थी फर्जी मुठभेड़, मोहाली सीबीआइ कोर्ट चार को सुनाई जाएगी सजा

जागरण संवाददाता, तरनतारन

- मुठभेड़ में तीन एसपीओ सहित सात युवाओं को आतंकी बताकर मार दिया था
- सुनवाई के दौरान पांच आरोपितों की मौत हो गई, सभी दोषियों को पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश

मोहाली में फर्जी मुठभेड़ में पुलिस अधिकारियों को दोषी करार दिए जाने के बाद खुशी जाहिर करते हुए शिंदर सिंह की पत्नी निंदर कौर (बाएं से दूसरे स्थान पर) और बेटा निशान सिंह (दाएं)। जागरण

आतंकवाद के दौर में हुई फर्जी मुठभेड़ में सात लोगों की हत्या के मामले में 32 वर्ष बाद फैसला आया है। गुरुवार को मोहाली की सीबीआइ अदालत ने सेवानिवृत्त एसएसपी भूपिंदरजीत सिंह, डीएसपी दविंदर सिंह, इंस्पेक्टर सूबा सिंह, एएसआइ गुलबर्ग सिंह और रघबीर सिंह को दोषी करार दिया है। चार अगस्त को सजा सुनाई जाएगी।

12 जुलाई, 1993 में तरनतारन जिले के गांव संगतपुरा के पास हुई फर्जी मुठभेड़ में तीन स्पेशल पुलिस अफसरों (एसपीओ) सहित सात युवाओं को मौत के घाट उतार दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआइ ने मामले की जांच की, जिसमें दस पुलिस अधिकारी और कर्मी दोषी पाए गए।

सुनवाई के दौरान पांच आरोपितों गुरदेव सिंह, ज्ञान चंद, जागीर सिंह, महिंदर सिंह और ऊड़ सिंह की मौत हो गई। गुरुवार को सीबीआइ की अदालत ने सभी दोषियों को पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इन सभी को चार अगस्त को सजा सुनाई जाएगी। अभियोजन के मुताबिक, घटना वाले दिन तरनतारन जिले के गांव रानीवल्लाह में एसपीओ शिंदर सिंह उर्फ शिंदा, सुखदेव सिंह और देसा सिंह तैनात थे। इनकी ड्यूटी शराब ठेकेदार जोगिंदर सिंह के साथ थी। इसी गांव से संबंधित काला सिंह घरेलू कामकाज करता था। थाना सरहाली व गोइंदवाल साहिब में हुई वारदातों के संबंध में पुलिस ने सुखदेव सिंह, देसा सिंह व काला सिंह को अवैध तौर पर हिरासत में लिया। बाद में उनके खिलाफ आतंकी वारदातों को अंजाम देने के मुकदमे दर्ज किए गए।

पुलिस ने उस समय दावा किया था कि इन तीनों को असलहे की बरामदगी के लिए लेकर जाया जा रहा था, तो चार आतंकियों ने घात लगाकर हमला किया। मुठभेड़ में सभी सात आतंकी मारे गए। इसके बाद पुलिस ने शवों को लावारिस करार देकर तरनतारन के श्मशानघाट में अंतिम संस्कार कर दिया था। एडवोकेट सरबजीत सिंह वेरका ने बताया कि एसपीओ शिंदर सिंह की पत्नी उस समय गर्भवती थीं। फर्जी मुठभेड़ की जांच सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सीबीआइ को सौंपी गई थी। एसपीओ शिंदर सिंह के लड़के निशान सिंह ने बताया कि परिवार को दोषी पुलिस अधिकारियों ने कई बार धमकी दी। लालच भी दिए गए, लेकिन मां ने हार नहीं मानी। न्याय मिलने में भले ही 32 वर्ष लग गए हों, लेकिन यह साबित करता है कि "रब दे घर देर है, अंधेर नहीं।" यह दर्शाता है कि कैसे पुलिस की शक्ति का दुरुपयोग किया जा सकता है।

ऋण धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी पूछताछ के लिए ईडी मुख्यालय में तलब

17,000 करोड़ से अधिक के कलेक्टिव लोन डायवर्जन से संबंधित है मामला

पांच अगस्त को बुलाया गया, पीएमएलए के तहत बयान दर्ज करेगी एजेंसी

नई दिल्ली, प्रेट्र : ईडी ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी को उनके समूह की कंपनियों के विरुद्ध करोड़ों रुपये के कथित बैंक लोन धोखाधड़ी से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में पांच अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया है। 66 वर्षीय अंबानी को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है क्योंकि मामला यहीं दर्ज किया गया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पेशी के बाद ईडी प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत अनिल अंबानी का बयान दर्ज करेगी। उनके समूह की कंपनियों के कुछ अधिकारियों को भी अगले कुछ दिनों में तलब किया गया है। यह समन पिछले हफ्ते ईडी द्वारा उनके बिजनेस ग्रुप के अधिकारियों सहित 50 कंपनियों और 25 लोगों के 35 परिसरों की तलाशी लेने के बाद जारी किया गया है। 24 जुलाई को शुरू हुई यह तलाशी तीन दिनों तक चली थी।

यह कार्रवाई अनिल अंबानी की कई ग्रुप कंपनियों (रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर समेत) द्वारा कथित वित्तीय अनियमितताओं और 17,000 करोड़ रुपये से अधिक के कलेक्टिव लोन के डायवर्जन से संबंधित है। सेबी की एक रिपोर्ट के आधार पर ईडी ने पाया कि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने सीएलई नामक एक कंपनी के जरिये रिलायंस ग्रुप की कंपनियों को अंतर-कारपोरेट जमा (आइसीडी) के रूप में धनराशि डायवर्ट की थी। आरोप है कि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने शेयरधारकों और आडिट पैनल से स्वीकृति लेने से बचने के लिए सीएलई को अपनी "संबंधित पार्टी" के रूप में उजागर नहीं किया था।

रिलायंस ग्रुप के प्रवक्ता ने कहा कि 10,000 करोड़ रुपये की राशि एक अज्ञात पार्टी को कथित रूप से डायवर्ट करने का आरोप 10 वर्ष पुराना मामला है और कंपनी ने अपने फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स में बताया था कि यह जोखिम केवल लगभग 6,500 करोड़ रुपये था। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने लगभग छह महीने पहले नौ फरवरी, 2025 को इस मामले का सार्वजनिक किया था। कंपनी ने कहा, "सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा आयोजित अनिवार्य मध्यस्थता कार्यवाही और बांबे हाई कोर्ट में दाखिल मध्यस्थता निर्णय के जरिये रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने 6,500 करोड़ रुपये के अपने 100 प्रतिशत ऋण की वसूली के लिए एक समझौता किया था।" कंपनी ने यह भी कहा कि अनिल अंबानी तीन वर्ष (मार्च, 2022) से अधिक समय से रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर के बोर्ड में नहीं थे।

ईडी 2017-2019 के बीच अंबानी की ग्रुप कंपनियों को यस बैंक द्वारा दिए गए लगभग 3,000 करोड़ रुपये के गैरकानूनी लोन डायवर्जन के आरोपों की भी जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने पाया कि लोन दिए जाने से ठीक पहले यस बैंक के प्रमोटरों को धन प्राप्त हुआ था। एजेंसी रिश्वत और लोन के बीच संबंध की जांच कर रही है। ईडी इन कंपनियों को यस बैंक द्वारा लोन स्वीकृत करने में नियमों के घोर उल्लंघनों के आरोपों की भी जांच कर रही है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और केनरा बैंक के बीच 1,050 करोड़ रुपये से अधिक के बैंक लोन धोखाधड़ी के अलावा कुछ अघोषित विदेशी बैंक खाते और संपत्तियां भी ईडी की जांच के दायरे में हैं। बताया जाता है कि रिलायंस म्यूचुअल फंड ने भी एडिशनल टायर-1 बांड में 2,850 करोड़ रुपये का निवेश किया है और जांच एजेंसी को इसमें घूसखोरी का संदेह है।

कोलकाता और भुवनेश्वर में चार जगहों पर ईडी ने की छापेमारी

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता : ईडी ने एक फर्जी बैंक गारंटी रैकेट की जांच के सिलसिले में भुवनेश्वर में तीन और कोलकाता में एक स्थान पर छापेमारी की है। छापेमारी के दौरान ओडिशा स्थित एक कंपनी के खिलाफ भी दबिश दी गई, जो व्यापारिक समूहों के लिए फर्जी बैंक गारंटी जारी करने का रैकेट चलाती थी। एजेंसी सूत्रों के मुताबिक छापेमारी के दौरान कई अहम दस्तावेज जब्त किए गए हैं। धन शोधन का यह मामला भुवनेश्वर स्थित बिस्वाल ट्रेडलिंक नामक कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज ईडी का मामला, दिल्ली पुलिस आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की नवंबर, 2024 की एफआइआर से जुड़ा हुआ है। एजेंसी सूत्रों ने आरोप लगाया कि कंपनी आठ प्रतिशत कमीशन पर फर्जी बैंक गारंटी जारी करने की गतिविधि में लिप्त थी। रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड (रिलायंस पावर की सहायक कंपनी)/ महाराष्ट्र एनर्जी जेनरेशन लिमिटेड की ओर से सोलर एनर्जी कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) को सौंपी गई 68.2 करोड़ की बैंक गारंटी फर्जी पाई गई। ईडी ने पिछले सप्ताह छापेमारी के दौरान लेनदेन से संबंधित कुछ दस्तावेज जब्त किए।

मथुरा में कारोबारी की चांदी लूटने वाला मुठभेड़ में ढेर, साथी घायल

जागरण संवाददाता, मथुरा : आगरा-दिल्ली हाईवे पर लाखों रुपये की चांदी लूटने वाले एक बदमाश नीरज को गुरुवार रात पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया। उसका साथी घायल हो गया। यह वारदात आगरा के छह युवकों द्वारा मंगलवार को अंजाम दी गई थी। आनलाइन गेम में लाखों की रकम हारने के बाद कर्ज से मुक्ति पाने के लिए युवकों ने लूट की योजना बनाई थी। फरार चार अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से 82.2 किलो चांदी, बोलेरो, एक पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं।

एसपी क्राइम अवनीश मिश्रा ने बताया कि श्रीजी ज्वैलर्स के संचालक हरिओम सोनी के बेटे कन्हैया और गौरव ने मंगलवार शाम आगरा से चांदी लेकर लौटते समय लूट का सामना किया। नकाबपोश युवकों ने कार को रोककर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने ग्वालियर बाइपास के नीचे घेराबंदी की। जब पुलिस ने युवकों को रोकने का प्रयास किया, तो फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में नीरज व राहुल घायल हो गए।

निसार का प्रक्षेपण दुनिया के सबसे सटीक प्रक्षेपणों में से एक : नारायणन

- इसरो अध्यक्ष ने कहा- इस सफलता से नासा उत्साहित
- कमीशनिंग चरण में पहुंचा इसरो-नासा का निसार मिशन

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा है कि निसार सेटेलाइट का सफल प्रक्षेपण विश्व के सर्वाधिक सटीक प्रक्षेपणों में से एक है। नासा यह देखकर उत्साहित है कि भारत ने स्वदेशी जीएसएलवी मार्क राकेट के जरिये इस मिशन को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया।

गौरतलब है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के संयुक्त मिशन नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) को बुधवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लांच किया गया है।

इसरो प्रमुख ने कहा, हमारे अपने राकेट ने सेटेलाइट को कक्षा में स्थापित किया है। यह दुनिया के सबसे सटीक प्रक्षेपणों में से एक है, जिसमें पांच-चरणीय राकेट ने हर चरण में बिना किसी समस्या के कार्य किया। सेटेलाइट को केवल दो से तीन किमी के मार्जिन के साथ सटीक कक्षा में स्थापित किया गया। देश गर्व कर सकता है कि भारत और अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित उपयोगी सेटेलाइट को राकेट का उपयोग करके कक्षा में स्थापित किया गया है। नासा के पृथ्वी विज्ञान प्रभाग में प्राकृतिक आपदा अनुसंधान के कार्यक्रम प्रबंधक गेराल्ड डब्ल्यू बावडेन ने कहा, निसार को 737 किमी की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है। इसे 747 किमी तक ले जाना है।

तिरुअनंतपुरम में शुक्रवार को साक्षात्कार देते इसरो प्रमुख वी नारायणन। प्रेट्र

एनआइए ने हिज्ब-उत-तहरीर के तीन सदस्यों पर आरोपत्र किया दायर

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन की विचारधारा का प्रचार करने और गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी और अन्य स्रोतों से धन जुटाने की साजिश में शामिल तीन हिज्ब उत-तहरीर (एचयूटी) आतंकी गुर्गों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है।

जांच एजेंसी ने कहा, आरोपित ने भारत विरोधी ताकतों से सैन्य सहायता प्राप्त करने भारत में इस्लामी खिलाफत स्थापित करने और एचयूटी के संस्थापक तकी अल-दीन अल-नभानी द्वारा लिखे संविधान को लागू करने के लिए एचयूटी के पदाधिकारियों के साथ साजिश रची थी।" तीनों ने हज और उमराह यात्रियों के माध्यम से पाकिस्तानी सेना से समर्थन हासिल करने की भी योजना बनाई थी। वे आरोपित युवाओं की भर्ती में लगे थे और उन्हें एचयूटी की विचारधारा में कट्टरपंथी बनाया गया था, जिसे पिछले साल अक्टूबर में भारत सरकार ने अपने सभी स्वरूपों और प्रमुख संगठनों के साथ प्रतिबंधित कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने शशि थरूर के खिलाफ मानहानि कार्यवाही पर रोक बढ़ाई

- पीएम के खिलाफ 'बिच्छू' टिप्पणी की थी, अगली सुनवाई 15 सितंबर को
- जज ने कहा, यह उपमा, उस व्यक्ति (मोदी) की अजेयता का संदर्भ देती है

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के खिलाफ एक मानहानि मामले में सुनवाई अदालत की कार्यवाही पर रोक को बढ़ा दिया है। यह मामला थरूर द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक मंदिर में पूजा करने के दौरान उनको लक्षित करते हुए की गई 'शिवलिंग पर बिच्छू" टिप्पणी के लिए दायर किया गया था। जस्टिस एमएम सुंदरेश और एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने शुक्रवार को थरूर के वकील की मांग पर मामले को स्थगित करने का आदेश दिया। शिकायतकर्ता के वकील भाजपा नेता राजीव बब्बर ने किसी अलग दिन पर सुनवाई की मांग की। पीठ ने कहा, 'कौन सा अलग दिन? आप इसपर इतना संवेदनशील क्यों हैं? चलिए, इसे समाप्त करते हैं और मामले की सुनवाई 15 सितंबर के लिए निर्धारित की।

थरूर ने दिल्ली हाई कोर्ट के 29 अगस्त, 2024 के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी, जिसने उनके खिलाफ मानहानि कार्यवाही को रद करने से इन्कार कर दिया था और उन्हें 10 सितंबर को सुनवाई अदालत में पेश होने के लिए कहा था। शशि थरूर के वकील ने कहा कि अच्छे विश्वास में की गई टिप्पणी आपराधिक नहीं होती। उन्होंने केवल छह साल पहले प्रकाशित एक लेख का संदर्भ दिया था। वहीं जस्टिस राय ने कहा, यह टिप्पणी एक उपमा है। यह उस व्यक्ति (मोदी) की अजेयता का संदर्भ देती है।

सरकार को टाटा समूह से एअर इंडिया वापस ले लेना चाहिए : मनीष तिवारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने सरकार से एअर इंडिया को टाटा समूह से वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने शुक्रवार को आरोप लगाया कि टाटा समूह ने एयरलाइन को बर्बाद कर दिया है और कभी राष्ट्रीय विमानन कंपनी रही इस एयरलाइन का निजीकरण आपदा साबित हुआ है। टाटा समूह या एअर इंडिया की ओर से इस पर कोई टिप्पणी नहीं आई है।

तिवारी ने आरोप लगाया कि चाय उगाने वाले व कार बनाने वाले लोग अब एअर इंडिया चला रहे हैं और शायद ही कोई विमानन विशेषज्ञ एयरलाइन चला रहा हो। बिना किसी कारण के उड़ानें रद कर दी गईं, उड़ानें देरी से चल रही हैं। पायलट और क्रू बताते हैं कि जो लोग टाटा टी में चाय उगाते हैं, टाटा स्टील में स्टील बनाते हैं, टाटा मोटर्स में कार बनाते हैं, वे एअर इंडिया चला रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, एयरलाइन का प्रबंधन गड़बड़ है। इसको चलाने वाला शायद ही सक्षम विमानन पेशेवर हो।

'संस्कृत को घर-घर तक पहुंचाने की जरूरत'

- आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, इसे संचार का माध्यम बनाने की आवश्यकता
- संस्कृत को समझने और उसमें संवाद करने की क्षमता रखने में होता है अंतर

नागपुर में शुक्रवार को कवि कुलगुरु कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय के नए भवन के उद्घाटन के दौरान मोहन भागवत बोलते करते हुए। प्रेट्र

नागपुर, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी है। इसे संचार का माध्यम बनाने के साथ ही घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने संस्कृत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की वकालत की। कहा कि यह एक ऐसी भाषा है जो हमारी भावनाओं को विकसित करती है। सभी को इस प्राचीन भाषा को जानना चाहिए। नागपुर के कवि कुलगुरु कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय में एक भवन के उद्घाटन समारोह में संघ प्रमुख ने कहा कि संस्कृत को समझने और उसमें संवाद करने की क्षमता रखने में अंतर होता है।

उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय को सरकारी संरक्षण मिलेगा, लेकिन जनता का संरक्षण मिलना भी जरूरी है। संस्कृत भारत की सभी भाषाओं की जननी है। इसे आगे बढ़ाने के लिए लोगों को अपने दैनिक जीवन में इसका इस्तेमाल करना चाहिए। मैंने यह भाषा सीखी है, लेकिन मैं इसे धाराप्रवाह नहीं बोल पाता। संस्कृत को हर घर तक पहुंचाने की जरूरत है। भागवत ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने और स्वबल प्रदर्शित करने की आवश्यकता पर सभी एकमत हैं, जिसके लिए बुद्धि और ज्ञान का विकास करना होगा। इस बात पर जोर दिया कि भारत की ताकत उसका स्वत्व है यानी कि आत्मनिर्भरता द्वारा स्वामित्व की भावना। उन्होंने कहा कि पश्चिमी समाज जहां वैश्विक बाजार की बात करता है, वहीं हम वैश्विक परिवार की बात करते हैं। इसकी विशेषता वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा है। भागवत ने भारत द्वारा जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के बारे में बात की और बताया कि इसका विषय वसुधैव कुटुम्बकम था।

यात्रा

आसमान को छूने जैसा अहसास चाहिए तो शाली टिब्बा आएं

यादवेन्द्र शर्मा • जागरण

9,423 फीट की ऊंचाई पर स्थित है शाली टिब्बा मंदिर, श्रीखंड पर्वतमाला का मनोरम दृश्य भी देख सकते हैं

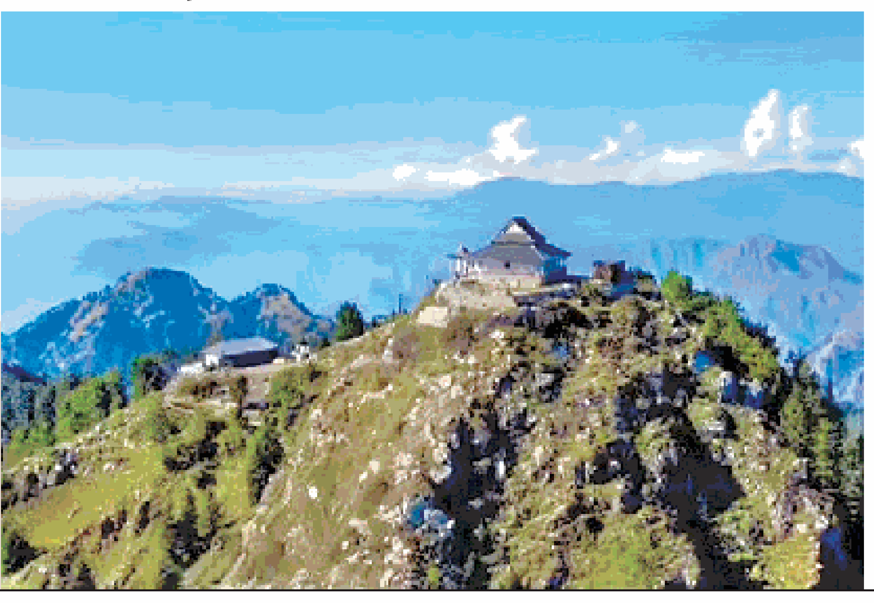

शिमला जिले की शाली टिब्बा चोटी के चारों तरफ नजर घुमाएं तो आसमान साथ लगता नजर आता है। यहां का नजारा बेहद अद्भुत है • जागरण

शिमला : यदि आप शिमला घूमने आए हैं और आध्यात्मिक प्रवृत्ति के साथ ट्रेकिंग के भी शौकीन हैं तो शाली टिब्बा की यात्रा शांति के साथ सुकून भी देगी। यहां पर पहुंचकर ऐसा लगता है कि आपने मानो आसमान को छू लिया हो। यहां के वातावरण में शांति महसूस की जा सकती है। 9,423 फीट की ऊंचाई पर स्थित शाली टिब्बा में मां भीमाकाली मंदिर को शिमला के रिज मैदान से भी देखा जा सकता है। यहां आसपास की अन्य चोटियां इससे कम ऊंचाई पर हैं। शाली टिब्बा से श्रीखंड पर्वतमाला सहित किन्नौर, चौपाल व उत्तराखंड की चोटियां भी देखी जा सकती हैं। शाली टिब्बा मंदिर लकड़ी और पत्थरों से बना है।

शिमला से खटनोल की दूरी लगभग 48 किलोमीटर है। शिमला से मशोबरा, बल्देयां, गुलथानी होते हुए सड़क से खटनोल और वहां से लगभग दो किलोमीटर कच्ची सड़क से वाहन से पहुंचा जा सकता है। यहां से शाली टिब्बा के लिए पांच से छह किलोमीटर का पैदल ट्रैक है। देवदार, बान, मरू और अन्य पेड़ ट्रेकिंग को और भी रोमांचक बनाते हैं। यह ट्रैक आसान है और इसे एक दिन में पूरा किया जा सकता है। हालांकि बीच में छोटे रास्ते भी हैं जो एकदम सीधे हैं। शाली टिब्बा की यात्रा किसी भी मौसम में की जा सकती है। हालांकि सर्दियों में हिमपात होता है, कई लोग तो बर्फ में ट्रेकिंग का आनंद लेते हैं। गर्मियों और वर्षा के दौरान भी यहां पर जनवरी और फरवरी में हिमपात होता है।

यहां ठहर सकते हैं : शिमला से खटनोल तक बस योग्य सड़क है। ऐसे में शिमला के पांच सितारा से लेकर आम होटलों में भी ठहरा जा सकता है। खटनोल से 24 किलोमीटर की दूरी पर नालदेहरा, बल्देयां और मशोबरा में तीन सितारा के अलावा अन्य होटल हैं जिनमें ठहरा जा सकता है। शाली टिब्बा मंदिर में सराय है जहां पर 100 से अधिक यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था है। यहां पर खाना ले जाना पड़ता है। हालांकि खटनोल में खाने पीने की दुकानें हैं। यहां पर लोगों को खाने में स्थानीय हिमाचली व्यंजन सिड्डू, लौटे (डोसा) परोसा जाता है।

इस तरह पहुंच सकते हैं शाली टिब्बा : पर्यटक दिल्ली और चंडीगढ़ से हवाई, सड़क और रेलमार्ग से शिमला पहुंच सकते हैं। जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट से लगभग 24 किलोमीटर की दूरी पर शिमला बस अड्डा है। शिमला से बस, टैक्सी या फिर अपनी गाड़ी से भी खटनोल आसानी से पहुंचा जा सकता है।

क्रेगनेनो में नेचर पार्क व ट्यूलिप गार्डन भी घूम सकते हैं

शाली टिब्बा जाते समय पर्यटक रास्ते में मशोबरा के साथ क्रेगनेनो में नेचर पार्क भी देख सकते हैं। पर्यटकों के लिए यहां ट्यूलिप गार्डन और घूमने के लिए सुंदर बगीचे हैं। शिमला के बल्देयां से दो किलोमीटर दूर जिस सड़क से होते हुए पर्यटक खटनोल जाते हैं वहां झरना भी है। खटनोल के साथ लगते दयोला, पजैली आदि स्थानों पर देवताओं के काष्ठकुणी शैली में मंदिर भी बने हैं। शाली टिब्बा के लिए पांच से छह घंटे का पैदल रास्ता प्राकृतिक नजारों से भरपूर है। यहां पहाड़ियों पर स्थित सीढ़ीनुमा खेत और सेब के बाग बेहद सुंदर लगते हैं।

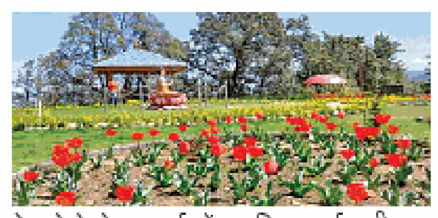

क्रेगनेनो नेचर पार्क में ट्यूलिप गार्डन भी लोगों की पसंद रहता है। मार्च से मई तक यहां फूल खिले होते हैं • जागरण

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

दो नाबालिग भाइयों ने लात-घूसों से पीटकर किशोर को मार डाला

जागरण संवाददाता, मेरठ

- साइकिल लेकर पैदल जा रहा था किशोर, टिप्पणी पर हुआ विवाद
- घटना के वक्त आरोपितों के माता-पिता भी थे मौजूद

14 वर्षीय किशोर की दो नाबालिग सगे भाइयों ने लात-घूसों से पीटकर हत्या कर दी। साइकिल लेकर पैदल जा रहे किशोर पर टिप्पणी करने को लेकर विवाद हुआ था। वारदात के समय आरोपित दोनों नाबालिगों के माता-पिता भी वहीं मौजूद थे। उन्होंने भी पीड़ित को नहीं बचाया। पुलिस ने आरोपितों के स्वजन को हिरासत में लिया है। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर दोनों बाल अपचारी व माता-पिता के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

जयभगवान का 14 वर्षीय बेटा चिराग गुरुवार शाम करीब पांच बजे साइकिल सुधरवाने गया था। दुकान पर सामान न मिलने के कारण पैदल ही साइकिल लेकर लौट रहा था। रास्ते में घर के बाहर बैठे नाबालिग दो सगे भाइयों ने उस पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। चिराग ने इसका विरोध किया। इसपर कहासुनी हो गई। इसी बीच दोनों भाइयों ने चिराग पर हमला बोल दिया। उसकी साइकिल सड़क पर गिर गई। उसके बाद लात-घूसों से पिटाई की। दोनों उसे तब तक पीटते रहते, जब तक मौत नहीं हो गई। जब चिराग नहीं उठा, तो हमलावर किशोर मौके से भाग गए। स्वजन वहां पहुंचे और चिराग को भूड़बराल सीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने मौत की पुष्टि कर दी। चिराग के स्वजन ने हंगामा कर दिया। एसएसपी डा. विपिन ताडा ने बताया कि मामूली बात को लेकर किशोर की हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्यारोपित बाल अपचारी भाइयों के स्वजन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। हत्या के बाद गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

****

दैनिक जागरण
कर्म पूजा है और कर्तव्य पालन भक्ति

कार्रवाई करे चुनाव आयोग

राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव आयोग पर जैसे शरारत भरे और इस संवैधानिक संस्था को बदनाम करने एवं देश को गुमराह करने वाले आरोप लगाए, वे उनकी हताशा को ही दर्शाते हैं। वे अपनी नाकामी का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रहे हैं और वह भी भद्दे तरीके से। चूंकि उनके ऐसे पुराने आरोप ठहर नहीं रहे इसलिए वे कुंठित हो रहे हैं। वे हताशा में हद पार कर रहे हैं। उन्हें यह भी भान नहीं कि वे नेता सदन हैं और उस कांग्रेस के नेता हैं, जिसने देश पर लंबे समय तक शासन भी किया और चुनाव प्रक्रिया में सुधार के कुछ कदम भी उठाए। क्या कांग्रेस के लिए यह शर्म की बात नहीं कि जिस ईवीएम का उपयोग उसके शासनकाल में शुरू हुआ, उसके पीछे उसके ही बड़े नेता पड़े हैं। हाल के वर्षों में ईवीएम के कथित दुरुपयोग के जो भी आरोप लगे, उन्हें तो सुप्रीम कोर्ट ने भी फर्जी पाया। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर लगाए गए आरोप भी फर्जी ही पाए गए। राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव आयोग के खिलाफ उलटा-सीधा नहीं, उलटा ही उलटा इसलिए बोला ताकि सांसद को मिले अधिकारों के तहत उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न हो सके।

यह ठीक है कि चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के नितांत झूठे और भारतीय लोकतंत्र की छीछालेदर करने वाले आरोपों का कड़ा प्रतिवाद करने के साथ यह कहकर उन्हें बेनकाब भी किया कि वे किस तरह अपने आरोपों का जवाब सुनने उसके समक्ष उपस्थित नहीं हुए। चुनाव आयोग ने बार-बार उन्हें बुलाया, लेकिन लगता है कि वे खुद को इस संवैधानिक संस्था से भी ऊपर समझ रहे हैं। वे गांधी परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि यह मुगालता पाल लें कि आम जनता उनके शरारत भरे आरोपों को सच मान लेगी। जनता का उनके आरोपों पर भरोसा होता तो चुनावों में कांग्रेस की इतनी दुर्गति नहीं हो रही होती। वोट चोरी के आरोप लगा रहे राहुल और उनके साथी यह भूलना भी पसंद कर रहे हैं कि झारखंड और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव कौन जीता था? अब यह आवश्यक है कि यदि राहुल गांधी या उनके सहयोगी अथवा कथित लोकतंत्र हितैषी चुनाव आयोग पर सिरे से झूठे आरोप लगाएं तो वह उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे। यदि ऐसा काम राहुल संसद के बाहर करें तो उनके खिलाफ भी चुनाव आयोग को पुलिस में शिकायत करने के साथ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि कुछ लोग लोकतंत्र बचाने के नाम पर उससे ही खेल रहे हैं। अब यह भी साफ है कि ऐसे लोग मतदाता सूचियों का सत्यापन नहीं होने देना चाहते, भले ही घुसपैठिये वोटर बने रहें। देशद्रोह तो यह है। इस मामले में जनहित याचिकाएं सुनने को आतुर सुप्रीम कोर्ट को भी सक्रिय होना चाहिए।

प्रेरणास्रोत बनें शिक्षक

शिक्षक विद्यार्थियों के मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत होते हैं। बच्चे शिक्षक से ही सीखकर अपने भविष्य का निर्माण करते हैं। पंजाब में लुधियाना के सरकारी प्राइमरी स्कूल भूखड़ी कलां का मामला हैरान करने वाला है। यहां कार्यरत ईटीटी अध्यापिका को निलंबित किया गया, क्योंकि वह स्कूल में नशा करती थी। स्थानीय लोगों ने शिक्षिका के आचरण की शिकायत की थी। पंचायत ने शिक्षिका को नशा छोड़ने की चेतावनी दी, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। ऐसे शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई आवश्यक थी। ऐसे शिक्षक से बच्चे क्या सीखेंगे? शिक्षकों को उदाहरण स्थापित करना चाहिए, जिससे बच्चे और बेहतर करने के लिए प्रेरित हो सकें। सरकार प्रदेश से नशे का कलंक मिटाने के लिए प्रयासरत है। नशे के विरुद्ध अभियान भी जारी है और अब तक बीस हजार से अधिक नशा तस्कर सलाखों के पीछे पहुंचाए जा चुके हैं। प्रदेश सरकार अब नौवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए नशे से बचाव का एक वैज्ञानिक पाठ्यक्रम भी शुरू कर रही है। अभिभावकों का दायित्व है कि उन्हें यह जानकारी होनी चाहिए कि स्कूल में अध्यापक कैसे हैं, उनका आचरण कैसा है और वहां पढ़ाई का माहौल कैसा है। यदि अभिभावक जागरूक होंगे, तो बच्चों का भविष्य भी उज्ज्वल बनेगा। शिक्षकों को अपने आचरण में सुधार लाना चाहिए ताकि वे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकें।

> ऐसी शिक्षिका का निलंबन आवश्यक था, क्योंकि वह स्कूल में नशा करती थी। ऐसे शिक्षकों से बच्चों को क्या सीख मिलेगी?

सभी शिक्षा संस्थानों में लागू हो नई शिक्षा नीति

बद्री नारायण

पांच वर्ष पुरानी नई शिक्षा नीति का उद्देश्य देश के शिक्षा जगत में एक ऐसा प्राणतत्व फूंकना है, जिससे सच्चे भारतीय मन की पीढ़ी विकसित हो सके

भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कई परिवर्तनकारी योजनाएं तैयार की गई हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, इन्फ्रास्ट्रक्चर, अंतरिक्ष कार्यक्रम और सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में चल रही योजनाएं मिलकर विकास को गति दे रही हैं। इसी दिशा में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए नई शिक्षा नीति-2020 का निर्माण, विकास और कार्यान्वयन किया गया है। अब इस नीति को लागू हुए पांच वर्ष हो चुके हैं। यह सही समय है कि हम इसकी समीक्षा करें कि इसने भारतीय शिक्षा जगत में क्या परिवर्तन लाए हैं और भविष्य में हमें क्या करना चाहिए? नई शिक्षा नीति एक दीर्घकालिक शैक्षिक परिवर्तन की रूपरेखा है, जिसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा में मौलिकता, उद्योग-अकादमिक संवाद और छात्रों में रोजगारपरकता विकसित करना है। इसमें प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संकल्पित पंच प्रण में से एक युवा पीढ़ी में आत्मविश्वास और भारतीय शिक्षा के विऔपनिवेशीकरण का लक्ष्य भी शामिल है। इसका उद्देश्य भारतीय शिक्षा जगत में ऐसा प्राणतत्व फूंकना है, जिससे देश में भारतीय मन की पीढ़ी विकसित हो सके।

नई शिक्षा नीति विश्व में सर्वाधिक जनसंवाद से विकसित हुई शिक्षा नीति है। इसके लिए 1,10,623 ग्राम स्तरीय बैठक और 3,250 ब्लाक, 725 शहरी एवं 340 जिला स्तर पर संवाद आयोजित किए गए थे। इस दीर्घकालिक निर्माण प्रक्रिया के बाद इसके कार्यान्वयन का कार्य प्रारंभ हुआ। इन पांच वर्षों में अपने प्रारंभ से ही भारतीय शिक्षा जगत में बहुविषयक दृष्टिकोण विकसित करने और अन्य लक्ष्यों को पाने के लिए पहले ढांचागत परिवर्तन किया गया। इस ढांचागत परिवर्तन के लिए स्कूल शिक्षा से लेकर उच्चतर शिक्षा तक कई सुधार किए गए। इनमें अनुशासनिकता पर आधारित चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई। क्रेडिट सिस्टम और क्रेडिट ट्रांसफर जैसी व्यवस्थाएं विकसित की गईं। मूल्यगत शिक्षा, स्किल आधारित कोर्स, रचनात्मक मौलिक पाठ्यचर्या आदि कई नए पाठ्यक्रम विकसित किए गए। ये ढांचागत परिवर्तन देश के अधिकांश स्कूलों और उच्च शिक्षा में लागू हो रहे हैं। स्कूल से लेकर उच्चतर शिक्षा तक पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें विकसित की जा रही हैं, जो मौलिकता, भारतीय ज्ञान परंपरा, स्किल, विकास, उद्योग और ज्ञान जगत संवाद पर आधारित हैं। स्कूल से लेकर उच्चतर शिक्षा से जुड़े कई विद्वान और शिक्षक इस कार्य में लगे हैं। इनके परिणाम शीघ्र ही देखने को मिलेंगे। एनसीईआरटी की नई पाठ्यपुस्तकें इन्हीं लक्ष्यों को ध्यान में रखकर विकसित की गई हैं और कई पाठ्यपुस्तकें अब भी विकसित की जा रही हैं। यह काम और तेजी से किया जाना चाहिए। वास्तव में नई शिक्षा नीति एक दीर्घकालिक चरणबद्ध कार्यक्रम है, जिसके माध्यम से मुख्य लक्ष्य भारतीय शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन लाना है।

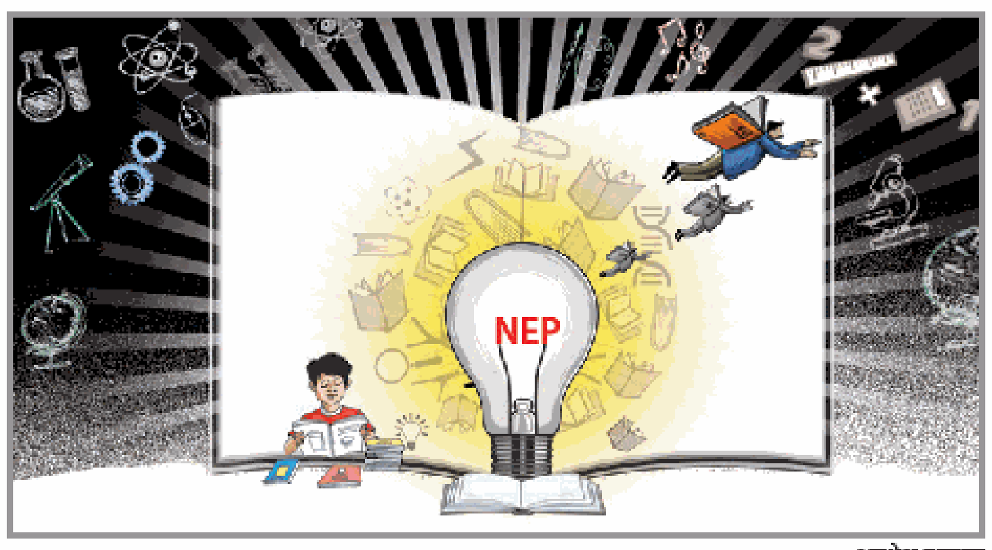

अवधेश राजपूत

भारतीय शिक्षा व्यवस्था में नई शिक्षा नीति के तहत प्रशासनिक परिवर्तन के लिए ई-समर्थ कार्यक्रम विकसित किया गया है। इस कार्यक्रम से अब तक 12,800 उच्च शिक्षा संस्थान जुड़ चुके हैं, जिनमें 1.75 करोड़ छात्रों की शैक्षिक व्यवस्था के दैनिक प्रबंधन का संचालन हो रहा है। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के क्रम में 'स्वयं प्लस' लागू किया गया है, जिससे पांच लाख इंटर्न प्रशिक्षित हो रहे हैं। नई शिक्षा नीति के तहत भारतीय शिक्षा को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में भी कई कार्य किए गए हैं। भारतीय ज्ञान व्यवस्था से जुड़े गणित, एस्ट्रोनामी, सौंदर्यशास्त्र, जन स्वास्थ्य केंद्रित जैसे विषयों में उच्च शिक्षा के लिए लगभग 38 पाठ्यक्रम विकसित किए गए हैं। इनके शिक्षण के लिए शिक्षक और अनुदेशक प्रशिक्षित भी किए जा रहे हैं। भारतीय शिक्षा जगत विशेषतः उच्च शिक्षा में हो रहे इन ढांचागत, प्रशासनिक, व्यवस्थापन, पाठ्यक्रम, डिजाइन और पाठ्यपुस्तक निर्माण का एक बड़ा असर यह हुआ है कि भारतीय शिक्षा संस्थानों ने हाल के वर्षों में विश्व रैंकिंग में महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। विश्व स्तर पर कराए जा रहे क्यूएस-500 रैंकिंग में भारत के 11 विश्वविद्यालयों ने महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। इस वर्ष 46 भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों ने क्यूएस रैंकिंग में अपनी जगह बनाई है। क्यूएस एशिया रैंकिंग-2025 में भी देश के 163 विश्वविद्यालयों ने महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। क्यूएस रैंकिंग में जगह बनाना गुणात्मक मूल्यांकन और सर्वांगीण प्रदर्शन का गहन मूल्यांकन के बाद ही संभव हो पाता है। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का एक लाभ यह भी हुआ है कि भारतीय शिक्षा संस्थान विश्व के कई देशों में अपने कैंपस खोल रहे हैं। दुनिया के कई विश्वविद्यालय भी भारत में अपने कैंपस खोल रहे हैं। हाल में मध्य पूर्व और एशिया के कई देशों में आइआइटी और आइआइएम जैसी संस्थाओं के कैंपस खोले गए हैं।

देश के सभी स्कूलों, कालेजों और विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति लागू की जानी चाहिए। शिक्षा के मामले में दलगत राजनीति नहीं होनी चाहिए। सब शैक्षिक संस्थानों में नई शिक्षा नीति लागू करने के लिए अधिक से अधिक शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों और प्रक्रिया के संबंध में प्रशिक्षित करने के लिए राज्य सरकारों और विश्वविद्यालयों द्वारा कार्यशालाएं आयोजित करनी चाहिए। विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग द्वारा संचालित मदन मोहन मालवीय ट्रेनिंग सेंटर्स, ओरिएंटेशन और रिफ्रेसर कोर्स तथा कई ज्ञान प्रशिक्षण केंद्र इसमें मददगार हो सकते हैं। ऐसे पाठ्यपुस्तक भी विकसित करने चाहिए, जो सरल ढंग से ज्ञान विमर्श करते हुए नई शिक्षा नीति के आत्मा को अपने में प्रवाहित करें। स्कूल शिक्षा के लिए प्रस्तावित त्रिभाषा फार्मूला के लिए राज्य सरकारों और आमजन में स्वीकृति का भाव विकसित करना चाहिए। कुल मिलाकर नई शिक्षा नीति लगातार कई चुनौतियों का सामना करते हुए लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ रही है। उम्मीद है कि इसका अगला चरण विकसित भारत-2047 के लिए आवश्यक देश के ज्ञान जगत और ज्ञान शक्ति को विकसित करेगा।

(लेखक टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज, मुंबई के कुलपति हैं)
response@jagran.com

धैर्य और संकल्प की अद्भुत कहानी

विशाल सरीन

महिला विश्व शतरंज चैंपियन की कमी पूरी होना इसलिए खास है, क्योंकि शतरंज दुनिया का बहुत ही लोकप्रिय खेल है

जब आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के सामने हों और आप पर कमजोर होने का ठप्पा लगा हो तो उत्कृष्टता हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प की जरूरत होती है। नागपुर की 19 वर्षीय किशोरी दिव्या देशमुख ने जार्जिया के बटुमी में विश्व महिला शतरंज कप जीतकर इसी की पुष्टि की। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर और चौथी महिला खिलाड़ी बनीं। बुडापेस्ट, हंगरी में आयोजित पिछले शतरंज ओलंपियाड में भारतीय महिला टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में मदद करने वाली प्रमुख खिलाड़ियों में से एक दिव्या के लिए यह एक परीकथा जैसी कहानी रही है। वह देश की अगली ग्रैंडमास्टर बनने को तत्पर थीं, लेकिन सवाल यही था कि कब बनेंगी? ग्रैंडमास्टर बनने के लिए तीन ग्रैंडमास्टर मानदंड और 2500 की रेटिंग की आवश्यकता होती है। दिव्या के पास तब इनमें से किसी का भी बखान करने के लिए कुछ नहीं था, जब वह दूसरे राउंड से शुरू होने वाले अपने पहले मुकाबले में उतरीं। जार्जिया की केसरिया मगेलाद्जे के खिलाफ दो गेम के मैच में आसान और अपेक्षित 1.5-0.5 से जीत हासिल करने के साथ ही शतरंज के इतिहास में दर्ज होने वाली एक कहानी की शुरुआत हो गई। सर्बिया की इंजाक टेओडोरा तीसरे राउंड में दिव्या के हाथों 0.5-1.5 से हारने वाली अगली खिलाड़ी थीं और चौथे राउंड में उनका मुकाबला चीन की जिनर झू से हुआ। यह शायद उनके जीवन का सबसे कठिन मैच था।

पहला गेम जीतने और दूसरा हारने के बाद दिव्या ने 15 मिनट के टाईब्रेकर में चीनी खिलाड़ी को फिर से 1.5-0.5 से हरा दिया और अब उनका मुकाबला हमवतन ग्रैंडमास्टर डी. हरिका से था। दिव्या ने फिर टाईब्रेकर में 2-0 से जीत हासिल की और हरिका को दौड़ से बाहर कर दिया। पूर्व महिला विश्व चैंपियन चीन की टैन झोंगयी ने बहुत कोशिश की, लेकिन उन्हें 0.5-1.5 से हार का सामना करना पड़ा। दिव्या इस महामुकाबले के फाइनल में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। यह कहानी एक और भारतीय खिलाड़ी कोनेरू हंपी के बिना पूरी नहीं होगी, जो दिव्या से दोगुनी उम्र की हैं और धीरे-धीरे तेजी से आगे बढ़ रही थीं। जब उन्होंने दूसरी चीनी खिलाड़ी टिंगजी लेई को हराया, तो एक अखिल भारतीय फाइनल के लिए मंच तैयार हो गया। दिव्या ने पहले दो गेम फिर से ड्रा करके टाईब्रेकर में जगह बनाई। दूसरे मैच में हंपी का धैर्य जवाब दे गया। एक स्पष्ट ड्रा में उन्होंने जरूरत से ज्यादा जोर लगाया और हार गईं। अंततः शतरंज का विश्व कप 23 साल बाद भारत आया। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 2000 (तब इसे नाकआउट विश्व चैंपियनशिप कहा जाता था) और 2002 में यह कप जीता था। हालांकि आनंद दोनों ही बार पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक थे। 15वीं वरीयता प्राप्त दिव्या ने शीर्ष दस में चार खिलाड़ियों को हराकर अपनी बादशाहत कायम की।

संघर्ष और सफलता का नया नाम दिव्या देशमुख। प्रेट्र

परीकथाएं अक्सर लंबी कहानी होती हैं, जो अक्सर छोटी हो जाती हैं। दर्द, कड़ी मेहनत, फार्म में उतार-चढ़ाव और जीवन की कठोर सच्चाइयों के बीच अनगिनत सपने होते हैं। विडंबना यह कि केवल सफलता याद रहती है। दिव्या लंबे समय से माता-पिता के साथ टूर्नामेंट और प्रशिक्षण शिविरों में जाती रही हैं। हर दूसरे शतरंज खिलाड़ी की तरह उन्हें भी उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा, पर उनकी प्रतिभा पर कभी संदेह नहीं हुआ। भारत में शतरंज के सर्वोत्तम प्रशिक्षण केंद्र के मक्का कहे जाने वाले चेन्नई में दिव्या ने ग्रैंडमास्टर आरबी रमेश के मार्गदर्शन में कई शिविरों में भाग लिया। रमेश में प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें निखारने की गहरी समझ है। दिव्या की प्रतिभा तब पहचानी गई, जब वह पिछले शतरंज ओलंपियाड में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वालों में से एक बनीं। दिव्या की सफलता कोई क्षणिक सफलता नहीं है। वे केवल पिछली पीढ़ी की सफलता दोहराने की कोशिश नहीं कर रही हैं, बल्कि एक ऐसा स्थायी प्रभाव छोड़ना चाहती हैं, जो भविष्य के इतिहास में उनका नाम दर्ज कराए।

जब दिव्या अपने गृहनगर नागपुर पहुंचीं तो वह क्षण बहुत भावुक कर गया, जब उन्होंने गर्व से अपने पहले कोच राहुल जोशी की तस्वीर पकड़ी और अपना ग्रैंडमास्टर खिताब उन्हें समर्पित किया। जोशी का निधन 40 वर्ष की आयु में हो गया था। दिव्या की आंखों में झलक रहा था कि और वह यहीं नहीं रुकने वाली हैं। भारत में एक ट्राफी की कमी खल रही थी और वह थी महिला विश्व शतरंज चैंपियन की। यह कमी पूरी होना इसलिए खास है, क्योंकि शतरंज फुटबाल के बाद दूसरा सबसे अधिक लोकप्रिय खेल है।

कहते हैं, 'मुकुट भारी होता है।' विश्व कप जीतने के बाद दिव्या के पहले शब्द थेः ''मुझे अपने खेल में सुधार की जरूरत है।'' इससे हमें यकीन हो जाता है कि पिक्चर अभी बाकी है। बीते कुछ समय में दिव्या जैसी शानदार सफलता अन्य महिला खिलाड़ियों ने भी हासिल की है। इस पर ध्यान दें कि हमारी लड़कियां क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर की तरह अन्य खेलों में भी कमाल कर रही हैं, जैसे मनु भाकर, ज्योति याराजी, सिफ्त कौर...। इनकी प्रेरणा हैं पीटी उषा, कर्णम मल्लेश्वरी, मैरी काम, सायना नेहवाल, सानिया मिर्जा आदि।

(लेखक शतरंज के इंटरनेशनल मास्टर और फिडे के सीनियर ट्रेनर हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

परनिंदा

परनिंदा की कुप्रवृत्ति से शायद ही कोई अछूता हो। जिस प्रकार परहित के समान कोई धर्म नहीं, परपीड़ा समान कोई निकृष्टता नहीं, उसी प्रकार परनिंदा भी सर्वथा त्याज्य है। रामचरितमानस में भगवान श्रीराम शबरी को नवधा भक्ति की समझ देते हुए कहते हैं, जो मिले वही पर्याप्त है, उसी में संतोष होना चाहिए और स्वप्न में भी दूसरों के दोषों को नहीं देखना चाहिए। यह वर्जना इस बात को स्पष्ट करती है कि जाग्रत अवस्था में परनिंदा से बचना आवश्यक है। अच्छे लोग हमें खुशी देते हैं, श्रेष्ठ लोग स्मरणीय यादें देते हैं, जबकि परनिंदक नकारात्मक बातें सिखाते हैं। किसी संत ने कहा है, ''परनिंदा से किसी को कुछ हाथ नहीं लगता। ऐसे लोग महा मूर्ख होते हैं और पाप का पर्वत ढोने का काम करते हैं।'

परनिंदा को एक प्रकार का रस कहा गया है, जिससे परनिंदा प्रेमी विरत नहीं रह पाते, लेकिन यह एक नकारात्मक प्रवृत्ति है, जिसमें लोग कुंठा, प्रतिशोध या ईर्ष्या के कारण संलग्न होते हैं और अपनी कमियों को छिपाते एवं स्वयं को श्रेष्ठ दिखाते हैं। इससे न केवल दूसरों की भावनाओं का निरादर होता है, बल्कि यह आपसी संबंधों को भी क्षति पहुंचा सकता है। ऋग्वेद के अनुसार, यह स्वयं के अहित का कारण भी बन सकता है, क्योंकि निंदारस में रति पापकर्म के भागी बनने के साथ अपने मूल कार्य को विस्मृत कर देते हैं।

निंदारसभोगी को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसके ईर्ष्यालु भाव की तरह कोई अन्य भी उसके प्रति ऐसे अनुदार विचार रख सकता है। इसे रस नहीं, घातक रोग समझकर इससे दूर रहने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए सदैव प्रसन्न रहकर, छोटी-छोटी बातों के लिए कृतज्ञता व्यक्त कर, दूसरों के सहयोगी बनकर, शारीरिक रूप से स्वस्थ और सक्रिय रहकर, सकारात्मक, धैर्यवान और क्षमाशील बने रहना आवश्यक है। अपनी कमियों को स्वीकार कर सुधार की ओर अग्रसर होना चाहिए।

एसएन दुबे 'स्नेही'

गंभीर समस्या बने आवारा कुत्ते

सुनीता मिश्रा

> शहर से लेकर गांव-देहात तक की गलियों में घूमने वाले आवारा कुत्ते अब लोगों के लिए जानलेवा साबित होने लगे हैं

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक पर चिंता व्यक्त करते हुए तल्ख टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, 'क्या बड़े दिल वाले लोगों देशभर में आवारा कुत्तों के काटने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। शहर से लेकर गांव-देहात तक की गलियों में घूमने वाले आवारा कुत्ते अब बच्चों के लिए जानलेवा साबित होने लगे हैं। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 में देशभर में कुत्तों के काटने के 37 लाख से अधिक मामले दर्ज हुए, जबकि 54 लोगों की रेबीज के कारण संदिग्ध मौत हुई। इन घटनाओं ने न केवल बच्चों और बुजुर्गों में डर पैदा किया, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की कमियों को भी उजागर किया है। भारत सरकार ने वर्ष 2030 तक रेबीज से एक भी मौत न होने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय, स्थानीय प्रशासन, पशुपालन विभाग और कई गैर सरकारी संगठन मिलकर जागरूकता अभियान चला रहे हैं। स्कूलों, पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों में रेबीज के बारे में जानकारी देना, पालतू और सड़कों पर रहने वाले कुत्तों का टीकाकरण कराना इस अभियान का अहम हिस्सा है।

रेबीज से होने वाली मौतें रोकी जा सकती हैं, इसके लिए समय पर जागरूकता और इलाज की जरूरत है, लेकिन लोगों की लापरवाही, अज्ञानता और सही जानकारी की कमी के चलते यह अभी भी जानलेवा बनी हुई है। मामूली खरोंच या थोड़ा सा काटने पर भी तुरंत डाक्टर को दिखाएं, क्योंकि ये संक्रमण का कारण भी बन सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में हर साल हजारों लोग रेबीज के कारण जान गंवाते हैं, जिनमें से अधिकतर मामले समय पर इंजेक्शन नहीं लगाने की वजह से होते हैं। कुत्ता चाहे पालतू हो या फिर आवारा उसके काटने पर तुरंत मेडिकल मदद लें और एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगवाएं। यह इंजेक्शन कुत्ते काटने से बने जख्म के आधार पर लगाए जाते हैं। अगर इंजेक्शन कुछ घंटों के भीतर न दिया जाए, तो शरीर में वायरस फैलकर दिमाग, नर्वस सिस्टम और अंत में हृदय प्रणाली पर हमला करता है, जिससे मरीज की मौत भी हो सकती है।

बच्चों को आवारा कुत्तों से बचाने के लिए माता-पिता को सतर्क रहना चाहिए। बच्चों को अकेले बाहर नहीं भेजना चाहिए। अगर वे खेलने के लिए बाहर जाने की जिद करते हैं, तो उन्हें कुत्तों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के बारे में सिखाएं। बच्चों को बताएं कि जब वे अकेले हों तो कुत्तों के नजदीक न जाएं, क्योंकि गली के कुत्ते कभी-कभी आक्रामक हो जाते हैं, खासकर जब वे गुस्से में या डरे हुए हों। अगर अभिभावकों को गली-मोहल्ले में कोई काटने वाला आवारा कुत्ता दिखाई दे, तो उन्हें जल्द से जल्द स्थानीय पशु नियंत्रण को सूचित करना चाहिए। इससे वे अन्य बच्चों को भी आवारा कुत्तों से बचा सकेंगे।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

लोकतंत्र के प्रहरी निःशब्द क्यों?

'महाभियोग' भारतीय लोकतंत्र की वह संवैधानिक ढाल है, जिससे न्यायपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित की जानी थी, परंतु सुरेंद्र किशोर द्वारा लिखित आलेख 'महाभियोग पर अपनी नाकामी देखे संसद' यह उजागर करता है कि संसद इस ढाल का प्रभावी उपयोग करने में अब तक विफल रही है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124(4) और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के अनुसार, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के विरुद्ध महाभियोग की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इसके तहत गंभीर कदाचार या अयोग्यता के आधार पर संसद विशेष बहुमत से न्यायाधीश को पद से हटा सकती है। इस आलेख में यह तथ्य सटीक रूप से सामने आया है कि भारत में अब तक किसी भी उच्च न्यायाधीश को महाभियोग के जरिये हटाया नहीं जा सका, परंतु इसमें यह पहलू छूट गया है कि इसकी जड़ें सिर्फ संसदीय असफलता तक सीमित नहीं हैं। वास्तविक संकट दोहरे स्तर पर है- पहला, सांसदों की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी और दूसरा, न्यायिक प्रणाली की आंतरिक पारदर्शिता का अभाव। इसके अलावा 'जज बनाम संसद' की बहस को तूल देना भी इस संवैधानिक प्रक्रिया को निष्प्रभावी करता है। समाधान के तौर पर एक 'न्यायिक नैतिकता आयोग' का गठन आवश्यक है, जिसमें उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीशों के साथ-साथ लोकपाल, नागरिक प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ पत्रकार शामिल हों। यह आयोग न्यायपालिका की आंतरिक शिकायतों की निष्पक्ष जांच करे। साथ ही नागरिकों को भी चुप्पी तोड़नी होगी।

मेलबाक्स

'न्यायपालिका की गरिमा' के नाम पर अंध समर्थन लोकतंत्र के लिए खतरा है। यदि समय रहते हमने जजों की जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की, तो आने वाले वर्षों में न्याय व्यवस्था पर से जनविश्वास उठ जाएगा। और तब लोकतंत्र केवल कागजों में रह जाएगा।

awanishg30@gmail.com

आनलाइन अश्लीलता पर लगे रोक

डिजिटल युग ने जहां हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं कई नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। इनमें सबसे गंभीर समस्या है आनलाइन अश्लीलता की। ओटीटी प्लेटफार्म्स, सोशल मीडिया और शार्ट वीडियो एप्स पर बढ़ती अश्लील सामग्री युवा पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक मूल्यों पर गहरा असर डाल रही है। अश्लील कंटेंट न केवल नैतिक गिरावट का कारण बन रहा है, बल्कि अपराध को भी बढ़ावा दे रहा है। नाबालिगों में यौन अपराधों के बढ़ते मामले इस बात का संकेत हैं कि यह समस्या केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रही। सरकार ने आइटी नियम और डिजिटल कंटेंट गाइडलाइंस के जरिए रोक लगाने की कोशिश की है, लेकिन सिर्फ कानून काफी नहीं हैं। एआइ आधारित फिल्टर, सख्त दंड और नियमित निगरानी की जरूरत है। साथ ही परिवार और समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों की आनलाइन गतिविधियों पर नजर रखना और स्कूलों में साइबर नैतिकता सिखाना जरूरी है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब अनैतिक सामग्री फैलाने की आजादी नहीं है। इसलिए हमें तकनीक, कानून और जागरूकता तीनों स्तरों पर कदम उठाने होंगे।

karunakar.gonda@gmail.com

न्याय का तकाजा

मालेगांव में 2008 में हुए धमाके में छह लोगों की मौत और कई घायल हुए थे, लेकिन 17 साल चली जांच और सुनवाई के बाद अब कोर्ट ने कहा है कि जिन सुबूतों के आधार पर आरोप लगाए गए, वे टिकाऊ और विश्वसनीय नहीं थे। इससे स्पष्ट है कि जांच के हर स्तर पर घोर लापरवाही बरती गई, घटनास्थल की बैरिकेडिंग ठीक से नहीं हुई, घायलों की संख्या को लेकर भ्रम रहा और मेडिकल सर्टिफिकेट तक में हेरफेर हुआ। इन खामियों के कारण न सिर्फ निर्दोषों ने 17 साल जेल में बिताए, बल्कि इससे देश की कानून व्यवस्था और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को भी गहरा नुकसान पहुंचा है। आतंकवाद के नाम पर निर्दोषों को फंसाना न सिर्फ अपराध है, बल्कि यह देश की सुरक्षा प्रणाली पर जनता के विश्वास को भी डगमगाता है।

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम, मप्र

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

1.3 अरब डालर लागत आई है नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार सेटेलाइट की। लगभग 2400 किलो वजनी इस उपग्रह से उम्मीद की जा रही है कि यह प्रत्येक 97 मिनट में पृथ्वी का एक चक्कर लगाने में सक्षम होगा।

आजकल

अभिषेक कुमार सिंह
संस्था टेली परफार्मेंस से संबद्ध

धरती का त्वरित एवं व्यापक निरीक्षण

धरती पर निरंतर ऐसी भौगोलिक घटनाएं होती हैं जिनसे व्यापक जन-धन की हानि होती है। समय रहते यदि इन्हें समझ लिया जाता है तो बचाव के समुचित उपाय भी किए जाते हैं। परंतु कई मामलों में समय रहते यह जानकारी नहीं मिल पाती है। ऐसे में हालिया प्रक्षेपित 'निसार' कारगर साबित हो सकता है। चूंकि इससे धरती का त्वरित एवं समुचित निरीक्षण संभव होगा, लिहाजा यह पारिस्थितिकी में परिवर्तन से पैदा होने वाली संभावित चुनौतियों के प्रति हमें सतर्क कर सकता है

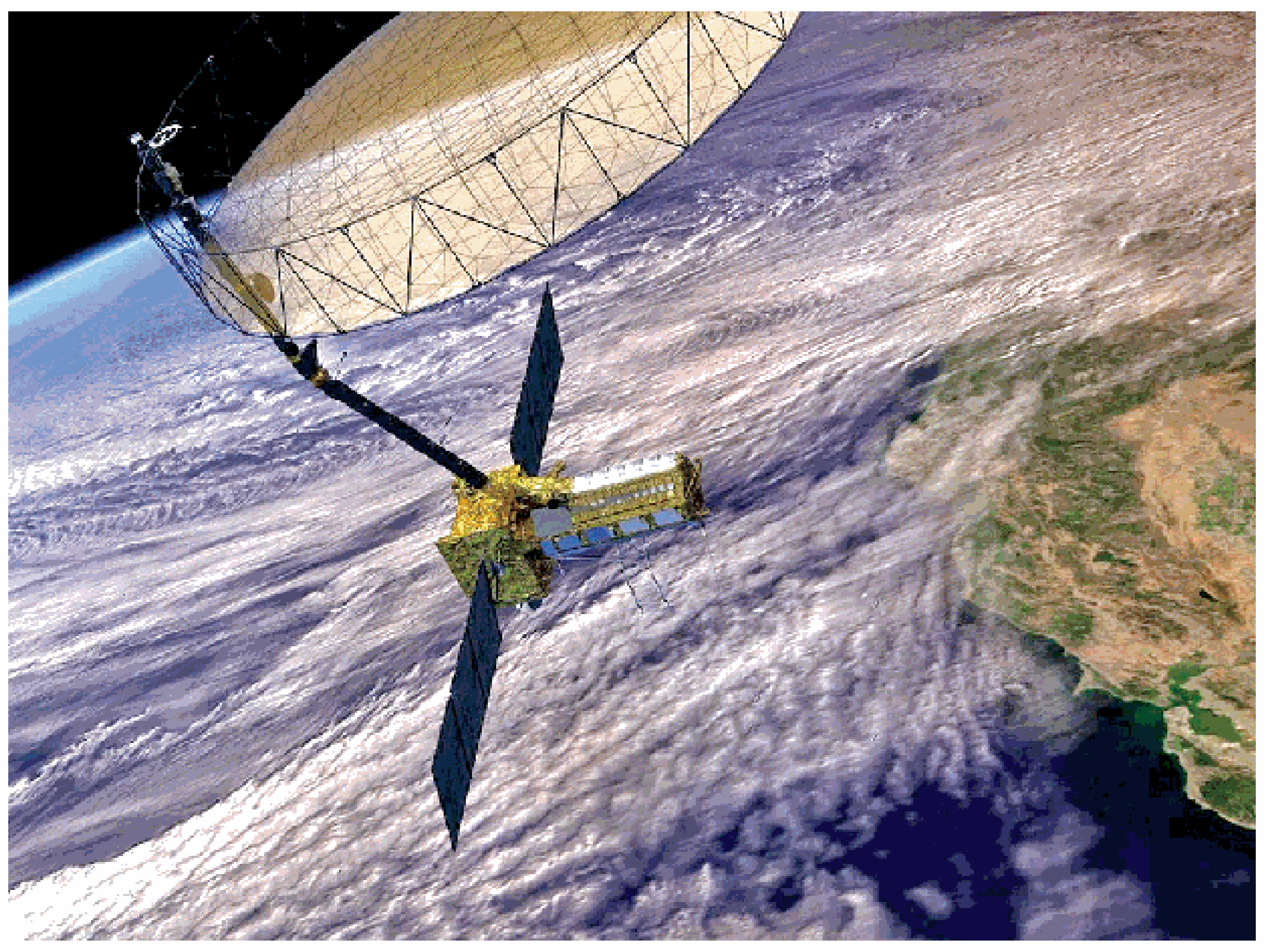

धरती की सतह पर होने वाले मौसम एवं जलवायु संबंधी परिवर्तन को समझने और हमें सजग करने में सक्षम होगा निसार। नासा

हमारी पृथ्वी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि अब तक ज्ञात पूरे ब्रह्मांड में केवल इसी पर जीवन है। लगभग 70 प्रतिशत पानी से घिरे क्षेत्रफल वाले इस ग्रह की विशेषताएं यहीं खत्म नहीं होतीं। लाखों वर्ग किमी इलाके में जंगल, पर्वत व ग्लेशियर हैं और मरुस्थलों का विशाल क्षेत्र है। एक विशेष बात यह है कि इन सभी का संबंध इस ग्रह पर होने वाली प्राकृतिक घटनाओं से है, जिनका प्रभाव जीवन के हर रूप- वनस्पतियों, जीवों और इंसानों पर भी होता है। ये प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक, दोनों रूपों में होते हैं। कोई मुश्किल तब होती है, जब इनके नकारात्मक प्रभावों के कारण भूकंप, बाढ़, भूस्खलन, जमीन के कटाव, वन-हानि जैसी समस्याएं पैदा होती हैं।

वैसे तो कई प्राकृतिक बदलावों को टालना या उन पर पूरी तरह अंकुश लगाना संभव नहीं है, क्योंकि ये बड़े पैमाने पर होते हैं। दूसरे, उन पर अंकुश लगाने का अर्थ नया पर्यावरणीय संकट पैदा करना या पारिस्थितिकी तंत्र को अनपेक्षित हानि पहुंचाना होता है। इसलिए ज्यादा बेहतर यही है कि ऐसे बदलावों पर सतत नजर रखी जाए और तदनुरूप चेतावनी तंत्र विकसित करते हुए ऐसे प्रबंध किए जाएं, जिससे जन-धन हानि रोकी जा सके। इस मामले में आसमान में तैनात मौसमी उपग्रह एक सार्थक भूमिका निभाते हैं। ताजा संदर्भ देखें तो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन 'इसरो' और अमेरिकी स्पेस एजेंसी 'नासा' द्वारा निर्मित उपग्रह 'निसार' का प्रक्षेपण इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है।

'निसार' यानी नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार नाम का यह उपग्रह दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों का पहला संयुक्त उपग्रह मिशन है। यह उपग्रह बाढ़, फसल हानि और तटीय कटाव जैसी अनेक प्राकृतिक घटनाओं और उनमें हो रहे परिवर्तनों पर नजदीक से नजर रखने के साथ-साथ इनका सूक्ष्म डाटा प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है। इसमें स्थापित कैमरे पृथ्वी के सतह के कुछ सेंटीमीटर आकार जितने हिस्से में होने वाली घटनाओं को पढ़ने में सक्षम हैं। ये कैमरे इतने शक्तिशाली हैं कि इनसे ली गई तस्वीरों के प्रत्येक पिक्सल एक टेनिस कोर्ट के लगभग आधे आकार के क्षेत्रफल के बराबर होंगे। यानी एक बिंदु के आकार से उन्हें फैलाते हुए काफी बड़े आकार में परिवर्तित किया जा सकेगा। इससे अत्यंत सूक्ष्म सूचनाओं को भी देखना-पढ़ना संभव होगा। निसार द्वारा एकत्रित किया जाने वाला डाटा कई उद्देश्यों की पूर्ति करेगा। यह बाढ़ और समुद्र तटों के क्षरण की चेतावनी देगा, वास्तविक समय में आपदा संबंधी प्रतिक्रियाओं का मार्गदर्शन करेगा। साथ ही, कृषि से जुड़े डाटा खाद्य सुरक्षा में सुधार करने में मददगार साबित होंगे। समुद्र में गतिमान जहाजों पर भी चूंकि इसके जरिए नजर रखी जा सकेगी, इसलिए मौसमी बदलावों से उनके मार्ग में पैदा हो रही बाधाओं की जानकारी जहाजों को तत्काल मिल सकेगी।

पारिस्थितिकी तंत्र में तेज बदलाव : इस उपग्रह को प्रत्येक 12 दिनों में पृथ्वी की सतह की दो बार करीबी स्कैनिंग के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। इसलिए उम्मीद है कि इस अवधि में हो रहे प्रत्येक परिवर्तन को इसके जरिए दर्ज किया जा सकेगा और इसके अनुरूप चेतावनी का तंत्र विकसित किया जा सकेगा। अन्य ग्रहों की तुलना में पृथ्वी का पारिस्थितिकी तंत्र अधिक तेजी से बदलता है। इसकी मुख्य वजह इस पर मौजूद जीवन है जो इसकी प्राकृतिक अवस्थाओं में बदलावों के उत्प्रेरक का काम करता है। उदाहरण के तौर पर इंसानी गतिविधियों से होने वाला गैसीय उत्सर्जन, जो पहले ग्लोबल वार्मिंग की समस्या को बढ़ाता है और जिससे अंततः जलवायु परिवर्तन की समस्या गहराती है। केवल इस एक कारण से पृथ्वी के ध्रुवों में जमी बर्फ तेजी से पिघल रही है और हिमालय में मौजूद ग्लेशियरों का आकार घट रहा है। इसके अलावा वनों का क्षेत्रफल भी कटाई के अलावा अन्य पर्यावरण बदलावों के कारण घट या कुछ स्थानों पर बढ़ रहा है। मरुस्थलों के तेज प्रसार और अतिशय बाढ़ जैसी घटनाओं की बारंबारता में भी इन्हीं कारणों से घट-बढ़ हो रही है।

निर्माण प्रक्रिया के अपने संकट : वैसे तो ये सभी प्राकृतिक बदलाव इस धरती की नियति के साथ हमेशा संलग्न रहे हैं। करोड़ों वर्षों से पृथ्वी अपने निर्माण की प्रक्रिया से गुजर रही है और अगले लाखों-करोड़ों वर्षों तक भी ऐसा ही होता रहेगा। इसलिए ज्यादा बेहतर यही है कि मनुष्य इन बदलावों की संख्या और तीव्रता में कमी लाने का प्रयास करे। एक अन्य उपाय यह है कि इन परिवर्तनों को जितनी शीघ्रता से हो सके, पता लगाकर दर्ज किया जाए और उनसे मिले आंकड़ों व तथ्यों के आधार पर बदलावों को थामने वाली नीतियां बनाई जाएं। जब तक इन कारणों से होने वाली प्राकृतिक आपदाओं की पूरी तरह रोकथाम संभव नहीं होती है, तब तक इन आंकड़ों का विश्लेषण करके उनके आधार पर ऐसी चेतावनी प्रणाली विकसित कर ली जाए, ताकि हर तरह की हानि को या तो खत्म या फिर न्यूनतम कर लिया जाए।

निसार का काम इन्हीं गतिविधियों की निगरानी करना है, ताकि धीमी से तेज गति से होने वाले या फिर बिना किसी चेतावनी के अचानक होने वाले इन सभी किस्म के बदलावों के बचाव या इनकी रोकथाम के प्रबंध किए जा सकें। इन परिवर्तनों को सूक्ष्मता से दर्ज करने की जरूरत क्यों है, इसे केवल एक ही उदाहरण से समझा जा सकता है। केदारनाथ में जून, 2013 में विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन से जो त्रासदी हुई थी, यदि उसकी कोई चेतावनी मिली होती तो नुकसान को न्यूनतम किया जा सकता था।

आपदा की सूचना : मामला केवल बाढ़ या भूस्खलन की सूचनाएं पाने का नहीं है। भारत-अमेरिका के रणनीतिक सहयोग की मिसाल और अत्यधिक महंगे यानी करीब सवा 11 हजार करोड़ रुपये की लागत वाले इस उपग्रह को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह पृथ्वी की सतह पर होने वाले अनेक परिवर्तनों, जैसे जमीन का विरूपण, वानस्पतिक गतिशीलता और बर्फ की चादरों के संचालन का पता लगाते हुए इस बारे में सचेत करेगा कि आने वाली प्राकृतिक आपदाओं से बचा जाए। पृथ्वी के पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के ट्रेंड्स को समझना, उनके कारणों का स्पष्ट अनुमान लगाना और समय पर चेतावनी प्रणाली के जरिए संबंधित स्थानों को अचानक होने वाले परिवर्तनों की सूचना देने में इस उपग्रह की खास भूमिका रहेगी। चूंकि इसके जरिए पृथ्वी की समस्त जमीन और बर्फ की सतहों की स्कैनिंग संभव होगी, इस लिहाज से यह गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

हालांकि इस उपग्रह से पृथ्वी की अंदरूनी हलचलों को बहुत अंदर तक स्कैन नहीं किया जा सकता है, ताकि भूकंपीय गतिविधियों का सटीक आकलन हो सके। लेकिन सतह के परिवर्तनों का विस्तृत मानचित्र तैयार करने में इसकी जो भूमिका होगी, उससे भूकंप जैसी आपदाओं के पहले और बाद में पृथ्वी की पपड़ी के लचीलेपन का आकलन हो सकेगा। ये आंकड़े भूकंप का अनुमान लगाने में मददगार होंगे। अंतरिक्ष में स्थापित इस आंख से अपने ही ग्रह को सार्थक सूचनाओं को जमा करते देखना और उनसे चेतावनी तंत्र को चुस्त-दुरुस्त बनाना एक ऐसी आवश्यकता थी जो दशकों से कायम थी। अब यह जरूरत निसार से पूरी हो रही है।

माइक्रोवेव तरंगों से होगी बदलावों की पहचान

निसार यानी नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार में जिस उपकरण की प्रमुख अहमियत है, वह इसका तकनीकी रूप से अत्यंत विकसित सिंथेटिक अपर्चर रडार (एसएआर) है। नासा ने इसे इस तरह विकसित किया है, ताकि यह गतिमान (उड़ते हुए) उपग्रह से ली गई पृथ्वी की सतह की कई मापों वाली तस्वीरों को एक साथ जोड़कर, नीचे के दृश्यों को और स्पष्ट कर सके। पारंपरिक रडार की तरह काम करते हुए यह रडार दूरस्थ सतहों और वस्तुओं का पता लगाने के लिए माइक्रोवेव तरंगों का उपयोग करता है। साथ ही, उन तस्वीरों के गुणों और विशेषताओं को प्रकट करने के लिए डाटा प्रोसेसिंग को बढ़ाता है, ताकि वे तस्वीरें हाई रिजोल्यूशन वाली हो जाएं। साफ है कि अंतरिक्ष से पृथ्वी की सतहों की इतनी स्पष्ट, करीबी और ऊंचे रिजोल्यूशन वाली तस्वीरें लेने के लिए बहुत बड़े एंटीना की जरूरत है। इस बारे में तथ्य यह है कि निसार का रडार एंटीना रिफ्लेक्टर तैनात होने पर 39 फीट चौड़ा होगा।

पृथ्वी की सतत परिक्रमा करने वाला उपग्रह (रडार) उन्हीं सिद्धांतों पर काम करता है जिनके जरिए हवाई अड्डे पर विमानों की ट्रैकिंग की जाती है। अंतरिक्ष-आधारित इसका एंटीना पृथ्वी की ओर माइक्रोवेव तरंगें उत्सर्जित करता है। जब ये तरंगें किसी चीज से टकराती हैं- उदाहरण के लिए ज्वालामुखी की नोक या शंकु तो वे बिखर जाती हैं। एंटीना उन संकेतों को ग्रहण करता है जो उपकरण तक लौटकर आते हैं। लौटने पर उन संकेतों से आवृत्ति में परिवर्तन, वापस लौटने में लगने वाले समय और इमारतों जैसी कई सतहों से टकराने की संख्या को मापा जाता है। इससे उस वस्तु या सतह की उपस्थिति, उसकी दूरी और उसकी गति का पता लगाने में मदद मिलती है। चूंकि यह उपग्रह पृथ्वी के सापेक्ष गतिमान है, इसलिए वापसी के संकेतों की आवृत्ति में थोड़ा बदलाव होता है। इस बदलाव को डाप्लर शिफ्ट कहा जाता है। यह वही प्रभाव है जिस कारण दमकल की गाड़ी के पास आने पर उसके सायरन की आवाज बढ़ जाती है और उसके जाते ही कम हो जाती है। वापस लौटे संकेतों की तीव्रता का मानचित्रण करके विज्ञानी किसी क्षेत्र के भू-आवरण की पहचान कर सकते हैं, जो वनों की कटाई और बाढ़ के अध्ययन के लिए उपयोगी होते हैं। इस तरह के विश्लेषण को उन अन्य तरीकों के उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है, जिनसे निसार परियोजना से जुड़े शोधकर्ताओं को अरबों लोगों के जीवन को प्रभावित करने वाली प्रक्रियाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

(अभिषेक कुमार सिंह)

फिर से

बीमारी का इलाज

मुंबई के एक मेडिकल कालेज में एक प्रोफेसर थीं। उन्होंने 78 साल की उम्र में 'लिविंग विल' बनाया, जब शरीर जवाब देने लगे और लौटने की गुंजाइश न बचे, तब इलाज नहीं किया जाए। न वेंटिलेटर, न ट्यूब, न अस्पताल में बेवजह की दौड़। वह चाहती हैं कि अंतिम समय शांति से बीते, जहां इलाज की जिद नहीं, समझदारी हो। उन्होंने इससे संबंधित एक शोध-पत्र भी प्रकाशित किया है, जिसमें मृत्यु को एक स्वाभाविक, समय-निर्धारित, जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया है। उनका कहना है कि आधुनिक चिकित्सा मृत्यु को कभी स्वतंत्र रूप में देख ही नहीं पाई। वह मानती हैं कि मौत हमेशा किसी बीमारी की वजह से होती है, और अगर बीमारी का इलाज हो जाए तो मौत टाली जा सकती है। लेकिन शरीर का विज्ञान इससे कहीं अधिक गहरा है।

उनका तर्क है कि शरीर कोई अनंत चलने वाला यंत्र नहीं है। यह एक सीमित प्रणाली है, जिसमें एक निश्चित जीवन-ऊर्जा होती है। यह ऊर्जा हमें सूक्ष्म शरीर के माध्यम से मिलती है। वही सूक्ष्म शरीर जिसे अनुभव तो हर कोई करता है, पर देख नहीं सकता। मन, बुद्धि, स्मृति, चेतना से मिलकर बना है यह।

यह सूक्ष्म शरीर एक माध्यम है, जिससे जीवन-शक्ति आती है और पूरे शरीर में फैलती है। यही शक्ति शरीर को जीवित रखती है। यह नाड़ी, धड़कन, पाचन और सोचने की क्षमता, सब कुछ उसी के भरोसे चलता है। पर यह शक्ति अनंत नहीं है। हर शरीर में इसकी एक निश्चित मात्रा होती है। जब शरीर में मौजूद इस ऊर्जा का अंतिम अंश खर्च हो जाता है, तो सूक्ष्म शरीर अलग हो जाता है। यही वह क्षण होता है, जब देह स्थिर हो जाती है और हम कहते हैं- प्राण निकल गया।

मृत्यु का समय घड़ी से नापा गया क्षण नहीं होता। यह एक जैविक समय है, हर व्यक्ति के लिए अलग अलग। आधुनिक चिकित्सा जब मृत्यु को टालने की जिद करती है, तो वह केवल शरीर नहीं, पूरे परिवार को थका देती है। अस्पताल के आइसीयू में महीने भर की सांसें वर्षों की कमाई ले जाती हैं। रिश्तेदार कहते हैं, 'अभी उम्मीद है', परंतु मरीज की देह कब की कह चुकी होती है- बस अब बहुत हो गया।

(प्रदीप चौधरी की फेसबुक वाल से संपादित अंश, साभार)

पोस्ट

राहुल गांधी जिस अर्थव्यवस्था को 'डेड' घोषित कर रहे हैं, उसी में उन्होंने 2014 में शेयर बाजार में 1.12 करोड़ रुपये लगाकर 10 करोड़ रुपये बनाए हैं। अगर ऐसी अर्थव्यवस्था डेड है तो भी अच्छी है।
नवनीत मिश्र@navneetmishra99

अमेरिकी धौंस का डटकर सामना करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को पूरे अंक मिलने चाहिए। आज पश्चिमी जगत पतन का सामना कर रहा है। पाकिस्तान के साथ मेलजोल अमेरिका के लिए आत्मघाती साबित होगा। इसके जरिये वह एक और 9/11 को न्योता दे रहा है।
प्रकाश सिंह@singh_prakash

ट्रंप द्वारा 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाना हमारे लिए एक चेतावनी है। बाहरी मांग अनिश्चित होती है। भारत को अब घरेलू खपत को अपने विकास का मुख्य इंजन बनाना होगा। 1.4 अरब उपभोक्ताओं वाली 4.2 लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था हमारे लिए सबसे बड़ा अवसर है।
अजय बग्गा@Ajay_Bagga

भगवा को आतंकवाद से जोड़ने वालों की सारी मशक्कत बेकार हो गई।
अमिताभ अग्निहोत्री@Aamitabh2

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या ट्रंप भारत-अमेरिकी रिश्तों को बिगाड़ने पर तुले हैं?

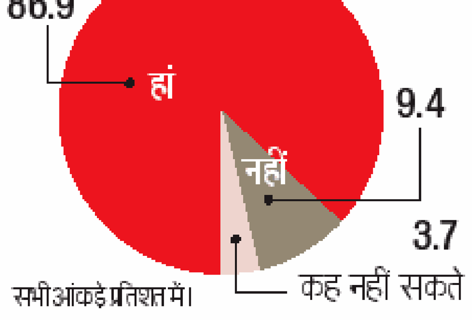

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या मालेगांव विस्फोट मामले में अदालत के फैसले के बाद भगवा आतंक का जुमला उछालने वालों को माफी मांगनी चाहिए?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

आधी रोटी खाय के रह लेंगे हम यार,
मत करिए अब ट्रंप से कौड़ी का व्यापार।
कौड़ी का व्यापार सोच जिसकी हो उथली,
उसे न भाते आम गिना करता वह गुठली।
लड़े ब्रिटिश के साथ हमारे बाबा गाँधी,
आधी धोती ओढ़ पहन कर उसमें आधी!
– ओमप्रकाश तिवारी

बिहार डायरी

अरुण अशेष
राज्य ब्यूरो प्रमुख, बिहार

दलों के जीवन-मरण का प्रश्न बना चुनाव

बिहार विधानसभा का चुनाव राज्य में सक्रिय राजनीतिक दलों के लिए जीवन-मरण के संघर्ष की तरह होने जा रहा है। तैयारियां भी अभी नहीं तो कभी नहीं के अंदाज में हो रही हैं। 20 वर्षों से सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। उधर महागठबंधन विधानसभा के पिछले चुनाव की मामूली चूक को देखते हुए एक-एक कदम नाप तौल कर उठा रहा है। एनडीए की गंभीरता देखिए। चुनाव की विधिवत घोषणा से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने सैकड़ों परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और विपक्षी महागठबंधन के दो बड़े दल-राजद और कांग्रेस की कमियों का उल्लेख किया। उन्होंने खुलकर वोट देने की अपील तो नहीं की, लेकिन इतना जरूर कह दिया कि राज्य में विकास की गति को जारी रखने के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी है।

इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के नाम से पूरे प्रदेश का दौरा किया था। उनका कहना है कि राज्य में बेशुमार विकास हुआ है। फिर भी कहीं कोई कमी रह गई है, तो उसे पूरा करने के लिए यह यात्रा की गई है। नीतीश ने जिलों के भ्रमण के दौरान मिली सूचनाओं के आधार पर कमियों की पहचान की। फिर 50 हजार करोड़ रुपये की नई योजनाओं की घोषणा की। राज्य कैबिनेट की बैठक में नई योजनाओं को मंजूरी दी गई। निर्धारित राशि का आवंटन किया गया। सरकारी सेवकों की सुविधाएं बढ़ाई गईं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन की बढ़ी हुई राशि का भुगतान शुरू कर दिया गया है।

चुनाव को ध्यान में रख कर की गई घोषणाओं की सूची लंबी है। संक्षेप में यह है कि समाज का शायद ही ऐसा कोई समूह हो, जिनके लिए नई लाभकारी घोषणाएं नहीं की गई हों। यहां तक कि वर्षों से उपेक्षित छोड़ दिए गए सफाईकर्मियों का भी विशेष ध्यान रखा गया। उनकी कठिनाइयों को सूचीबद्ध करने और निदान के उपाय बताने के लिए आयोग का गठन किया जा रहा है। वैसे तो पेशा के रूप में सफाई पर किसी खास जाति और वर्ग का एकाधिकार नहीं रह गया है। लेकिन माना यही जाता है कि आज भी सबसे अधिक अनुसूचित जाति के लोग ही इसे पेशा के रूप में अपनाए हुए हैं। यह कहना जल्दबाजी होगी कि आयोग के गठन होते ही सफाईकर्मियों की समस्याओं का निदान हो जाएगा। लेकिन यह उन लोगों के लिए उत्साहजनक है, जो सबसे जरूरी काम से जुड़े हुए हैं। उनके श्रम का सम्मान नहीं है। मेहनत और खतरे के हिसाब से मूल्य भी उतना नहीं मिल पाता है, जिनसे ढंग से परिवार की परवरिश हो सके।

विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक दलों ने झोंक दी है पूरी ताकत। फाइल

एनडीए के लिए जीवन मरण का प्रश्न इसलिए है, क्योंकि उसे नया इतिहास ही नहीं गढ़ना है, बल्कि अपने ही रिकार्ड को तोड़ना भी है। अगर आजादी के बाद बिहार विधानसभा के चुनावों पर गौर करें तो एनडीए को छोड़ किसी दल या गठबंधन को लगातार 20 साल तक सत्ता में रहने का अवसर नहीं मिला है। वर्ष 1952 में अपार बहुमत के साथ सत्ता में आई कांग्रेस भी 15 साल बाद 1967 में सत्ता से बेदखल हो गई थी। उसी अवधि में उसके चार-चार मुख्यमंत्री भी हुए- डा. श्रीकृष्ण सिंह, दीपनारायण सिंह, विनोदानंद झा और केबी सहाय। उसके बाद के 10 वर्षों में सरकारें इतनी बनी बिगड़ी कि उनमें से एक का कार्यकाल केवल कुछ दिनों का रहा। वर्ष 1990 से लगातार 15 साल का कार्यकाल जनता दल और राष्ट्रीय जनता दल को मिला। इस अवधि में लालू प्रसाद और राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला। राजनीति की इस पृष्ठभूमि को देखें तो यह पता चल जाएगा कि क्यों यह चुनाव एनडीए के लिए जीवन मरण का प्रश्न है।

ठीक इसी परिप्रेक्ष्य में विपक्ष की भूमिका को देखें तो दोनों के मनोभाव में समानता नजर आएगी। इतिहास यह है कि इतनी लंबी अवधि तक राज्य में कोई दल विपक्ष में भी नहीं रहा। नीतीश कुमार के साथ सत्ता में शामिल होने की दो घटनाओं को छोड़ दें तो वर्ष 2005 से राजद लगातार विपक्ष में है। इतिहास यह है कि 1968 में विपक्ष में रहा समाजवादी दल 1977 में सत्ता में आ गया था। 1980 से 1990 तक लगातार सत्ता में रही कांग्रेस 1990 में फिर विपक्ष में बैठ गई। 10 साल बाद वर्ष 2000 में उसे सत्ता में सहयोगी बनने का अवसर मिल गया। वर्ष 1995 में मुख्य विपक्षी दल बनी भाजपा 2005 में एनडीए सरकार में शामिल हो गई। संख्या के लिहाज से विधानसभा में अभी वह सबसे बड़ी पार्टी है। विपक्षी महागठबंधन 2020 के विधानसभा चुनाव में केवल दर्जन भर विधायकों की कमी के कारण सत्ता में आने से वंचित रह गया था। अगर इस बार भी उसकी चूक होती है तो उसके लिए प्रतीक्षा की घड़ी बहुत लंबी हो जाएगी। यह एनडीए पर भी लागू होता है। वर्ष 2020 की भांति किसी तरह सरकार बनाने का खतरा वह इस बार मोल नहीं ले सकता है।

मंथन

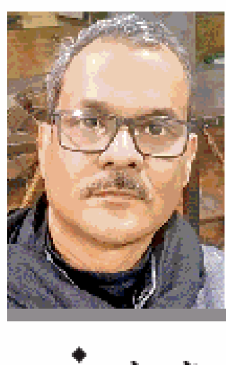

प्रेम प्रकाश
वरिष्ठ पत्रकार

कट्टरता की राह पर बांग्लादेश

पिछले साल अगस्त में शेख हसीना को सत्ताच्युत करने और मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद से बांग्लादेश में कट्टरता बढ़ रही है। इसका सर्वाधिक दुष्प्रभाव भारत पर पड़ सकता है

बांग्लादेश में आम चुनाव के निकट आते ही राजनीतिक गतिविधियों में तेजी आ गई है। नफरत और हिंसा के बीच राजनीतिक दल सुधारात्मक उपायों का आश्वासन दे रहे हैं, जबकि एक वर्ग अपने इतिहास और विरासत को लेकर गुस्से में है। इस आक्रोश का एक हिस्सा भारत के प्रति भी है। भारत की नीतियों और नेतृत्व के खिलाफ वहां प्रतिदिन विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हाल ही में, मंदिरों को तोड़ने की निंदनीय घटनाओं के बीच प्रसिद्ध भारतीय फिल्मकार सत्यजीत रे का पुश्तैनी घर भी ध्वस्त कर दिया गया। भारत सरकार ने बांग्लादेश से इस धरोहर को बचाने और इसे संग्रहालय में बदलने की अपील की, लेकिन बांग्लादेश की कट्टरपंथी सरकार ने इसे अनसुना कर दिया। इस घटना से न केवल भारत सरकार, बल्कि यहां का आम जन भी आहत है। इंटरनेट मीडिया पर इस कृत्य की निंदा की जा रही है और इसे दक्षिण एशिया के लिए एक अशुभ संकेत माना जा रहा है।

बांग्लादेश में बदलाव की मौजूदा लहर को पिछले साल की घटनाओं से जोड़कर देखा जा सकता है, लेकिन वहां के समाज और वैचारिक परिवेश में हिंसा और कट्टरता का बीज काफी पहले ही बोया जा चुका था। विशेष रूप से शीत युद्ध के बाद और वामपंथी आंदोलनों के कमजोर पड़ने के कारण, इस्लाम ने गरीबों और वंचितों के बीच एक नई लोकप्रियता हासिल की।

दिलचस्प बात यह है कि बांग्लादेश में सामान्य लोग, सेना, अर्ध-सेक्युलर बुद्धिजीवी और मौलवी सभी अपने-अपने तरीके से इस्लाम को अपने वैचारिक आधार के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं। यह याद रखना जरूरी है कि एक जुलाई, 2016 की रात को आतंकियों ने ढाका के गुलशन थाना क्षेत्र में होली आर्टिसन बेकरी पर विदेशियों सहित बड़ी संख्या में लोगों को बंधक बना लिया था और गोलीबारी की थी। इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया, लेकिन तब लोगों ने उस संकेत को ठीक से नहीं सुना, जो आगे चलकर बांग्लादेश में बढ़ती कट्टरता के कारण सत्ता और समाज के पूरे ढांचे को बदलने वाला था।

बांग्लादेश की स्थिति में बड़ा उलटफेर पिछले साल हुआ। जून-जुलाई में शुरू हुए प्रदर्शनों के बाद पांच अगस्त, 2024 को शेख हसीना की सरकार गिर गई। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन हुआ, जिसके बाद सरकार का रुख पूरी तरह से बदल गया। कट्टरपंथी ताकतों के सामने सरकार ने या तो घुटने टेक दिए या उनके समर्थन के लिए मजबूर दिखी। बांग्लादेश के वरिष्ठ पत्रकार सलाहुद्दीन शोएब चौधरी का कहना है कि पिछले 11 महीनों में उनके देश की पहचान पूरी तरह बदल गई है। पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों पर खरा दिखने वाला बांग्लादेश अब तेजी से इस्लामीकरण की ओर बढ़ रहा है। वहां के सुरक्षाबलों में 17 हजार नई भर्तियां हुई हैं, और ये सभी कट्टर इस्लामी पृष्ठभूमि से आते हैं।

शरिया कानून पर जोर : इस परिदृश्य में भारत के इस पड़ोसी देश में आगे और भी बदलाव होने की आशंका है, जो उसके अतीत और सार्वजनिक नैतिकता के विपरीत होगा। मोहम्मद यूनुस के करीबी मुफ्ती फजलुल करीम ने कहा कि उनके यहां इस्लामी शरिया कानून लागू होना चाहिए। उनका मानना है कि हिंदुओं को अधिकार तभी मिलेंगे जब वे शरिया को स्वीकार करेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश अपनी नई पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है, जो हाल की एक घटना से स्पष्ट होता है, जिसमें यूनुस ने अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम गैरसरकारी संगठनों के एक समूह की मेजबानी की। उन्होंने इंटरनेट मीडिया पर लिखा कि उनका मुख्य उद्देश्य मुस्लिम दुनिया को एकजुट करना और समान लक्ष्यों और हितों के प्रति जागरूक करना है। इस महत्वपूर्ण बैठक में तुर्किए और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों के साथ-साथ मलेशिया और इंडोनेशिया के इस्लामी संगठनों ने भी भाग लिया। तुर्किए के रक्षा उद्योग सचिव ने बांग्लादेश के सेना प्रमुख से मुलाकात की और बांग्लादेश को तुर्किए के साथ मिलकर सैन्य उपकरण बनाने का प्रस्ताव दिया।

बांग्लादेश में बनते भारत विरोधी माहौल के प्रति हमें सतर्क रहना होगा। फाइल

भारत का बांग्लादेश के साथ संबंध केवल पड़ोसी का नहीं है। भारत ने इस देश के अस्तित्व में आने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दुनिया की बदलती शक्ति संरचना में कई बड़े देश भारत की बढ़ती भूमिका को लेकर असंतुष्ट हैं। इसलिए बांग्लादेश में जो भी घटनाएं हो रही हैं, उनका सबसे अधिक प्रभाव भारत पर पड़ेगा। भारत को इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी कदम उठाने होंगे। यदि समय रहते ऐसा नहीं किया गया, तो हमें पड़ोस में एक और इस्लामी राष्ट्र से निपटने के लिए तैयार रहना होगा। यह स्थिति न केवल दोनों देशों के पुराने संबंधों में दरार डालेगी, बल्कि पूरे क्षेत्र में अस्थिरता का एक नया दौर भी शुरू कर सकती है।

****

राष्ट्रीय संस्करण
शनिवार 2 अगस्त, 2025
दैनिक जागरण
www.jagran.com

एनएसई ने नियमों के उल्लंघन का मामला निपटाया

नई दिल्ली: देश के प्रमुख स्टाक एक्सचेंज नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) ने विभिन्न नियमों के उल्लंघन से जुड़े मामले का 40.35 करोड़ रुपये देकर निपटान करा लिया है। यह मामला डाटा हैंडलिंग, आंतरिक प्रशासन और नियामकीय अनुपालन से जुड़ा था। सेबी को फरवरी 2021 से मार्च 2022 के दौरान एनएसई के निरीक्षण में यह खामियां मिली थीं। आइपीओ की तैयारी कर रहे एनएसई ने 'तथ्यों और कानून के निष्कर्षों को नकारे या स्वीकारे बिना' ही इस मामले को सुलझा लिया है। (प्रेट्र)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का स्मार्ट उपयोग एक अरब लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा की समस्याओं का समाधान कर सकता है।
– नंदन नीलेकणी, सहसंस्थापक, इन्फोसिस

सेंसेक्स	80,599.91	▼ 585.67
निफ्टी	24,565.35	▼ 203
सोना प्रति दस ग्राम	₹ 97,620	▼ ₹400
चांदी प्रति किलोग्राम	₹1,09,500	▼ ₹2,500
डालर	₹87.18	▼ ₹0.47
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$ 71.42	

एक नजर में

वाणिज्यिक गैस सिलिंडर का मूल्य 33.50 रुपये घटा

नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क दरों में उतार-चढ़ाव के अनुरूप तेल वितरण कंपनियों ने वाणिज्यिक गैस सिलिंडर के मूल्य में 33.50 रुपये की कटौती की है। अब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले सिलिंडर का मूल्य घटकर 1,631.50 रुपये प्रति इकाई हो गया है। इसी तरह, विमान ईंधन (एटीएफ) के मूल्य में तीन प्रतिशत की कमी की गई है। इस कमी के बाद दिल्ली में एटीएफ का मूल्य 92,021.93 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। (प्रेट्र)

विदेशी मुद्रा भंडार 2.7 अरब डालर बढ़ा

मुंबई: बीते सप्ताह देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.703 अरब डालर की वृद्धि रही है। आरबीआइ के अनुसार, 25 जुलाई के समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 698.192 अरब डालर रहा है। डाटा के अनुसार, बीते सप्ताह विदेशी मुद्रा आस्तियों में 1.316 अरब डालर की वृद्धि रही है और यह बढ़कर 588.926 अरब डालर हो गई है। इसी तरह, स्वर्ण भंडार 1.206 अरब डालर बढ़कर 85.704 अरब डालर हो गया है। (प्रेट्र)

बीएसएनएल ने पेश किया एक रुपये का 4जी प्लान

नई दिल्ली: सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने शुक्रवार को ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए एक महीने की वैधता के साथ सिर्फ एक रुपये में 4जी सेवा का प्लान पेश किया। कंपनी ने हाल ही में पूरे देश में 4जी नेटवर्क लांच किया है। कंपनी ने कहा कि 'फ्रीडम प्लान' अनलिमिटेड वायस काल (लोकल या एसटीडी), प्रतिदिन 2 जीबी हाई-स्पीड डाटा, प्रतिदिन 100 एसएमएस और एक मुफ्त बीएसएनएल सिम शामिल है। बीएसएनएल का मुख्य मुकाबला रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया से होगा। (प्रेट्र)

पिछले महीने बिजली की खपत 2.6 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली: जुलाई 2025 में बिजली की खपत वार्षिक आधार पर 2.6 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 153.63 अरब यूनिट (बीयू) रही है। बिजली खपत में कम वृद्धि का प्रमुख कारण देश के कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच कूलिंग उपकरणों का कम उपयोग रहा है। सरकारी डाटा के अनुसार, जुलाई 2024 में 149.65 अरब यूनिट बिजली की खपत हुई थी। जुलाई में एक दिन में बिजली की अधिकतम मांग 220.59 गीगावाट रही है, जो पिछले वर्ष समान महीने में 226.63 गीगावाट थी। (प्रेट्र)

एनएसडीएल का आइपीओ 41 गुना सब्सक्राइब हुआ

नई दिल्ली: देश की प्रमुख डिपाजिटरी नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) अंतिम दिन 41 गुना सब्सक्राइब हुआ। एनएसई डाटा के अनुसार, आइपीओ में 3,51,27,002 शेयर बिक्री के लिए पेश किए गए थे। इसके सापेक्ष 1,44,03,92,004 शेयरों के लिए आवेदन मिले हैं। योग्य संस्थागत खरीदारी श्रेणी में 103.97 गुना, गैर-संस्थागत निवेशक श्रेणी में 34.98 गुना और खुदरा व्यक्तिगत निवेशक श्रेणी में 7.73 गुना आवेदन मिले हैं। (प्रेट्र)

एक तिहाई निर्यात पर टैरिफ का असर नहीं

पांच अक्टूबर 2025 तक अमेरिका पहुंचने वाले उत्पादों पर भी 25 प्रतिशत का शुल्क नहीं लगेगा

राजीव कुमार • जागरण

नई दिल्ली: भारतीय वस्तुओं के निर्यात पर अमेरिका की तरफ से लगाए गए 25 प्रतिशत का शुल्क आगामी सात अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप प्रशासन की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक भारत से निर्यात होने वाले लगभग एक तिहाई उत्पादों पर ट्रंप का 25 प्रतिशत शुल्क नहीं लगेगा। इसमें मुख्य रूप से स्मार्टफोन समेत कई इलेक्ट्रानिक्स आइटम, तैयार दवा व दवा बनाने वाले कच्चे माल, ऊर्जा संबंधित वस्तुओं को 25 प्रतिशत के शुल्क दायरे से बाहर रखा गया है। ट्रंप ने घोषणा के विपरीत भारत पर कोई जुर्माना भी नहीं लगाया है।

प्रशासनिक आदेश में यह भी कहा गया है कि दोनों देशों के बीच अगर कोई समझौता हो गया तो 25 प्रतिशत का शुल्क लागू नहीं होगा। आगामी पांच अक्टूबर तक अमेरिका पहुंचने वाले भारतीय माल पर भी 25 प्रतिशत शुल्क का नियम लागू नहीं होगा। इस प्रकार देखा जाए तो ट्रंप के 25 प्रतिशत के शुल्क का असर काफी कम समय के लिए और कम आइटम पर होने वाला है।

आगामी 25 अगस्त को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के बीच होने वाले द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) पर बातचीत करने के लिए भारत आ रहा है। अक्टूबर तक बीटीए के पहले चरण का समझौता होने की पूरी उम्मीद है और फिर 25 प्रतिशत के शुल्क का कोई मायने नहीं रह जाएगा।

- इलेक्ट्रानिक्स उत्पाद, दवा व दवा बनाने वाले कच्चे माल पर नहीं लगेगा 25 प्रतिशत का शुल्क
- द्विपक्षीय व्यापार समझौता वार्ता के लिए 25 अगस्त को आएगा अमेरिकी दल

फार्मा व इलेक्ट्रानिक्स निर्यात 25 अरब डालर का

भारत अमेरिका में 10 अरब डालर का फार्मा तो लगभग 14 अरब डालर के स्मार्टफोन का निर्यात करता है। इसके अलावा एनर्जी से जुड़े कई आइटम का भी निर्यात करता है, जिस पर 25 प्रतिशत का शुल्क प्रभावी नहीं होगा। कुछ कृषि आइटम को 25 प्रतिशत से छूट दी गई है। ऐसे में लगभग 30 अरब डालर के निर्यात पर ट्रंप के नए शुल्क का असर नहीं होगा। भारत ने पिछले साल 88 अरब डालर के वस्तुओं का निर्यात अमेरिका में किया था।

सात अगस्त से पहले अधिक निर्यात के प्रयास

निर्यातकों ने बताया कि सात अगस्त से पहले उनकी पूरी कोशिश होगी कि वे सभी पुराने अमेरिकी आर्डर की डिलिवरी हर हाल में कर दें। वे अमेरिकी खरीदार से बात कर रहे हैं और एडवांस आर्डर की डिलिवरी भी सात अगस्त से पहले कर देना चाहेंगे। सात अगस्त से पहले निकल गया माल अगर पांच अक्टूबर तक भी अमेरिका पहुंचता है तो उस पर 25 प्रतिशत का नहीं बल्कि 10 प्रतिशत का ही शुल्क लगेगा।

जीडीपी का 0.20 प्रतिशत ट्रंप टैरिफ से होगा प्रभावित

वाणिज्य मंत्रालय के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक ट्रंप के 25 प्रतिशत के शुल्क से जीडीपी का 0.2 प्रतिशत से भी कम का नुकसान होने की आशंका है।

रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात की वित्तीय मदद पर मंत्रणा

रोजगारपरक सेक्टर के निर्यात को अमेरिका के बाजार में मुकाबले में बने रहने देने के लिए उन्हें वित्तीय मदद पर वाणिज्य मंत्रालय में मंत्रणा शुरू हो गई है। इन सेक्टर के निर्यातकों से प्रस्ताव देने के लिए कहा गया है।

शुल्क का भारत से ज्यादा अमेरिका पर प्रतिकूल असर

- एसबीआइ रिसर्च ने कहा-अमेरिकी जीडीपी में गिरावट आने के साथ ही डालर हो सकता है कमजोर
- अमेरिकी उपभोक्ताओं को सालाना औसतन 2,400 डालर का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ सकता है

नई दिल्ली, प्रेट्र: एसबीआइ रिसर्च ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय निर्यात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का असर भारत की तुलना में अमेरिका पर कहीं ज्यादा पड़ेगा। उसका मानना है कि इससे अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट आने के साथ डालर भी कमजोर हो सकता है।

एसबीआइ रिसर्च ने टैरिफ को एक बुरा व्यावसायिक फैसला बताते हुए कहा कि इससे अमेरिका की घरेलू मुद्रास्फीति और उपभोक्ता कीमतों पर ही नकारात्मक असर पड़ेगा, जबकि वैश्विक सप्लाई चेन की 'छिपी हुई ताकतें' खुद को समायोजित कर भारत को कुछ राहत देंगी। रिपोर्ट कहती है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को भारत से ज्यादा झटका लग सकता है, क्योंकि वहां जीडीपी में गिरावट, महंगाई में तेजी और डालर में कमजोरी के आसार दिख सकते हैं। उसका अनुमान है कि इन शुल्कों के कारण अमेरिकी उपभोक्ताओं को सालाना औसतन 2,400 डालर का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ सकता है। वहीं, कम आयवर्ग के परिवारों पर यह असर तीन गुना हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अपने निर्यात गंतव्यों में विविधता ला चुका है। हालांकि, वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना रहा, लेकिन शीर्ष 10 साझेदार देशों का कुल हिस्सा 53 प्रतिशत ही है। इससे भारत को अमेरिका पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। एसबीआइ रिसर्च ने कहा कि जेनेरिक सस्ती दवाओं के बाजार में भारत अमेरिका की लगभग 47 प्रतिशत मांग की पूर्ति करता है। यदि अमेरिका उत्पादन को घरेलू या अन्य देशों में स्थानांतरित करता है, तो इसमें तीन से पांच साल लगेंगे। इससे उपभोक्ताओं को दवाओं की किल्लत और मूल्य वृद्धि का सामना करना पड़ सकता है।

> बिजली मशीनरी कलपुर्जे, रत्न, दवाएं, वस्त्र और रसायन जैसे क्षेत्र इस शुल्क से सर्वाधिक प्रभावित होंगे। भारत का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 43 अरब डालर हो गया है जो वित्त वर्ष 2012-13 में 11 अरब डालर था।
> **-कौशिक दास**, मुख्य अर्थशास्त्री, डायचे बैंक

अमेरिका को होने वाले निर्यात पर पड़ सकता है गहरा असर

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत के सभी सामानों पर डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सात अगस्त से बिना किसी छूट के 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर गहरा असर पड़ सकता है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआइ) द्वारा व्हाइट हाउस के कार्यकारी आदेश के विश्लेषण के बाद यह पता चला है कि 25 प्रतिशत टैरिफ छूट प्राप्त उत्पादों की श्रेणियों पर लागू नहीं होगा। जिन उत्पादों को विशेष टैरिफ से छूट प्राप्त है, उसमें फार्मास्यूटिकल्स, एपीआइ, कच्चा तेल, परिष्कृत ईंधन, प्राकृतिक गैस, कोयला और बिजली, महत्वपूर्ण खनिज, और कंप्यूटर, टैबलेट, स्मार्टफोन, सालिड-स्टेट ड्राइव, फ्लैट पैनल डिस्प्ले और इंटीग्रेटेड सर्किट सहित इलेक्ट्रानिक्स और सेमीकंडक्टर शामिल हैं। जीटीआरआइ के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में भारत का वस्तु निर्यात 30 प्रतिशत घटकर 60.6 अरब डालर रह सकता है।

टैरिफ से फार्मा, मेटल व आइटी शेयरों में हुई जमकर बिकवाली

मुंबई, प्रेट्र: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से टैरिफ को लेकर आधिकारिक सूचना जारी किए जाने से घरेलू बाजारों में फार्मा, मेटल और आइटी क्षेत्र के शेयरों में जमकर बिकवाली हुई। इस कारण शुक्रवार को बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 585.67 अंक गिरकर 80,599.91 अंक पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार के दौरान इसमें 690.01 अंक तक की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी 203 अंक टूटकर 24,565.35 के स्तर पर बंद हुआ। विशेषज्ञों ने कहा कि विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी घरेलू बाजारों पर दबाव बना हुआ है।

एसबीआइ सिक्योरिटीज के तकनीकी अनुसंधान प्रमुख सुदीप शाह के अनुसार, निफ्टी में लगातार पांचवें सप्ताह गिरावट रही है। यह अगस्त 2023 के बाद निफ्टी में सबसे लंबी गिरावट है। इसने बाजार में चिंता बढ़ा दी है। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स में 863.18 अंक और निफ्टी में 271.65 अंक की गिरावट रही है।

सेंसेक्स में सन फार्मा के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

585 अंक की गिरावट के साथ 80,599 अंक पर बंद हुआ सेंसेक्स

203 अंक टूटकर 24,565 के स्तर पर पहुंचा एनएसई का निफ्टी

फिच ने जीडीपी अनुमान घटा 6.3% किया

वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने कहा- भारतीय कंपनियों पर उच्च अमेरिकी टैरिफ का सीमित प्रभाव पड़ने की संभावना

नई दिल्ली, प्रेट्र: फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुमानों को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया। उसका मानना है कि भारतीय कंपनियों पर उच्च अमेरिकी टैरिफ का सीमित प्रभाव पड़ेगा। अप्रैल में अपने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में, फिच ने 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था।

फिच ने शुक्रवार को जारी अपनी इंडिया कारपोरेट्स क्रेडिट ट्रेंड्स रिपोर्ट में कहा, 'हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 26 के दौरान भारत की 6.3 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि और मजबूत बुनियादी ढांचा खर्च सीमेंट और निर्माण सामग्री, बिजली, पेट्रोलियम उत्पाद, इस्पात और इंजीनियरिंग एवं निर्माण कंपनियों की मांग को बल देगा।'' फिच रेटिंग्स को उम्मीद है कि मार्च 2026 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में उसकी रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों के क्रेडिट मेट्रिक्स में सुधार होगा, क्योंकि व्यापक एबिटा मार्जिन उनके उच्च पूंजीगत व्यय की भरपाई कर देगा। अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव पर, फिच ने कहा कि इसका प्रभाव सीमित होगा, लेकिन कुछ मामलों में अतिरिक्त आपूर्ति से दूसरे स्तर के जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। फिच ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भी अंतिम परिणाम को प्रभावित कर सकता है और कंपनियां निर्यात में विविधता लाकर टैरिफ के प्रभाव को कम करने का प्रयास कर सकती हैं। फिच ने कहा कि भारत को अतिरिक्त आपूर्ति के कारण इस्पात और रसायनों पर मूल्य निर्धारण का दबाव पड़ सकता है।

एसएंडपी ने भी वृद्धि पर असर पड़ने का अनुमान जताया

नई दिल्ली: एसएंडपी मार्केट इंटेलिजेंस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर अमेरिका द्वारा लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ सितंबर, 2025 के बाद भी लागू रहता है तो इसका असर जीडीपी पर पड़ेगा और वह कम होकर 6.2 प्रतिशत के नीचे जा सकती है। यह वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि से कम है। एसएंडपी का मानना है कि भारत द्वारा कृषि और डेरी उत्पादों के क्षेत्र में अमेरिका को अनुमति नहीं देना व्यापार समझौते पर नहीं पहुंचने का कारण हो सकता है। (एएनआइ)

जुलाई में 7.5 प्रतिशत बढ़ा जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली, प्रेट्र: ज्यादा घरेलू राजस्व की बदौलत इस वर्ष जुलाई में कुल जीएसटी संग्रह 7.5 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये रहा है। जीएसटी संग्रह जुलाई 2024 में 1.82 लाख करोड़ रुपये और जून 2025 में 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा था।

डाटा के अनुसार, पिछले महीने घरेलू राजस्व 6.7 प्रतिशत बढ़कर 1.43 लाख करोड़ रुपये रहा है। वहीं, आयात पर कर से मिलने वाला राजस्व 9.5 प्रतिशत बढ़कर 52,712 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान रिफंड वार्षिक आधार पर 66.8 प्रतिशत बढ़कर 27,147 करोड़ रुपये रहा है। रिफंड के बाद पिछले महीने शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.69 लाख करोड़ रुपये रहा है और इसमें वार्षिक आधार पर 1.7 प्रतिशत की वृद्धि रही है। ईवाई इंडिया के टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि समय पर रिफंड प्रक्रिया भी व्यवसायों के लिए एक बड़ी मदद है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उनके पास आवश्यक कार्यशील पूंजी उपलब्ध हो सके।

भारत समेत 24 से अधिक बाजारों में एपल को रिकार्ड राजस्व मिला

नई दिल्ली, प्रेट्र: आइफोन बनाने वाली कंपनी एपल ने अप्रैल-जून तिमाही में भारत सहित 24 से अधिक बाजारों में रिकार्ड राजस्व हासिल किया। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न स्थिति पर चिंता जाहिर की और सितंबर तिमाही में शुल्क से करीब 1.1 अरब डालर भार बढ़ने का अनुमान लगाया है।

कंपनी ने जून तिमाही में 94.04 अरब डालर का राजस्व दर्ज किया। इसमें 10 प्रतिशत की वृद्धि रही है। शुद्ध लाभ 23.42 अरब डालर रहा, जो एक साल पहले की तुलना में 9.2 प्रतिशत अधिक है।

कुक ने इस वर्ष के अंत तक भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में नए स्टोर खोलने का भी एलान किया। उन्होंने कहा कि कंपनी ने हर भौगोलिक क्षेत्र में आइफोन की वृद्धि देखी है तथा भारत, पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया और ब्राजील सहित उभरते बाजारों में दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की।

- टिम कुक ने कहा-अमेरिकी टैरिफ से सितंबर तिमाही में 1.1 अरब डालर का बढ़ेगा भार
- इस वर्ष के अंत तक भारत और संयुक्त अरब अमीरात में नए स्टोर खोलने का भी एलान

कुक ने कहा कि हमने दुनिया के अधिकतर बाजारों में वृद्धि में तेजी देखी है। हम इन पर नजर बनाए हुए हैं। इनमें चीन और कई उभरते बाजार शामिल हैं। जून तिमाही के दौरान 24 से अधिक देशों और क्षेत्रों में रिकार्ड राजस्व दर्ज किया। इनमें अमेरिका, कनाडा, लातिन अमेरिका, पश्चिमी यूरोप, पश्चिम एशिया, भारत और दक्षिण एशिया शामिल हैं।

मैन्यूफैक्चरिंग की वृद्धि दर 16 माह के शिखर पर

मुंबई, प्रेट्र: भारत के मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई में मजबूत होकर 16 महीने के उच्च स्तर 59.1 पर पहुंच गई। अनुकूल मांग परिस्थितियों के बीच नए आर्डर और उत्पादन में तेजी से इसे समर्थन मिला। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआइ) जून के 58.4 से बढ़कर जुलाई में 59.1 हो गया। यह मार्च 2024 के बाद से इस क्षेत्र में सबसे मजबूत सुधार का संकेत है।

सर्वेक्षण के अनुसार, कुल बिक्री करीब पांच वर्ष में सबसे तेज गति से बढ़ी। इसके बाद जुलाई में उत्पादन वृद्धि बढ़कर 15 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। कारोबारी परिदृश्य के संबंध में सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारतीय मैन्यूफैक्चरर्स आगामी 12 महीनों में उत्पादन में वृद्धि को लेकर आश्वस्त हैं लेकिन समग्र सकारात्मक भावना का स्तर तीन वर्ष में अपने निम्न स्तर पर आ गया है। कीमतों के मोर्चे पर सर्वेक्षण में कहा गया कि जुलाई में लागत का दबाव और बढ़ गया।

जुलाई में यात्री वाहनों की थोक बिक्री धीमी रही

नई दिल्ली, प्रेट्र: घरेलू बाजार में मांग में नरमी के बीच जुलाई में यात्री वाहनों की बिक्री धीमी रही। मारुति सुजुकी की जुलाई में थोक बिक्री में मामूली तौर पर बढ़ी, लेकिन टाटा मोटर्स और हुंडई मोटर इंडिया की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। अन्य प्रमुख कंपनियों महिंद्रा एंड महिंद्रा और किआ इंडिया की बिक्री में पिछले महीने क्रमशः दोहरे और एकल अंकों की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की गई।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने जुलाई में 1,37,776 यात्री वाहनों की थोक बिक्री की जानकारी दी। यह एक साल पहले की समान अवधि में 1,37,463 इकाइयों से मामूली तौर पर ज्यादा है। कंपनी ने कहा कि आल्टो और एस-प्रेसो सहित मिनी सेगमेंट कारों की बिक्री जुलाई, 2024 के 9,960 इकाइयों के मुकाबले घटकर 6,822 इकाई रह गई। हालांकि, बलेनो, डिजायर, इग्निस और स्विफ्ट सहित कांपैक्ट कारों की बिक्री एक साल पहले की 58,682 इकाइयों से बढ़कर 65,667 इकाई हो गई। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक पार्थो बनर्जी ने बताया कि सभी माडलों में मानक फिटमेंट के रूप में छह एयरबैग जोड़ने के चलते लागत में वृद्धि से कुछ चुनौतियां आई हैं। आगामी त्योहारी सीजन सकारात्मक रहने की उम्मीद है।

किआ इंडिया ने जुलाई में कुल बिक्री में साल-दर-साल 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। टोयोटा ने कहा कि जुलाई में उसकी बिक्री साल-दर-साल तीन प्रतिशत बढ़कर 32,575 इकाई हो गई।

- घरेलू बाजार में मांग में नरमी के बीच सभी बड़ी कंपनियों की बिक्री प्रभावित हुई
- आल्टो और एस-प्रेसो जैसी मिनी सेगमेंट कारों की बिक्री जुलाई में तेजी से घटी

त्योहारी सीजन की शुरुआत को लेकर आशावादी: हुंडई

हुंडई मोटर इंडिया ने कहा कि जुलाई में घरेलू बाजार में उसकी बिक्री सालाना आधार पर 10 प्रतिशत घटकर 43,973 इकाई रह गई। कंपनी के सीओओ तरुण गर्ग ने कहा, 'यह बात ठीक है कि हाल के महीनों में समग्र आटो उद्योग में कुछ नरमी देखी गई है, फिर भी हम त्योहारी सीजन की शुरुआत को लेकर आशावादी हैं।' महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि उसने घरेलू बाजार में 49,871 यूटिलिटी वाहन बेचे, जो पिछले साल जुलाई के 41,623 इकाइयों की तुलना में 20 प्रतिशत की वृद्धि है। टाटा मोटर्स की जुलाई में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री साल-दर-साल 12 प्रतिशत घटकर 39,521 इकाई रही है।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

राष्ट्रीय फलक

बिहार में जाली नोटों की बरामदगी के बाद पटना व दिल्ली में छापेमारी

जासं, गोपालगंज : बिहार के गोपालगंज जिले से गुरुवार को 55 जाली नोटों के साथ पांच लोगों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने शुक्रवार को पटना व दिल्ली में छापेमारी की। इन पांच व्यक्तियों को एक व्यक्ति द्वारा जाली नोटों का उपयोग कर छोटे दुकानदारों से सामान खरीदने और असली नोटों से अदला-बदली की सूचना पर पकड़ा गया था।

एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि गिरफ्तार लोगों से पूछताछ के बाद पता चला कि दिल्ली का बड़ा व्यवसायी जाली नोट की आपूर्ति में संलिप्त है। पुलिस उसके ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पटना में भी जाली नोट को बाजार में चलाने वाले गिरोह को चिह्नित किया गया है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम पटना में भी छापेमारी कर रही है।

शत्रु संपत्ति को जौहर यूनिवर्सिटी में मिलाने के मामले में आजम पर आरोप तय

जागरण संवाददाता, रामपुर

▸ यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार, नगर पालिका के ईओ और मुतवल्ली भी हैं आरोपित

शत्रु संपत्ति को जौहर यूनिवर्सिटी में मिलाने के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने सपा नेता आजम खां, यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार रोशन कुरैशी, नगर पालिका रामपुर के तत्कालीन अधिशासी अधिकारी सैयद मोहम्मद तारिक और मुतवल्ली वक्फ इमामुद्दीन मसूद कुरैशी पर आरोप तय किए हैं। जमीन को साजिश के तहत पहले वक्फ में दर्ज कराया गया था। 21 अगस्त को मामले की सुनवाई होगी।

नायब तहसीलदार रहे केजी मिश्रा ने आठ अगस्त 2019 को शहर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में कहा गया था कि शत्रु संपत्ति ग्राम सींगनखेड़ा में थी। इसे पहले गलत तरीके से रिकार्ड में हेराफेरी करके वक्फ में दर्ज कराया गया। इसके बाद 24 अप्रैल 2015 में ईओ की ओर से मसूद खां को नोटिस जारी किया गया। नोटिस में कहा गया था कि इस संपत्ति पर आपने कब्जा किया हुआ है। इसे कब्जा मुक्त कर दें, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। इस नोटिस को मुतवल्ली द्वारा हाई कोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी गई और हाई कोर्ट से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया। यह सब सुनियोजित तरीके से किया गया। दरअसल, जौहर यूनिवर्सिटी द्वारा शत्रु संपत्ति को लीज पर ले लिया था। बाद में जिलाधिकारी ने लीज निरस्त कर दी थी। नगर पालिका की ओर से नोटिस और हाई कोर्ट से स्थगन का खेल खेला गया। स्थगन के बाद शत्रु संपत्ति को जौहर यूनिवर्सिटी द्वारा कब्जे में ले लिया था।

एसजीपीसी ने मोहन भागवत से चर्चा करने पर डा. करमजीत को हटाया

जासं, अमृतसर : एसजीपीसी ने गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के वीसी डा. करमजीत सिंह को श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार के सेवा नियम कमेटी से हटा दिया है। आरोप है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख से चर्चा के दौरान सिख भावनाओं को चोट पहुंचाया।

एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि इंटरनेट मीडिया पर जारी वीडियो में डा. करमजीत सिंह आरएसएस प्रमुख डा. मोहन भागवत से वार्ता के दौरान सिख-विरोधी विचारधारा व्यक्त करते नजर आ रहे हैं। यह सरासर गलत है।

इस पर संगत की ओर से आपत्तियों के मद्देनजर एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने डा. करमजीत सिंह को कमेटी से हटा दिया है।

उत्तराखंड पंचायत चुनाव : भाजपा का झंडा बुलंद, निर्दलियों का भी बोलबाला

राज्य ब्यूरो, जागरण • देहरादून

▸ त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की 30 घंटे तक चली मैराथन मतगणना संपन्न, आचार संहिता भी हुई समाप्त

हरिद्वार को छोड़ राज्य के शेष 12 जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की 30 घंटे तक चली मैराथन मतगणना शुक्रवार को संपन्न हो गई। पंचायतों में भाजपा का झंडा बुलंद रहा तो निर्दलियों का भी खूब बोलबाला रहा।

जिला पंचायतों में सदस्य के 358 पदों की तस्वीर देखें तो भाजपा समर्थित 113, कांग्रेस समर्थित 80 व निर्दलीय 165 प्रत्याशी विजयी रहे। यद्यपि, भाजपा का दावा है कि पार्टी समर्थित, समान विचारधारा और पार्टीजनों को मिलाकर जिला पंचायत सदस्य के 216 पदों पर उसने जीत दर्ज की है। उधर, मतगणना संपन्न होने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने शाम को ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत चुनाव की आचार संहिता खत्म होने की अधिसूचना जारी कर दी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत सदस्य के 358, क्षेत्र पंचायत सदस्यों के 2,974, ग्राम प्रधानों के 7,499 और ग्राम पंचायत सदस्य के 55,587 पदों के चुनाव के लिए प्रक्रिया दो जुलाई को नामांकन पत्र दाखिल करने के साथ प्रारंभ हुई थी। नाम वापसी के बाद जिला पंचायत सदस्य के आठ, क्षेत्र पंचायत सदस्य के 240, ग्राम प्रधान के 1361 व ग्राम पंचायत सदस्य के 20,280 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए थे। शेष पदों के लिए दो चरणों 24 व 28 जुलाई को मतदान हुआ।

जीशान सिद्दीकी को धमकी भरा ईमेल भेजने का आरोपित गिरफ्तार

मुंबई, प्रेट्र : त्रिनिदाद और टोबैगो से शुक्रवार तड़के मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंचे 35 वर्षीय एक व्यक्ति को पूर्व विधायक जीशान सिद्दीकी को धमकी भरे ईमेल भेजने और 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बिहार निवासी आरोपित मोहम्मद दिलशाद नावेद ने अप्रैल में सिद्दीकी को धमकी भरे ईमेल भेजे थे।

पिछले साल 12 अक्टूबर को उनके पिता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या से संबंधित यू- ट्यूब वीडियो देखने के बाद दाऊद इब्राहिम गिरोह के नाम पर रंगदारी मांगी थी। जांच में आइपी एड्रेस त्रिनिदाद और टोबैगो का निकला। नावेद वहां चाचा की दुकान पर काम करता था। मुंबई लौटने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

****

2 अलग-अलग अदालतों ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 99 अन्य के खिलाफ आवासीय परियोजना में भूखंडों के आवंटन में अनियमितताओं के चलते छह मामलों में आरोप तय किए हैं।

रूस के साथ रिश्ते समय की कसौटी पर खरे, तीसरे देश के चश्मे से न देखें : भारत

विदेश मंत्रालय ने कहा, बाजार के रुख व राष्ट्रीय हितों के आधार पर होती है ऊर्जा खरीद

तेल कंपनियों की ओर से रूसी आयात रोकने के संबंध में जानकारी होने से किया इन्कार

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

रूस से पेट्रोलियम पदार्थ और हथियार खरीदने के कारण 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले के बाद विदेश मंत्रालय ने रूस संग भारत के दीर्घकालिक संबंधों का बचाव किया। मंत्रालय ने इन्हें स्थिर और समय की कसौटी पर खरा बताया। साथ ही कहा कि इन्हें किसी तीसरे देश के चश्मे से न देखा जाए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस बात पर जोर दिया कि किसी भी देश के साथ भारत के संबंध उसके अपने गुणदोष पर आधारित होते हैं और इन्हें किसी तीसरे देश के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। जहां तक भारत-रूस संबंधों का सवाल है, हमारी साझेदारी स्थिर और समय की कसौटी पर खरी है।

जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा खरीद बाजार के रुख और राष्ट्रीय हितों के आधार पर होती है। साथ ही कहा कि सरकार को भारतीय तेल कंपनियों की ओर से रूसी आयात रोकने के संबंध में किसी विशेष घटनाक्रम की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, "आप ऊर्जा स्रोत की आवश्यकताओं के प्रति हमारे व्यापक दृष्टिकोण से अवगत हैं। हम बाजार में उपलब्ध संसाधनों और मौजूदा वैश्विक स्थिति पर ध्यान देते हैं। हमें किसी विशेष स्थिति की जानकारी नहीं है।" ईरान संग पेट्रोलियम खरीदने वाली छह भारतीय कंपनियों पर अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाने की घोषणा के बारे में जायसवाल ने कहा कि भारत ने इस पर ध्यान दिया है और स्थिति की समीक्षा कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत की अमेरिका के साथ साझेदारी मजबूत व लचीली है। जायसवाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-अमेरिका के संबंध साझा मूल्यों व हितों पर आधारित हैं और बाहरी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, "भारत-अमेरिका के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित है। इस साझेदारी ने कई बदलावों और चुनौतियों का सामना किया है। हम उस एजेंडे पर केंद्रित हैं जिसके लिए दोनों देश प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि ये रिश्ते आगे बढ़ते रहेंगे।"

रणधीर जायसवाल। फाइल

तेल कंपनियां बोलीं, सरकारी दबाव में नहीं रोकी रूस से तेल खरीद

नई दिल्ली, जागरण ब्यूरो

सरकारी तेल कंपनियों के अधिकारियों ने इस बात से साफ इन्कार किया है कि रूस से कच्चे तेल की खरीद को फिलहाल किसी सरकारी दबाव में रोका गया है। कंपनियों का कहना है कि रूस पर लगातार अमेरिकी व पश्चिमी देशों के प्रतिबंध की वजह से वैश्विक बाजार में उसके कच्चे तेल की लागत को लेकर समीकरण बदल गए हैं। भारत स्थित तेल रिफाइनरियों के लिए रूसी तेल खरीदकर लाना बहुत फायदे का सौदा नहीं रह गया है। इससे ही भारत की तरफ से रूस से कच्चे तेल की खरीद कम की गई है।

प्रमुख सरकारी तेल कंपनियों आइओसी, एचपीसीएल, बीपीसीएल और एमआरपीएल ने पिछले एक हफ्ते से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूसी तेल की खरीद नहीं की है। वैसे रूस उत्पादित भारतीय बाजार में आने वाले कुल कच्चे तेल में उक्त चारों कंपनियों की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत ही है। 80 प्रतिशत रूस का कच्चा तेल रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा रिफाइनरी (रूसी तेल कंपनी रोसनेफ्ट) लेती हैं। वजह यह है कि यूरोपीय संघ और अमेरिकी प्रतिबंध के बाद रूस उत्पादित तेल की उच्चतम कीमत बाजार में कम हो गई है। 18 जुलाई को यूरोपीय संघ ने रूसी तेल की उच्चतम कीमत को 60 डालर प्रति बैरल से घटाकर 47.6 डालर प्रति बैरल कर दी है। इसके बाद से रूस की कंपनियां जिस क्रूड को भारतीय तेल रिफाइनिंग कंपनियों को 4-5 डालर प्रति बैरल सस्ती दर पर दे रही थीं, वह छूट घटकर दो डालर प्रति बैरल हो गई है। वहीं अमेरिका जिस तरह ईरान से तेल खरीदने से संबंधित कई भारतीय कंपनियों को प्रतिबंधित कर रहा है, उसे देखते हुए भारत की तेल रिफाइनरियां रूस की तेल जोखिम नहीं उठाना चाहतीं। एक रिपोर्ट बताती है कि अप्रैल से जून, 2025 के दौरान भारत ने कुल तेल खरीद का 41.20 प्रतिशत रूस से खरीदा है।

भारत ने ब्रिटिश संसदीय रिपोर्ट को किया खारिज, करार दिया 'असत्य'

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत ने ब्रिटिश संसदीय रिपोर्ट को "बेतुका" बताते हुए खारिज कर दिया, जिसमें भारत को उन देशों में शामिल किया गया था जिन पर ब्रिटेन में "अंतरराष्ट्रीय दमन" में लिप्त रहने का आरोप है। इस बेबुनियाद रिपोर्ट में भारत के खिलाफ लगाए गए आरोप खालिस्तानी संगठनों के हवाले से दिए गए हैं।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि ये आरोप "असत्यापित" और "संदिग्ध स्रोतों" से उत्पन्न हुए हैं, जो मुख्य रूप से प्रतिबंधित संस्थाओं और व्यक्तियों से जुड़े हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "हमने रिपोर्ट में भारत के संदर्भ देखे हैं और इन बेतुके आरोपों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं।" उन्होंने कहा, "ये दावे असत्यापित और संदिग्ध स्रोतों से उत्पन्न होते हैं, जो स्पष्ट, प्रलेखित इतिहास वाले प्रतिबंधित संस्थाओं और व्यक्तियों से जुड़े हैं, जो भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण हैं।" जायसवाल ने कहा, "अविश्वसनीय स्रोतों पर जानबूझकर निर्भरता रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है।" ब्रिटिश संसद की मानवाधिकार संयुक्त समिति द्वारा बनाई गई रिपोर्ट में भारत को चीन, मिस्र, इरिट्रिया, ईरान, पाकिस्तान, रूस, बहरीन, रवांडा, सऊदी अरब, तुर्किये और संयुक्त अरब अमीरात के साथ उन देशों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है जो कथित तौर पर ब्रिटेन में "अंतरराष्ट्रीय दमन" में लिप्त हैं। ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय दमन शीर्षक वाली रिपोर्ट 30 जुलाई को सार्वजनिक की गई थी।

अमेरिका के लिए कृषि और डेरी सेक्टर नहीं खोलेगा भारत

राजीव कुमार • जागरण

- वाणिज्य मंत्रालय ने कहा-चार ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था को बनाने के लिए फैसला लिया गया
- कृषि सेक्टर के प्रभावित होने से विकास दर होगी प्रभावित, तीसरी बड़ी आर्थिक बनने में आएगी बाधा

नई दिल्ली : वाणिज्य मंत्रालय के उच्चपदस्थ सूत्रों ने एक बार फिर से साफ कर दिया है कि भारत अमेरिका के लिए अपने कृषि, डेरी जैसे सेक्टर को नहीं खोलेगा और अमेरिकी निर्यात के लिए इन वस्तुओं के शुल्क में राहत नहीं दी जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक मांसाहारी चारा खाने वाले पशुओं के दूध व दुग्ध पदार्थों को भारत में आने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि भारत का फैसला चार ट्रिलियन डालर की भारतीय अर्थव्यवस्था को बचाने और उसे आगे ले जाने के लिए होगा न कि 90 अरब डालर के अमेरिकी निर्यात के लिए। इस 90 अरब में 30 अरब डालर के निर्यात पर ऐसे भी ट्रंप के 25 प्रतिशत का शुल्क का असर नहीं पड़ने जा रहा है।

मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि भारत की आधी से अधिक आबादी अब भी कृषि और संबंधित सेक्टर से जुड़ी है। भारत की अर्थव्यवस्था में उनका अहम योगदान है। ऐसे में अमेरिका के कृषि पदार्थ सस्ते दाम पर भारतीय बाजार में आने लगेंगे तो किसानों की फसल के खरीदार नहीं रह जाएंगे। इससे सिर्फ भारतीय किसान ही नहीं, पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। इसलिए भारत किसी भी हाल में अमेरिका को अपने यहां कृषि उत्पाद और जेनेटिकली मोडिफाइड आइटम बेचने की इजाजत नहीं देगा, चाहे अमेरिका के साथ व्यापार समझौता हो या नहीं हो। कृषि और संबंधित सेक्टर के प्रभावित होने पर भारतीय विकास दर में कमी आ सकती है, जिससे अगले तीन-चार साल में पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने का भारत का सपना टल सकता है। ऐसी उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष 2025-25 के आखिर तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार चार ट्रिलियन डालर का हो जाएगा।

व्यापार वार्ता के दौरान भी भारत का रुख नहीं बदलेगा

मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक अमेरिका को होने वाले निर्यात के नुकसान की भरपाई अगले साल तक कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता होने से की जा सकती है, लेकिन देश की 60 प्रतिशत आबादी का भरण-पोषण करने वाली ग्रामीण अर्थव्यवस्था के नुकसान की भरपाई एक-दो साल में नहीं की जा सकती है। आगामी 25 अगस्त से अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर शुरू होने वाली वार्ता में भी भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आने जा रहा है।

जो देश नहीं झुके, उन पर लगाया ज्यादा टैरिफ

प्रथम पृष्ठ से आगे

ट्रंप प्रशासन के उक्त आदेश से यह भी साफ है कि जिन देशों ने अमेरिकी कारोबारी हितों के समक्ष घुटने नहीं टेके हैं, उन पर ज्यादा शुल्क लगाया गया है। इस वजह से ही अमेरिका ने अपने एक बेहद प्रमुख कारोबारी साझीदार देश कनाडा से आयात पर शुल्क की दर 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर दी है। सीरिया से आयात पर 41 प्रतिशत का शुल्क पूरी तरह से भूराजनीतिक वजहों से लगाया गया है। ब्राजील के लिए 50 प्रतिशत, लाओस के लिए 40 प्रतिशत, इराक के लिए 35 प्रतिशत, स्विटजरलैंड के लिए 39 प्रतिशत और ब्रिटेन के लिए 10 प्रतिशत शुल्क लगाया गया है। इसमें अमेरिका ने यूनिवर्सल टैरिफ की दर 10 प्रतिशत रखी है, यानी हर आयात पर शुल्क की यह न्यूनतम दर होगी। लेकिन यह दर उन्हीं देशों पर लागू होगी जिनके साथ अमेरिका का कारोबारी घाटा है। यानी जिन देशों से वह आयात के मुकाबले निर्यात ज्यादा करता है। कई देशों ने अमेरिकी दबाव में अभी समझौते तो कर लिए हैं, लेकिन वे ट्रंप प्रशासन के रवैये से खुश नहीं हैं।

ट्रंप टैरिफ का वैश्विक बाजारों पर असर	
स्टाक एक्सचेंज	गिरावट (प्रतिशत में)
बीएसई सेंसेक्स	0.72
अमेरिका का एसएंडपी-500	1.74
लंदन का एफटीएसई	0.74
जर्मनी का डीएएक्स	2.52
फ्रांस का सीएसी	2.96
जापान का निक्केई-225	0.66
हांगकांग का हैंग सेंग	1.03
शंघाई का एसएसई कंपोजिट	0.37
दक्षिण कोरिया का कोस्पी	4.04

कृषि बाजार खोलने का बना रहा दबाव : रूस से तेल खरीदने और अमेरिकी उत्पादों पर ज्यादा शुल्क लेने की भारतीय नीति पर राष्ट्रपति ट्रंप पिछले कुछ दिनों से लगातार बहुत ही तल्ख टिप्पणी कर रहे हैं। यही नहीं, वह भारत में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले देश पाकिस्तान के साथ भी संबंध सुधार रहे हैं। भारत के वाणिज्य और विदेश मंत्रालय के अधिकारी मानते हैं कि ट्रंप भारत पर अपनी शर्तों को लादने के लिए उक्त बयान दे रहे हैं। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच पिछले तीन महीनों की वार्ता के दौरान अमेरिकी पक्ष की तरफ से कृषि बाजार को खोले जाने, ज्यादा रक्षा उपकरणों की खरीद करने, ऊर्जा खरीद बढ़ाने जैसे मुद्दे रखे गए थे। कृषि बाजार को अमेरिकी उत्पादों को खोलने को लेकर भारत एकदम तैयार नहीं है। हालांकि पिछले एक हफ्ते के दौरान अमेरिका ने जापान, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, इंडोनेशिया, यूरोपीय संघ के साथ कारोबारी समझौतों को अंतिम रूप दिया है।

ट्रांजिट में मौजूद वस्तुओं को छूट : फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि ट्रंप के नए आदेश में ट्रांजिट में मौजूद वस्तुओं और सात अगस्त तक अमेरिका को और नौवहन के लिए जहाज पर लदे माल के लिए छूट प्रदान की गई है। पांच अक्टूबर तक अमेरिका में उपभोग के लिए मंजूरी प्राप्त वस्तुओं पर भी पारस्परिक शुल्क नहीं लगेगा।

ट्रंप के टैरिफ आदेश के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती

वाशिंगटन, एपी : दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी व्यापार साझेदारों ने टैरिफ से संभावित नुकसान से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है।

दक्षिण अफ्रीकी सरकार उन कंपनियों को सहायता देने के लिए पैकेज को अंतिम रूप दे रही है, जो ट्रंप द्वारा घोषित 30 प्रतिशत टैरिफ से प्रभावित होंगी। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि उनका देश टैरिफ के संबंध में अमेरिकी सरकार के साथ बातचीत जारी रखेगा। थाईलैंड के वित्त मंत्री पिचाई चुनहावाजिरा का कहना है कि अमेरिका द्वारा लगाया गया 19 प्रतिशत टैरिफ दर दोनों देशों के बीच मजबूत मित्रता को दर्शाता है। थाईलैंड पर पहले 36 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की गई थी। नार्वे के प्रधानमंत्री जोनस गहर स्टोर ने कहा कि नार्वे के अधिकारी वाशिंगटन के साथ बातचीत कर रहे हैं। नार्वे पर अनुमानित 15 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है, वहीं स्विट्जरलैंड उस समय स्तब्ध रह गया, जब उसे पता चला कि उस पर 39 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया है, जबकि ट्रंप ने अप्रैल में 31 प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव रखा था। स्विस सरकार ने कहा कि अधिकारी बातचीत के जरिए समाधान की कोशिश जारी रखेंगे। मलेशिया के व्यापार मंत्रालय ने कहा कि टैरिफ में 25 प्रतिशत से 19 प्रतिशत की कटौती महत्वपूर्ण उपलब्धि है। आस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्री डान फैरेल ने कहा कि 10 प्रतिशत टैरिफ दर सकारात्मक वार्ता का प्रमाण है।

वहीं न्यूजीलैंड के अधिकारियों ने कहा है कि वे न्यूजीलैंड के निर्यातकों के लिए घोषित 15 प्रतिशत टैरिफ में बदलाव के लिए अनुरोध करेंगे। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने उम्मीद जताई है कि वार्ता के अंतिम दौर के बाद अंतिम टैरिफ दर को और भी कम कर दिया जाएगा। ट्रंप प्रशासन ने ताइवान पर टैरिफ को 32 से घटाकर 20 प्रतिशत कर दिया। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने जापान के लिए टैरिफ संबंधी फैसले का स्वागत किया। हयाशी ने स्वीकार किया कि जापान की 15 प्रतिशत की नई टैरिफ दर, शुरू में लागू की गई 25 प्रतिशत की दर से "बड़ी कमी" है।

- टैरिफ से प्रभावित अपनी कंपनियों की सहायता के लिए पैकेज की तैयारी में दक्षिण अफ्रीका
- 39 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने को लेकर बातचीत की कोशिश करेगा स्विट्जरलैंड

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

सभी अमेरिकी वस्तुओं पर शून्य टैरिफ लगाएगा कंबोडिया : कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने टैरिफ कम करने के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया है, वहीं कंबोडिया के उप-प्रधानमंत्री सन चांथोल ने कहा कि उनका देश सभी अमेरिकी वस्तुओं पर शून्य टैरिफ लगाएगा। जब वाशिंगटन ने अप्रैल में टैरिफ की सूची जारी की थी, तो कंबोडिया से आने वाले सामानों पर टैरिफ की दर 49 प्रतिशत थी।

अमेरिका ने श्रीलंका के निर्यात पर लगाया है 20 प्रतिशत टैरिफ

कोलंबो, प्रेट्र : अमेरिका ने श्रीलंका के निर्यात पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। शीर्ष सरकारी वार्ताकार हर्षना सूर्यप्परुमा ने कहा, हम अपने प्रतिस्पर्धियों के साथ समान स्तर पर हैं। नए व्यापार टैरिफ से श्रीलंका के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और निवेश जैसे अन्य क्षेत्रों में अवसर खुलेंगे। अप्रैल में ट्रंप ने श्रीलंकाई वस्तुओं पर 44 प्रतिशत टैरिफ लगाया था।

बांग्लादेश ने 20 प्रतिशत टैरिफ की सराहना की

ढाका, एएनआइ : बांग्लादेश ने अमेरिका संग व्यापार वार्ता के परिणाम का स्वागत किया है। वाशिंगटन के साथ वार्ता के बाद अब अमेरिका बांग्लादेश पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और प्रमुख वार्ताकार खलीलुर रहमान ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए बातचीत की कि हमारी प्रतिबद्धताएं राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हों। टैरिफ कम होना परिधान क्षेत्र और उस पर निर्भर लाखों लोगों के लिए अच्छी खबर है।

रूस के पास परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करेगा नाराज अमेरिका

टोरंटो, रायटर : अमेरिका रूस के पास परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के निकटवर्ती क्षेत्रों में दो परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दिया है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की धमकियों के जवाब में ट्रंप ने यह कदम उठाया है। ट्रंप ने मेदवेदेव के बयानों को बेहद भड़काऊ बताया।

ट्रंप ने शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट में कहा, मैंने दो परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दिया है, क्योंकि हो सकता है कि ये मूर्खतापूर्ण और भड़काऊ बयान कुछ और हों। शब्द बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, और अक्सर अनपेक्षित परिणाम दे सकते हैं, मुझे उम्मीद है कि यह उन उदाहरणों में से एक नहीं होगा। कहने का मतलब था कि भड़काऊ बयान के बाद भड़काऊ कार्रवाई की आशंका के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है।

गौरतलब है कि ट्रंप और मेदवेदेव ने हाल के दिनों में एक-दूसरे पर तंज कसे थे। ट्रंप ने अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि रूस के पास यूक्रेन में युद्ध विराम पर सहमत होने के लिए "आज से 10 दिन" हैं, अन्यथा उसे और उसके तेल खरीदारों को टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। इसके जवाब में जो रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष मेदवेदेव ने ट्रंप के बयान की खिल्ली उड़ाते हुए एक्स पर पोस्ट किया था, ट्रंप रूस के साथ अल्टीमेटम का खेल खेल रहे हैं। मेदवेदेव ने ट्रंप को याद दिलाया कि रूस के पास सोवियत संघ के समय से परमाणु हमले की क्षमता है। उन्होंने कहा कि ट्रंप को दो बातें याद रखनी चाहिए। पहला, रूस इजरायल या ईरान नहीं है। दूसरा, हर नया अल्टीमेटम एक खतरा है और युद्ध की ओर एक कदम है। बढ़ते तनाव के बीच यह कदम नई सैन्य रणनीति का हिस्सा हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की कार्रवाई से न केवल क्षेत्रीय स्थिरता प्रभावित हो सकती है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी तनाव बढ़ सकता है।

- रूस के पूर्व राष्ट्रपति मेदवेदेव के बयान को बताया भड़काऊ
- मेदवेदेव ने युद्ध को लेकर ट्रंप के अल्टीमेटम की उड़ाई थी खिल्ली

भारत-पाक समेत कई संघर्षों को समाप्त कराने के लिए ट्रंप को मिले नोबेल शांति पुरस्कार : व्हाइट हाउस

न्यूयार्क, प्रेट्र : व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दुनिया भर में कई संघर्षों को समाप्त कराया है, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच का संघर्ष भी शामिल है।

व्हाइट हाउस प्रेस ब्रीफिंग में गुरुवार को लेविट ने कहा कि ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया, इजरायल और ईरान, रवांडा और लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो, भारत और पाकिस्तान, सर्बिया और कोसोवो और मिस्र और इथियोपिया के बीच संघर्षों को समाप्त कराया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने अपने छह महीने के कार्यकाल के दौरान औसतन प्रति माह लगभग एक शांति समझौता या युद्धविराम की मध्यस्थता की है। यह समय है कि राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया जाए। गौरतलब है कि ट्रंप ने लगभग 30 बार यह दावा दोहराया है कि उन्होंने भारत व पाकिस्तान के बीच तनाव को सुलझाने में मदद की। पीएम मोदी ने इस सप्ताह संसद में कहा कि किसी भी देश के नेता ने भारत से आपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए नहीं कहा।

- प्रेस सचिव ने कहा, ट्रंप ने ईरान-इजरायल, थाईलैंड-कंबोडिया, रवांडा-कांगो समेत कई संघर्षों को रुकवाया

व्हाइट हाउस में संवाददाताओं को संबोधित करतीं प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट। रायटर

शशि थरूर ने ट्रंप की भारत के लिए 'मृत अर्थव्यवस्था' टिप्पणी को किया खारिज

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत के लिए 'मृत अर्थव्यवस्था' वाली टिप्पणी को खारिज कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह बयान भारत के लिए 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद दिया था और इस टैरिफ के लिए मुख्य रूप से रूस से हथियार और तेल खरीदने वाले देश और अमेरिका को ज्यादा टैरिफ को जिम्मेदार ठहराया था।

ट्रंप की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर शशि थरूर ने कहा कि बिल्कुल नहीं, यह बात हर कोई जानता है। थरूर की यह टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा ट्रंप की टिप्पणी का समर्थन करने के बाद आई है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अलावा सभी लोग जानते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था 'मृत' है। थरूर ने कहा कि व्यापार वार्ता जारी रहने के दौरान यह महज सौदेबाजी की रणनीति हो सकती है। हमें अपने वार्ताकारों को मजबूत समर्थन देना चाहिए ताकि अच्छा सौदा मिल सके।

प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्रंप की टिप्पणी को गलत, अस्वीकार्य और आपत्तिजनक बताया : शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्रंप की भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत' कहने वाली टिप्पणी की आलोचना की और इसे न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत बल्कि अस्वीकार्य बताया।

- डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी पर राहुल गांधी से शशि थरूर की राय अलग

शशि थरूर। फाइल

भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी को लिया आड़े हाथ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अमेरिकी टैरिफ पर टिप्पणी पर भाजपा नेताओं ने आड़े हाथ लिया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राहुल गांधी की भारत विरोधी मानसिकता उजागर हो गई। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा। भारत को कोई नहीं रोक सकता। दुर्भाग्य से कांग्रेस भारत से ज्यादा विदेशी नेताओं के बयानों पर भरोसा करती है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि दुनिया की बात छोड़िए, भारत में भी राहुल गांधी को कोई गंभीरता से नहीं लेता। उनके सहयोगी भी उन्हें असंवेदनशील और अपरिपक्व कहते हैं।

तुर्किये समर्थित समूह ने भारतीय क्षेत्र को ग्रेटर बांग्लादेश के नक्शे में दर्शाया

नई दिल्ली, आइएएनएस : तुर्किये समर्थित समूह ने अपने ग्रेटर बांग्लादेश के नक्शे में भारतीय क्षेत्र को दर्शाया है। इसे लेकर भारत सरकार ने कहा कि ढाका में सल्तनत-ए-बांग्ला नाम से सक्रिय इस्लामी समूह पर नजर है। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने कहा कि समूह को एक तुर्किये एनजीओ (तुर्किये युवा संघ) का समर्थन प्राप्त है। इस समूह ने तथाकथित ग्रेटर बांग्लादेश का एक नक्शा जारी किया है, जिसमें भारत के कुछ हिस्से शामिल हैं। मंत्री ने कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला के तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में यह बात कही।

सल्तनत-ए-बांग्ला ने इस साल की शुरुआत में ढाका विश्वविद्यालय के शिक्षक-छात्र केंद्र में एक कार्यक्रम में ग्रेटर बांग्लादेश का नक्शा जारी किया था। यह समूह कट्टरपंथी विचारधाराओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहा है और बांग्लादेश में उन युवाओं को संगठित कर रहा है, जो ग्रेटर बांग्लादेश के निर्माण के पक्ष में हैं। समूह द्वारा जारी तथाकथित ग्रेटर बांग्लादेश के विवादास्पद नक्शे में म्यांमार का अराकान क्षेत्र और भारत का बड़ा हिस्सा शामिल है, जिसमें बंगाल, झारखंड, त्रिपुरा, असम, बिहार, ओडिशा और अन्य पूर्वोत्तर राज्य शामिल हैं। भारतीय एजेंसियां इस समूह की बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ निकटता को लेकर अधिक चिंतित हैं। पता चला है कि संगठन को मिलने वाला धन दीना अफरोज यूनुस से जुड़ा है, जो मुहम्मद यूनुस की बेटी है। इस एनजीओ को पहचान संगठन शाखा, बारवा-ए-बंगाल के लिए रसद और भर्ती केंद्र के रूप में की गई है। यह उपसमूह बांग्लादेश के युवाओं की भर्ती और उन्हें अपने विचारों से प्रभावित करने का काम करता है।

- यह समूह कट्टरपंथी विचारधाराओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहा
- संगठन को मिलने वाला धन दीना अफरोज से जुड़ा है, जो यूनुस की बेटी है

कनाडा ने मुंबई में नए महावाणिज्य दूत की नियुक्ति की

ओटावा, प्रेट्र : कनाडा और भारत के रिश्ते में करीब दो साल की तनातनी के बाद चीजें बेहतर होती दिख रही हैं। कनाडा ने जेफ डेविड को मुंबई में महावाणिज्य दूत (कांसुल जनरल) नियुक्त किया है। यह भारत में उसकी पहली राजनयिक नियुक्ति है, क्योंकि पिछले वर्ष अक्टूबर में नई दिल्ली ने राजदूत व पांच अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था तथा इतनी ही संख्या में कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने घोषणा की कि डेविड मुंबई में महावाणिज्य दूत बनेंगे। डेविड अफगानिस्तान और चीन में सेवा दे चुके हैं। वे डिड्रक हेली की जगह लेंगे, जो 2023 में भारत छोड़ चुकी हैं।

देश-दुनिया की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

यूक्रेन में युद्ध फिलहाल नहीं रुकेगा : पुतिन

मास्को, रायटर : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि यूक्रेन के साथ शांति वार्ता जारी रहने की उम्मीद है, लेकिन इस समय युद्ध का रुख रूस के पक्ष में है इसलिए निकट भविष्य में रूसी सेना युद्ध पर अपनी स्थिति में कोई बदलाव नहीं करेगी। पुतिन का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन के साथ युद्धविराम समझौते के लिए रूस को आठ अगस्त तक का समय दे रखा है। ट्रंप की समयसीमा का उल्लेख न करते हुए पुतिन ने कहा कि यूक्रेन के साथ हाल के दिनों में तीन दौर की वार्ता सकारात्मक रही है और इसके भविष्य में भी जारी रहने की संभावना है।

पुतिन ने कहा, रूस ने अपनी नई हाइपरसोनिक मिसाइल (आवाज की गति से पांच गुना से ज्यादा तेज चलने वाली) ओरेश्निक का उत्पादन शुरू कर दिया है और साल के अंत तक इसे बेलारूस में भी तैनात कर दिया जाएगा। रूस इस मिसाइल का परीक्षण यूक्रेन पर नवंबर 2024 में हमले में कर चुका है। पुतिन ने यह बात सेंट पीटर्सबर्ग में बेलारूस के राष्ट्रपति विक्टर लुकाशेंको के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता में कही।

साढ़े तीन वर्ष से जारी यूक्रेन युद्ध में राजधानी कीव पर गुरुवार तड़के हुआ रूसी हवाई हमला सबसे बड़ी और दर्दनाक रहा। इस हमले में दो बच्चों समेत 28 लोग मारे गए और 150 से ज्यादा घायल हुए। रूस ने यह हमला 309 ड्रोन और आठ मिसाइलों से किया था। 27 स्थानों पर हुए हमले में बर्बाद भवनों के मलबे से दूसरे दिन भी शवों और घायलों को निकाला जाना जारी है। प्रधानमंत्री यूलिया स्वीरिडेंको ने एक्स पर बताया है कि अभी तक 150 से ज्यादा घायलों को मलबे से निकालकर अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस में सत्ता बदलाव से कम में क्षेत्र से हमलों का खतरा कम नहीं होगा। अभी यूक्रेन में युद्धविराम हो भी जाए लेकिन क्षेत्रीय देशों पर हमले और उन्हें अस्थिर करने की रूसी कोशिश रुकेगी नहीं। इसलिए पश्चिमी देश मिलकर रूस में सत्ता परिवर्तन के लिए प्रयास करें। जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कीव पर हमले को रूस का यूक्रेन के साथ घिनौना आचरण बताया है। उन्होंने रूस पर लगाने वाले नए प्रतिबंधों का समय बताने से फिलहाल इन्कार किया है। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन के साथ शांति समझौते के लिए आठ अगस्त तक का समय दिया है। समझौता न होने पर अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने वाले कदम उठाएगा।

- रूसी हमले से कीव में मरने वालों की संख्या 28 हुई
- ट्रंप ने हमले को रूस का घिनौना आचरण बताया

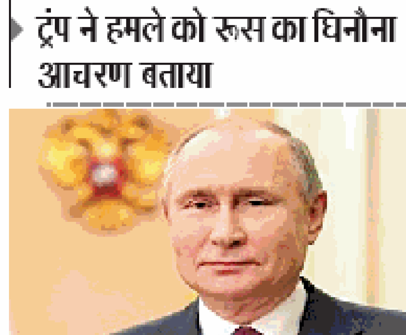
व्लादिमीर पुतिन। फाइल

ट्रंप के दूत के पीठ पीछे इजरायल ने तीन फलस्तीनियों को मारा

यरुशलम, एपी : अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकाफ ने शुक्रवार को गाजा में राहत वितरण केंद्रों का दौरा कर स्थितियों को देखा। अमेरिकी संस्था जीएचएफ के रफाह स्थित केंद्र पर विटकाफ के दौरे के कुछ घंटे बाद ही इजरायली सेना ने शहर के एक अन्य हिस्से में स्थित केंद्र के निकट फायरिंग कर तीन फलस्तीनियों को मार डाला। ये लोग राहत सामग्री के वितरण केंद्र पर सामान लेने गए थे। तेल अवीव में विटकाफ ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मिलकर राष्ट्रपति ट्रंप की बातें साझा की हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने जीएचएफ की वितरण के तरीके को खारिज कर दिया है। कहा है कि संस्था के वितरण केंद्रों के नजदीक इजरायली सैनिकों की फायरिंग में एक हजार से अधिक लोग मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि अराजकता के लिए जीएचएफ की वितरण व्यवस्था भी जिम्मेदार है।

जसप्रीत बुमराह की आगे की राह होने वाली है कठिन

- भारतीय टीम ने जसप्रीत को किया रिलीज
- बुमराह के एशिया कप में खेलने पर संदेह

जसप्रीत बुमराह

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

लंदन: भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जगह शुभमन गिल का कप्तान बनना, फिर उनका इस सीरीज में सिर्फ तीन मैच खेलने का निर्णय लेना, इस टूर्नामेंट के लिए टीम चयन के बाद मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर का ये कहना कि वह कार्यभार प्रबंधन के कारण इंग्लैंड के विरुद्ध सिर्फ तीन मैच खेलेंगे और गुरुवार को सहायक कोच रेयान टेन डोएशे का यह कहना कि बुमराह ने पहले ही यह कह दिया था कि वह तीन टेस्ट मैच खेलेंगे बड़े सवाल खड़े करता है। बुमराह ने लीड्स में पहला टेस्ट खेला और बर्मिंघम में आराम किया। इसके बाद वह लार्ड्स और मैनचेस्टर में खेलने उतरे। ओवल स्टेडियम में चल रहे आखिरी टेस्ट में बुमराह को खिलाने को लेकर भारतीय कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर ने आखिरी तक इंतजार किया लेकिन बुमराह तीन मैच खेलने के फैसले पर अडिग रहे। इसके बाद उन्हें शुक्रवार को टीम से रिलीज कर दिया गया।

अब सवाल यह उठता है कि जब बुमराह को तीन ही टेस्ट खेलने थे तो उन्हें मैनचेस्टर के बाद ही क्यों नहीं रिलीज कर दिया गया। वह ओवल में भारत के अभ्यास सत्र में क्यों आए और जिस तरह चोटिल होने के बावजूद बेन स्टोक्स अपनी टीम का उत्साहवर्धन बढ़ा रहे हैं, वैसा बुमराह क्यों नहीं कर सकते थे? 29 जुलाई को जब भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक आए थे तो उन्होंने कहा था कि बुमराह फिट हैं। उन्होने पिछले मैच में सिर्फ एक पारी में गेंदबाजी की थी। मुख्य कोच, फिजियो और कप्तान उनको खिलाने को लेकर चर्चा करेंगे। इससे पहले जितनी भी प्रेस कांफ्रेंस हुईं उसमें यही संकेत दिए गए कि इस तेज गेंदबाज को तीन मैच खिलाने का फैसला टीम प्रबंधन का है लेकिन जैसे ही ये तय हो गया कि बुमराह आखिरी मैच नहीं खेलेंगे तब डोएशे ने कहा कि सिर्फ तीन मैच खेलने का निर्णय बुमराह का है।

एक सूत्र ने कहा कि आखिर कोई क्रिकेटर कैसे ये फैसला ले सकता है कि वह कितने मैच खेलेगा। यह फैसला तो टीम प्रबंधन और फिजियो की रिपोर्ट के आधार पर होना चाहिए। जब कोटक ये कह रहे थे कि बुमराह फिट हैं तो उन्हें सीरीज के निर्णायक मैच में खेलना चाहिए था। अब देखना होगा गंभीर और चयनकर्ता बुमराह को आगे किन किन सीरीज में खिलाते हैं।

बुमराह का कार्यभार प्रबंधन टीम के लिए चुनौती

भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से पहले ही अगरकर ने कहा था कि बुमराह अपने कार्यभार प्रबंधन (चोट और थकान से बचाने के लिए) के तहत सिर्फ तीन टेस्ट मैच ही खेलेंगे। हालांकि, दौरा खत्म होते-होते यह संकेत मिलने लगे कि टीम प्रबंधन चाहता था कि बुमराह और खेलें। भारत को अपना अगला अंतरराष्ट्रीय मैच एशिया कप में खेलना है। यूएई में होने वाले इस टूर्नामेंट के खत्म होने के एक सप्ताह से भी कम समय के बाद वेस्टइंडीज के विरुद्ध अगली टेस्ट सीरीज शुरू हो जाएगी। एशिया कप 29 सितंबर को खत्म होगा और वेस्टइंडीज के विरुद्ध पहला टेस्ट दो अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा। इसके बाद दूसरा मैच 10 से 14 अक्टूबर तक नई दिल्ली में खेला जाएगा। फिर नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध दो टेस्ट मैच हैं। अब भारतीय टीम प्रबंधन की सबसे बड़ी चुनौती है बुमराह का कार्यभार प्रबंधन। टीम को तय करना है कि बुमराह को टी-20 में खिलाना है या टेस्ट मैच में चुनना है। अगले साल भारत को घर में ही टी-20 विश्व कप भी खेलना है। सवाल यह उठता है कि क्या हमें वेस्टइंडीज के विरुद्ध बुमराह की जरूरत है या वह एक महीने के ब्रेक के बाद एशिया कप खेलें और फिर दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध दो टेस्ट मैच खेलें। हालांकि उससे बड़ा सवाल यह है कि यह फैसला अजीत अगरकर और गौतम गंभीर लेंगे या बुमराह खुद तय करेंगे।

खेल डायरी

ये हैं भगोड़े आर्थिक अपराधी

भारत-इंग्लैंड के बीच चल रहे टेस्ट मैच को देखने के लिए शुक्रवार को विजय माल्या और ललित मोदी साथ में लंदन के ओवल स्टेडियम पहुंचे। ललित ने कहा कि मैं इटली में था। मेरे दोस्त माल्या ने बुलाया तो मैं आ गया। हजारों करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में आरोपित दोनों भगोड़ों के प्रत्यर्पण का प्रयास भारत सरकार कर रही है और दोनों विदेश में ठाट के साथ रह रहे हैं ● अभिषेक त्रिपाठी

चीन की 12 साल की यू जिदी ने जीता कांस्य

सिंगापुर, एपी : चीन की 12 वर्षीय यू जिदी ने तैराकी विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। यू ने चीन की 4x200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम के प्रारंभिक दौर में तैराकी कर यह कीर्तिमान बनाया। यहां चीन, आस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा यू चैंपियनशिप

में 200 मीटर बटरफ्लाई और 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले में भी चौथे स्थान पर रहकर व्यक्तिगत पदक जीतने के करीब पहुंच गई थीं।

लेजेंजी टी-10 लीग में बंगाल टाइगर्स शामिल

जयपुर : लेजेंजी टी-10 लीग के उद्घाटन सीजन का समय नजदीक आ चुका है। इससे पहले फ्रेंचाइजियों का पदार्पण होना शुरू हो गया है। इस क्रम में शुक्रवार को एनआरआइ व्यवसायी सुनील रानीवाला की बंगाल टाइगर्स की टीम ने लीग में एंट्री की है। लीग में बंगाल टाइगर्स सात अगस्त को रायल चैलेंजर्स दिल्ली के विरुद्ध खेलेगी। बंगाल टाइगर्स की अगुवाई आस्ट्रेलिया के पूर्व व्हाइट बाल कप्तान एरोन फिंच करेंगे। टीम अंतरराष्ट्रीय सितारों सहित देश की गलियों से निकले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है। रानीवाला ने कहा कि लेजेंजी टी10 लीग से जुड़ना मेरे लिए फख्र की बात है।

गफ संघर्षपूर्ण जीत के साथ अंतिम-16 में

मांट्रियल, एपी: दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन कोको गफ को फिर से अपनी सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन 14 डबल-फाल्ट करने के बावजूद वह रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा को तीन सेट तक चले मुकाबले में हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रहीं। पिछले दौर में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी डेनियल कोलिंस के विरुद्ध 23 डबल-फाल्ट और तीसरे सेट के टाइब्रेकर से बचने के दो दिन बाद गफ ने कुदेरमेतोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से पराजित किया। गफ का मुकाबला अब कनाडा की 18 वर्षीय खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने चेक गणराज्य की की मैरी बोजकोवा को 1-6, 6-3, 6-0 से हराया।

सीरीज बराबर करने की उम्मीदें बरकरार

224 रनों पर आउट होने के बाद भारतीय गेंदबाजों का बढ़िया प्रदर्शन भारत ने इंग्लैंड पर 52 रन की बढ़त बनाई

अभिषेक त्रिपाठी
लंदन से

ओवल स्टेडियम में पहले दिन पहली पारी में छह विकेट खोकर 204 रन बनाने वाली भारतीय टीम दूसरे दिन सिर्फ 28 मिनट में 20 रन जोड़कर आलआउट हो गई। उसके बाद जब इंग्लैंड ने पहली पारी में सिर्फ 21 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 129 रन बना लिए तो लगा कि इस मैच के साथ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज भी हाथ से निकल गई लेकिन लंच के बाद मोहम्मद सिराज व प्रसिद्ध कृष्णा (चार-चार विकेट) ने ऐसा कहर बरपाया जिसकी आशा तो थी लेकिन अपेक्षा नहीं थी। भारत ने शुक्रवार को दूसरे सत्र में छह और तीसरे सत्र में दो विकेट चटकाकर इंग्लैंड की पहली पारी का अंत 247 रन पर किया। मेजबानों ने आखिरी आठ विकेट सिर्फ 118 रन पर गंवा दिए। पहले दिन कंधे की हड्डी उखड़ने के कारण तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स इस मैच में न ही बल्लेबाजी कर सकेंगे, न ही गेंदबाजी।

इंग्लैंड ने पहली पारी के आधार पर 23 रनों की बढ़त बनाई थी। भारत ने शुक्रवार का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में दो विकेट पर 75 रन बना लिए, जिससे अब उसकी कुल बढ़त 52 रनों की हो गई है। सीरीज के आखिरी मैच का दूसरा दिन सी-सा झूले की तरह रहा। मैच में कभी ओली पोप की टीम का पलड़ा भारी रहा तो कभी शुभमन गिल की टीम का। दो कैच छूटने के बाद जायसवाल 51 रन बनाकर डटे हैं। एक कैच छूटने के बाद पगबाधा हुए साई सुदर्शन की जगह आए नाइट वाचमैन आकाश दीप ने तीसरा विकेट नहीं गिरने दिया। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे चल रही भारतीय टीम अगर बढ़त को 300 रनों तक पहुंचाने में कामयाब रहती है तो वह सीरीज बचा सकती है। यहां पहले दिन सिर्फ आठ विकेट गिरे थे लेकिन दूसरे दिन ज्यादा समय धूप रहने के बावजूद कुल 15 विकेट गिरे।

डकेट और क्राउली का कहर: भारतीय टीम जब पहली पारी में सुबह बल्लेबाजी करने उतरी तो करुण नायर और वाशिंगटन सुंदर से काफी उम्मीदें थीं लेकिन दो महीने बाहर रहने के बाद टीम में वापसी करने वाले सरे के लोकल गेंदबाज गस एटकिंसन ने बचे हुए चार में से तीन विकेट चटकाकर मेहमानों को पीछे ढकेल दिया। जोश टंग ने भारत की तरफ से पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले करुण नायर को आउट करके अहम नुकसान किया। इसके बाद इंग्लिश ओपनर जैक क्राउली और बेन डकेट भारतीय गेंदबाजों पर कहर बनकर बरसे। दोनों ने पहले विकेट के लिए 77 गेंदों पर 92 रन बनाकर मैच को भारत से दूर ले जाने की कोशिश की। दोनों ने मिलकर 19 चौके और दो छक्के लगाए। दोनों ने लाइन-लेंथ में की हर छोटी चूक के लिए भारतीय गेंदबाजों को दंडित किया। डकेट ने आकाश दीप को रिवर्स पुल के जरिये छक्का मारा। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाशदीप ने डकेट को 43 रन पर आउट करने के बाद मजाक में अपनी बाहों में जकड़ लिया। वहीं क्राउली ने सिर्फ 42 गेंदों में सीरीज का तीसरा और लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा करके बताया कि इस पिच पर भी बैजबाल खेला जा सकता है। उन्होंने 24वीं बार टेस्ट में 50 या उससे ज्यादा का स्कोर बनाया। इस दौरान उन्होंने सिर्फ चार सिंगल लिए।

सिराज और कृष्णा की जुगलबंदी: लंच से पहले 16 ओवर में 109 रन देकर सिर्फ एक विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों ने दूसरे सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस सीरीज में 155 से ज्यादा ओवर फेंक चुके मोहम्मद सिराज ने इंग्लिश कप्तान ओली पोप, दुनिया में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज जो रूट, आलराउंडर जैकब बेथल और ताबड़तोड़ हैरी ब्रूक को आउट किया। प्रसिद्ध कृष्णा ने ओपनर क्राउली, जेमी स्मिथ, जेमी ओवरटन और एटकिंसन को पवेलियन पहुंचाया। भारतीय गेंदबाजों ने दूसरे सत्र में 26.5 ओवर में 106 रन खर्च करके छह विकेट लिए। पूरा समय मैदान में बैठे दर्शक उह, आह ही करते नजर आए। हैरी ब्रूक ने एक्स्ट्रा कवर पर दो रन लेकर 57 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। सिराज की गेंद पर उन्होंने स्लाग स्वीप के जरिये जो छक्का मारा वह कमाल का था। बाद में सिराज ने ही उन्हें बोल्ड करके इंग्लिश पारी का अंत किया।

भारत का करारा प्रहार : लीड्स में शतक और बर्मिंघम में पहली पारी में 87 रन बनाने वाले यशस्वी इस सीरीज की चार पारियों में दहाई के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए। ओवल में पहली पारी में दो रन पर आउट होने वाले यशस्वी अच्छे कट शाट लगा रहे थे लेकिन 20 रन के निजी स्कोर पर स्लिप में ब्रूक ने उनका कैच छोड़ दिया। 40 रन के कुल स्कोर पर भी उनका कैच छूटा। किस्मत उनके साथ थी और उन्होंने सीरीज का तीसरा अर्धशतक जड़ दिया। पहली पारी में 14 रन बनाने वाले केएल राहुल दूसरी पारी में सिर्फ सात रन बनाकर बेहद खराब शाट के साथ कैच आउट हुए। साई को भी एटकिंसन ने पगबाधा किया। साई को अगर भविष्य में विदेशी पिच पर टेस्ट मैच खेलना है तो अपनी तकनीक पर बहुत काम करना पड़ेगा।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी: 224 (69.4 ओवर), (204/6 रन से आगे)

	रन	गेंद	4/6
करुण एलबीडब्ल्यू टंग	57	109	8/0
सुंदर का. ओवरटन बो. एटकिंसन	26	55	3/0
आकाश दीप अविजित	0	7	0/0
सिराज बो. एटकिंसन	0	4	0/0
प्रसिद्ध का. स्मिथ बो. एटकिंसन	0	2	0/0

अतिरिक्त :38 (बा: 12, लेबा: 6, नोबा- 4, वो- 16), विकेटपतन: 7-218 (करुण, 66.5), 8-220 (वाशिंगटन, 67.4), 9-224 (सिराज, 69.2) गेंदबाजी: वोक्स 14-1-46-1, एटकिंसन 24.1-8-33-5, टंग 16-4-57-3, ओवरटन 16-0-66-0, बेथल 2-1-4-0

इंग्लैंड पहली पारी: 247 (51.2 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
क्राउली का. जडेजा बो. प्रसिद्ध	64	57	14/0
डकेट का. जुरैल बो. आकाश	43	38	5/2
पोप एलबीडब्ल्यू सिराज	22	44	4/0
रूट एलबीडब्ल्यू सिराज	29	45	6/0
ब्रूक बो. सिराज	53	64	5/1
बेथल एलबीडब्ल्यू सिराज	6	14	1/0
स्मिथ का. राहुल बो. प्रसिद्ध	8	22	1/0
ओवरटन एलबीडब्ल्यू प्रसिद्ध	0	4	0/0
एटकिंसन का. आकाश बो. प्रसिद्ध	11	16	2/0
टंग अविजित	0	7	0/0
वोक्स एब्सेंट हर्ट	0	0	0/0

अतिरिक्त :11 (बा: 6, लेबा: 2, नोबा- 3), विकेटपतन: 1-92 (डकेट, 12.5), 2-129 (क्राउली, 21.1), 3-142 (पोप, 24.4), 4-175 (रूट, 32.6), 5-195 (बेथल, 36.4), 6-215 (स्मिथ, 42.1), 7-215 (ओवरटन, 42.5), 8-235 (एटकिंसन, 46.5), 9-247 (ब्रूक, 51.2) गेंदबाजी: सिराज 16.2-1-86-4, आकाश 17-0-80-1, प्रसिद्ध 16-1-62-4, जडेजा 2-0-11-0

भारत दूसरी पारी: 75/2 (18 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
यशस्वी अविजित	51	49	7/2
राहुल का. रूट बो. टंग	7	28	1/0
सुदर्शन एलबीडब्ल्यू एटकिंसन	11	29	1/0
आकाश अविजित	4	2	1/0

अतिरिक्त : 2 (लेबा: 2), विकेटपतन: 1-46 (राहुल, 9.5), 2-70 (सुदर्शन, 17.2), गेंदबाजी: एटकिंसन 6-2-26-1, टंग 7-1-25-1, ओवरटन 5-1-22-0

सिराज का टेस्ट में प्रदर्शन

13 विकेट	बार्डर-गावस्कर ट्राफी	आस्ट्रेलिया	2020-21
18 विकेट	इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज	इंग्लैंड	2021
20 विकेट	बार्डर-गावस्कर ट्राफी	आस्ट्रेलिया	2024/25
18 विकेट	इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट सीरीज	इंग्लैंड	2025*

200 टेस्ट विकेट सिराज ने इस मैच में पूरे किए

15 विकेट ओवल स्टेडियम में टेस्ट मैच के दूसरे दिन के खेल में गिरे

भारत के विरुद्ध टेस्ट मैचों में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

रन	खिलाड़ी
2000	जो रूट
1893	रिकी पोंटिंग
1547	शिवनारायण चंद्रपाल
1427	जहीर अब्बास
1396	स्टीव स्मिथ

टेस्ट में घरेलू मैदानों पर सर्वाधिक रन

रन	खिलाड़ी
7578	पोंटिंग
7220	जो रूट
7216	तेंदुलकर
7167	जयवर्धने
7035	कैलिस

विकेट लेने के बाद केएल राहुल और मोहम्मद सिराज ● प्रेट्र

इशान की कप्तानी में उतरेगा पूर्वी क्षेत्र

जागरण संवाददाता, रांची : भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन दलीप ट्राफी में पूर्वी क्षेत्र टीम की अगुवाई करेंगे। बंगाल के अभिमन्यु ईश्वरन को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप, मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी शामिल हैं, जबकि आइपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले रियान पराग को टीम में जगह दी गई है।

टीम: इशान किशन (कप्तान, झारखंड), अभिमन्यु ईश्वरन (उप कप्तान, बंगाल), संदीप पटनायक (ओडिशा), विराट सिंह, मनीषी, उत्कर्ष सिंह, शरणदीप सिंह व कुमार कुशाग्र (झारखंड), देनिश दास व रियान पराग (असम), श्रीदम पाल (त्रिपुरा), सूरज सिंधू जायसवाल, मुकेश कुमार, आकाशदीप व मोहम्मद शमी (बंगाल)।

वहीं भारत और मुंबई के आलराउंडर शार्दुल ठाकुर दलीप ट्राफी में सितारों से सजी पश्चिम क्षेत्र की टीम अगुवाई करेंगे। पश्चिम क्षेत्र की टीम दलीप ट्राफी में अपने मैच सितंबर में खेलेगी। पश्चिम क्षेत्र की 15 सदस्यीय टीम यशस्वी, सरफराज खान और श्रेयस समेत मुंबई के सात खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

जिंदगी से थक चुका था, आत्महत्या के विचार आए : चहल

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र सिंह चहल ने कहा कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उन्हें धोखेबाज तक कहा गया और इस उथल-पुथल भरे दौर में उनके मन में आत्महत्या के विचार आते रहे। एक पाडकास्ट पर बात करते हुए चहल ने कहा कि उन्होंने अलग होने का फैसला अचानक नहीं लिया था, बल्कि कुछ समय से इस पर किया जा रहा था। तलाक के बाद मुझे धोखेबाज कहा गया। लेकिन मैंने अपने जीवन में कभी धोखा नहीं दिया। मैं बेहद वफादार हूं। अपने प्रियजनों के लिए, मैंने हमेशा दिल से सोचा है। अलगाव के बाद वह भावनात्मक रूप से व्यथित थे।

युजवेंद्रा सिंह चहल ● एक्स

'बी योर आन शुगर डैडी' लिखी टीशर्ट पर दिया जवाब

चहल ने अदालत में पेशी के दौरान 'बी योर आन शुगर डैडी' लिखी टी-शर्ट पहनने पर कहा कि यह दूसरी तरफ की घटनाओं के प्रति एक प्रतीकात्मक प्रतिक्रिया थी। मैं ड्रामा नहीं चाहता था, लेकिन दूसरी तरफ से कुछ हुआ। इसलिए, मैंने टी-शर्ट के जरिए अपना संदेश दिया, पर ऐसा कर मैंने किसी को गाली नहीं दी। मैं महिलाओं का सम्मान करना जानता हूं। चहल वर्तमान में नार्थंपटनशायर के लिए काउंटी क्रिकेट खेल रहे हैं।

चहल ने कहा मेरे मन में आत्महत्या के विचार आते थे। मैं अपनी जिंदगी से थक चुका था। मैं दिन में दो घंटे रोता था, बस दो घंटे सोता था। मुझे चिंता के दौरे पड़ते थे, अवसाद होता था। सिर्फ मेरे करीबी लोग ही जानते थे कि मैं किस दौर से गुजर रहा हूं। तब क्रिकेट से ब्रेक लेने के बारे में सोचा, क्योंकि ऐसे में ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल हो रही थी। तलाक बारे में चहल ने कहा कि तलाक से पहले इंटरनेट मीडिया पर हम एक सामान्य जोड़े की तरह दिखते थे, लेकिन समस्याएं बढ़ने लगी थीं। अगर दोनों लोग हमेशा व्यस्त रहते हैं, तो दूरी आना लाजमी है।

लक्ष्य-तरुण मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में

मकाऊ, प्रेट्र: भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और तरुण मन्नेपल्ली ने कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज करके शुक्रवार को मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व में 47वें स्थान पर काबिज 23 वर्षीय मन्नेपल्ली ने 87वें स्थान पर काबिज चीन के हू झे को 75 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 13-21, 21-18 से हराया। वहीं, राष्ट्रमंडल खेल चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने चीन के शुआन चेन झू को 21-14, 18-21, 21-14 से मात दी। अब लक्ष्य का सामना इंडोनेशिया के पांचवीं वरीयता प्राप्त अल्वी फरहान से होगा, जबकि मन्नेपल्ली की टक्कर मलेशिया के जस्टिन होह से होगी। मन्नेपल्ली ने पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले वह फरवरी में जर्मन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

लक्ष्य सेन ● एक्स

सात्विक-चिराग हुए बाहर

सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के चूंग होन जियान और हेकल मुहम्मद से 14-21, 21-13, 20-22 से हारकर बाहर हो गई। चार साल पहले पुलेला गोपीचंद अकादमी से जुड़ने वाले मन्नेपल्ली ने पिछले दौर में हांगकांग के शीर्ष वरीयता प्राप्त ली चेउक यिउ को हराया था। राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले मन्नेपल्ली पहले गेम में एक समय 4-7 से पीछे चल रहे थे, लेकिन फिर उन्होंने 12-9 से बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने 15-11 से लगातार छह अंक बनाकर गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में हू ने जोरदार खेल दिखाया और 6-2 से आगे होने के बाद दबदबा बनाए रखा और अपनी बढ़त को 15-6 तक पहुंचाकर जल्द ही गेम अपने नाम कर दिया।

मुझे बहुत खुशी है कि विश्व कप भारत आया : दिव्या देशमुख

नई दिल्ली, प्रेट्र: महिला शतरंज विश्व कप का खिताब जीतने वाली दिव्या देशमुख ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें विश्व चैंपियन बनने से ज्यादा खुशी किसी भारतीय के खिताब जीतने की है। भारत की 19 साल की दिव्या ने जार्जिया के बाटुमी में हुए शतरंज विश्व कप के फाइनल में हमवतन दिग्गज कोनेरू हंपी को टाई-ब्रेकर में शिकस्त दी थी। वह इसके साथ ही विश्व कप जीतने वाली सबसे कम उम्र की महिला शतरंज खिलाड़ी बन गईं। केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा सम्मानित की गईं। दिव्या ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि यह खिताब भारत आया है। कोनेरू बहुत अच्छा खेलीं लेकिन मुझे किस्मत का साथ मिला और मैं चैंपियन बन गयी। फाइनल में मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यह थी कि इस खिताब का भारत आना तय हो गया था। उन्होंने कहा कि मंत्री द्वारा सम्मानित किए जाने पर मुझे बहुत खुशी महसूस हो रही है, क्योंकि यह खिलाड़ियों को प्रेरित करता है और युवाओं को यह संदेश देता है कि उन्हें देश का समर्थन प्राप्त है। महाराष्ट्र के नागपुर की इस खिलाड़ी ने कहा कि मैं शतरंज के लिए लगातार समर्थन देने के लिए साई और खेल मंत्रालय को भी धन्यवाद देना चाहती हूं।

दिव्या देशमुख

****

एआइएफएफ की कार्यकारी समिति की बैठक में खालिद को 170 उम्मीदवारों में से चुना

खालिद भारतीय पुरुष फुटबाल टीम के कोच बने

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर: अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआइएफएफ) ने खालिद जमील को भारतीय पुरुष फुटबाल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह घोषणा शुक्रवार को एआइएफएफ की कार्यकारी समिति की बैठक में की गई, जिसमें खालिद जमील को 170 उम्मीदवारों में से चुना गया। यह नियुक्ति इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि 13 वर्षों के बाद किसी भारतीय को राष्ट्रीय पुरुष टीम का कोच बनाया गया है। आखिरी बार 2011-2012 में साविओ मेडेइरा ने यह जिम्मेदारी संभाली थी।

खालिद जमील ने अपने कोचिंग करियर में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसने उन्हें इस प्रतिष्ठित पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार बनाया।

खालिद जमील ● फाइल फोटो, एक्स

भविष्य की राह

खालिद जमील के सामने भारतीय फुटबाल को फिर से जीत की पटरी पर लाने की बड़ी चुनौती है। हाल के वर्षों में भारतीय टीम का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है, और पूर्व कोच मनोलो मार्केज के जाने के बाद नई ऊर्जा की जरूरत है। खालिद की रणनीतिक दृष्टि और अनुशासित दृष्टिकोण से उम्मीद की जा रही है कि वे भारतीय फुटबाल को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाएंगे।

वह वर्तमान में इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच हैं।

भारतीय फुटबाल के लिए नई चुनौतियां और अवसर: खालिद जमील का पहला बड़ा टूर्नामेंट मध्य एशियाई फुटबाल संघ (सीएएफए) नेशंस कप होगा, जो 29 अगस्त 2025 से ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में आयोजित होगा। भारत को ग्रुप-बी में ताजिकिस्तान, ईरान और अफगानिस्तान के साथ रखा गया है।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

दैनिक जागरण
सप्तरंग
जोश नई राहों का
शनिवार, 2 अगस्त, 2025

ग्रेजुएशन के साथ और क्या कोर्स करूं

काउंसलर
अशोक सिंह
counselor@nda.jagran.com

क्या मुझे ग्रेजुएशन के साथ और कुछ कोर्स करने में भी समय लगाना चाहिए?
पवन सक्सेना

आपको ग्रेजुएशन करने के साथ साफ्ट स्किल्स की ट्रेनिंग, इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन की तैयारी के अलावा कंप्यूटर से संबंधित उपयोगी साफ्टवेयर सीखने में भी थोड़ा समय लगाना चाहिए। इसका फायदा आपको जाब स्क्रीनिंग, इंटरव्यू तथा ग्रुप डिस्कशन में मिल सकता है। इतना ही नहीं, जाब में बेहतर कार्य प्रदर्शन करने में भी यह ट्रेनिंग आपको आगे रखने में काफी सहायक साबित हो सकती है। जरूरी नहीं कि इनके लंबी अवधि के कोर्स ही ज्वाइन किए जाएं। लघु अवधि की ट्रेनिंग भी कुछ कम उपयोगी नहीं होगी।

फाइन आर्ट्स में बदलते समय को देखते हुए करियर संभावनाएं किस तरह की हो सकती हैं?
राजीव कुमार

यह कहना शायद उचित नहीं होगा कि कंप्यूटर और एआइ के इस युग में फाइन आर्ट्स में पारंगत लोगों के लिए, अवसर समाप्त हो जाएंगे। सच्चाई तो यही है कि नई तकनीकों की बदौलत अब उनके लिए क्रिएटिविटी के नए विकल्प उपलब्ध हो रहे हैं। इसके लिए, उन्हें नई तकनीकों की ट्रेनिंग लेकर खुद को और तैयार करना पड़ेगा। अच्छा होगा कि आप ऐसे साफ्टवेयर तथा एआइ से संबंधित ट्रेनिंग आनलाइन या आफलाइन मोड से लें। विज्ञापन, एनिमेशन, वर्चुअल गेम्स, फिल्म सहित तमाम विधाओं में ऐसे जानकारों की मांग बढ़ रही है। यह भी बता दें कि ऐसे अनुभवी लोगों की मांग गेम इंडस्ट्री में बहुत अधिक है और इनकी संख्या काफी कम। इसलिए इनकी सैलरी भी मुंहमांगी होती है।

ला के क्षेत्र में किस तरह की विशेषज्ञता प्राप्त करने से बेहतर भविष्य बनाया जा सकता है?
मीनाक्षी शर्मा

क्रिमिनल और सिविल ला की प्रैक्टिस करने वाले वकीलों की आज कचहरी में भरमार देखी जा सकती है। इसलिए, भावी समय के अनुसार विशेषज्ञता का चुनाव करना चाहिए। इनमें साइबर ला, क्रिप्टो करेंसी, ह्यूमन राइट्स, आइपीआर आदि का खासतौर पर नाम लिया जा सकता है। इसके अतिरिक्त कारपोरेट जगत से संबंधित तमाम मामलों के जानकारों की मांग भी बढ़ती हुई देखी जा सकती है। ला टीचिंग के लिए पीएचडी के बारे में भी सोचा जा सकता है।

इस पेज के बारे में अपनी राय व सुझाव भेजें-
feature@jagran.com

उद्यमिता की राह

मार्केटिंग तय करेगी आपकी सफलता

उद्यमिता की राह पर चलने वाले उद्यमियों के लिए स्टार्टअप की सफलता का पहला चरण मार्केटिंग से शुरू होता है। आपका उत्पाद तभी सफल माना जाता है, जब उसकी मार्केटिंग सही ढंग से हो और वह हर कोने में पहुंचे। आइए जानें अपने स्टार्टअप को पहचान दिलाने के लिए आपकी मार्केटिंग रणनीति कैसी होनी चाहिए...

फोटो: फ्रीपिक

रविश जैन
स्टार्टअप एडवाइजर

किसी भी स्टार्टअप को सफल बनाने के लिए केवल उत्पाद ही काफी नहीं होता है, उसके लिए एक बेहतरीन मार्केटिंग प्लान की भी जरूरत होती है। अधिकतर लोगों को लगता है कि उत्पाद बनाना ही सबसे मुश्किल काम है, परंतु ऐसा नहीं है। कई बार उत्पाद के लांच के बाद चीजें समझ में आती हैं। मैंने बहुत नजदीक से कई स्टार्टअप्स के शुरुआती सफर को देखा और समझा है। प्रत्येक स्टार्टअप कुछ बड़ा बनाने का प्रयास करते हैं, लेकिन बीच में जाकर अटक जाते हैं। जानते हैं क्यों? क्योंकि वे गो-टू-मार्केट स्ट्रेटेजी (जीटीएम) के बारे में गंभीरता से नहीं सोचते, उन्हें लगता है कि उत्पाद अच्छा हो तो वह अपने आप ही बिक जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर आप कुछ लांच कर रहे हैं तो लीक से थोड़ा हटकर सोचना जरूरी है। बाजार में कैसे प्रवेश करें? सोचिए, कौन-सी स्ट्रेटेजी काम करेगी, कौन-सी नहीं, कैसे उससे सीख सकते हैं। यहीं आकर नए उद्यमी भूल कर बैठते हैं।

उपभोक्ताओं की जरूरतों को समझें: आपके उद्यमिता के सफर में जो भी समस्याएं सामने आ रही हैं, वे वास्तविक होनी चाहिए। इसलिए, जरूरी है कि आप उपभोक्ताओं से बात करें, कहीं कोई खामी न रह जाए। लोगों को क्या चाहिए, उनकी जरूरतों को समझें। अगर आपका उत्पाद उनकी जरूरतों तक नहीं पहुंच पाता है तो बेहतर मार्केटिंग के जरिए उन तक पहुंचने का प्रयास करें।

आकार का दायरा देखें: जीटीएम प्लान (गो-टू-मार्केट प्लान) की शुरुआत स्पष्टता से करें। टीएएम, एसएएम और एसओएम, इन शब्दों से तो आप परिचित होंगे, ये शब्द एमबीए के पाठ्यक्रम से संबंधित हैं। टीएएम यानी बाजार कितना बड़ा है। एसएएम यानी आप कितने लोगों को उत्पाद दे पाएंगे। एसओएम यानी कितना असलियत में कर पाएंगे। अगर आपको ये बातें नहीं पता है तो इसका मतलब आप बस अंदाजा लगा रहे हैं।

कौन हैं आपके उपभोक्ता: आप सभी लोगों को सब कुछ नहीं बेच सकते हैं, हर उत्पाद हर किसी के लिए नहीं होता, यह स्ट्रेटेजी कभी काम नहीं करती। इसलिए पहले आपको अपने उपभोक्ता को समझना होगा, सिर्फ उम्र या शहर के लिहाज से नहीं, बल्कि उन्हें क्या चाहिए, वे कहां उलझे हैं, उन्हें क्या परेशान करता है... ये सवाल आपको उन तक उत्पाद पहुंचाने में मदद करेंगे।

फोकस करें निर्धारित: मैंने उद्यमियों को इन समस्याओं से लड़ते करीब से देखा है। वे बहुत कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लेकिन उसकी जरूरतों को ठीक से समझ नहीं पाते, इसलिए कई बार रास्ता भटक जाते हैं। आपको समझना होगा कि किस श्रेणी में उपभोक्ताओं को रखना है। आप सबसे तेज हैं, सस्ते या सहज हैं। ये तीनों बनने की कोशिश न करें, कोई एक रास्ता चुनकर उस पर ही फोकस करें। अगर आपके उपभोक्ता उत्पाद के इस्तेमाल को लेकर दुविधा में रहेंगे तो वे उससे दूर चले जाएंगे।

लापरवाही न बरतें: अधिकांश लोगों को लगता है कि इंटरनेट मीडिया (लिंक्डइन/एक्स आदि) पर पोस्ट डाल देने से काम बन जाएगा। उत्पाद लांच कोई एक दिन की बात तो नहीं है, यह तो बस शुरुआत है। लांच पर जब आपने इतना सोचा है तो उत्पाद के डेवलपमेंट पर भी सोचना जरूरी है।

क्या है आपकी कहानी: आपसे पहले इस क्षेत्र के चैंपियन कौन रहे हैं, आपका पहला माध्यम क्या होगा, आपके साथ कौन इस पर शोर मचाएंगे। सबसे जरूरी है कि कैसे आप लोगों को अपने उत्पाद की ओर आकर्षित करेंगे।

प्रस्तुति: सुमन अग्रवाल

बाजार के ट्रेंड से अपडेट रहें

मैंने पिछले कई सालों में कई उद्यमियों से बात की। वे एक ही जगह आकर फंस जाते हैं और वह है जीटीएम के बारे में गंभीरता से सोचना। वे बस तकनीकी पहलुओं पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन जो यह कर गुजरता है, वह उत्पाद की तरह बाजारीकरण को भी गंभीरता से लेता है। पहले दिन से ही वह डिस्ट्रिब्यूशन के बारे में सोचना शुरू कर देता है। उसे पता होता है कि वह किससे बात कर रहा है और कैसे उस तक पहुंचना है। इसलिए आप अगर कुछ करना चाहते हैं, तो करें। लेकिन एक बात का ध्यान रखें कि उत्पाद को कैसे बाजार में उतारना है, यह जानना बेहद जरूरी पहलू है। यही पर हार या जीत तय होती है।

आनलाइन लर्निंग

जीके और करेंट अफेयर्स की स्मार्ट तैयारी

इन दिनों हर प्रतियोगी परीक्षा में जीके और करेंट अफेयर्स से जुड़े प्रश्न जरूर पूछे जाते हैं। फिर चाहे वह यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा हो या फिर कोई अन्य परीक्षा। हर परीक्षा में फेल या पास होने में यह सेक्शन महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाता है। आइए जानें कुछ ऐसे एप्स के बारे में, जो इसकी तैयारी में आपके लिए काफी उपयोगी हो सकते हैं...

करेंट अफेयर्स डेली लेटेस्ट: हिंदी और इंग्लिश में करेंट अफेयर्स की तैयारी के लिए यह एक उपयोगी एप है। यहां आपको डेली करेंट अफेयर्स नोट्स तथा क्विज भी मिलेंगे, जिससे वास्तविक परीक्षा जैसा एहसास होगा। इसके अलावा, सभी जरूरी खबरें कैप्सूल के आकार में 100 शब्दों में मिलेंगी, जिससे खुद को खबरों से अपडेट रखने में मदद मिलेगी। रोजाना के डेली नोट्स से भी क्विज बना सकते हैं। इसके साथ ही साप्ताहिक और मासिक क्विज के रिवीजन की भी यहां सुविधा होगी। सबसे अच्छी बात है कि इस एप के इस्तेमाल के लिए ज्यादा डाटा की भी आवश्यकता नहीं। यहां पर उपलब्ध सभी नोट्स और क्वेश्चंस को आफलाइन भी कहीं भी कभी भी पढ़ सकते हैं। एप की रेटिंग की भी अच्छी है। यह गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है।

जीके एंड करेंट अफेयर्स 2025: सभी तरह की परीक्षाओं की तैयारी के लिए यह भी एक अच्छा एप है। यहां निश्शुल्क और आफलाइन कंटेंट जैसे कि करेंट अफेयर्स, फ्री माकटेस्ट आदि की सुविधा दी गई है। इसके अलावा, यहां पर प्रीवियस ईयर पेपर, एग्जाम लक्षित क्वेश्चंस, नोट्स, पीडीएफ कोर्स, एग्जाम अपडेट्स आदि भी दिए गए हैं। एप की खास बात यह है कि इसमें आफलाइन ब्राउज फीचर्स दिए गए हैं यानी यहां पर दिए करेंट अफेयर्स या दूसरे अपडेट्स के लिए इंटरनेट कनेक्शन की जरूरत नहीं होगी। इस एप में हिंदी और इंग्लिश में फ्री माक टेस्ट सीरीज की सुविधा भी दी गई है। टेस्ट फार्मेट में सभी परीक्षाओं के प्रीवियस पेपर, पांच हजार से अधिक आब्जेक्टिव टाइप के जीके प्रश्न, जीके ट्रिक्स भी यहां आपको मिल जाएंगे। यह भी गूगल प्ले स्टोर पर है।

धीरेंद्र पाठक

वर्ग पहेली-3062

बाएं से दाएं:
2 बगीचा (4) । 5 वट वृक्ष (4) । 6 मृत्यु के देवता के दूत (4) । 7 वसंत ऋतु में काटी जाने वाली फसल (2) । 9 मृत्यु (3) । 10 कृतिका नक्षत्र, जबड़ा (3) । 12 शिव, महादेव (4) । 14 आकाश में उड़ने वाला, पक्षी (4) । 15 तरंग, उद्वेग (3) । 17 चैरस्ता, चैक (3) । 20 परत, झिल्ली (2) । 22 प्रभावशाली (4) । 23 बादल (4) । 24 सर्वश्रेष्ठ, सबसे अच्छा (4) ।

ऊपर से नीचे :-
1 एक-दूसरे के साथ (4) । 2 जठर, पेट (3) । 3 आंख (3) । 4 बंदूक चलाने वाला (4) । 8 बिल्कुल मध्य या बीच में (4) । 9 कमजोर, अति दुर्बल (4) । 10 बगल, कांख, लता (2) । 11 एक शुभ्र मिट्टी, जिससे खिलौने व बर्तन बनाए जाते हैं (2,2) । 13 प्रेमी से उत्पन्न पुत्र (4) । 14 पुरुष, विष्णु (2) । 16 उतावलापन (4) । 18 अपनी बात पर अड़ने वाला, जिद्दी (4) । 19 लोहे को सोना बनाने वाला एक कल्पित पत्थर (3) । 21 गबन, पाचन-क्रिया (3) ।

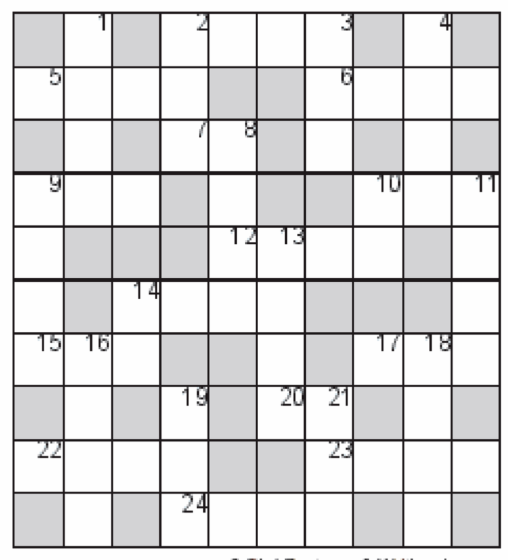

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

उ	प	जा	ना			दा	ग	दा	र
प			का	र्या	य	नी			हा
ग्र			बं		म				स
ह	क		दी	न		आ	स	ल	हा
	री	छ				दा		बा	
	ब		दा				ह	ल	
आ	न	ब	न		हा	र		ब	द
सं				द्वा		ह			हा
ग			क	र	त	ब			ड
त	र	की	ब			र	ख	वा	ना

जागरण सुडोकू-3062

	4			6			5	
6		5			2			8
7		8	5			9		1
8			2		9	3		5
	9	4			7			
	5		4	3			8	9
2			6			5		
		1		9			2	
5				2	4			3

कल का हल

7	4	2	3	8	6	1	9	5
6	9	8	5	1	7	2	4	3
3	5	1	2	4	9	7	8	6
1	7	9	6	5	8	4	3	2
8	6	4	9	2	3	5	1	7
5	2	3	1	7	4	8	6	9
4	8	6	7	9	5	3	2	1
2	3	7	8	6	1	9	5	4
9	1	5	4	3	2	6	7	8

आज का भविष्यफल : 2 अगस्त, 2025 शनिवार
पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : श्रावण मास शुक्ल पक्ष अष्टमी का राशिफल।
आज का राहुकाल : प्रातः 09 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल : पूर्व, विशेष : अष्टमी तिथि वृद्धि

कल 03 अगस्त, 2025 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पश्चिम
विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की नवमी 09 घंटे 43 मिनट तक तत्पश्चात दशमी, विशाखा नक्षत्र 06 घंटे 35 मिनट तक तत्पश्चात अनुराधा नक्षत्र, शुक्ल योग 06 घंटे 24 मिनट तक तत्पश्चात ब्रह्म, वृश्चिक में चंद्रमा।

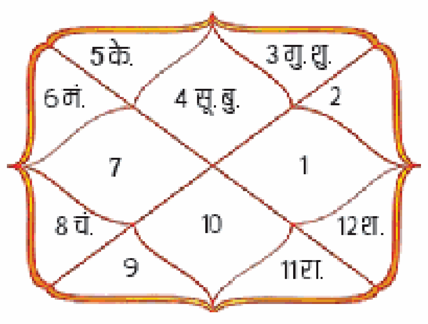

मेष : यात्रा की स्थिति सुखद होगी। पारिवारिक समस्या हो सकती है।
वृष : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा।
मिथुन : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, लेकिन धनहानि की आशंका है।
कर्क : रिश्तों में निकटता आएगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।
सिंह : व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। जीवन सुखमय होगा।
कन्या : सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
तुला : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
वृश्चिक : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जीवन सुखमय होगा।
धनु : रिश्तों में निकटता आएगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
मकर : शैक्षिक प्रयास सार्थक होगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।
कुंभ : धन, सम्मान में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।
मीन : व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शिक्षा में आशातीत सफलता मिलेगी।

10 हजार की नौकरी वाले मिला 4.82 करोड़ का जीएसटी नोटिस

अंकित गुप्ता • जागरण

- बदायूं में दवा सेल्समैन के नाम से बनाई गई फर्म से 27 करोड़ रुपये का कारोबार

बदायूं : 10 हजार रुपये प्रति माह की नौकरी करने वाले रामबाबू पाल के घर 4.82 करोड़ रुपये जीएसटी बकाया का नोटिस पहुंचा है, जिससे वह परेशान हैं। उन्होंने न तो कोई आवेदन किया और न कोई फर्म बनाई। इसके बावजूद जीएसटी में पंजीकृत उनके नाम की 'मैसर्स पाल इंटरप्राइजेज' से एक वर्ष में 27 करोड़ रुपये का लेन-देन हो गया। परेशान रामबाबू अधिकारियों की चौखट पर गवाही देते घूम रहे कि उनकी हैसियत करोड़ों के आसपास पहुंचने की नहीं है। नौकरी के नाम पर उनके कागज एक गिरोह ने हथिया लिए थे। उसी ने फर्जीवाड़ा कर फर्म बना ली।

बदायूं में सोनू मेडिकल स्टोर के सेल्समैन रामबाबू के घर पहुंचे सेंट्रल जीएसटी के नोटिस में 4.82 करोड़ रुपये का बकाया जीएसटी जमा करने को कहा गया है। जीएसटी कार्यालय में बताया गया कि उनके नाम से रिटेल बिजनेस, होलसेल बिजनेस और सप्लायर के तौर पर फर्म का आनलाइन पंजीकरण कराया गया है। उन्होंने बताया कि अगस्त 2024 में एक आटोमोबाइल कंपनी का नाम लेकर युवती ने फोन किया था। उसने 20 हजार रुपये वेतन का पद खाली होने की बात कही तो वह नौकरी करने को तैयार हो गए। उसके कहने पर वाट्सएप पर आधार कार्ड, पैन कार्ड, अंकपत्र की छाया प्रति आदि कागज भेज दिए थे। बाद में नौकरी भी नहीं मिली। उसी गिरोह ने उनके कागजात उपयोग कर जीएसटी में आनलाइन पंजीकरण करा लिया होगा। दिल्ली में रामबाबू के नाम से फर्म का बैंक खाता भी खुलवाया गया।

रामबाबू। जागरण

एक वर्ष पहले पंजीकृत हुई फर्म, पीड़ित बोला- नौकरी के नाम पर मांगे थे कागज

आपदा के विरुद्ध एआइ बनेगा हिमाचल का हथियार

राज्य ब्यूरो, जागरण • शिमला

- प्रदेश में अब अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित अर्ली वार्निंग सिस्टम होंगे स्थापित

कुछ वर्षों से आपदा के कारण व्यापक हानि झेलते हिमाचल प्रदेश का सहारा अब कृत्रिम मेधा (एआइ) बनेगी। बादल फटने और बाढ़ के साथ ही हिमाचल प्रदेश भूकंप की दृष्टि से भी जोन चार और पांच में आता है। अब बरसात और भूकंप जैसी आपदाओं से निपटने के लिए व्यापक योजना तैयार की जा रही है, जिसका उद्देश्य आपदा के प्रभाव को कम करना और जनहानि को रोकना है। इस योजना के तहत चार प्रमुख उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) का उपयोग प्रमुखता से होगा। इसके अतिरिक्त जल निकासी की उचित व्यवस्था, स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण और भूकंपरोधी मकान बनाने पर जोर रहेगा।

प्रदेश में पिछले तीन वर्षों में मानसून के दौरान 8,000 से 10,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। इस संदर्भ में, आपदा प्रबंधन के तहत विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसमें आपदा से पूर्व प्रबंधन के लिए 980 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित किया जाएगा, जो एआइ तकनीक से लैस होगा। यह सिस्टम पल-पल का डाटा प्रदान करेगा, जिससे आपदा की पूर्व और पश्चात स्थिति का आकलन किया जा सकेगा।

भूकंपरोधी निर्माण पर भी दिया जाएगा जोर

इस परियोजना में ड्रोन का उपयोग भी शामिल किया जाएगा, जिससे आपदा के पूर्व और बाद में राहत कार्यों को सुगम बनाया जा सकेगा। प्रदेश में मानसून के दौरान आपदाओं का मुख्य कारण अवैध डंपिंग और जल निकासी की कमी है, जिसके कारण नालों में पानी भरकर भारी तबाही मचाता है। प्रदेश में 70,000 स्वयंसेवकों को आपदा राहत के लिए तैयार किया जा रहा है, ताकि गांवों में आपदा के समय त्वरित राहत और बचाव कार्य किए जा सकें। पंचायती राज संस्थाओं को आपदा राहत केंद्र के रूप में उपयोग किया जाएगा, जिससे विभिन्न जिलों में स्वयं सेवकों को प्रशिक्षित किया जा सके। उन्हें हर प्रकार की आपदा से निपटने के लिए सक्षम बनाया जा रहा है।

> प्रदेश में आपदा से निपटने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसमें आपदा से पूर्व और बाद की स्थितियों का ध्यान रखा गया है। इस योजना में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था, सुरक्षित भवनों का निर्माण, स्वयं सेवकों का प्रशिक्षण और अत्याधुनिक अर्ली वार्निंग सिस्टम का उपयोग शामिल है।
> **-डीसी राणा, विशेष सचिव राजस्व व निदेशक आपदा प्रबंधन**

> जापान में सबसे अधिक भूकंप आते हैं। वहां भूकंपरोधी मकान बनाने के अतिरिक्त एआइ का उपयोग किया जा रहा है। ड्रेनेज सिस्टम बेहतर होना आवश्यक है, जिससे बरसात का पानी सड़कों और नालियों से बहकर बड़े नालों का रूप लेकर भारी तबाही न मचाए। अत्याधुनिक अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाए जाने आवश्यक है।
> **-विक्रमादित्य सिंह, लोक निर्माण व शहरी विकास मंत्री।**

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ऐसे तो देश के मानचित्र से गायब हो जाएगा हिमाचल

जागरण संवाददाता, शिमला

- हिमाचल को लेकर की तल्ख टिप्पणी, अब 25 को होगी सुनवाई
- हिमाचल में भूस्खलन, बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाएं मानवनिर्मित

हिमाचल में पर्यावरणीय विनाश और अनियंत्रित विकास पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई है। एमएस प्रिस्टीन होटल्स एंड रिजार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, यदि हिमाचल में निर्माण कार्य और विकास योजनाएं इसी तरह बिना वैज्ञानिक दृष्टिकोण के चलती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब हिमाचल देश के नक्शे से गायब हो जाएगा। कोर्ट ने कहा, भगवान करें कि ऐसा न हो।

कोर्ट ने कहा, निर्धारित क्षेत्रों को हरित क्षेत्र घोषित करने वाली अधिसूचनाएं जारी करना प्रशंसनीय है, लेकिन राज्य ने ऐसी अधिसूचनाएं जारी करने और स्थिति सुधारने में बहुत देर कर दी है। हिमाचल में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। याचिकाकर्ता ने शिमला के समीप स्थित श्री तारा माता हिल को ग्रीन एरिया घोषित करने की राज्य सरकार की अधिसूचना को चुनौती दी थी। कंपनी यहां होटल निर्माण करना चाहती थी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के महाधिवक्ता ने कोर्ट में स्वीकार किया कि कोर्ट के आदेशों को सही तरीके से लागू नहीं किया जा सका है। कोर्ट ने कहा, हिमाचल में भूस्खलन, बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाएं प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवनिर्मित हैं। अवैज्ञानिक फोरलेन मार्ग, जलविद्युत परियोजनाएं, पेड़ कटान और पहाड़ों को बारूद से उड़ाना, विनाश के मुख्य कारण हैं। हिमाचल की सुंदरता और 66 प्रतिशत वनाच्छादित क्षेत्र को लालच और लापरवाह नीतियों ने खतरे में डाल दिया है। सरकार ने पर्यावरण संरक्षण पर अब तक ठोस कदम नहीं उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही और निर्देश के तहत, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के निर्णय को बरकरार रखते हुए प्रिस्टीन होटल्स की याचिका खारिज कर दी गई।

मैदानों में गंगा के ग्रीष्मकालीन प्रवाह में भूजल का योगदान, ग्लेशियर पिघलने का नहीं

जागरण संवाददाता, रुड़की

- आइआइटी रुड़की के शोधकर्ताओं ने संपूर्ण गंगा और उसकी सहायक नदियों का विश्लेषण किया

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की के शोधकर्ताओं ने पहली बार गंगा नदी का उसके हिमालयी उद्गम से लेकर डेल्टाई छोर तक व्यापक विश्लेषण किया है। संस्थान का दावा है कि इस अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि पटना तक गंगा भूजल प्रवाह से पोषित है, न कि हिमनदों के पिघलने से। गंगा नदी भूजल के घटने के कारण नहीं, बल्कि अत्यधिक दोहन, जलमार्ग परिवर्तन और सहायक नदियों की उपेक्षा के कारण सूख रही है। भूजल अभी भी गंगा की छिपी हुई जीवन रेखा है। प्राकृतिक भूमिगत योगदान नदी के मध्य भाग में उसके जल स्तर को लगभग 120 प्रतिशत बढ़ा देता है। गर्मियों में नदी का 58 प्रतिशत से अधिक पानी वाष्पीकरण में नष्ट हो जाता है, जो नदी के जल बजट का एक चिंताजनक लेकिन अनदेखा घटक है।

आइआइटी रुड़की के भू-विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य एवं प्रमुख शोधकर्ता प्रो. अभयानंद सिंह मौर्य ने कहा कि शोध यह पता लगाने के लिए किया गया था कि गर्म एवं शुष्क ग्रीष्मकाल के महीनों में गंगा कैसे जीवित रहती है। उत्तर भारत में भूजल के गंभीर क्षरण की चेतावनी देने वाले पूर्व उपग्रह-आधारित अध्ययनों के विपरीत दो दशकों के इन-सीटू आंकड़ों पर आधारित नए निष्कर्ष मध्य गंगा के मैदान में भूजल स्तर को काफी हद तक स्थिर दर्शाते हैं। उन्होंने बताया कि एक और चौंकाने वाला खुलासा यह है कि ग्रीष्मकाल में सिंधु-गंगा के मैदानों में गंगा के प्रवाह को बनाए रखने में हिमनदों के पिघलने की भूमिका नगण्य है। हिमालय की तलहटी के आगे हिमनदों से प्राप्त होने वाला प्रवाह लगभग अनुपस्थित है और पटना तक ग्रीष्मकाल में होने वाले प्रवाह को प्रभावित नहीं करता।

ये प्रयास करने होंगे

प्रो. अभयानंद सिंह मौर्य ने कहा कि यदि भारत गंगा को स्थायी बनाना चाहता है तो उसे अपने जलभृतों का संरक्षण एवं पुनर्भरण करना होगा। मुख्य नदी चैनल में पर्याप्त जल छोड़ना होगा और लुप्त हो चुकी सहायक नदियों के नेटवर्क को पुनर्जीवित करना होगा। गंगा का भविष्य केवल ग्लेशियरों पर ही नहीं, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करता है कि हम धरातल पर जल प्रबंधन कैसे करते हैं।

> यह शोध गंगा के ग्रीष्मकालीन प्रवाह को समझने के तरीके को नए सिरे से परिभाषित करता है। यह न केवल गंगा के लिए बल्कि सभी प्रमुख भारतीय नदियों के लिए भविष्य में नदी पुनरुद्धार की एक स्थायी रणनीति साबित होगा।
> **-प्रो. केके पंत, निदेशक, आइआइटी रुड़की**

धर्मस्थल मामले में एसआइटी ने सातवें स्थल पर शुरू की खोदाई

धर्मस्थल (कर्नाटक), प्रेट्र : कर्नाटक के धर्मस्थल में एसआइटी ने शुक्रवार को सातवें चिन्हित स्थान पर खोदाई शुरू की। यह क्षेत्र में सामूहिक दफन के आरोपों की चल रही जांच का हिस्सा है। यह घटनाक्रम गुरुवार को प्वाइंट नंबर-6 स्थल पर खोदाई के दौरान कंकाल के अवशेष मिलने के एक दिन बाद हुआ है।

विशेष जांच दल ने चिन्हित स्थलों पर खोदाई के लिए श्रमिकों और भारी मशीनों सहित अतिरिक्त कर्मियों को तैनात करके अभियान तेज कर दिया है। एक पूर्व सफाई कर्मचारी द्वारा गुमनाम रूप से दर्ज शिकायत के आधार पर खोदाई के लिए कुल 15 स्थानों की पहचान की गई है। प्राप्त अवशेषों के फोरेंसिक मूल्यांकन के आधार पर आगे की खोदाई की जाएगी।

मंगलुरु के फोरेंसिक विशेषज्ञों ने कहा कि मृत्यु का कारण जानने के लिए पूर्ण या लगभग पूर्ण मानव कंकाल की आवश्यकता होगी। अलग-अलग हड्डियां या आंशिक अवशेष कानूनी निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त सुबूत नहीं दे सकते हैं।

****

चित्तौड़गढ़ में सांवलिया मंदिर को चढ़ावे में एक किलो से ज्यादा सोना मिला

जागरण संवाददाता, जयपुर

- राजस्थान के मंदिर को एक माह में 28 करोड़ से अधिक की राशि भेंट में मिली
- भगवान सांवलिया सेठ को अपने व्यापार में सहयोगी बनाने की है मान्यता

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के कृष्णधाम सांवलिया सेठ मंदिर में जुलाई महीने के दौरान चढ़ावे में मिले सोना, चांदी और धन का रिकॉर्ड बना है। जुलाई में मंदिर के दान पात्र में एक किलो 433 ग्राम सोना, 204 किलो 500 ग्राम चांदी चढ़ावे के रूप में मिली है। मंदिर में श्रद्धालुओं ने 28 करोड़ 32 लाख 45 हजार 555 रुपए दान के रूप में दिए हैं। इनमें 22 करोड़ 22 लाख 76 हजार 77 रुपए नकद, छह करोड़ नौ लाख 69 हजार 478 आनलाइन से मिले हैं।

मंदिर में भेंट में मिली रकम की छह राउंड में गिनती हुई है। साल 2024 में दीपावली के बाद 30 नवंबर को दो महीने का भंडार खोला गया था, उस समय 187 किलो नौ ग्राम चांदी प्राप्त हुई थी। हालांकि, इस बार एक महीने में ही चांदी प्राप्त होने का रिकॉर्ड बना है। मंदिर में लगे दान पात्रों, आनलाइन मिलने वाली भेंट राशि और जेवरात की गणना हर माह की जाती है। मंदिर मंडल के प्रमुख के रूप में राज्य सरकार ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी को नियुक्त किया हुआ है।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों मंदिर के दान पात्र में चांदी की हथकड़ी, छोटा पेट्रोल पंप और छोटी पिस्तौल व गोलियों सहित कई सामान मिले थे। मान्यता है कि मंदिर में भगवान सांवलिया सेठ को श्रद्धालु अपने व्यापार में सहयोगी बनाते हैं और मन में लिए संकल्प के आधार पर गुप्त रूप से नकद राशि अथवा सोने व चांदी के जेवरात चढ़ाकर जाते हैं।

कृष्णधाम सांवलिया सेठ मंदिर। फाइल

बिहार में फिर आया निवास प्रमाण पत्र के लिए डाग बाबू के नाम का आवेदन

जासं, सिमरीबख्तियारपुर (सहरसा) : बिहार में उटपटांग पात्रों के निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवेदन आने का सिलसिला थम नहीं रहा है। डाग बाबू और सोनालिका ट्रैक्टर के बाद एक बार फिर सहरसा जिले के सिमरीबख्तियारपुर प्रखंड कार्यालय को डाग बाबू के नाम से आवेदन मिला है। शरारती तत्व ने प्रखंड कार्यालय के लोक सेवा का अधिकार (आरटीपीएस) काउंटर पर निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन दिया था। जांच के क्रम में मामला पकड़ में आने के बाद अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध थाने में एफआइआर दर्ज कराई गई है। एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। अंचल कार्यालय में निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए गत सोमवार को एक आवेदन प्राप्त हुआ था। उसमें आवेदक का नाम- डाग बाबू, लिंग- पुरुष, पिता का नाम- कुत्ता बाबू, माता का नाम- कुटिया देवी दर्ज था। पता में मोबाइल नंबर के साथ स्थान का नाम सहित अन्य चीजें अंकित की गई थीं। आवेदन के साथ दस्तावेज के रूप में आधार कार्ड भी संलग्न किया गया है।

अमेरिका के जार्ज व्हीलर ने एस्केलेटर के लिए पेटेंट प्राप्त किया

1892 में आज ही अमेरिका के जार्ज व्हीलर ने पहली व्यावहारिक चलती सीढ़ी के डिजाइन का पेटेंट कराया था, हालांकि वह कभी बनी नहीं। चार्ल्स सीबर्गर ने उनका पेटेंट खरीदकर इसे एस्केलेटर नाम दिया। 1899 में सीबर्गर ने ओटिस कंपनी के साथ मिलकर पहला व्यावसायिक एस्केलेटर बनाया।

ब्रिटेन में ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) को अपनाया गया

1880 में आज ही ब्रिटेन में ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) को संसद द्वारा आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। रेलवे की शुरुआत के साथ ब्रिटेन में एक राष्ट्रीय समय प्रणाली की आवश्यकता महसूस हुई थी। एक नवंबर, 1884 को इसे दुनिया भर में अपनाया गया।

रविशंकर शुक्ल ने हिंदी में संविधान लिखने पर दिया था जोर

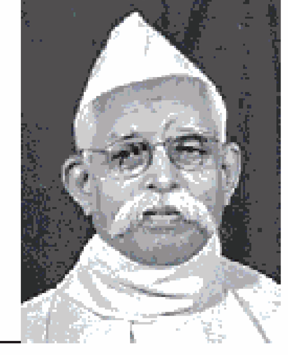

रविशंकर शुक्ल का जन्म 1877 में आज ही वर्तमान मध्य प्रदेश के सागर में हुआ था। पेशेवर जीवन की शुरुआत वकालत से की और स्वतंत्रता संग्राम में भी सक्रिय भूमिका निभाई। 1946 में संविधान सभा के सदस्य बन हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए जोरदार प्रयास किए। इतिहासकार पद्मश्री ग्रानविल आस्टिन ने उन्हें संविधान सभा के हिंदी समर्थक समूह के प्रमुख नेताओं में से एक माना था। उन्होंने मध्य प्रांत विधान सभा की एक विशेष समिति का नेतृत्व करते हुए संविधान सभा में हिंदी में संविधान लिखने पर जोर दिया था। उन्होंने उर्दू के विरुद्ध आक्रामक अभियान भी चलाया।

शाह रुख, विक्रांत व रानी को सर्वश्रेष्ठ कलाकार का अवार्ड

71वां राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार ▶ तीनों को क्रमश : जवान, ट्वेल्थ फेल और मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे के लिए मिला पुरस्कार

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

साल 2023 में एटली निर्देशित फिल्म जवान से बाक्स आफिस पर धमाल मचाने वाले अभिनेता शाह रुख खान को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के तहत सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया है। उनके साथ यह अवार्ड को संयुक्त रूप से ट्वेल्थ फेल फिल्म अभिनेता विक्रांत मेस्सी को भी मिला है। यह जानकारी वर्ष 2023 के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा की करते हुए ज्यूरी प्रमुख और फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में नेशनल मीडिया सेंटर में दी।

विधु विनोद चोपड़ा निर्देशित ट्वेल्थ फेल आइपीएस मनोज कुमार शर्मा की जिंदगी पर अनुराग पाठक द्वारा लिखी किताब ट्वेल्थ फेल पर आधारित थी। उनके अलावा फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे में शानदार अभिनय के लिए रानी मुखर्जी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से नवाजा गया है। ये फिल्म भी सच्ची घटना पर आधारित थी। खास बात यह है कि यह शाह रुख, विक्रांत और रानी तीनों का पहला नेशनल अवार्ड है।

अलग-अलग श्रेणी में प्रदान किए फीचर फिल्म पुरस्कारों में हिंदी फिल्मों का दबदबा रहा। उसे कुल 16 अवार्ड मिले। धर्मांतरण के मुद्दे पर बनी फिल्म द केरल स्टोरी के लिए सुदीप्तो सेन को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक वहीं इस फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी का अवार्ड प्रसंतनु मोहपात्रा को मिला। व्यंग्यात्मक कामेडी फिल्म कटहल – अ जैकफ्रूट मिस्ट्री को सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार मिला। करण जौहर निर्देशित फिल्म राकी और रानी की प्रेम कहानी ने बेहतरीन मनोरंजन के लिए सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार जीता जबकि मेघना गुलजार निर्देशित सैम बहादुर को राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला। विक्की कौशल अभिनीत सैम बहादुर को कास्ट्यूम और मेकअप के लिए भी सम्मानित किया गया। यह फिल्म बहादुरी का पर्याय माने जाने वाले फील्ड मार्शल सैम मानेक शा पर आधारित थी, जिन्हें वर्ष 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध का मुख्य नायक माना जाता है। गुजराती फिल्म वश को सर्वश्रेष्ठ फिल्म और इसमें अभिनय के लिए जानकी बोदीवाला को सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। हिंदी भाषा में बेस्ट नान फीचर फिल्म श्रेणी में फ्लावरिंग मैन को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का अवार्ड मिला। वहीं, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली बेस्ट गैर-फीचर फिल्म : द साइलेंट एपिडेमिक रही।

फील्ड मार्शल सैम मानेक शा पर आधारित थी यह फिल्म। फाइल

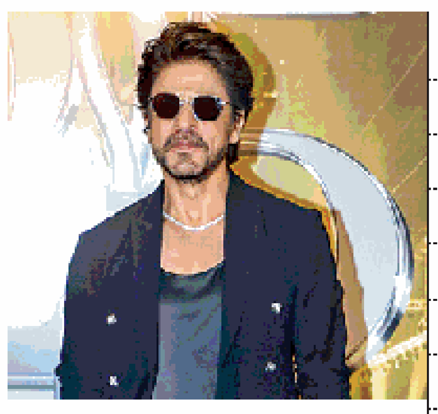

शाहरुख खान। फाइल/आइएएनएस

व्यंग्यात्मक कामेडी फिल्म थी 'कटहल – अ जैकफ्रूट मिस्ट्री'। फाइल

विक्रांत मेस्सी। फाइल/आइएएनएस

फिल्म, कलाकारों और पुरस्कारों की सूची

- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म :** ट्वेल्थ फेल
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता :** शाह रुख खान (जवान) और विक्रांत मेस्सी (ट्वेल्थ फेल)
- **सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री :** रानी मुखर्जी (मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे)
- **सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म :** राकी और रानी की प्रेम कहानी
- **सर्वश्रेष्ठ निर्देशन :** सुदीप्तो सेन (द केरल स्टोरी)
- **सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म :** नाल 2 (मराठी)
- **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता :** विजयराघवन (मलयालम फिल्म पूकल्लम), मुथुपेट्टई सोमू भास्कर (तमिल फिल्म पार्किंग)
- **सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री :** उर्वशी (मलयालम फिल्म उल्लोझुक्कु), जानकी बोदीवाला (गुजराती फिल्म वश)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायक :** पीवीएनएस रोहित (तेलुगु फिल्म बेबी)
- **सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका :** शिल्पा राव (जवान का गाना चलेया)
- **सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफर :** प्रसंतनु मोहपात्रा (द केरल स्टोरी)
- **राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को बढ़ावा देने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म :** – सैम बहादुर
- **सर्वश्रेष्ठ फिल्म एवीजीसी (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग एंड कामिक) :** हनु मैन (तेलुगु फिल्म)
- **सर्वश्रेष्ठ एक्शन डायरेक्शन :** नंदू पृथ्वी (हनु मैन – तेलुगु)
- **सर्वश्रेष्ठ स्क्रीनप्ले :** सई राजेश नीलम (बेबी – तेलुगु), रामकुमार बालकृष्णन (पार्किंग – तमिल), दीपक किंगरानी (सिर्फ एक बंदा काफी है-हिंदी)
- **सर्वश्रेष्ठ साउंड डिजाइन :** सचिन सुधाकरन, हरिहरन मुरलीधरन (एनिमल)
- **सर्वश्रेष्ठ कास्ट्यूम डिजाइनर :** सचिन लोवालेकर, दिव्या गंभीर और नितिन गंभीर (सैम बहादुर)
- **सर्वश्रेष्ठ मेकअप :** श्रीकांत देसाई (सैम बहादुर)
- **सर्वश्रेष्ठ म्यूजिक डायरेक्शन :** हर्षवर्धन रामेश्वर (एनिमल)
- **जीवी प्रकाश कुमार :** (वाथी – तमिल)
- सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी : वैभवी मर्चेंट (ढिंढोरा बाजे रे,राकी व रानी की प्रेम कहानी

'यह अवार्ड 30 वर्षों के मेरे काम, कला के प्रति समर्पण और सिनेमा के लिए अपने जुनून को लेकर एक मान्यता है। यह अवार्ड मैं दुनिया की सभी अद्भुत मांओं को समर्पित करती हूं। भारतीय प्रवासी मां की इस कहानी ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया था। यह जीत, यह फिल्म बेहद भावनात्मक और व्यक्तिगत है।'

–रानी मुखर्जी, अभिनेत्री

'मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। सपने जैसा है। पहली फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना सबसे बड़ा सम्मान है। यह मेरी पूरी टीम का अवार्ड है। ग्वालियर में फिल्म शूट हुई थी, वह भी इस अवार्ड की भागीदार हैं, वहां के लोगों ने खूब मदद की थी।'

– यशवर्धन मिश्रा, कटहल के निर्देशक

'अपने निजी काम से देश से बाहर हूं। फोन में नेटवर्क नहीं था। जब नेटवर्क आया तो बधाई के लिए कई मैसेज आए थे। इस साल कई अच्छी फिल्में आई थीं लेकिन प्रतिस्पर्धा कठिन थी। हालांकि इस फिल्म को लिखने के मेरे इरादे नेक थे।'

–दीपक किंगरानी, लेखक

फिल्म रिव्यू: सन आफ सरदार 2 ✪✪✪

प्रमुख कलाकार : अजय देवगन, मृणाल टाकुर, रवि किशन, चंकी पांडेय, दीपक डोबरियाल, रोशनी वालिया, संजय मिश्रा, विंदु दारासिंह, नीरू बाजवा, निर्देशक : विजय कुमार अरोड़ा, अवधि : दो घंटे 27 मिनट

मसाले ढेर सारे, पर स्वाद गुम

सन आफ सरदार की रिलीज के लगभग 13 वर्ष बाद इस फ्रेंचाइज की दूसरी फिल्म 'सन आफ सरदार 2' आई है। यह टर्किश फिल्म 'आइल अरासिंडा' का अडाप्टेशन है। इस कामेडी फिल्म में क्लाइमेक्स और चंद दृश्य छोड़ दें तो कामेडी जबरन थोपी हुई लगती है।

इस बार कहानी पंजाब से इंग्लैंड पहुंची है। अनाड़ी और कंफ्यूज जस्सी (अजय देवगन) की पत्नी डिंपल (नीरू बाजवा) लंदन में रह रही है। जब जस्सी वहां पर पहुंचता है तो डिंपल उससे तलाक मांगती है। जस्सी की मुलाकात शादियों में नाचने वाली पाकिस्तानी डांसर राबिया (मृणाल ठाकुर), उसकी सौतेली बेटी सबा (रोशनी वालिया), साथ रहने वाली मेहरिश (कुब्रा सैत) और गुल (दीपक डोबरियाल) से होती है। राबिया का पति दानिश (चंकी पांडेय) उसे छोड़कर भाग जाता है। अमीर गोगी (साहिल मेहता) के साथ सबा शादी करना चाहती है मगर गोगी के पिता राजा (रवि किशन) पाकिस्तानियों से नफरत करते हैं। सबा की शादी कराने के लिए जस्सी को भारतीय सेना का कर्नल बताकर उसके पिता के तौर पर राजा से मिलवाया जाता है। फिर भ्रम और टकराव के बीच शादी होती है।

जगदीप सिंह सिद्धू और मोहित जैन द्वारा लिखी कहानी और स्क्रीन प्ले में पाकिस्तान से मनमुटाव, टूटी-फूटी अंग्रेजी आदि को आधार बनाकर कामेडी पैदा की गई है। उसमें काफी जगह वह संघर्ष करते नजर आते हैं। कामेडी के लिए फिल्म बार्डर के दृश्य व संवादों का भी प्रयोग हुआ है। निर्देशक विजय कुमार अरोड़ा फिल्म को भव्य बनाते हैं लेकिन कमजोर पटकथा सामाजिक संदेश और हास्य-व्यंग्य के साथ प्रभावी नहीं पाती है। क्लाइमेक्स को छोड़ दें तो मध्यांतर के बाद ही ज्यादा कामिक सीन हैं लेकिन वहां तक पहुंचने में काफी धैर्य रखना होता है। जस्सी और राबिया का रोमांस, नोकझोंक दिलचस्प नहीं बन पाई है।

अजय देवगन के चेहरे पर उम्र का असर साफ दिखाई देता है। चित्र सौ : फिल्म टीम

जानी, हर्ष उपाध्याय, सनी विक का संगीत कहीं-कहीं थिरकाता है। सिनेमेटोग्राफर असीम बजाज इंग्लैंड की खूबसूरती को दर्शाते हैं। नेकदिल जस्सी की भूमिका में अजय देवगन के चेहरे पर उम्र का असर साफ दिखाई देता है। मृणाल ठाकुर खूबसूरत दिखी हैं। हालांकि दोनों की केमिस्ट्री दिलचस्प नहीं बन पाई है। सहयोगी भूमिका में आए रवि किशन ने पाकिस्तान से नफरत करने वाले व्यवसायी से गैंगस्टर बने व्यक्ति की भूमिका में शानदार अभिनय किया है। वह संवादों में हंसी के पल जोड़ते हैं। रोशनी वालिया, मुकुल देव, विंदू दारा सिंह, शरत सक्सेना का काम उल्लेखनीय है।

दीपक डोबरियाल यहां पर ट्रांसगर्ल की भूमिका में चौंकाते हैं। नीरू बाजवा मेहमान भूमिका में हैं। कामेडी, ड्रामा, देशभक्ति, रोमांस जैसे मसालों से भरपूर 'सन आफ सरदार 2' साफ-सुथरी पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है, जो मूल फिल्म जैसा मनोरंजन नहीं कर पाती है।

स्मिता श्रीवास्तव

✪✪✪✪✪ उत्कृष्ट ✪✪✪✪ बहुत अच्छी ✪✪✪ अच्छी ✪✪ औसत ✪ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

इधर-उधर की

बच्चे को अंगुली चूसने से रोकना पड़ा महंगा

मां ने बच्चे की तर्जनी अंगुली पर बांध दिया था कपड़ा। इंटरनेट मीडिया

बीजिंग, एजेंसी : इंटरनेट पर देखी गई जानकारी को बिना सोचे-समझे अपनाना कितना खतरनाक हो सकता है, इसका एक उदाहरण चीन में सामने आया है। यहां एक मां ने अपने 11 महीने के बच्चे की तर्जनी अंगुली को कपड़े से लपेट दिया ताकि बच्चा उसे चूस न सके। मां का मानना था कि यह अस्वास्थ्यकर है। हालांकि, अंगुली सूज गई और बैंगनी हो गई। मां का कहना था कि उसने अंगुली को ढीला लपेटा था। बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टर ने बताया कि अंगुली की त्वचा और ऊतक का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। यदि समय पर इलाज नहीं किया जाता तो अंगुली काटनी पड़ सकती थी। फिलहाल बच्चा ठीक है। डाक्टर ने कहा कि चीजों को चबाना बच्चे के विकास का एक स्वाभाविक हिस्सा है जो आमतौर पर दो से तीन साल की उम्र में समाप्त होता है।

श्वसन संक्रमण निष्क्रिय पड़ी स्तन कैंसर कोशिकाओं को कर सकता है सक्रिय

अनुसंधान

एक अध्ययन में सामने आया है कि फ्लू (इंफ्लुएंजा) और कोविड जैसे श्वसन संक्रमण फेफड़ों में फैल चुकी निष्क्रिय स्तन कैंसर कोशिकाओं को सक्रिय कर सकते हैं। इसके कारण नए मेटास्टेटिक ट्यूमर बनने की आशंका बढ़ जाती है। यह निष्कर्ष नेचर पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। यह अध्ययन चूहों पर किए गए शोध और मानव रोगियों के आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित हैं। यह दर्शाता है कि कोविड से संक्रमित कैंसर मरीजों में मृत्यु दर और मेटास्टेटिक फेफड़ों की बीमारी में वृद्धि हुई है। अमेरिका के अल्बर्ट आइंस्टीन कालेज आफ मेडिसिन के जूलियो एगुइरे-घिसो ने कहा कि निष्कर्षों से पता चलता है कि कैंसर के इतिहास वाले व्यक्तियों को श्वसन वायरस से सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें उपलब्ध होने पर टीकाकरण का लाभ लेने के साथ ही अपने डाक्टरों से इन मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। साथ ही इसको लेकर जागरूकता भी आवश्यक है।

पिछले साक्ष्य बताते हैं कि सूजन प्रक्रियाएं फैल चुके कैंसर कोशिकाओं को सक्रिय कर सकती हैं। ये वे कोशिकाएं होती हैं जो प्राथमिक ट्यूमर से अलग होकर दूर के अंगों में फैल गई हैं। यह अक्सर लंबे समय तक निष्क्रिय रहती हैं। कोरोना के दौरान कैंसर मृत्यु दर में वृद्धि ने इस विचार को मजबूत किया कि गंभीर सूजन निष्क्रिय कैंसर सेल को सक्रिय कर सकती है। टीम ने इस परिकल्पना का परीक्षण चूहों पर किया और उन्हें कोविड और फ्लू वायरस के संपर्क में लाया गया। दोनों ने फेफड़ों में निष्क्रिय कैंसर सेल को सक्रिय कर दिया, जिससे संक्रमण के कुछ ही दिनों में मेटास्टेटिक कोशिकाओं का व्यापक विस्तार हुआ और दो हफ्तों के भीतर घाव दिखाई देने लगे।

विश्लेषण से पता चला कि निष्क्रिय कैंसर सेल का सक्रिय होना इंटरल्यूकिन-6 (आइएल-6) द्वारा प्रेरित होता है जो एक प्रोटीन है जिसे प्रतिरक्षा कोशिकाएं संक्रमण या चोट के प्रति प्रतिक्रिया में स्रावित करती हैं। इससे पता चलता है कि आइएल-6 अवरोधकों या अन्य लक्षित प्रतिरक्षा चिकित्साओं का उपयोग मेटास्टेसिस के पुनरुत्थान को रोक सकता है या कम कर सकता है। (आइएएनएस)

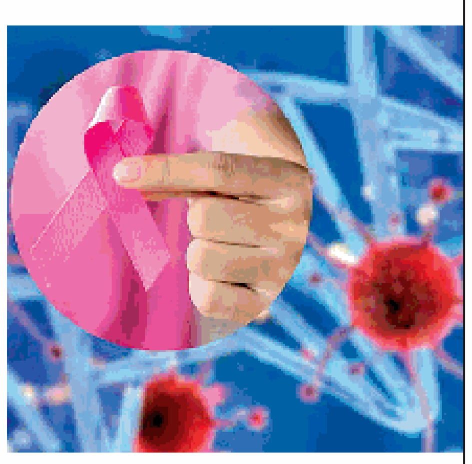

प्रतीकात्मक

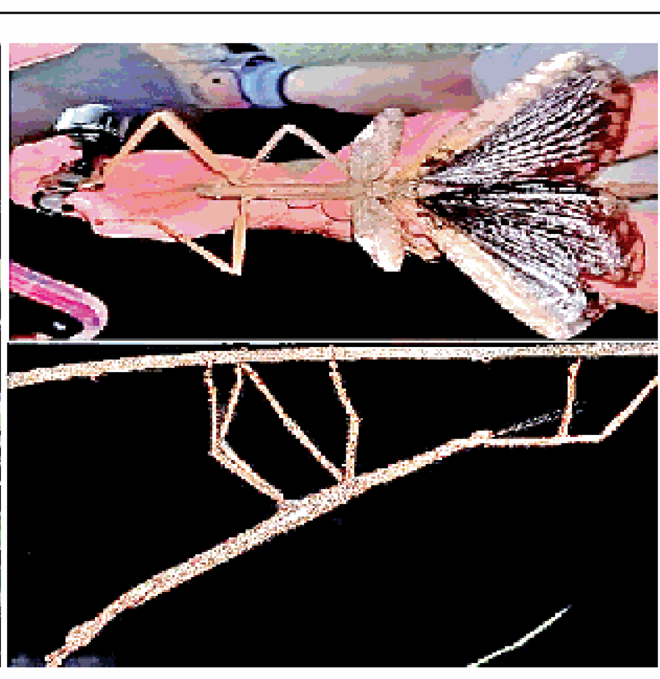

सबसे लंबा कीट...

आस्ट्रेलिया में क्वींसलैंड के उष्णकटिबंधीय वर्षावनों में छड़ी कीट (स्टिक इंसेक्ट) की एक नई प्रजाति सामने आई है। 40 सेमी लंबा और 44 ग्राम वजनी यह कीट पेड़ की शाखा पर किसी लकड़ी की ही तरह लटका हुआ दिखाई दिया। यह आस्ट्रेलिया का सबसे भारी कीट भी हो सकता है जो ऊंचाई वाले जंगलों में रहता है। छड़ी कीट को वाकिंग स्टिक या स्टिक बग भी कहा जाता है, ये फास्मिडा गण के कीट हैं। रायटर

स्क्रीन शाट

बिग बास के इस सीजन में बनेगी घरवालों की सरकार

कई अफवाहों के बीच अब आखिरकार बिग बास के 19वें सीजन की घोषणा हो गई है। अभिनेता सलमान खान ही शो की मेजबानी करेंगे। इस बार की थीम होगी घरवालों की सरकार। घर के अंदर पावर और सत्ता किसी एक के हाथ में नहीं होगी बल्कि सबकी मर्जी चलेगी। सलमान कहते हैं कि बिग बास हर साल खेल को नए तरीके से दिखाता है। जब घर के सभी लोग अपनी चलाने लगते हैं तब घर युद्धक्षेत्र में बदल जाता है। मैं भी शो को लेकर उत्सुक हूं। वहीं जियोहाटस्टार के अध्यक्ष (एंटरटेनमेंट) आलोक जैन शो से जुड़ी बाकी जानकारियां साझा करते हुए कहती हैं कि इस बार केवल 15 सप्ताह वाला बिग बास शो होगा, जो टीवी और डिजिटल प्लेटफार्म दोनों पर आएगा। बिग बास ओटीटी न करने का कारण यही है कि साल में दो बिग बास बहुत ज्यादा हो जाते हैं। जरूरत से ज्यादा खाना अगर परोस दिया जाए तो उसका स्वाद चला जाता है। जियोहाटस्टार पर बिग बास डेढ़ घंटे पहले नौ बजे शुरू होगा जबकि कलर्स पर साढ़े दस बजे आएगा। इसे लेकर आगे आलोक कहते हैं कि 45-50 करोड़ लोग ओटीटी और लगभग 85 करोड़ लोगों टीवी देखते हैं। जब इतना बड़ा समूह कोई कंटेंट देख रहा है तो वह केवल एक ही चीज नहीं देखता है। वह अकेले में ओटीटी और रात में खाना खाते समय परिवार के साथ टीवी देखते हैं। टीवी आज भी मनोरंजन का सबसे सस्ता माध्यम है जबकि ओटीटी पर कंटेंट देखने के लिए डाटा और अच्छा फोन चाहिए होता है। हमारे लिए चुनौती यह है कि कैसे हम अच्छा कंटेंट बनाए जो दोनों जगहों पर चले। दर्शक अलग नहीं हैं, वह अपनी सुविधा के अनुसार दोनों जगहों पर कंटेंट देख रहे हैं इसलिए दर्शकों को ध्यान में रखकर प्रयोग करना जरूरी है।

24 अगस्त से शुरू होगा बिग बास 19। फाइल

वीर से प्यार की खबरों के बीच शादी पर बोलीं तारा

इन दिनों अभिनेत्री तारा सुतारिया और अभिनेता वीर पहारिया कई मौकों पर साथ नजर आए, जिसके बाद दोनों के अफेयर की खबरों ने जोर पकड़ा। अब बिना वीर का नाम लिए प्यार और शादी पर तारा ने अपनी राय जाहिर की है। प्यार के बारे में पूछे जाने पर तारा ने कहा कि मुझे प्यार से प्यार है। इसकी तुलना किसी और अनुभव से नहीं हो सकती है। अकेले किसी ट्रिप पर जाना अच्छा है लेकिन जब आप अपने प्यार के साथ जाते हैं तो वह आपका नजरिया बदलता है। आगे शादी को लेकर जब पूछा गया कि उनके सितारे क्या कहते हैं? इस पर तारा ने कहा कि जितना प्यार आप करते हैं अगर उतना प्यार करने वाला मिले तो उससे अच्छा पार्टनर कोई नहीं हो सकता है। किसी के पीछे भागने से कुछ नहीं होता है। ब्रह्मांड आपको वही देता है जिसके आप हकदार होते हैं। मैं खुशनसीब हूं कि ब्रह्मांड को लगता है कि मैं इसकी हकदार हूं। तारा के एक्स ब्वायफ्रेंड और अभिनेता आदर जैन ने अपनी शादी के समारोह के दौरान बिना तारा का नाम लिए उन्हें टाइमपास बताया था। इस पर सीधे तौर पर तो नहीं लेकिन तारा ने कहा कि यह साल पेशेवर और निजी तौर पर कभी खुशी तो कभी गम वाला रहा है। ईश्वर की कृपा है कि मैं खुद से जुड़ी रहती हूं। समझदार हूं और खुद को सिखाया कि चीजों को लेकर कैसे प्रतिक्रिया देनी है। मैं खुद के साथ बहुत बातें करती हूं। मैं लोगों को माफ कर देती हूं लेकिन वह चीजें भूलती नहीं हूं।

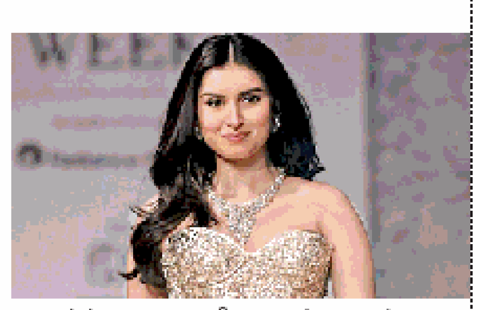

प्यार से बेहतर कुछ नहीं लगता है तारा को। फाइल

थिएटर नहीं बल्कि ओटीटी पर जान दिखाएंगे देशभक्ति का जज्बा

ईद पर सलमान खान तो क्रिसमस पर आमिर खान अपनी फिल्में अक्सर रिलीज करते आए हैं। वहीं स्वतंत्रता दिवस पर कभी अक्षय कुमार, तो कभी जान अब्राहम की फिल्में रिलीज होती आई हैं। इस बार जान अपनी फिल्म तेहरान के साथ आ तो रहे हैं लेकिन थिएटर में नहीं, डिजिटल प्लेटफार्म जी5 पर। 14 अगस्त को उनकी फिल्म तेहरान रिलीज होगी, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित काल्पनिक कहानी है और इजरायल और ईरान के बीच बढ़े वैश्विक तनाव पर आधारित है। इस जासूसी थ्रिलर में गुमनाम नायक की कहानी दिखाई जाएगी, जिसका मिशन उसी पर सवाल खड़ा करता है कि वह देश की रक्षा कर रहा है या विश्वासघात? जान कहते हैं कि यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित है। फिल्म में एसीपी राजीव कुमार की भूमिका निभाना मेरे करियर की सबसे गंभीर और परतदार भूमिकाओं में से एक है क्योंकि वह अलग किस्म का देशभक्त है। वह एक ऐसा व्यक्ति है जो अपने कर्तव्य और अपनी सोच के बीच फंसा रहता है। यही संघर्ष कहानी को दिलचस्प बनाता है। अरुण गोपालन निर्देशित इस फिल्म में जान के साथ-साथ नीरू बाजवा, मानुषी छिल्लर के अलावा मधुरिमा तुली भी अहम भूमिकाओं में हैं।

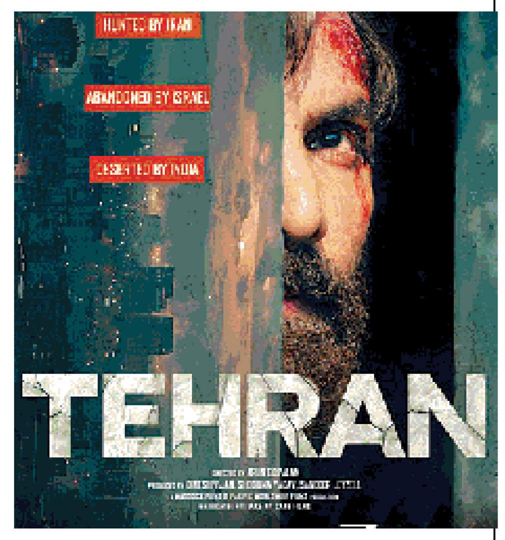

एक बार फिर देशभक्ति वाली फिल्म में दिखेंगे जान। फिल्म टीम

स्टार किड की चुनौतियों पर बोले सुनील शेट्टी

हालिया रिलीज हंटर सीजन 2 में एक्शन अवतार में दिखे हैं सुनील। फाइल

पिछले करीब तीन दशक से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय अभिनेता सुनील शेट्टी दमदार और एक्शन से भरपूर भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि कैसे इंडस्ट्री बदल गई है और क्यों अब स्टार किड्स के लिए बाहरी लोगों की तुलना में सफल होना अधिक कठिन हो गया है। सुनील ने कहा कि बच्चों को खुद को साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। पहले, यह मान लिया जाता था कि मैं इसका हिस्सा बनूंगा, मैं यहीं का हूं। आज, बच्चे जानते हैं कि उन्हें खुद को शिक्षित करने और अभिनेता के रूप में अपने अभिनय, शरीर और बाकी सब चीजों के साथ तैयार होने की जरूरत है। शेट्टी ने यह भी तर्क दिया कि इस बदलाव का एक कारण बढ़ती प्रतिस्पर्धा है लेकिन उससे भी ज्यादा दर्शकों की लगातार आलोचना है। सुनील की बेटी अथिया शेट्टी ने 2015 में हीरो फिल्म से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने तीन और फिल्में की लेकिन कोई भी सफल नहीं रही। आखिरकार उन्होंने अभिनय से दूरी बना ली। वहीं उनके बेटे अहान शेट्टी ने साल 2021 में तड़प से अपनी शुरुआत की। वह फिलहाल बार्डर 2 फिल्म में काम कर रहे हैं। वहीं सुनील हाल ही में वेब सीरीज हंटर सीजन 2 में नजर आए हैं।

****